missiongyan

Under CSR Support by ipca Foundation

कक्षा–9

सामाजिक विज्ञान

QUESTION BANK

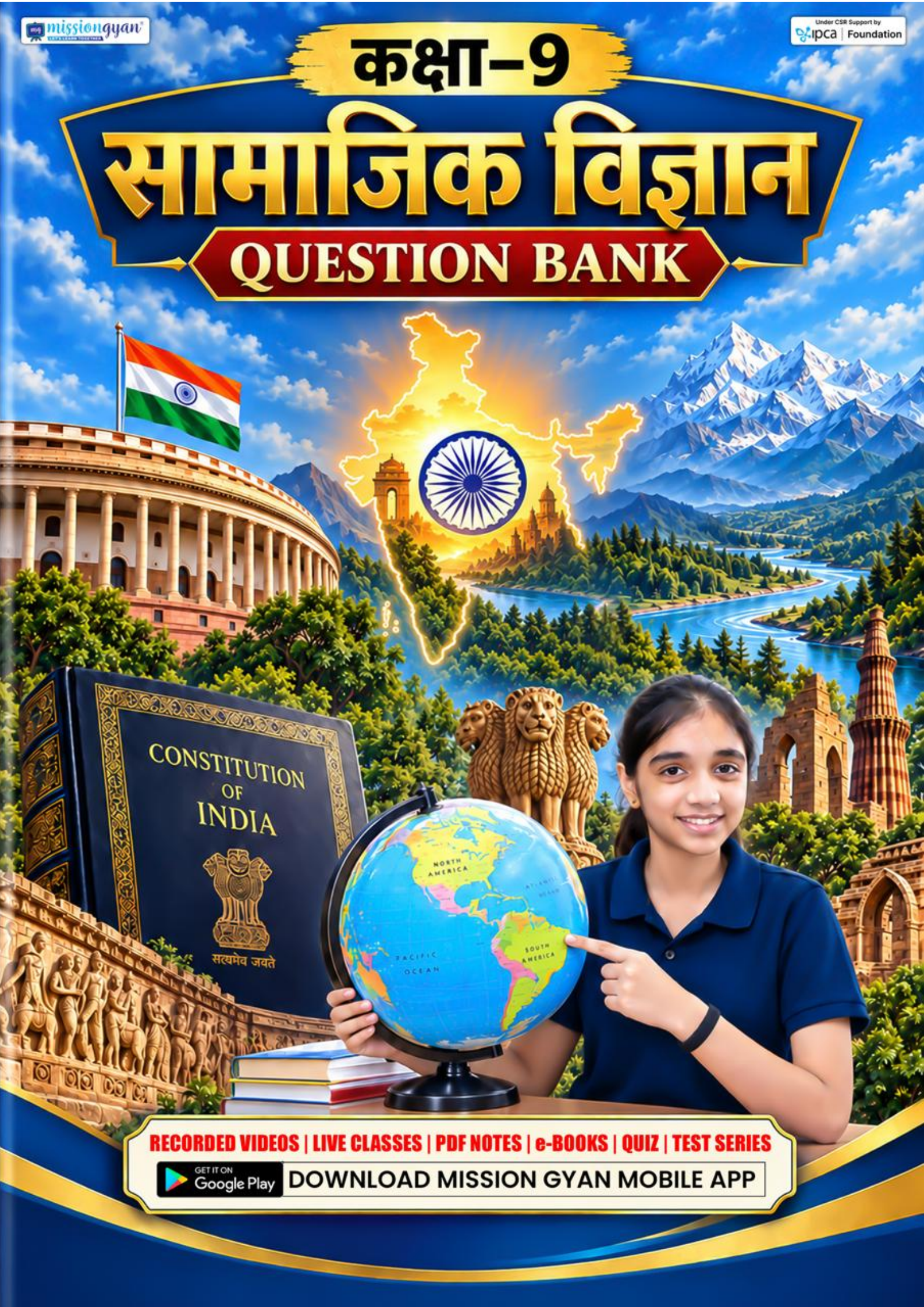

RECORDED VIDEOS | LIVE CLASSES | PDF NOTES | e-BOOKS | QUIZ | TEST SERIES

GET IT ON Google Play DOWNLOAD MISSION GYAN MOBILE APP

विषय-सूची

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
भारत और समकालीन विश्व–1 (इतिहास)		
1.	फ्रांसीसी क्रान्ति	1-8
2.	यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रांति	9-15
3.	नात्सीवाद और हिटलर का उदय	16-21
4.	वन्य–समाज और उपनिवेशवाद	22-27
5.	आधुनिक विश्व में चरवाहे	28-33
समकालीन भारत – 1 (भूगोल)		
1.	भारत–आकार और स्थिति	34-37
2.	भारत का भौतिक स्वरूप	38-43
3.	अपवाह	44-50
4.	जलवायु	51-56
5.	प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी	57-61
6.	जनसंख्या	62-64
लोकतांत्रिक राजनीति – 1 (राजनीति विज्ञान)		
1.	लोकतंत्र क्या? लोकतंत्र क्यों?	65-69
2.	संविधान निर्माण	70-77
3.	चुनावी राजनीति	78-83
4.	संस्थाओं का कामकाज	84-91
5.	लोकतांत्रिक अधिकार	92-96
अर्थशास्त्र		
1.	पालमपुर गाँव की कहानी	97-100
2.	संसाधन के रूप में लोग	101-108
3.	निर्धनता: एक चुनौति	109-115
4.	खाद्य सुरक्षा का अर्थ	116-120

भारत और समकालीन विश्व–1

(इतिहास)

1 फ़्रांसीसी क्रान्ति

अठारहवीं सदी के उत्तरार्ध में फ़्रांसीसी समाज

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. लुई XVI फ़्रांस की राजगद्दी पर किस वर्ष बैठा?
(अ) 1715 (ब) 1774
(स) 1789 (द) 1791 **(ब)**

2. लुई XVI की पत्नी मेरी एन्तोएनेत किस देश की राजकुमारी थी?
(अ) ब्रिटेन (ब) रूस
(स) ऑस्ट्रिया (द) प्रशा **(स)**

3. निम्नलिखित में से किन वस्तुओं पर अप्रत्यक्ष कर लगाया जाता था?
(अ) नमक और तम्बाकू
(ब) गेहूँ और चावल
(स) ऊन और रेशम
(द) फल और सब्जियाँ **(अ)**

4. सन् 1789 में फ़्रांस की जनसंख्या लगभग कितनी हो गई थी?
(अ) 2.3 करोड़ (ब) 2.8 करोड़
(स) 3.5 करोड (द) 4 करोड़ **(ब)**

5. अधिकांश फ़्रांसीसी लोगों का मुख्य खाद्य पदार्थ क्या था?
(अ) मांस (ब) चावल
(स) पावरोटी (द) आलू **(स)**

6. अठारहवीं सदी के नए मध्य वर्ग ने मुख्यतः किसके माध्यम से संपत्ति अर्जित की?
(अ) केवल कृषि से
(ब) समुद्रपारीय व्यापार और वस्त्र उत्पादन से
(स) सामंती करों से
(द) धार्मिक करों से **(ब)**

7. 'द स्पिरिट ऑफ़ द लॉज़' नामक पुस्तक के लेखक कौन थे?
(अ) जॉन लॉक (ब) रूसो
(स) मॉन्तेस्क्यू (द) दान्तन **(स)**

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. 'प्राचीन राजतंत्र' से क्या अभिप्राय है?
उत्तर : सन् 1789 से पहले के फ़्रांसीसी समाज और उसकी संस्थाओं को प्राचीन राजतंत्र कहा जाता है।

2. लिव्रे क्या था?
उत्तर : लिव्रे फ़्रांस की मुद्रा थी, जिसे सन् 1794 में समाप्त कर दिया गया।

3. 'एस्टेट' का क्या अर्थ था?
उत्तर : क्रांति–पूर्व फ़रांसीसी समाज में सत्ता और सामाजिक हैसियत को व्यक्त करने वाली श्रेणी को एस्टेट कहा जाता था।

4. पादरी वर्ग से क्या अभिप्राय है?
उत्तर : चर्च के विशेष कार्यों को करने वाले व्यक्तियों का समूह पादरी वर्ग कहलाता था।

5. जीविका संकट किसे कहते हैं?
उत्तर : ऐसी चरम स्थिति, जिसमें जीवित रहने के न्यूनतम साधन भी खतरे में पड़ जाएँ, जीविका संकट कहलाती है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. फ़्रांस में भूमि का असमान वितरण किस प्रकार सामाजिक असमानता को प्रकट करता था?
उत्तर :
- फ़्रांस की लगभग 90 प्रतिशत आबादी किसान थी, पर बहुत कम किसानों के पास अपनी भूमि थी।
- लगभग 60 प्रतिशत भूमि कुलीनों, चर्च और तीसरे एस्टेट के अमीरों के अधिकार में थी।
- इस कारण अधिकांश किसान आर्थिक रूप से निर्भर और शोषित थे।

2. आर्थर यंग ने विशेषाधिकार प्राप्त वर्गों को किस खतरे के प्रति सावधान किया था?
उत्तर :
- गरीबों और आश्रितों पर अत्याचार से उनका असंतोष हिंसक विद्रोह में बदल सकता था।
- उन्होंने पीड़ित जनता की कठिनाइयों की उपेक्षा करने वाले संपन्न वर्गों की आलोचना की।

3. अमेरिकी संविधान फ़्रांसीसी राजनीतिक चिंतकों के लिए प्रेरणा का स्रोत क्यों बना?
उत्तर :
- अमेरिका के 13 उपनिवेशों में मॉन्तेस्क्यू के सत्ता–विभाजन के मॉडल पर सरकार बनी थी।
- अमेरिकी संविधान में व्यक्तिगत अधिकारों की गारंटी दी गई थी।
- इसी कारण वह फ़्रांसीसी राजनीतिक चिंतकों के लिए प्रेरणा बना।

4. दार्शनिकों के विचार अशिक्षित लोगों तक किस प्रकार पहुँचते थे?

उत्तर :
- पुस्तकों और अखबारों से विचारों का प्रचार–प्रसार हुआ।
- कॉफ़ी हाउसों और सैलॉन की गोष्ठियों में इन पर बहस होती थी।
- पुस्तकें और अखबार जोर से पढ़े जाते थे, जिससे अशिक्षित लोग भी विचार समझते थे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. फ़्रांस में क्रांति की शुरुआत के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और वैचारिक कारणों का वर्णन कीजिए।

उत्तर : सामाजिक कारण –
- फ़्रांसीसी समाज तीन एस्टेट्स में विभाजित था।
- प्रथम और द्वितीय एस्टेट को जन्म के आधार पर विशेषाधिकार और करों से छूट प्राप्त थी।
- तीसरे एस्टेट पर सरकारी करों और सामंती सेवाओं का बोझ था।
- सामाजिक हैसियत योग्यता के बजाय जन्म पर आधारित थी।

आर्थिक कारण –
- लंबे युद्धों से फ़्रांस के वित्तीय संसाधन नष्ट हो गए।
- वर्साय के महल और राजदरबार की शानो–शौकत पर अत्यधिक धन खर्च हुआ।
- अमेरिकी उपनिवेशों की सहायता से दस अरब लिव्रे से अधिक अतिरिक्त कर्ज चढ़ा।
- कर्ज और ब्याज बढ़ने से सरकार को कर बढ़ाने पड़े।

जीविका संबंधी कारण –
- जनसंख्या बढ़ने से अनाज की माँग उत्पादन से अधिक बढ़ी।
- पावरोटी की कीमत बढ़ी, जबकि मजदूरी उसी अनुपात में नहीं बढ़ी।
- सूखे या ओले से फसल खराब होने पर अन्नाभाव और जीविका संकट पैदा होता था।

राजनीतिक कारण –
- नए करों के लिए राजा को एस्टेट्स जेनराल की स्वीकृति चाहिए थी।
- प्रत्येक एस्टेट को केवल एक मत मिलता था।
- तीसरे एस्टेट ने प्रत्येक प्रतिनिधि को एक मत देने की माँग की।
- राजा ने यह माँग अस्वीकार कर दी।

वैचारिक कारण –
- जॉन लॉक ने राजा के दैवी और निरंकुश अधिकारों का विरोध किया।
- रूसो ने सामाजिक अनुबंध पर आधारित सरकार का विचार दिया।
- मॉन्तेस्क्यू ने विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में सत्ता–विभाजन बताया।
- इन विचारों से स्वतंत्रता, समान अवसर और जन्मना विशेषाधिकारों के अंत की माँग मजबूत हुई।

क्रांति की शुरुआत

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. सन् 1789 से पहले एस्टेट्स जेनराल की अंतिम बैठक कब हुई थी?
(अ) 1614 (ब) 1715
(स) 1774 (द) 1787 **(अ)**

2. लुई XVI ने 5 मई 1789 को एस्टेट्स जेनराल की बैठक किस उद्देश्य से बुलाई थी?
(अ) युद्ध की घोषणा करने के लिए
(ब) नए करों के प्रस्ताव को स्वीकृति दिलाने के लिए
(स) गणतंत्र स्थापित करने के लिए
(द) दास–प्रथा समाप्त करने के लिए **(ब)**

3. तीसरे एस्टेट ने एस्टेट्स जेनराल की बैठक में कितने प्रतिनिधि भेजे थे?
(अ) 300 (ब) 400
(स) 600 (द) 745 **(स)**

4. टेनिस कोर्ट शपथ कब ली गई थी?
(अ) 5 मई 1789 (ब) 20 जून 1789
(स) 14 जुलाई 1789 (द) 4 अगस्त 1789 **(ब)**

5. बास्तील पर आक्रमण के बाद कितने कैदियों को मुक्त कराया गया था?
(अ) पाँच (ब) सात
(स) दस (द) बीस **(ब)**

6. चर्च की भूमि जब्त करने से लगभग कितनी संपत्ति सरकार के हाथ में आई?
(अ) 2 अरब लिव्रे (ब) 10 अरब लिव्रे
(स) 20 अरब लिव्रे (द) 40 अरब लिव्रे **(स)**

7. सन् 1791 के संविधान के अंतर्गत नैशनल असेंबली में कितने सदस्य थे?
(अ) 300 (ब) 600
(स) 745 (द) 1000 **(स)**

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. बास्तील जनता की घृणा का केंद्र क्यों था?
उत्तर : बास्तील सम्राट की निरंकुश शक्तियों का प्रतीक था।

2. आबे सिए की प्रसिद्ध प्रचार–पुस्तिका का नाम क्या था?
उत्तर : व्हाट इज़ द थर्ड एस्टेट।

3. सक्रिय नागरिक कौन थे?

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

उत्तर : 25 वर्ष से अधिक आयु के वे पुरुष, जो कम–से–कम तीन दिन की मजदूरी के बराबर कर देते थे, सक्रिय नागरिक कहलाते थे।

4. आबे सिए मूलतः किस वर्ग से संबंधित था?

उत्तर : आबे सिए मूलतः पादरी वर्ग से संबंधित था।

5. राजदंड किसका प्रतीक था?

उत्तर : राजदंड शाही सत्ता का प्रतीक था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. एस्टेट्स जेनराल में मतदान को लेकर तीसरे एस्टेट का विवाद क्या था?

उत्तर :
- पुरानी व्यवस्था में प्रत्येक एस्टेट को केवल एक मत मिलता था।
- प्रथम और द्वितीय एस्टेट मिलकर तीसरे एस्टेट की माँग को अस्वीकार कर सकते थे।
- तीसरे एस्टेट ने प्रत्येक प्रतिनिधि को एक मत देने की माँग की, जिसे राजा ने अस्वीकार कर दिया।

2. टेनिस कोर्ट शपथ का उद्देश्य क्या था?

उत्तर :
- तीसरे एस्टेट के प्रतिनिधियों ने स्वयं को नैशनल असेंबली घोषित किया।
- उन्होंने राजा की शक्तियाँ सीमित करने वाला संविधान बनाने का संकल्प लिया।
- संविधान बनने तक असेंबली को भंग न करने की शपथ ली।

3. देहाती क्षेत्रों में फैली 'भय की लहर' के क्या परिणाम हुए?

उत्तर :
- किसानों ने ग्रामीण किलों पर आक्रमण कर अन्न भंडार लूटे।
- लगान से जुड़े दस्तावेज जला दिए गए।
- अनेक कुलीन जागीरें छोड़कर भागे और पड़ोसी देशों में शरण ली।

4. 4 अगस्त 1789 की रात नैशनल असेंबली ने कौन–से महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए?

उत्तर :
- करों, कर्तव्यों और बंधनों वाली सामंती व्यवस्था समाप्त की गई।
- पादरी वर्ग को विशेषाधिकार छोड़ने पड़े।
- धार्मिक कर समाप्त किया गया।
- चर्च की भूमि जब्त कर ली गई।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. सन् 1791 के संविधान ने फ्रांस को संवैधानिक राजतंत्र में किस प्रकार परिवर्तित किया?

उत्तर :
- राजा की शक्तियाँ सीमित की गईं।
- शासन की शक्तियाँ विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में बाँटी गईं।
- कानून बनाने का अधिकार नैशनल असेंबली को मिला।
- नैशनल असेंबली का चुनाव अप्रत्यक्ष रूप से होता था।
- नागरिक निर्वाचकों को और निर्वाचक असेंबली के सदस्यों को चुनते थे।
- न्यायाधीश मतदान द्वारा चुने जाते थे।
- राजा कार्यपालिका का भाग रहा, पर विधायिका के नियंत्रण में था।

इस प्रकार निरंकुश राजतंत्र के स्थान पर संवैधानिक राजतंत्र स्थापित हुआ।

Trick

"राजा बँधा, शक्ति बँटी,
सभा चुनी, न्याय मिला।"

- राजा बँधा ⟶ राजा की शक्तियाँ सीमित हुईं।
- शक्ति बँटी ⟶ शक्ति तीन अंगों में विभाजित हुई।
- सभा चुनी ⟶ नैशनल असेंबली का चुनाव हुआ।
- न्याय मिला ⟶ न्यायाधीश मतदान से चुने गए।

2. 'पुरुष एवं नागरिक अधिकार घोषणापत्र' और सन् 1791 की वास्तविक राजनीतिक व्यवस्था में क्या अंतर्विरोध था?

उत्तर :
- घोषणापत्र में मनुष्य को जन्म से स्वतंत्र और अधिकारों में समान माना गया।
- कानून को सामान्य इच्छा की अभिव्यक्ति और कानून निर्माण में नागरिक भागीदारी की बात कही गई।
- पर संविधान ने मताधिकार केवल निश्चित आयु और निर्धारित कर देने वाले पुरुषों को दिया।
- महिलाएँ, 25 वर्ष से कम आयु के लोग और अनेक गरीब पुरुष मताधिकार से वंचित रहे।
- इस प्रकार घोषित समानता और वास्तविक राजनीतिक भागीदारी में अंतर था।
- मरा ने भी अमीरों को जनता का प्रतिनिधित्व सौंपने की आलोचना की।

फ्रांस में राजतंत्र का उन्मूलन और गणतंत्र की स्थापना

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. फ्रांस ने प्रशा और ऑस्ट्रिया के विरुद्ध युद्ध कब घोषित किया?

(अ) अप्रैल 1792 (ब) सितंबर 1792
(स) जनवरी 1793 (द) जुलाई 1794 **(अ)**

2. 'मार्सिले' गीत की रचना किसने की थी?

(अ) मिराब्यो (ब) रॉजेट दि लाइल
(स) रोबेस्पेयर (द) मरा **(ब)**

3. जैकोबिन क्लब का नाम किस स्थान के नाम पर पड़ा था?

(अ) वर्साय के राजमहल
(ब) बास्तील के किले
(स) कॉन्वेंट ऑफ़ सेंट जेकब
(द) ट्यूलेरिए महल **(स)**

4. जैकोबिन क्लब के सदस्य मुख्यतः किस सामाजिक वर्ग से आते थे?

(अ) कुलीन और पादरी
(ब) कम समृद्ध वर्ग
(स) केवल बड़े व्यापारी
(द) विदेशी शासक **(ब)**

5. सन् 1792 के चुनाव में मतदान का अधिकार किसे दिया गया?

(अ) केवल संपन्न पुरुषों को
(ब) 25 वर्ष से अधिक आयु के करदाताओं को
(स) 21 वर्ष से अधिक आयु के सभी पुरुषों को
(द) सभी पुरुषों और महिलाओं को **(स)**

6. लुई XVI को सार्वजनिक रूप से कहाँ फाँसी दी गई थी?

(अ) वर्साय
(ब) बास्तील
(स) प्लेस डी लॉ कॉन्कॉर्ड
(द) मार्सिले **(स)**

7. डिरेक्ट्री की नियुक्ति किसने की थी?

(अ) राजा ने (ब) दो चुनी हुई विधान परिषदों ने
(स) चर्च ने (द) जैकोबिन क्लब ने **(ब)**

8. नेपोलियन की अंतिम हार कब हुई?

(अ) 1794 (ब) 1804
(स) 1815 (द) 1848 **(स)**

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. गणतंत्र क्या है?

उत्तर : गणतंत्र ऐसी शासन–व्यवस्था है जिसमें सरकार और उसके प्रमुख का चुनाव जनता करती है तथा पद वंशानुगत नहीं होता।

2. देशद्रोह का क्या अर्थ है?

उत्तर : अपने देश या सरकार से विश्वासघात करना देशद्रोह कहलाता है।

3. गिलोटिन क्या था?

उत्तर : गिलोटिन दो खंभों के बीच लटकते आरे वाली ऐसी मशीन थी, जिससे अपराधी का सिर धड़ से अलग किया जाता था।

4. सितोयेन और सितोयीन का क्या अर्थ था?

उत्तर : सितोयेन का अर्थ नागरिक और सितोयीन का अर्थ नागरिका था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. क्रांतिकारी युद्धों का सामान्य जनता और महिलाओं पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर :
- जनता को भारी क्षति और आर्थिक कठिनाइयाँ झेलनी पड़ीं।
- अनेक पुरुष युद्ध के मोर्चे पर चले गए।
- घर–परिवार और रोजी–रोटी की जिम्मेदारी महिलाओं पर आ गई।
- आबादी के बड़े हिस्से ने क्रांति को आगे बढ़ाने की आवश्यकता महसूस की।

2. जैकोबिनों ने कुलीनों से अलग प्रकार की वेशभूषा क्यों अपनाई?

उत्तर :
- कुलीन घुटने तक की ब्रीचेस पहनते थे।
- जैकोबिनों ने लंबी धारीदार पतलून पहनकर स्वयं को उनसे अलग दिखाया।
- यह कुलीनों की सत्ता समाप्त होने का संकेत था।
- इसी कारण उन्हें 'सौं कुलॉत' कहा गया।

3. रोबेस्पेयर का शासन 'आतंक राज' क्यों कहलाया?

उत्तर :
- गणतंत्र के शत्रु माने गए कुलीनों, पादरियों, राजनीतिक विरोधियों और असहमत लोगों को गिरफ्तार किया गया।
- क्रांतिकारी न्यायालयों में मुकदमे चलाकर दोषियों को गिलोटिन से मृत्युदंड दिया गया।
- कठोर नियंत्रण और दंड की नीति के कारण उसका शासन 'आतंक राज' कहलाया।

4. क्रांतिकारी सरकार ने जनता की वफ़ादारी प्राप्त करने के लिए उत्सवों का उपयोग किस प्रकार किया?

उत्तर :
- सरकार ने जनता की वफ़ादारी के लिए सार्वजनिक उत्सव आयोजित किए।
- इनमें गौरवमय इतिहास दिखाने के लिए प्राचीन यूनान और रोम के प्रतीकों का प्रयोग हुआ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. सन् 1792 में फ्रांस में राजतंत्र समाप्त होकर गणतंत्र की स्थापना किस प्रकार हुई?

उत्तर :
- खाद्य पदार्थों की महँगाई और अभाव से पेरिस की जनता असंतुष्ट थी।
- जैकोबिनों ने नाराज पेरिसवासियों के साथ हिंसक विद्रोह की योजना बनाई।
- 10 अगस्त को विद्रोहियों ने ट्यूलेरिए महल पर आक्रमण किया।

जहाँ चाह, वहाँ राह!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

- राजा के रक्षक मारे गए और राजा को बंधक बनाया गया।
- असेंबली ने शाही परिवार को जेल में डालने का प्रस्ताव पारित किया।
- नए चुनावों के बाद बनी असेंबली को कन्वेंशन कहा गया।
- 21 सितंबर 1792 को राजतंत्र समाप्त कर फ्रांस को गणतंत्र घोषित किया गया।
- लुई XVI को 21 जनवरी 1793 और बाद में मेरी एन्तोएनेत को फाँसी दी गई।

2. आतंक राज के दौरान रोबेस्प्येर की सामाजिक–आर्थिक नीतियों और उसके पतन का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- मजदूरी और वस्तुओं की कीमतों की अधिकतम सीमा तय की गई।
- गोश्त और पावरोटी की राशनिंग की गई।
- किसानों को सरकारी कीमत पर शहरों में अनाज बेचने के लिए बाध्य किया गया।
- महँगे सफेद आटे पर रोक लगाकर 'समता रोटी' अनिवार्य की गई।
- मॉन्स्यूर और मदाम की जगह सितोयेन और सितोयीन संबोधन अपनाए गए।
- चर्च बंद कर उनके भवन बैरक या दफ्तर बनाए गए।
- नीतियों की कठोरता से उसके समर्थक भी परेशान हो गए।
- जुलाई 1794 में उसे दोषी ठहराकर अगले दिन गिलोटिन पर चढ़ा दिया गया।

3. स्वतंत्रता के विषय में कैमिल डेस्मॉलिन्स और रोबेस्प्येर के विचारों की तुलना कीजिए।

उत्तर : कैमिल डेस्मॉलिन्स का विचार –
- स्वतंत्रता को सुख–शांति, विवेक, समानता और न्याय से जोड़ता था।
- विरोधियों को बड़ी संख्या में मृत्युदंड देना मूर्खतापूर्ण मानता था।
- राज्य द्वारा अत्यधिक हिंसा का विरोध करता था।

रोबेस्प्येर का विचार –
- गणतंत्र के घरेलू और बाहरी शत्रुओं का विनाश आवश्यक मानता था।
- क्रांति के समय लोकतांत्रिक सरकार द्वारा आतंक के प्रयोग को उचित मानता था।
- आतंक को कठोर, त्वरित और अनम्य न्याय समझता था।

निष्कर्ष –

डेस्मॉलिन्स शांति, समानता और न्याय का समर्थक था, जबकि रोबेस्प्येर गणतंत्र की रक्षा के लिए कठोर दंड और आतंक को आवश्यक मानता था।

4. डिरेक्ट्री की राजनीतिक अस्थिरता ने नेपोलियन के उदय का मार्ग किस प्रकार प्रशस्त किया?

उत्तर :
- जैकोबिन सरकार के पतन के बाद संपन्न मध्य वर्ग सत्ता में आया।
- नए संविधान ने सम्पत्तिहीन लोगों को मताधिकार से वंचित किया।
- दो चुनी हुई विधान परिषदों ने पाँच सदस्यों वाली डिरेक्ट्री नियुक्त की।
- डिरेक्टरों और विधान परिषदों में लगातार झगड़े होते थे।
- इसी राजनीतिक अस्थिरता से नेपोलियन बोनापार्ट के उदय का मार्ग खुला।
- सन् 1804 में उसने स्वयं को फ्रांस का सम्राट घोषित किया।

क्या महिलाओं के लिए भी क्रांति हुई?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. फ्रांस के विभिन्न नगरों में महिलाओं के लगभग कितने राजनीतिक क्लब बने थे?

(अ) 20 (ब) 40
(स) 60 (द) 100 **(स)**

2. फ्रांस की महिलाओं ने मताधिकार किस वर्ष प्राप्त किया?

(अ) 1791 (ब) 1794
(स) 1848 (द) 1946 **(द)**

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. महिलाओं के सबसे प्रसिद्ध राजनीतिक क्लब का नाम क्या था?

उत्तर : 'द सोसाइटी ऑफ़ रेवलूशनरी एंड रिपब्लिकन विमेन।'

2. ओलम्प दे गूज ने अपना घोषणापत्र किनके पास भेजा था?

उत्तर : उन्होंने अपना घोषणापत्र महारानी और नैशनल असेंबली के सदस्यों के पास भेजा था।

3. ओलम्प दे गूज पर कौन–सा आरोप लगाया गया था?

उत्तर : उन पर देशद्रोह का आरोप लगाया गया था।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. तीसरे एस्टेट की महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक स्थिति कैसी थी?

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

उत्तर :
- अधिकांश महिलाएँ जीविका के लिए काम करती थीं।
- वे सिलाई–बुनाई, कपड़े धोने, वस्तुएँ बेचने और घरेलू काम करती थीं।
- उन्हें शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण के अवसर कम मिलते थे।
- उनकी मजदूरी पुरुषों से कम थी।
- रोजगार के साथ घर और बच्चों की जिम्मेदारी भी निभाती थीं।

2. क्रांतिकारी सरकार ने महिलाओं के जीवन में सुधार के लिए कौन–से कदम उठाए?

उत्तर :
- सरकारी विद्यालय खोले गए और लड़कियों की शिक्षा अनिवार्य की गई।
- लड़कियों को इच्छा के विरुद्ध विवाह के लिए बाध्य करना रोक दिया गया।
- विवाह को स्वैच्छिक अनुबंध मानकर नागरिक कानूनों के अंतर्गत पंजीकृत किया गया।
- तलाक को कानूनी मान्यता दी गई और दोनों को अर्जी देने का अधिकार मिला।
- महिलाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण, कला और छोटे व्यवसाय के अवसर मिले।

3. आतंक राज के दौरान महिलाओं की राजनीतिक गतिविधियों पर क्या प्रतिबंध लगाए गए?

उत्तर :
- महिला राजनीतिक क्लब बंद कर दिए गए।
- महिलाओं की राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया गया।
- अनेक प्रसिद्ध महिलाएँ गिरफ्तार हुईं और कुछ को फाँसी दी गई।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. ओलम्प दे गूज के 'महिला एवं नागरिक अधिकार घोषणापत्र' की 'पुरुष एवं नागरिक अधिकार घोषणापत्र' से तुलना कीजिए।

उत्तर :
- पुरुष घोषणापत्र में स्वतंत्रता और समानता थी, पर महिलाओं को राजनीतिक अधिकार नहीं मिले।
- ओलम्प दे गूज ने महिला को जन्म से स्वतंत्र और पुरुष के समान अधिकार वाला बताया।
- उन्होंने महिलाओं के लिए स्वतंत्रता, संपत्ति, सुरक्षा और शोषण के विरोध का अधिकार माँगा।
- उनके अनुसार राष्ट्र पुरुषों और महिलाओं के संघ से बनता है।
- महिलाओं को भी कानून निर्माण, सम्मान और सार्वजनिक पदों में समान भागीदारी मिलनी चाहिए।
- समान कठोर कानून लागू होने के कारण महिलाओं को समान राजनीतिक अधिकार भी मिलने चाहिए।
- उन्होंने महिलाओं को मूलभूत और राजनीतिक अधिकारों से वंचित रखने का विरोध किया।

दास–प्रथा का उन्मूलन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका के बीच दास–व्यापार किस शताब्दी में आरम्भ हुआ था?

(अ) पंद्रहवीं शताब्दी (ब) सोलहवीं शताब्दी
(स) सत्रहवीं शताब्दी (द) उन्नीसवीं शताब्दी **(स)**

2. निम्नलिखित में से कौन–सा फ्रॉंसीसी कैरिबिआई उपनिवेश नहीं था?

(अ) मार्टिनिक (ब) गॉडेलोप
(स) सैन डोमिंगो (द) वर्साय **(द)**

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. दास–व्यापार से समृद्ध हुए दो फ़्रांसीसी बंदरगाहों के नाम लिखिए।

उत्तर : बोर्दे और नान्ते।

2. कैरिबिआई बागानों में श्रमिकों की कमी क्यों थी?

उत्तर : यूरोपीय लोग अपरिचित और दूर देशों में जाकर काम करने के इच्छुक नहीं थे।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. अफ्रीकी दासों को कैरिबिआई उपनिवेशों तक किस स्थिति में पहुँचाया जाता था?

उत्तर :
- फ्रांसीसी व्यापारी अफ़्रीकी सरदारों से दास खरीदते थे।
- दासों को दागकर हथकड़ियाँ पहनाई जाती थीं।
- उन्हें जहाजों में ठूँसकर लगभग तीन महीने की समुद्री यात्रा कराई जाती थी।
- कैरिबिआई उपनिवेशों में उन्हें बागान मालिकों को बेच दिया जाता था।

2. बोर्दे और नान्ते जैसे बंदरगाह दास–व्यापार के कारण समृद्ध क्यों हुए?

उत्तर :
- व्यापारी इन बंदरगाहों से अफ्रीका जाकर दास खरीदते थे।
- दासों को कैरिबिआई बागान मालिकों को बेचा जाता था।
- दास–श्रम से चीनी, कॉफ़ी, तम्बाकू और नील की माँग पूरी हुई।
- फलते–फूलते दास–व्यापार से बोर्दे और नान्ते समृद्ध नगर बने।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. फ़्रांसीसी उपनिवेशों में दास–व्यापार तथा दास–प्रथा के उन्मूलन का वर्णन कीजिए।

पढ़ना है तो कहीं भी पढ़ो, जैसे चाहे, जहाँ चाहे, जैसे चाहें

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

उत्तर :
- मार्टिनिक, गॉडेलोप और सैन डोमिंगो तम्बाकू, नील, चीनी और कॉफ़ी के प्रमुख आपूर्तिकर्ता थे।
- बागानों में श्रमिकों की कमी अफ़्रीकी दासों से पूरी की गई।
- यूरोप, अफ़्रीका और अमेरिका के बीच त्रिकोणीय दास–व्यापार विकसित हुआ।
- फ़्रांसीसी व्यापारी दास खरीदकर कैरिबिआई बागान मालिकों को बेचते थे।
- दास–श्रम से यूरोपीय बाजारों की बढ़ती माँग पूरी हुई।
- व्यापारियों के विरोध के भय से नैशनल असेंबली ने दास–प्रथा समाप्त नहीं की।
- सन् 1794 में कन्वेंशन ने सभी दासों की मुक्ति का कानून बनाया।
- दस वर्ष बाद नेपोलियन ने दास–प्रथा फिर शुरू कर दी।
- अंततः सन् 1848 में फ़्रांसीसी उपनिवेशों में दास–प्रथा पूरी तरह समाप्त हुई।

क्रांति और रोजमर्रा की जिंदगी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. बास्तील के विध्वंस के बाद सन् 1789 की गर्मियों में कौन–सा महत्त्वपूर्ण कानून लागू हुआ?

(अ) दास–प्रथा की पुनः स्थापना
(ब) सेंसरशिप की समाप्ति
(स) राजतंत्र की पुनः स्थापना
(द) महिला क्लबों पर प्रतिबंध **(ब)**

2. प्रेस की स्वतंत्रता का प्रमुख परिणाम क्या था?

(अ) केवल सरकारी विचार छपते थे
(ब) विरोधी विचार व्यक्त किए जा सकते थे
(स) सभी पुस्तकें प्रतिबंधित हो गईं
(द) समाचार केवल शहरों तक सीमित रहे **(ब)**

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. सेंसरशिप से क्या अभिप्राय है?

उत्तर : प्रकाशित या मंचित सामग्री की पहले राजा के सेंसर अधिकारियों द्वारा जाँच और अनुमति की व्यवस्था सेंसरशिप कहलाती है।

2. क्रांति से पहले राजनीतिक और दार्शनिक पुस्तकों को समझना सामान्य जनता के लिए कठिन क्यों था?

उत्तर : क्योंकि किताबें पढ़ना केवल मुट्ठी भर शिक्षित लोगों के लिए ही संभव था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. नाटक, संगीत और उत्सवी जुलूस राजनीतिक विचारों के प्रसार के प्रभावी माध्यम क्यों बने?

उत्तर :
- बड़ी संख्या में लोग इन गतिविधियों में भाग लेते थे।
- इनसे स्वतंत्रता और न्याय के विचार जनता तक पहुँचे।
- किताबें न पढ़ पाने वाले लोग भी राजनीतिक और दार्शनिक विचार समझ सके।

2. क्रांति ने लोगों की वेशभूषा और संबोधन में क्या परिवर्तन किए?

उत्तर :
- जैकोबिनों ने कुलीनों से अलग दिखने के लिए धारीदार लंबी पतलून पहनी।
- सौं कुलॉत पुरुष स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में लाल टोपी पहनते थे।
- मॉन्स्यूर और मदाम की जगह सितोयेन और सितोयीन कहा जाने लगा।
- इन परिवर्तनों से समानता का व्यवहार लागू करने का प्रयास हुआ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. फ़्रांसीसी क्रांति ने रोजमर्रा के जीवन और संचार के साधनों में क्या परिवर्तन किए?

उत्तर :
- स्वतंत्रता और समानता के आदर्श रोजमर्रा के जीवन में लागू किए गए।
- लिखित सामग्री और सांस्कृतिक गतिविधियों पर सेंसरशिप समाप्त हुई।
- भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नैसर्गिक अधिकार माना गया।
- अखबारों, पर्चों, पुस्तकों और छपी तस्वीरों का तेजी से प्रसार हुआ।
- शहरों की सामग्री गाँवों तक पहुँची और घटनाओं पर अलग–अलग विचार छपने लगे।
- विभिन्न पक्षों ने प्रिंट माध्यम से जनता को प्रभावित किया।
- नाटक, संगीत और जुलूस स्वतंत्रता व न्याय के विचारों के लोकप्रिय माध्यम बने।
- वेशभूषा और संबोधन में समानता से जुड़े परिवर्तन हुए।

2. फ़्रांसीसी क्रांति की प्रमुख विरासतों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- स्वतंत्रता और जनवादी अधिकार इसके सबसे महत्त्वपूर्ण विचार थे।
- स्वतंत्रता, विधिसम्मत समानता और बंधुत्व राजनीतिक आंदोलनों के आदर्श बने।

पढ़ें जहाँ चाहें, जहाँ चाहें पढ़ें!

- ये विचार उन्नीसवीं सदी में यूरोप के अन्य भागों तक फैले।
- इनसे सामंती व्यवस्था के विनाश और औपनिवेशिक समाजों की मुक्ति को प्रेरणा मिली।
- टीपू सुल्तान और राजा राममोहन रॉय भी इन विचारों से प्रेरित हुए।

3. नेपोलियन ने यूरोप में आधुनिक परिवर्तन किए, फिर भी लोग उसे हमलावर क्यों मानने लगे?

उत्तर :
- सन् 1804 में नेपोलियन ने स्वयं को फ़्रांस का सम्राट बनाया।
- उसने पड़ोसी यूरोपीय देशों पर विजय अभियान चलाया।
- पुराने राजवंश हटाकर नए साम्राज्य बनाए और शासन अपने परिवार को सौंपा।
- उसने निजी संपत्ति की सुरक्षा के कानून और समान नाप–तौल प्रणाली लागू की।
- प्रारम्भ में लोग उसे मुक्तिदाता मानते थे और स्वतंत्रता की आशा रखते थे।
- बाद में उसकी सेनाओं को हमलावर माना जाने लगा।
- सन् 1815 में वॉटरलू के युद्ध में उसकी हार हुई।

2 यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रांति

सामाजिक परिवर्तन का युग

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. उदारवादी किस प्रकार की सरकार के पक्ष में थे?
(अ) निरंकुश राजशाही
(ब) सैनिक शासन
(स) प्रतिनिधित्व पर आधारित निर्वाचित सरकार
(द) धार्मिक शासन **(स)**

2. उदारवादी किस प्रकार के राष्ट्र की स्थापना करना चाहते थे?
(अ) जिसमें केवल एक धर्म को मान्यता मिले
(ब) जिसमें सभी धर्मों को बराबर सम्मान और स्थान मिले
(स) जिसमें राजा की सत्ता अनियंत्रित हो
(द) जिसमें केवल कुलीन वर्ग को अधिकार मिले **(ब)**

3. रैडिकल किस प्रकार की सरकार के पक्ष में थे?
(अ) राजशाही पर आधारित सरकार
(ब) चर्च द्वारा नियंत्रित सरकार
(स) बहुसंख्यक आबादी के समर्थन पर आधारित सरकार
(द) केवल संपत्तिधारियों द्वारा चुनी गई सरकार **(स)**

4. उन्नीसवीं सदी तक रूढ़िवादियों के विचारों में क्या परिवर्तन आया?
(अ) वे सभी प्रकार के बदलाव का समर्थन करने लगे।
(ब) वे राजशाही समाप्त करना चाहते थे।
(स) वे महिलाओं को मताधिकार देना चाहते थे।
(द) वे धीमे बदलाव और अतीत के सम्मान के पक्षधर हो गए। **(द)**

5. रैडिकल मुख्य रूप से किस बात का विरोध करते थे?
(अ) प्रत्येक प्रकार की निजी संपत्ति का
(ब) कुछ लोगों के हाथों में संपत्ति के अत्यधिक संकेंद्रण का
(स) औद्योगिक उत्पादन का
(द) निर्वाचित सरकार का **(ब)**

6. 'न्यू हार्मनी' नामक समुदाय स्थापित करने का प्रयास किसने किया?
(अ) कार्ल मार्क्स (ब) रॉबर्ट ओवेन
(स) लुई ब्लांक (द) फ्रेडरिक एंगेल्स **(ब)**

7. निम्नलिखित में से असंगत नाम चुनिए।
(अ) कार्ल मार्क्स (ब) फ्रेडरिक एंगेल्स
(स) रॉबर्ट ओवेन (द) गिसेप्पे मेज़िनी **(द)**

रिक्तस्थान –

1. फ्रांस में सरकार द्वारा सामूहिक उद्यमों को प्रोत्साहन देने का सुझाव ..... ने दिया था।
उत्तर : लुई ब्लांक

2. समाजवादियों ने अपने प्रयासों में समन्वय स्थापित करने के लिए ..... नामक अंतर्राष्ट्रीय संस्था बनाई।
उत्तर : द्वितीय इंटरनैशनल

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मताधिकार आंदोलन क्या था?
उत्तर : वोट देने का अधिकार प्राप्त करने के लिए चलाया गया आंदोलन मताधिकार आंदोलन कहलाता था।

2. उदारवादी वोट देने का अधिकार किन लोगों को देना चाहते थे?
उत्तर : उदारवादी केवल संपत्तिधारियों को वोट देने का अधिकार देना चाहते थे।

3. कोऑपरेटिव किसे कहा जाता था?
उत्तर : कोऑपरेटिव ऐसे लोगों का समूह था जो मिलकर वस्तुओं का उत्पादन करता और लाभ को प्रत्येक सदस्य के काम के अनुसार बाँटता था।

4. जर्मनी में मजदूर संगठनों के किस राजनीतिक दल से गहरे संबंध थे?
उत्तर : जर्मनी की सोशल डेमोक्रैटिक पार्टी (एसपीडी) से।

5. मजदूर संगठनों द्वारा बनाए गए सहायता कोष का क्या उद्देश्य था?
उत्तर : संकट के समय संगठन के सदस्यों को सहायता पहुँचाना इन कोषों का उद्देश्य था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. फ्रांसीसी क्रांति ने यूरोप में सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन की धारणा को किस प्रकार प्रभावित किया?
उत्तर :
- फ्रांसीसी क्रांति ने पुरानी सामाजिक व्यवस्था को बदलने का विचार फैलाया।
- स्वतंत्रता, समानता और जन–अधिकारों को प्रोत्साहन मिला।

- जन्म और वंश पर आधारित विशेषाधिकारों को चुनौती मिली।
- प्रतिनिधित्व पर आधारित सरकार की माँग बढ़ी।
- विभिन्न समूहों ने सामाजिक परिवर्तन की नई कल्पनाएँ कीं।

2. औद्योगीकरण के कारण यूरोप के मजदूरों को किन समस्याओं का सामना करना पड़ा?

उत्तर :
- कारखानों में काम के घंटे बहुत लंबे थे।
- मजदूरी बहुत कम और बेरोजगारी सामान्य थी।
- वस्तुओं की माँग घटने पर रोजगार कम हो जाता था।
- शहरों में आवास और साफ–सफाई की व्यवस्था खराब थी।
- महिलाओं और बच्चों को भी कठिन परिस्थितियों में काम करना पड़ता था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. कार्ल मार्क्स के समाजवादी विचारों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- मार्क्स के अनुसार औद्योगिक समाज पूँजीवादी समाज था।
- कारखानों और पूँजी पर पूँजीपतियों का स्वामित्व था।
- पूँजीपतियों का मुनाफा मजदूरों की मेहनत से उत्पन्न होता था।
- निजी पूँजीपतियों के मुनाफा जमा करने तक मजदूरों की स्थिति नहीं सुधर सकती थी।
- मजदूरों को पूँजीवाद और निजी संपत्ति पर आधारित शासन समाप्त करना चाहिए।
- सारी संपत्ति पर पूरे समाज का नियंत्रण और स्वामित्व होना चाहिए।
- उन्होंने ऐसे समाज को साम्यवादी या कम्युनिस्ट समाज कहा।
- उनका विश्वास था कि संघर्ष में अंततः मजदूरों की जीत होगी।

रूसी क्रांति

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. समाजवादी क्रांतिकारी पार्टी का गठन कब हुआ?

(अ) 1898 (ब) 1900
(स) 1905 (द) 1917 **(ब)**

2. रशियन सोशल डेमोक्रैटिक वर्कर्स पार्टी की स्थापना कब हुई?

(अ) 1898 (ब) 1900
(स) 1905 (द) 1919 **(अ)**

3. बीसवीं सदी की शुरुआत में रूस की लगभग कितनी प्रतिशत जनता खेती पर निर्भर थी?

(अ) 40 प्रतिशत (ब) 50 प्रतिशत
(स) 70 प्रतिशत (द) 85 प्रतिशत **(द)**

4. कुछ रूसी समाजवादी किस वर्ग को क्रांति की मुख्य शक्ति मानते थे?

(अ) कुलीन वर्ग (ब) किसान
(स) बड़े जमींदार (द) धार्मिक अधिकारी **(ब)**

5. सन् 1905 में विंटर पैलेस की ओर बढ़ने वाले मजदूरों के जुलूस का नेतृत्व किसने किया?

(अ) लेनिन (ब) पादरी गैपॉन
(स) केरेंस्की (द) रासपुतिन **(ब)**

6. सेंट पीटर्सबर्ग का नाम बदलकर पेत्रोग्राद क्यों रखा गया?

(अ) यह नाम ज़ार निकोलस द्वितीय ने चुना था।
(ब) शहर को पहली बार राजधानी बनाया गया था।
(स) जर्मनी–विरोधी भावनाएँ बढ़ रही थीं।
(द) शहर पर मजदूरों ने अधिकार कर लिया था। **(स)**

रिक्तस्थान –

1. रासपुतिन नामक संन्यासी के कारण .....और अधिक अलोकप्रिय हो गई।

उत्तर : राजशाही

2. ज़ार द्वारा गठित निर्वाचित परामर्शदाता संसद को ..... कहा जाता था।

उत्तर : ड्यूमा

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. रूस के शासकों को क्या कहा जाता था?

उत्तर : रूस के शासकों को ज़ार कहा जाता था।

2. जदीदी कौन थे?

उत्तर : जदीदी रूसी साम्राज्य में सक्रिय मुस्लिम सुधारवादी थे और इस्लाम के आधुनिकीकरण के समर्थक थे।

3. वास्तविक वेतन से क्या अभिप्राय है?

उत्तर : किसी व्यक्ति के वेतन से वास्तव में जितनी वस्तुएँ खरीदी जा सकती हैं, उसका माप वास्तविक वेतन कहलाता है।

4. रूसी किसानों का 'मीर' क्या था?

उत्तर : मीर किसानों का कम्यून था, जो परिवारों की आवश्यकताओं के अनुसार जमीन का वितरण करता था।

5. समाजवादी क्रांतिकारी पार्टी की प्रमुख भूमि–संबंधी माँग क्या थी?

उत्तर : उसकी माँग थी कि सामंतों के कब्जे वाली जमीन तुरंत किसानों को सौंप दी जाए।

6. सन् 1914 में रूसी कारखाना मजदूरों में महिलाओं की संख्या कितनी थी?

उत्तर : सन् 1914 में रूसी कारखाना मजदूरों में महिलाओं की संख्या लगभग 31 प्रतिशत थी।

पहले पढ़ें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

7. प्रथम विश्वयुद्ध में केंद्रीय शक्तियों में कौन–कौन से देश शामिल थे?

उत्तर : जर्मनी, ऑस्ट्रिया और तुर्की केंद्रीय शक्तियों में शामिल थे।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. बोल्शेविकों और मेन्शेविकों के पार्टी–संगठन संबंधी विचारों में क्या अंतर था?

उत्तर : बोल्शेविकों के विचार

- पार्टी अत्यंत अनुशासित होनी चाहिए।
- सदस्यों की संख्या और स्तर पर पार्टी का पूरा नियंत्रण होना चाहिए।

मेन्शेविकों के विचार

- पार्टी की सदस्यता सभी लोगों के लिए खुली होनी चाहिए।

2. ज़ार ने 1905 की क्रांति के बाद ड्यूमा को किस प्रकार कमजोर किया?

उत्तर :

- ज़ार अपनी सत्ता पर वास्तविक नियंत्रण स्वीकार नहीं करना चाहता था।
- पहली ड्यूमा को 75 दिनों में भंग कर दिया गया।
- दूसरी ड्यूमा को तीन महीने के भीतर समाप्त कर दिया गया।
- मतदान संबंधी कानून बदल दिए गए।
- तीसरी ड्यूमा में रूढ़िवादी नेताओं का प्रभाव बढ़ाया गया।
- उदारवादियों और क्रांतिकारियों का प्रतिनिधित्व सीमित कर दिया गया।

3. रूस में 1905 की क्रांति से पहले मजदूर असंतोष के आर्थिक कारण और उनकी प्रमुख माँगें क्या थीं?

उत्तर : आर्थिक कारण –

- आवश्यक वस्तुओं की कीमतें तेजी से बढ़ रही थीं।
- वास्तविक वेतन में 20 प्रतिशत तक गिरावट आई थी।
- कारखानों की कार्यस्थितियाँ खराब थीं।
- प्युतिलोव आयरन वर्क्स के चार मजदूरों को नौकरी से निकाल दिया गया था।

मजदूरों की माँगें

- काम के घंटे घटाकर आठ घंटे किए जाएँ।
- वेतन में वृद्धि की जाए।
- कार्यस्थितियों में सुधार किया जाए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. सन् 1905 से पहले रूस की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।

उत्तर : सामाजिक परिस्थितियाँ –

- रूसी समाज में गहरी असमानता थी।
- कुछ मजदूर गाँवों से जुड़े थे, जबकि कई शहरों में स्थायी रूप से बस गए थे।
- मजदूर योग्यता और दक्षता के आधार पर बँटे हुए थे।
- किसान गरीब, अमीर, मजदूर और नौकरों से खेती करवाने वाले वर्गों में विभाजित थे।
- किसान सामंतों की जमीन अपने बीच बाँटने की माँग करते थे।
- मीर परिवारों की जरूरत के अनुसार जमीन बाँटता था।

आर्थिक परिस्थितियाँ –

- रूस में उद्योगों का विकास सीमित था।
- सेंट पीटर्सबर्ग और मास्को प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र थे।
- रेल विस्तार और विदेशी निवेश से नए कारखाने स्थापित हुए।
- कारखानों में मजदूर 10 से 12 घंटे काम करते थे।
- कारीगर इकाइयों में काम की अवधि 15 घंटे तक थी।
- मजदूरी कम और कार्यस्थितियाँ कठिन थीं।

राजनीतिक परिस्थितियाँ –

- रूस में निरंकुश राजशाही थी।
- ज़ार किसी राष्ट्रीय संसद के अधीन नहीं था।
- 1914 से पहले राजनीतिक पार्टियाँ गैरकानूनी थीं।
- सरकार विरोधी गतिविधियों का दमन करती थी।
- विभिन्न समूह संविधान और प्रतिनिधित्व आधारित शासन की माँग कर रहे थे।

2. खूनी रविवार क्या था? इस घटना के बाद रूस में कौन–कौन से राजनीतिक परिवर्तन हुए?

उत्तर : खूनी रविवार –

- सन् 1905 में पादरी गैपॉन के नेतृत्व में मजदूर विंटर पैलेस पहुँचे।
- पुलिस और कोसैक्स ने जुलूस पर हमला कर दिया।
- 100 से अधिक मजदूर मारे गए और लगभग 300 घायल हुए।
- यह घटना 'खूनी रविवार' कहलाती है।
- इसी घटना से 1905 की क्रांति शुरू हुई।

राजनीतिक परिवर्तन –

- पूरे रूस में हड़तालें शुरू हो गईं।
- विद्यार्थियों ने कक्षाओं का बहिष्कार किया।
- विश्वविद्यालय बंद कर दिए गए।
- मध्यवर्गीय कामगारों ने 'यूनियन ऑफ यूनियंस' बनाई।
- संविधान सभा के गठन की माँग उठी।
- ज़ार ने ड्यूमा के गठन पर सहमति दी।

3. प्रथम विश्वयुद्ध में रूस की भागीदारी रूसी क्रांति के लिए किस प्रकार उत्तरदायी थी?

उत्तर :

- रूसी सेनाओं को जर्मनी और ऑस्ट्रिया से भारी पराजय मिली।
- सन् 1917 तक 70 लाख लोग मारे जा चुके थे।

- पीछे हटती सेनाओं ने फसलें और इमारतें नष्ट कर दीं।
- 30 लाख से अधिक लोग शरणार्थी बन गए।
- विदेशी औद्योगिक सामान की आपूर्ति रुक गई।
- औद्योगिक उपकरण और रेलवे लाइनें खराब होने लगीं।
- पुरुषों के युद्ध में जाने से मजदूरों की कमी हुई।
- छोटी वर्कशॉपें बंद होने लगीं।
- अनाज मोर्चे पर भेजने से शहरों में रोटी और आटे की कमी हुई।
- सैनिक युद्ध और लगातार हार से परेशान हो गए।
- सरकार और ज़ार के प्रति जनसमर्थन तेजी से घट गया।

पेत्रोग्राद में फरवरी और अक्तूबर क्रांति

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. फरवरी 1917 में हड़तालों की शुरुआत किस घटना के बाद हुई?
(अ) ड्यूमा के चुनाव के बाद
(ब) एक कारखाने में तालाबंदी के बाद
(स) ज़ार द्वारा पद छोड़ने के बाद
(द) विंटर पैलेस पर बमबारी के बाद **(ब)**

2. फरवरी क्रांति के दौरान घुड़सवार सैनिकों ने क्या किया?
(अ) प्रदर्शनकारियों पर गोली चला दी।
(ब) मजदूर नेताओं को गिरफ्तार किया।
(स) प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने से मना कर दिया।
(द) विंटर पैलेस पर अधिकार कर लिया। **(स)**

3. पेत्रोग्राद सोवियत का गठन किनके द्वारा किया गया?
(अ) जमींदारों और उद्योगपतियों द्वारा
(ब) सैनिकों और मजदूरों द्वारा
(स) ज़ार और उसके मंत्रियों द्वारा
(द) विदेशी सैनिकों द्वारा **(ब)**

4. फरवरी क्रांति के बाद जनसभा करने और संगठन बनाने पर लगी पाबंदी का क्या हुआ?
(अ) उसे और कठोर कर दिया गया।
(ब) उसे हटा लिया गया।
(स) केवल मजदूरों पर लागू रखा गया।
(द) केवल सैनिकों पर लागू रखा गया। **(ब)**

5. अक्टूबर क्रांति के लिए गठित सैनिक क्रांतिकारी समिति का नेतृत्व किसने किया?
(अ) स्तालिन (ब) लियॉन ट्रॉट्स्की
(स) रासपुतिन (द) कार्ल मार्क्स **(ब)**

6. निम्नलिखित में से असंगत नाम चुनिए।
(अ) लेनिन (ब) केरेंस्की
(स) लियॉन ट्रॉट्स्की (द) रासपुतिन **(द)**

रिक्तस्थान –

1. अक्तूबर 1917 के विद्रोह के समय रूस का प्रधानमंत्री ..... था।
उत्तर : केरेंस्की

2. अक्टूबर क्रांति के दौरान ..... नामक युद्धपोत ने विंटर पैलेस पर गोलाबारी की।
उत्तर : ऑरोरा

3. ज़ार निकोलस द्वितीय ने ..... मार्च 1917 को राजगद्दी छोड़ दी।
उत्तर : 2

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. फरवरी 1917 में पेत्रोग्राद के मजदूर इलाकों में कौन–सी गंभीर समस्या पैदा हो गई थी?
उत्तर : पेत्रोग्राद के मजदूर इलाकों में खाद्य पदार्थों की भारी कमी पैदा हो गई थी।

2. अंतरिम सरकार संविधान सभा का चुनाव किस आधार पर कराना चाहती थी?
उत्तर : सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. लेनिन की अप्रैल थीसिस क्या थी?
उत्तर : अप्रैल 1917 में लेनिन ने निम्नलिखित माँगें रखीं –
- प्रथम विश्वयुद्ध तुरंत समाप्त किया जाए।
- सारी जमीन किसानों को सौंप दी जाए।
- सभी बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया जाए।
- इन माँगों को 'अप्रैल थीसिस' कहा गया।

2. फरवरी क्रांति में महिलाओं की क्या भूमिका थी?
उत्तर :
- अनेक कारखानों में महिलाओं ने हड़ताल का नेतृत्व किया।
- महिला कामगारों ने पुरुषों को लाल पट्टियाँ बाँधीं।
- मार्फा वासीलेवा ने काम रोककर हड़ताल का आह्वान किया।
- उसने भूखे लोगों के रहते अकेले भोजन करने से इनकार किया।
- महिला और पुरुष मजदूर आंदोलन में शामिल हो गए।

3. जुलाई 1917 में अंतरिम सरकार ने बोल्शेविकों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की?
उत्तर :
- बोल्शेविक प्रदर्शनों का भारी दमन किया गया।
- मजदूरों द्वारा फैक्ट्रियाँ चलाने की कोशिशें रोकी गईं।
- मजदूर नेताओं को गिरफ्तार किया गया।
- कई बोल्शेविक नेताओं को छिपना या भागना पड़ा।

मिशन ज्ञान
जहाँ चाह, वहाँ राह!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

4. अक्टूबर 1917 की क्रांति की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- 24 अक्तूबर को सरकारी सैनिकों ने दो बोल्शेविक अखबारों के कार्यालय घेर लिए।
- सैनिकों को टेलीफोन, टेलीग्राफ और विंटर पैलेस की रक्षा के लिए भेजा गया।
- सैनिक क्रांतिकारी समिति ने सरकारी कार्यालयों पर कब्जे का आदेश दिया।
- मंत्रियों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया गया।
- ऑरोरा युद्धपोत ने विंटर पैलेस पर गोलाबारी की।
- अन्य युद्धपोतों ने सैनिक ठिकानों पर नियंत्रण कर लिया।
- शाम तक शहर क्रांतिकारी समिति के नियंत्रण में आ गया।
- मंत्रियों ने आत्मसमर्पण कर दिया।
- सोवियत कांग्रेस के बहुमत ने बोल्शेविक कार्रवाई का समर्थन किया।
- दिसंबर तक मास्को–पेत्रोग्राद पर बोल्शेविक नियंत्रण स्थापित हो गया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. पेत्रोग्राद की भौगोलिक और सामाजिक संरचना ने फरवरी क्रांति की घटनाओं को किस प्रकार प्रभावित किया?

उत्तर :
- नेवा नदी के दाएँ तट पर मजदूर बस्तियाँ और कारखाने थे।
- बाएँ तट पर विंटर पैलेस, सरकारी इमारतें और ड्यूमा का महल था।
- 22 फरवरी को दाएँ तट की एक फैक्ट्री में तालाबंदी हुई।
- अगले दिन पचास फैक्ट्रियों के मजदूर हड़ताल में शामिल हुए।
- मजदूर नेव्स्की प्रोस्पेक्ट तक पहुँच गए।
- प्रदर्शनकारी बाएँ तट पर जमा होकर सरकारी केंद्रों को चुनौती देने लगे।
- मजदूर क्षेत्रों से शुरू आंदोलन सरकारी क्षेत्रों तक फैल गया।

2. अंतरिम सरकार का जनसमर्थन क्यों घटा और बोल्शेविकों का प्रभाव क्यों बढ़ा?

उत्तर :
- अंतरिम सरकार में सैनिक अधिकारियों, भूस्वामियों और उद्योगपतियों का प्रभाव था।
- किसान भूमि के पुनर्वितरण की माँग कर रहे थे।
- किसानों ने जुलाई से सितंबर के बीच अनेक जमीनों पर कब्जा कर लिया।
- मजदूर फैक्ट्री कमेटियों से मालिकों के कामकाज पर सवाल उठाने लगे।
- सरकार ने फैक्ट्रियों पर मजदूर नियंत्रण रोकना शुरू किया।
- मजदूर नेताओं को गिरफ्तार किया गया।
- बोल्शेविक प्रदर्शनों का भारी दमन हुआ।
- लेनिन ने युद्ध समाप्ति, किसानों को जमीन और बैंकों के राष्ट्रीयकरण की माँग की।
- सरकार कमजोर हुई और बोल्शेविकों का प्रभाव बढ़ता गया।

अक्टूबर के बाद क्या बदला?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. बोल्शेविक सरकार ने उद्योगों और बैंकों का राष्ट्रीयकरण कब किया?

(अ) नवंबर 1917 (ब) मार्च 1918
(स) दिसंबर 1922 (द) जनवरी 1929 **(अ)**

2. बोल्शेविकों ने जर्मनी के साथ ब्रेस्ट–लिटोव्स्क की संधि कब की?

(अ) जनवरी 1917 (ब) मार्च 1918
(स) दिसंबर 1922 (द) सितंबर 1929 **(ब)**

3. सोवियत रूस में सामूहिक खेतों को क्या कहा जाता था?

(अ) मीर (ब) ड्यूमा
(स) कोलखोज (द) सोवियत **(स)**

4. रूस में संपन्न किसानों को क्या कहा जाता था?

(अ) जदीदी (ब) कुलक
(स) कम्युनार्ड (द) मेन्शेविक **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. बोल्शेविक सरकार ने जमीन को ..... संपत्ति घोषित किया।

उत्तर : सामाजिक

2. रूसी गृहयुद्ध में बोल्शेविकों को ..... कहा जाता था।

उत्तर : रेड्स

3. सोवियत संघ अथवा यूएसएसआर की स्थापना दिसंबर ..... में हुई।

उत्तर : 1922

4. सोवियत सरकार ने आर्थिक विकास के लिए ..... योजनाएँ बनानी शुरू कीं।

उत्तर : पंचवर्षीय

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. रूसी गृहयुद्ध में ज़ार समर्थक किस नाम से जाने जाते थे?

उत्तर : ज़ार समर्थक 'व्हाइट्स' के नाम से जाने जाते थे।

2. चेका क्या थी?

उत्तर : चेका बोल्शेविक सरकार की गुप्तचर पुलिस थी, जो सरकार के विरोधियों और आलोचकों के विरुद्ध कार्रवाई करती थी।

3. भूमि पुनर्वितरण का आदेश दिए जाने पर रूसी सेना क्यों टूटने लगी?

उत्तर : अधिकांश सैनिक किसान थे और वे अपने हिस्से की जमीन प्राप्त करने के लिए सेना छोड़कर गाँव लौटना चाहते थे।

4. सन् 1929 से 1933 के बीच किन वस्तुओं के उत्पादन में लगभग 100 प्रतिशत वृद्धि हुई?

उत्तर : तेल, कोयला और स्टील के उत्पादन में लगभग 100 प्रतिशत वृद्धि हुई।

5. नियोजित अर्थव्यवस्था और सामूहिकीकरण की आलोचना करने वालों पर क्या आरोप लगाया जाता था?

उत्तर : उन पर समाजवाद के विरुद्ध षड्यंत्र करने का आरोप लगाया जाता था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. बोल्शेविकों ने पुराने सामाजिक विशेषाधिकारों और प्रतीकों को समाप्त करने के लिए क्या कदम उठाए?

उत्तर :
- अभिजात वर्ग की पुरानी पदवियों पर रोक लगाई गई।
- सेना और सरकारी अधिकारियों की वर्दियाँ बदली गईं।
- बड़े मकानों को छोटे भागों में बाँटकर ज़रूरतमंदों को रहने की जगह दी गई।
- मकान मालिकों के लिए पर्याप्त हिस्सा छोड़ा गया।
- सन् 1918 में परिधान प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- इस प्रतियोगिता में सोवियत टोपी 'बुदियोनोव्का' चुनी गई।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. स्तालिन के सामूहिकीकरण कार्यक्रम तथा उसके परिणामों का वर्णन कीजिए।

उत्तर : सामूहिकीकरण के कारण और कार्यक्रम –
- सन् 1927–28 में रूसी शहरों में अनाज की गंभीर कमी हुई।
- स्तालिन ने अमीर किसानों और व्यापारियों पर अनाज रोकने का आरोप लगाया।
- पार्टी सदस्यों ने किसानों से जबरन अनाज खरीदा।
- कुलकों के ठिकानों पर छापे मारे गए।
- छोटे खेतों का आधुनिकीकरण कठिन माना गया।
- कुलकों को समाप्त कर राज्य–नियंत्रित बड़े खेत बनाने की योजना बनी।
- सन् 1929 से किसानों को कोलखोजों में काम करने का आदेश दिया गया।
- जमीन और कृषि–सामान सामूहिक खेतों के स्वामित्व में दिए गए।
- किसान मुनाफे को आपस में बाँटते थे।

सामूहिकीकरण के परिणाम
- किसानों ने सामूहिकीकरण का विरोध किया।
- विरोध में किसानों ने अपने पशुओं को मार दिया।
- सन् 1929–31 में मवेशियों की संख्या लगभग एक–तिहाई घट गई।
- विरोधियों को दंड, निर्वासन या देश–निकाला दिया गया।
- सीमित स्वतंत्र खेती जारी रही, पर सहायता नहीं दी गई।
- कृषि उत्पादन में बड़ी वृद्धि नहीं हुई।
- सन् 1930–33 की खराब फसल के बाद भीषण अकाल पड़ा।
- अकाल में 40 लाख से अधिक लोगों की मृत्यु हुई।

रूसी क्रांति और सोवियत संघ का वैश्विक प्रभाव

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. इंग्लैंड में रूसी क्रांति से प्रेरित होकर किस पार्टी की स्थापना हुई?
(अ) लेबर पार्टी
(ब) सोशल डेमोक्रैटिक पार्टी
(स) कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ ग्रेट ब्रिटेन
(द) सोशलिस्ट रिवोल्यूशनरी पार्टी **(स)**

2. कॉन्फ्रेंस ऑफ द पीपुल्स ऑफ द ईस्ट का आयोजन कब हुआ?
(अ) 1917 (ब) 1920
(स) 1929 (द) 1939 **(ब)**

3. समाजवाद को वैश्विक पहचान और प्रतिष्ठा कब तक मिल चुकी थी?
(अ) प्रथम विश्वयुद्ध शुरू होने तक
(ब) 1905 की क्रांति तक
(स) दूसरे विश्वयुद्ध के प्रारंभ तक
(द) सोवियत संघ के विघटन के बाद **(स)**

4. निम्नलिखित में से किन भारतीय व्यक्तियों ने सोवियत संघ का दौरा किया और उसके बारे में लिखा?
(अ) राजा राममोहन राय और डेरोजियो
(ब) महात्मा गांधी और सरदार पटेल

पढ़ो जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

(स) जवाहरलाल नेहरू और रबीन्द्रनाथ टैगोर
(द) आर. एस. अवस्थी और कार्ल मार्क्स **(स)**

रिक्तस्थान –

1. कुछ विदेशी लोगों को सोवियत संघ की ..... में शिक्षा दी गई।

उत्तर : कम्युनिस्ट यूनिवर्सिटी ऑफ द वर्कर्स ऑफ द ईस्ट

2. भारत में कम्युनिस्ट पार्टी का गठन ..... के दशक में किया गया।

उत्तर : 1920

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. कॉमिन्टर्न क्या था?

उत्तर : कॉमिन्टर्न बोल्शेविक समर्थक समाजवादी पार्टियों का अंतर्राष्ट्रीय महासंघ था।

2. रूसी क्रांति ने विश्व के मेहनतकश लोगों में कौन–सी आशा जगाई?

उत्तर : रूसी क्रांति ने दुनिया भर के लोगों में मेहनतकशों का राज्य स्थापित होने की संभावना की नई आशा जगाई।

3. सोवियत व्यवस्था में श्रमिक परिवारों के जीवन को सुधारने के लिए कौन–सी सामाजिक सुविधाएँ विकसित की गईं?

उत्तर : शिक्षा, बच्चों की देखभाल, सस्ती स्वास्थ्य सेवा और मजदूरों के लिए आवास जैसी सामाजिक सुविधाएँ विकसित की गईं।

4. समय के साथ सोवियत शासन की अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा क्यों कम होने लगी?

उत्तर : सोवियत नागरिकों को अनेक आवश्यक स्वतंत्रताएँ नहीं दी गईं और विकास परियोजनाएँ दमनकारी नीतियों के बल पर लागू की गईं। इन कारणों से बीसवीं सदी के अंत तक सोवियत संघ की अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा काफी कम हो गई।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. शौकत उस्मानी और रबीन्द्रनाथ टैगोर को सोवियत रूस की कौन–सी बातें प्रभावशाली लगीं?

उत्तर :
- शौकत उस्मानी ने यूरोपियों और एशियाइयों को स्वतंत्र व समान रूप से मिलते देखा।
- विभिन्न राष्ट्रीयताओं के बीच भाईचारा दिखाई दिया।
- मजदूरों, किसानों और सैनिकों में आत्मविश्वास और निडरता थी।
- लोग खुलकर बहस कर सकते थे।
- टैगोर ने सार्वजनिक जीवन में मजदूरों और आम जनता की भागीदारी देखी।
- लोगों ने कम समय में अज्ञानता और बेसहारेपन को काफी हद तक दूर किया था।

2. भारतीय भाषाओं में रूसी क्रांति और सोवियत समाजवाद संबंधी साहित्य का प्रसार किस प्रकार हुआ?

उत्तर :
- आर. एस. अवस्थी ने हिंदी में रूसी क्रांति और लेनिन पर पुस्तकें लिखीं।
- उनकी पुस्तकों में 'रशियन रेवल्यूशन' और 'द रेड रेवल्यूशन' शामिल थीं।
- एस. डी. विद्यालंकार ने सोवियत रूस पर पुस्तकें लिखीं।
- बंगाली, मराठी, मलयालम, तमिल और तेलुगु में भी साहित्य लिखा गया।
- इस साहित्य से भारतीय पाठकों के सामने सोवियत रूस की विभिन्न छवियाँ आईं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. अक्टूबर क्रांति को विश्व के राजनीतिक और वैचारिक इतिहास में एक निर्णायक मोड़ क्यों माना जाता है?

उत्तर :
- अक्टूबर क्रांति ने रूस में समाजवादी शासन की स्थापना का मार्ग खोला।
- समाजवाद बीसवीं सदी का शक्तिशाली वैश्विक विचार बन गया।
- मेहनतकशों का राज्य बनने की संभावना से लोगों में नई आशा जगी।
- अनेक देशों में कम्युनिस्ट पार्टियाँ स्थापित हुईं।
- बोल्शेविकों ने उपनिवेशों की जनता को क्रांति के लिए प्रेरित किया।
- विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने कॉन्फ्रेंस ऑफ द पीपुल्स ऑफ द ईस्ट में भाग लिया।
- प्रतिनिधियों ने कॉमिन्टर्न की बैठकों में भी भाग लिया।
- विदेशियों को कम्युनिस्ट यूनिवर्सिटी में शिक्षा दी गई।
- दूसरे विश्वयुद्ध तक समाजवाद को वैश्विक पहचान मिली।
- सोवियत संघ पिछड़े देश से महाशक्ति बना।
- उसके उद्योग और खेती का विकास हुआ।
- नागरिक स्वतंत्रताओं की कमी और दमनकारी नीतियों की आलोचना हुई।
- बीसवीं सदी के अंत तक उसकी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा कम हो गई।
- विभिन्न देशों में समाजवाद पर पुनर्विचार शुरू हुआ।

मिशन ज्ञान
बदलाव चाहें, तो चलें, कैसे चाहें!

3 नात्सीवाद और हिटलर का उदय

वाइमर गणराज्य का जन्म

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. वर्साय की संधि के अनुसार जर्मनी पर कितना जुर्माना लगाया गया था?

(अ) दो अरब पौंड (ब) चार अरब पौंड
(स) छह अरब पौंड (द) दस अरब पौंड **(स)**

2. वर्ष 1923 में फ्रांस ने जर्मनी के किस औद्योगिक क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था?

(अ) रूर (ब) राईनलैंड
(स) बर्लिन (द) वाइमर **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. युद्ध के बाद जर्मनी को हर्जाना ..... मुद्रा में देना पड़ा।

उत्तर : स्वर्ण

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. वाइमर गणराज्य की स्थापना कहाँ हुई थी?

उत्तर : वाइमर में राष्ट्रीय सभा की बैठक बुलाकर लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना की गई थी।

2. स्पार्टकिस्ट लीग क्या थी?

उत्तर : स्पार्टकिस्ट लीग जर्मनी का एक क्रांतिकारी संगठन था, जो बोल्शेविक क्रांति की तर्ज पर विद्रोह करना चाहता था। बाद में स्पार्टकिस्टों ने जर्मनी की कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. वर्साय की संधि से जर्मनी को कौन–कौन सी क्षेत्रीय और सैन्य हानियाँ हुईं?

उत्तर :
- जर्मनी को अपने सभी उपनिवेश छोड़ने पड़े।
- उसकी 10 प्रतिशत जनसंख्या और 13 प्रतिशत भूभाग छिन गया।
- 75 प्रतिशत लौह और 26 प्रतिशत कोयला भंडार खो गया।
- कई क्षेत्र फ्रांस, पोलैंड, डेनमार्क और लिथुआनिया को दे दिए गए।
- जर्मन सेना को भंग कर दिया गया।
- राईनलैंड पर मित्र राष्ट्रों का कब्जा रहा।

2. वर्ष 1923 में जर्मनी में अति–मुद्रास्फीति कैसे उत्पन्न हुई?

उत्तर :
- जर्मनी ने प्रथम विश्वयुद्ध कर्ज लेकर लड़ा था।
- युद्ध के बाद उसे स्वर्ण मुद्रा में हर्जाना देना पड़ा।
- हर्जाना न चुकाने पर फ्रांस ने रूर क्षेत्र पर कब्जा कर लिया।
- जर्मन सरकार ने निष्क्रिय प्रतिरोध अपनाया।
- सरकार ने बड़ी मात्रा में कागजी मुद्रा छापी।
- मार्क का मूल्य गिरा और वस्तुओं की कीमतें बहुत बढ़ गईं।
- इस स्थिति को अति–मुद्रास्फीति कहा गया।

3. प्रथम विश्वयुद्ध का जर्मन समाज पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर :
- युद्ध ने जर्मनी को आर्थिक और मानसिक रूप से कमजोर किया।
- देश को पराजय, अपमान और भारी हर्जाना झेलना पड़ा।
- वाइमर समर्थकों को 'नवंबर के अपराधी' कहा गया।
- सैनिकों को सामान्य नागरिकों से अधिक सम्मान मिला।
- सैन्य शक्ति, आक्रामकता और पुरुषत्व का महिमामंडन हुआ।
- लोकतंत्र को कमजोर मानकर तानाशाही को समर्थन मिलने लगा।

4. डॉव्स योजना का उद्देश्य क्या था?

उत्तर :
- डॉव्स योजना का उद्देश्य जर्मनी का आर्थिक संकट कम करना था।
- इसके अंतर्गत हर्जाना चुकाने की शर्तों को दोबारा निर्धारित किया गया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. वाइमर संविधान की प्रमुख कमजोरियाँ समझाइए।

उत्तर :
- संविधान में आनुपातिक प्रतिनिधित्व की व्यवस्था थी।
- किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत मिलना कठिन था।
- बार–बार गठबंधन सरकारें बनने से अस्थिरता बढ़ी।
- अनुच्छेद 48 ने राष्ट्रपति को व्यापक आपातकालीन शक्तियाँ दीं।
- राष्ट्रपति नागरिक अधिकार रद्द कर अध्यादेश से शासन चला सकता था।
- कम समय में 20 मंत्रिमंडल बने, जिनकी औसत अवधि 239 दिन थी।

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

- अनुच्छेद 48 के अधिक प्रयोग से संसद कमजोर हुई।
- संकटों का समाधान न होने से लोकतंत्र पर जनता का विश्वास घटा।
- इन कमजोरियों से तानाशाही का मार्ग तैयार हुआ।

हिटलर का उदय

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. हिटलर का जन्म किस वर्ष हुआ था?

(अ) 1879 (ब) 1889
(स) 1919 (द) 1923 **(ब)**

2. वर्ष 1932 तक नात्सी पार्टी को लगभग कितने प्रतिशत वोट प्राप्त हुए थे?

(अ) 2.6 प्रतिशत (ब) 12 प्रतिशत
(स) 37 प्रतिशत (द) 60 प्रतिशत **(स)**

रिक्तस्थान –

1. वर्ष 1919 में हिटलर ने ..... नामक छोटे राजनीतिक समूह की सदस्यता ग्रहण की।

उत्तर : जर्मन वर्कर्स पार्टी

2. राष्ट्रपति ..... ने 30 जनवरी 1933 को हिटलर को जर्मनी का चांसलर नियुक्त किया।

उत्तर : हिंडनबर्ग

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. कंसन्ट्रेशन कैंप क्या थे?

उत्तर : कंसन्ट्रेशन कैंप ऐसे स्थान थे जहाँ लोगों को बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के कैद रखा जाता था। ये बिजली का करंट प्रवाहित करने वाले कँटीले तारों से घिरे रहते थे।

2. त्रिपक्षीय संधि किन देशों के बीच हुई थी?

उत्तर : त्रिपक्षीय संधि जर्मनी, इटली और जापान के बीच हुई थी।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. महामंदी के दौरान नात्सीवाद एक जन–आंदोलन क्यों बन गया?

उत्तर : महामंदी के दौरान नात्सीवाद एक जन–आंदोलन –

- वर्ष 1929 के बाद बैंक और व्यवसाय बंद होने लगे।
- कारखाने बंद होने से बेरोजगारी तेजी से बढ़ी।
- मजदूरों और मध्यवर्ग में भुखमरी का भय बढ़ा।
- छोटे व्यापारी, किसान, कर्मचारी और पेंशनधारी संकट में थे।
- लोकतांत्रिक सरकारें प्रभावी समाधान नहीं दे सकीं।
- नात्सी प्रचार ने बेहतर भविष्य की आशा दिखाई।
- नात्सियों ने भय, निराशा और असंतोष का लाभ उठाया।

2. हिटलर ने अपने भाषणों में जर्मन जनता से कौन–कौन से वादे किए?

उत्तर :

- जर्मनी को फिर शक्तिशाली राष्ट्र बनाने का वादा किया।
- वर्साय संधि के अपमान का बदला लेने की बात कही।
- जर्मन समाज की प्रतिष्ठा वापस लाने का आश्वासन दिया।
- बेरोजगारों को रोजगार देने का वादा किया।
- युवाओं को सुरक्षित भविष्य देने की बात कही।
- विदेशी प्रभाव और साजिशों से जर्मनी को मुक्त कराने का भरोसा दिया।

3. फायर डिक्री ने जर्मन नागरिकों के अधिकारों को किस प्रकार प्रभावित किया?

उत्तर :

- 28 फरवरी 1933 को फायर डिक्री जारी की गई।
- अभिव्यक्ति, प्रेस और सभा की स्वतंत्रता निलंबित कर दी गई।
- ये अधिकार अनिश्चितकाल के लिए समाप्त कर दिए गए।
- इससे हिटलर को राजनीतिक विरोधियों का दमन करने का अवसर मिला।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. इनेबलिंग ऐक्ट के बाद जर्मनी की शासन–व्यवस्था में क्या परिवर्तन हुए?

उत्तर :

- इनेबलिंग ऐक्ट से जर्मनी में तानाशाही स्थापित हुई।
- हिटलर को अध्यादेशों से शासन चलाने का अधिकार मिला।
- संसद की भूमिका लगभग समाप्त हो गई।
- नात्सी पार्टी के अलावा सभी दलों पर प्रतिबंध लगा।
- ट्रेड यूनियनों को भी प्रतिबंधित कर दिया गया।
- अर्थव्यवस्था, मीडिया, सेना और न्यायपालिका पर राज्य का नियंत्रण हुआ।
- लोकतांत्रिक संस्थाएँ और शासन–व्यवस्था नष्ट कर दी गईं।

2. नात्सी राज्य को एक खूंखार आपराधिक राज्य क्यों कहा गया?

उत्तर :

- समाज पर नियंत्रण के लिए विशेष सुरक्षा दस्ते बनाए गए।
- गेस्तापो, एसएस और सुरक्षा सेवा जैसे संगठन गठित हुए।
- इन संगठनों को असंवैधानिक और व्यापक अधिकार मिले।

- लोगों को बिना कानूनी प्रक्रिया के गिरफ्तार किया जाता था।
- उन्हें यातना गृहों और कंसन्ट्रेशन कैंपों में भेजा जाता था।
- बिना मुकदमे के देश से निर्वासित किया जा सकता था।
- पुलिस को दंड की चिंता से मुक्त कर दिया गया।
- भय, हिंसा और निगरानी से विरोध समाप्त किया गया।

3. हिटलर की विस्तारवादी विदेश नीति ने जर्मनी को द्वितीय विश्वयुद्ध की ओर कैसे धकेला?

उत्तर :
- वर्ष 1933 में जर्मनी लीग ऑफ नेशंस से अलग हुआ।
- वर्ष 1936 में राईनलैंड पर दोबारा कब्जा किया गया।
- वर्ष 1938 में ऑस्ट्रिया को जर्मनी में मिला लिया गया।
- सुडेंटनलैंड और चेकोस्लोवाकिया पर कब्जा किया गया।
- संसाधन पाने के लिए हिटलर ने युद्ध का मार्ग अपनाया।
- सितंबर 1939 में जर्मनी ने पोलैंड पर आक्रमण किया।
- इससे फ्रांस और इंग्लैंड के साथ युद्ध शुरू हो गया।
- वर्ष 1940 में इटली और जापान से त्रिपक्षीय संधि हुई।
- जून 1941 में सोवियत संघ पर आक्रमण किया गया।
- इस नीति ने यूरोप को विश्वयुद्ध में धकेल दिया।

नात्सियों का विश्व दृष्टिकोण

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. 'नाइट ऑफ़ ब्रोकन ग्लास' किस घटना से संबंधित थी?

(अ) वर्साय की संधि से
(ब) यहूदियों पर हमलों और उनकी संपत्तियों के विनाश से
(स) डॉव्स योजना से
(द) लीग ऑफ नेशंस से **(ब)**

2. सितंबर 1941 से यहूदियों को पहचान के लिए कौन–सा चिह्न पहनना पड़ता था?

(अ) लाल क्रॉस
(ब) काला वृत्त
(स) डेविड का पीला सितारा
(द) सफेद पट्टी **(स)**

3. यहूदी व्यवसायों के प्रति नात्सी शासन की नीति क्या थी?

(अ) आर्थिक सहायता देना
(ब) सरकारी संरक्षण देना
(स) उनका बहिष्कार करना
(द) कर समाप्त करना **(स)**

रिक्तस्थान –

1. मानसिक और शारीरिक रूप से अयोग्य घोषित लोगों को मारने की नीति को ..... कार्यक्रम कहा गया।

उत्तर : यूथनेज़िया

2. यहूदियों की संपत्ति जब्त करके ..... गई।

उत्तर : बेच दी

3. रूसी और पोलिश लोगों से ..... की तरह काम कराया गया।

उत्तर : गुलामों

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. हर्बर्ट स्पेंसर के 'योग्यतम की उत्तरजीविता' के विचार का नात्सियों ने किस प्रकार उपयोग किया?

उत्तर : नात्सियों ने इस विचार का उपयोग यह दावा करने के लिए किया कि शक्तिशाली नस्ल जीवित रहेगी और कमजोर नस्लें समाप्त हो जाएँगी। इसके आधार पर उन्होंने आर्य नस्ल को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. न्यूरेम्बर्ग नागरिकता कानूनों के प्रमुख प्रावधान लिखिए।

उत्तर :
- केवल जर्मन रक्त वाले लोगों को नागरिक माना गया।
- केवल उन्हें जर्मन साम्राज्य का संरक्षण प्राप्त था।
- यहूदियों और जर्मनों के विवाह पर रोक लगी।
- विवाहेतर संबंधों को अपराध घोषित किया गया।
- यहूदियों को जर्मन राष्ट्रीय ध्वज फहराने से रोका गया।

2. घेटो में रहने वाले यहूदियों की स्थिति कैसी थी?

उत्तर :
- यहूदियों को संपत्ति छोड़कर घेटो में रहने के लिए मजबूर किया गया।
- घेटो अत्यंत पिछड़े, निर्धन और भीड़भाड़ वाले क्षेत्र थे।
- वहाँ भोजन की कमी और भुखमरी फैल गई।
- गंदगी और बीमारियों के कारण जीवन कष्टपूर्ण हो गया।

3. नात्सियों ने 'अवांछित' माने गए लोगों के साथ कैसा व्यवहार किया?

उत्तर :
- अयोग्य घोषित जर्मनों को यूथनेज़िया कार्यक्रम में मार दिया गया।
- जिप्सियों और अश्वेतों की नागरिकता छीन ली गई।
- रूसी और पोलिश लोगों को मनुष्य से कमतर माना गया।
- उनसे गुलामों जैसी कठिन परिस्थितियों में काम कराया गया।
- अनेक लोग भूख और अधिक काम के कारण मर गए।
- यहूदियों की आजीविका और संपत्ति छीन ली गई।
- उन्हें घेटो और कैंपों में भेजकर गैस चेंबरों में मारा गया।

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. नात्सी सोच की प्रमुख विशेषताएँ समझाइए।

उत्तर :
- नात्सी मानव समानता में विश्वास नहीं करते थे।
- समाज को ऊँची और नीची नस्लों में बाँटा गया।
- नॉर्डिक जर्मन आर्यों को सबसे श्रेष्ठ माना गया।
- यहूदियों को सबसे नीचे और आर्यों का शत्रु बताया गया।
- अन्य समुदायों को रंग–रूप के आधार पर श्रेणियों में रखा गया।
- डार्विन और स्पेंसर के विचारों का गलत उपयोग किया गया।
- शक्तिशाली नस्ल के जीवित रहने का दावा किया गया।
- उद्देश्य शुद्ध और स्वस्थ आर्य समाज बनाना था।
- आर्य नस्ल की शुद्धता और विश्व पर वर्चस्व चाहा गया।
- 'लेबेन्स्राउम' के नाम पर अधिक भूमि और संसाधन माँगे गए।
- पूर्वी यूरोप में जर्मन सीमाएँ बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया।

नात्सी जर्मनी में युवाओं और महिलाओं की स्थिति

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. दस वर्ष की आयु में बच्चों को किस नात्सी संगठन में शामिल किया जाता था?

(अ) हिटलर यूथ (ब) युंगफोक
(स) एसएस (द) लेबर सर्विस **(ब)**

2. नात्सी शिक्षा व्यवस्था में कौन–सा नया विषय शामिल किया गया था?

(अ) पर्यावरण अध्ययन
(ब) मनोविज्ञान
(स) नस्ल विज्ञान (द) नागरिक शास्त्र **(स)**

रिक्तस्थान –

1. बच्चों को ..... की पूजा करना और यहूदियों से घृणा करना सिखाया गया।

उत्तर : हिटलर

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. नात्सी शिक्षा का मुख्य उद्देश्य क्या था?

उत्तर : नात्सी शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चों को नात्सी विचारधारा से प्रभावित करके वफादार, आज्ञाकारी, आक्रामक और हिंसक बनाना तथा उनमें यहूदियों और अन्य 'अवांछितों' के प्रति घृणा पैदा करना था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. नात्सी शासन ने स्कूलों में कौन–कौन से परिवर्तन किए?

उत्तर :
- यहूदी और अविश्वसनीय शिक्षकों को हटा दिया गया।
- जर्मन और यहूदी बच्चों को अलग बैठाया गया।
- उन्हें साथ खेलने से रोका गया।
- यहूदी, जिप्सी और विकलांग बच्चे स्कूलों से निकाले गए।
- पाठ्यपुस्तकें नात्सी विचारधारा के अनुसार लिखी गईं।
- नस्ल विज्ञान को नए विषय के रूप में जोड़ा गया।
- गणित में भी यहूदियों की नकारात्मक छवि दिखाई गई।
- बच्चों को हिटलर की पूजा और यहूदियों से घृणा सिखाई गई।
- खेलों से हिंसा और आक्रामकता विकसित की गई।

2. हिटलर यूथ में लड़कों को किस प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाता था?

उत्तर :
- युद्ध और सैनिक जीवन की प्रशंसा सिखाई जाती थी।
- आक्रामकता, हिंसा और कठोरता विकसित की जाती थी।
- लोकतंत्र की निंदा करना सिखाया जाता था।
- यहूदियों और अन्य 'अवांछितों' से घृणा कराई जाती थी।
- वैचारिक और शारीरिक प्रशिक्षण दिया जाता था।
- 18 वर्ष की आयु में श्रम सेवा में जाना पड़ता था।
- बाद में सेना और नात्सी संगठन से जुड़ना आवश्यक था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. नात्सी जर्मनी में महिलाओं और मातृत्व के प्रति क्या दृष्टिकोण अपनाया गया?

उत्तर : नात्सी जर्मनी में महिलाओं और मातृत्व के प्रति दृष्टिकोण –
- महिलाओं को पुरुषों से मूल रूप से अलग माना गया।
- समान अधिकारों की माँग को गलत बताया गया।
- महिलाओं का मुख्य कर्तव्य अच्छी माँ बनना था।
- उनसे शुद्ध आर्य बच्चों को जन्म देने की अपेक्षा की गई।
- नस्ल की शुद्धता बनाए रखना उनका दायित्व था।
- बच्चों को नात्सी मूल्य सिखाने की जिम्मेदारी दी गई।
- वांछित बच्चों की माताओं को विशेष सुविधाएँ मिलीं।
- चार बच्चों पर काँसे, छह पर चाँदी और आठ पर सोने का तमगा मिला।
- अवांछित बच्चों की माताओं को दंडित किया गया।
- नियम तोड़ने वाली महिलाओं का सार्वजनिक अपमान हुआ।

- उन्हें गंजा कर, कालिख पोतकर और तख्ती पहनाकर घुमाया गया।
- कई महिलाओं को जेल भेजकर उनके अधिकार छीन लिए गए।

नात्सी प्रचार की कला

रिक्तस्थान –

1. नात्सी प्रचार फिल्मों में ..... सबसे कुख्यात फिल्म थी।

उत्तर : द एटर्नल ज्यू

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. हिटलर का प्रचार मंत्री कौन था?

उत्तर : ग्योबल्स।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. नात्सी प्रचार में भाषा का उपयोग किस प्रकार किया गया?

उत्तर :
- हिंसक कार्यों को छिपाने के लिए भ्रामक शब्दों का प्रयोग हुआ।
- 'हत्या' और 'मौत' जैसे शब्दों से बचा गया।
- सामूहिक हत्या को 'विशेष व्यवहार' कहा गया।
- यहूदियों के विनाश को 'अंतिम समाधान' कहा गया।
- विकलांगों की हत्या को 'यूथनेज़िया' कहा गया।
- गैस चेंबरों में भेजने को 'इवैक्युएशन' कहा गया।
- गैस चेंबरों को 'संक्रमण–मुक्ति क्षेत्र' कहा गया।

2. नात्सी प्रचार के लिए किन माध्यमों का प्रयोग किया गया?

उत्तर :
- तस्वीरों, फिल्मों, रेडियो और पोस्टरों का उपयोग हुआ।
- आकर्षक नारे और इश्तहारी पर्चे बाँटे गए।
- बड़ी रैलियाँ और जनसभाएँ आयोजित की गईं।
- स्वस्तिक झंडों और नात्सी सैल्यूट से शक्ति प्रदर्शन किया गया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. नात्सी प्रचार यहूदियों के प्रति घृणा उत्पन्न करने में प्रभावी क्यों सिद्ध हुआ?

उत्तर :
- यहूदियों को जर्मनी की समस्याओं के लिए जिम्मेदार बताया गया।
- पोस्टरों और फिल्मों में अपमानजनक छवियाँ दिखाई गईं।
- उन्हें शैतान, चूहा, कीड़ा और केंचुआ कहा गया।
- उनकी तुलना कुतरने वाले जीवों से की गई।
- 'द एटर्नल ज्यू' जैसी फिल्मों से नफरत फैलाई गई।
- उन्हें जर्मन समाज के लिए खतरा बताया गया।
- जनता के भय और क्रोध को यहूदियों की ओर मोड़ा गया।
- संदेशों को रेडियो, फिल्म और पोस्टरों से बार–बार दोहराया गया।
- लोग दुनिया को नात्सी दृष्टिकोण से देखने लगे।
- नात्सियों को समस्याओं का एकमात्र समाधान बताया गया।

आम जनता और मानवता के विरुद्ध अपराध

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. पादरी नीम्योलर ने किसका लगातार विरोध किया था?

(अ) वर्साय की संधि (ब) नात्सीवाद
(स) वाइमर गणराज्य (द) बोल्शेविक क्रांति **(ब)**

2. 'होलोकॉस्ट' शब्द किस घटना से संबंधित है?

(अ) जर्मनी के औद्योगिक विकास से
(ब) यहूदियों पर नात्सी अत्याचार और नरसंहार से
(स) डॉव्स योजना से
(द) वाइमर संविधान से **(ब)**

3. गांधीजी ने हिटलर को पहला पत्र कब लिखा था?

(अ) 23 जुलाई 1939
(ब) 1 सितंबर 1939
(स) 30 जनवरी 1933
(द) 3 मार्च 1933 **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. शार्लट बेराट की पुस्तक का नाम ..... है।

उत्तर : थर्ड राइख ऑफ़ ड्रीम्स

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. न्यूरेम्बर्ग अदालत किस उद्देश्य से बनाई गई थी?

उत्तर : न्यूरेम्बर्ग में अंतरराष्ट्रीय सैनिक अदालत नात्सी युद्धबंदियों पर शांति के विरुद्ध अपराधों, मानवता के विरुद्ध अपराधों और युद्ध अपराधों के लिए मुकदमा चलाने हेतु स्थापित की गई थी।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. नात्सी शासन के प्रति जर्मन जनता की प्रतिक्रियाएँ कैसी थीं?

उत्तर :
- बहुत से लोग नात्सी प्रचार से प्रभावित हुए।
- वे दुनिया को नात्सी दृष्टिकोण से देखने लगे।
- अनेक लोगों ने यहूदियों के प्रति घृणा स्वीकार कर ली।
- कुछ लोगों ने यहूदियों की सूचना पुलिस को दी।
- कई लोगों को नात्सीवाद से उन्नति की आशा थी।

पढ़ो जब चाहे, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

- कुछ साहसी लोगों ने जान का खतरा लेकर विरोध किया।
- बड़ी संख्या में लोग मूक दर्शक बने रहे।
- भय के कारण लोग अत्याचार देखकर भी चुप रहे।

2. होलोकॉस्ट के इतिहास और पीड़ितों की स्मृति को सुरक्षित रखने के लिए क्या प्रयास किए गए?

उत्तर :
- पीड़ितों ने डायरियाँ और नोटबुक लिखीं।
- नात्सी अत्याचारों के दस्तावेज सुरक्षित किए गए।
- वॉरसा घेटो में दस्तावेज दूध के टिनों में दबाए गए।
- पीड़ितों के अनुभव और गवाहियाँ संरक्षित रखी गईं।
- साहित्य, स्मृति लेख, वृत्तचित्र और शायरी लिखी गई।
- स्मारकों और संग्रहालयों में इतिहास सुरक्षित रखा गया।
- ये प्रयास पीड़ितों को श्रद्धांजलि और समाज के लिए चेतावनी हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. गांधीजी ने हिटलर को लिखे पत्रों में क्या संदेश दिया?

उत्तर :
- गांधीजी ने मानवता के लिए युद्ध रोकने की अपील की।
- उन्होंने कहा कि युद्ध मानव जाति को बर्बर बना सकता है।
- उन्होंने भारी मानवीय मूल्य पर प्रश्न उठाया।
- अहिंसा को हिंसक युद्ध से श्रेष्ठ बताया।
- उनके अनुसार अहिंसा में पराजय नहीं होती।
- अहिंसात्मक संघर्ष में हत्या और चोट की जरूरत नहीं होती।
- विनाशकारी हथियारों पर किसी देश का स्थायी अधिकार नहीं रहता।
- दूसरे देश अधिक विनाशकारी तरीके विकसित कर सकते हैं।
- हिंसा जर्मनी के लिए गौरवपूर्ण विरासत नहीं छोड़ेगी।
- उन्होंने हिटलर से शांतिपूर्ण और अहिंसात्मक मार्ग अपनाने को कहा।

4 वन्य-समाज और उपनिवेशवाद

वनों का विनाश क्यों?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. औपनिवेशिक सरकार प्राकृतिक जंगलों को किस रूप में देखती थी?

(अ) लाभदायक कृषि क्षेत्र
(ब) अनुत्पादक भूमि
(स) संरक्षित सांस्कृतिक क्षेत्र
(द) ग्रामीणों की निजी संपत्ति **(ब)**

2. निम्नलिखित में से कौन-सा औपनिवेशिक काल में प्रोत्साहित की गई व्यावसायिक फ़सलों का समूह है?

(अ) पटसन, गन्ना, गेहूँ और कपास
(ब) बाजरा, मक्का, ज्वार और चना
(स) मूँग, मसूर, उड़द और अरहर
(द) आलू, प्याज, टमाटर और मटर **(अ)**

3. यूरोपीय बाज़ार की माँग पूरी करने के लिए किन फ़सलों के बड़े-बड़े बागान स्थापित किए गए?

(अ) चाय, कॉफ़ी और रबड़
(ब) चना, गेहूँ और जौ
(स) मक्का, बाजरा और ज्वार
(द) सरसों, मूँगफली और तिल **(अ)**

4. भाप से चलने वाले रेल इंजनों में मुख्यतः किस वन-संसाधन का उपयोग ईंधन के रूप में किया जाता था?

(अ) पत्तियों का (ब) लकड़ी का
(स) रबड़ का (द) बाँस का **(ब)**

रिक्तस्थान –

2. सन् 1880 से 1920 के बीच खेती योग्य ज़मीन के क्षेत्रफल में लगभग ..... लाख हेक्टेयर की वृद्धि हुई।

उत्तर : 67

3. अंग्रेज़ों ने ..... के दशक में भारत की वन-संपदा का व्यवस्थित अन्वेषण प्रारंभ कराया।

उत्तर : 1820

4. भारत में रेल लाइनों का विस्तार ..... के दशक से तेज़ी से प्रारंभ हुआ।

उत्तर : 1860

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. वन-विनाश किसे कहते हैं?

उत्तर : जंगलों को बड़े पैमाने पर साफ़ करने अथवा वनों के लगातार लुप्त होने की प्रक्रिया को वन-विनाश कहते हैं।

2. भारत की वन-संपदा का व्यवस्थित अन्वेषण क्यों कराया गया?

उत्तर : जहाज़ निर्माण के लिए उपयुक्त, मज़बूत और टिकाऊ लकड़ी वाले वृक्षों तथा वन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए वन-संपदा का व्यवस्थित अन्वेषण कराया गया।

3. रेल की पटरियों के आर-पार लगाए जाने वाले लकड़ी के तख्तों का क्या कार्य था?

उत्तर : इन तख्तों को स्लीपर कहा जाता था। ये रेल की पटरियों को उनकी जगह पर रोके रखते थे।

4. युद्ध के समय जंगलों की योजनाबद्ध कटाई की व्यवस्था क्यों बिगड़ गई?

उत्तर : पहले और दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान वन विभाग की चालू कार्ययोजनाएँ स्थगित कर दी गईं और अंग्रेज़ों की युद्ध संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर पेड़ काटे गए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. कृषि क्षेत्र के विस्तार ने भारतीय जंगलों को किस प्रकार प्रभावित किया?

उत्तर :
- बढ़ती आबादी और खाद्य माँग के कारण जंगल साफ़ किए गए।
- व्यावसायिक फ़सलों के उत्पादन को प्रोत्साहित किया गया।
- सरकार जंगलों को अनुत्पादक भूमि मानती थी।
- राजस्व प्राप्त करने के लिए नई कृषि भूमि तैयार की गई।
- सन् 1880-1920 में कृषि क्षेत्र 67 लाख हेक्टेयर बढ़ा।
- कृषि विस्तार के कारण प्राकृतिक वन क्षेत्र लगातार घटा।

2. रेलवे ठेकेदारों की गतिविधियों ने जंगलों के विनाश को कैसे बढ़ाया?

उत्तर :
- रेल इंजनों और स्लीपरों के लिए अधिक लकड़ी चाहिए थी।

पढ़ना चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

- सरकार ने लकड़ी की आपूर्ति के लिए निजी ठेके दिए।
- ठेकेदारों ने बड़ी संख्या में पेड़ काटे।
- रेल लाइनों के आसपास से लगातार लकड़ी निकाली गई।
- इससे रेलमार्गों के आसपास के जंगल तेज़ी से नष्ट हुए।

3. बागान स्थापित करने की औपनिवेशिक प्रक्रिया ने स्थानीय लोगों की जंगलों तक पहुँच कैसे सीमित की?

उत्तर :
- सरकार ने बड़े वन क्षेत्रों पर अधिकार कर लिया।
- ये क्षेत्र सस्ती दरों पर यूरोपीय बागान मालिकों को दिए गए।
- बाड़ लगाकर प्राकृतिक जंगल साफ़ किए गए।
- वहाँ चाय और कॉफ़ी के बागान बनाए गए।
- इससे स्थानीय लोगों की वन–संसाधनों तक पहुँच सीमित हुई।

4. जहाज़ निर्माण के लिए की गई कटाई और ग्रामीण आवश्यकताओं के लिए की गई कटाई में क्या अंतर था?

उत्तर :
- ग्रामीण दैनिक जरूरतों के लिए सीमित लकड़ी लेते थे।
- जहाज़ निर्माण के लिए मज़बूत लकड़ी बड़ी मात्रा में चाहिए थी।
- ग्रामीण कटाई स्थानीय उपयोग पर आधारित थी।
- जहाज़ निर्माण के लिए संगठित और बड़े स्तर पर कटाई हुई।
- 1820 के दशक में वन–संपदा का अन्वेषण कराया गया।
- इसके बाद भारी मात्रा में लकड़ी का निर्यात होने लगा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. वन–विनाश और वैज्ञानिक वानिकी ने प्राकृतिक वनों को किस प्रकार प्रभावित किया?

उत्तर :
- खेती, चरागाह, ईंधन और उद्योगों के लिए वन साफ़ किए गए।
- मिश्रित प्राकृतिक जंगलों का क्षेत्र लगातार घटा।
- वैज्ञानिक वानिकी के नाम पर प्राकृतिक वन काटे गए।
- उनके स्थान पर एक ही प्रजाति के पेड़ लगाए गए।
- साल और सागौन जैसी उपयोगी प्रजातियों को बढ़ावा मिला।
- दूसरी वनस्पतियों और पेड़ों को हटा दिया गया।
- प्राकृतिक वनों की पौध–विविधता बहुत कम हो गई।
- एकल–प्रजाति बागानों ने वन–विविधता को गंभीर रूप से प्रभावित किया।

2. औपनिवेशिक वन नीति में संरक्षण और आर्थिक उपयोग के बीच क्या विरोधाभास था?

उत्तर :
- अंग्रेज़ों ने जंगल बचाने के नाम पर वन–कानून बनाए।
- वन–विभाग और वैज्ञानिक वानिकी की व्यवस्था लागू की गई।
- ग्रामीणों की कटाई, चराई और संग्रह गतिविधियों पर रोक लगी।
- दूसरी ओर जहाज़ और रेलवे के लिए पेड़ काटे जाते रहे।
- प्राकृतिक वनों को काटकर साल और सागौन लगाए गए।
- वन–प्रबंधन का उद्देश्य नियमित लकड़ी उत्पादन था।
- संरक्षण के नाम पर ग्रामीण अधिकार सीमित किए गए।
- औपनिवेशिक लाभ के लिए वनों का व्यावसायिक उपयोग जारी रहा।

व्यावसायिक वानिकी की शुरुआत

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारत का पहला वन महानिदेशक किसे नियुक्त किया गया?

(अ) जॉर्ज यूल
(ब) गुंडा धूर
(स) डायट्रिच ब्रैंडिस
(द) सुरोन्तिको सामिन **(स)**

2. सन् 1878 के वन अधिनियम में जंगलों को कितनी श्रेणियों में बाँटा गया?

(अ) दो (ब) तीन
(स) चार (द) पाँच **(ब)**

3. सबसे मूल्यवान और अच्छी गुणवत्ता वाले जंगलों को किस श्रेणी में रखा गया?

(अ) ग्रामीण वन (ब) निजी वन
(स) सुरक्षित वन (द) आरक्षित वन **(द)**

4. वन विभाग व्यावसायिक उपयोग के लिए किन वृक्षों को प्राथमिकता देता था?

(अ) आम और जामुन
(ब) नीम और पीपल
(स) साल और सागौन
(द) महुआ और बरगद **(स)**

5. सन् 1875 से 1925 के बीच कितने से अधिक बाघ मारे गए?

(अ) 8,000 (ब) 18,000
(स) 80,000 (द) 1,80,000 **(स)**

रिक्तस्थान –

1. भारतीय वन सेवा की स्थापना सन् ..... में हुई।

उत्तर : 1864

2. पहला भारतीय वन अधिनियम सन् ..... में बनाया गया।

उत्तर : 1865

3. इम्पीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट की स्थापना सन् ..... में हुई।

उत्तर : 1906

4. झूम खेती वाली भूमि को खेती के बाद सामान्यतः ..... से 18 वर्ष तक परती छोड़ा जाता था।

उत्तर : 12

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. वैज्ञानिक वानिकी क्या थी?

उत्तर : यह औपनिवेशिक वन–प्रबंधन की ऐसी पद्धति थी जिसमें योजनाबद्ध ढंग से पेड़ काटकर उनके स्थान पर एक ही उपयोगी प्रजाति के वृक्ष लगाए जाते थे।

2. वन क्षेत्रों का सर्वेक्षण और नाप–जोख क्यों किया जाता था?

उत्तर : यह निर्धारित करने के लिए सर्वेक्षण किया जाता था कि किसी वन क्षेत्र से कितनी लकड़ी काटी जाएगी और वहाँ नए वृक्ष कब लगाए जाएँगे।

3. वन कानूनों का वनवासियों के पारंपरिक शिकार पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर : वनवासियों के पारंपरिक शिकार को गैरकानूनी घोषित कर दिया गया और पकड़े जाने पर उन्हें दंड दिया जाने लगा।

4. ग्रामीण मिश्रित प्राकृतिक जंगलों को उपयोगी क्यों मानते थे?

उत्तर : मिश्रित जंगलों से ग्रामीणों को ईंधन, चारा, फल, पत्तियाँ, औषधियाँ और दैनिक जीवन की अनेक आवश्यक वस्तुएँ मिलती थीं।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. डायट्रिच ब्रैंडिस ने वन–प्रबंधन के लिए क्या सुझाव दिए?

उत्तर : डायट्रिच ब्रैंडिस ने वन–प्रबंधन के लिए सुझाव –

- लोगों को संरक्षण विज्ञान का प्रशिक्षण दिया जाए।
- वन–प्रबंधन के लिए व्यवस्थित तंत्र बनाया जाए।
- वन–संपदा के उपयोग के कानूनी नियम बनाए जाएँ।
- पेड़ों की कटाई और पशु चराई पर नियंत्रण हो।
- जंगलों को लकड़ी उत्पादन के लिए आरक्षित किया जाए।
- नियम तोड़ने वालों के लिए दंड की व्यवस्था हो।

2. आरक्षित वन बनाए जाने से ग्रामीणों के परंपरागत अधिकारों में क्या परिवर्तन आया?

उत्तर :

- वन क्षेत्रों पर सरकार का सीधा नियंत्रण हो गया।
- आरक्षित वनों से कुछ भी लेना प्रतिबंधित हो गया।
- लकड़ी काटना और पशु चराना गैरकानूनी बना।
- फल, कंद–मूल और वन–उत्पाद इकट्ठा करने पर रोक लगी।
- लकड़ी केवल सुरक्षित या ग्रामीण वनों से ली जा सकती थी।
- ग्रामीण अधिकार वन अधिकारियों के नियंत्रण में आ गए।

3. वन कानूनों का ग्रामीण महिलाओं पर विशेष प्रभाव क्यों पड़ा?

उत्तर :

- महिलाएँ मुख्य रूप से जलावन की लकड़ी एकत्र करती थीं।
- लकड़ी और वन–उत्पाद जुटाना गैरकानूनी बना दिया गया।
- दैनिक जरूरतों के लिए उन्हें कानून तोड़ना पड़ता था।
- पकड़े जाने पर वे वन रक्षकों पर निर्भर रहती थीं।
- उनसे घूस और मुफ़्त खाने–पीने की माँग की जाती थी।
- पुलिस और चौकीदार भी उन्हें परेशान करते थे।

4. वन विभाग के नियंत्रण से कौन–से नए रोज़गार उत्पन्न हुए और उनकी परिस्थितियाँ कैसी थीं?

उत्तर :

- कुछ समुदाय वन–उत्पादों का व्यापार करने लगे।
- मुनदुरुकु समुदाय ने रबड़ के पेड़ों से लेटेक्स जुटाया।
- भारत में लोगों को फैक्ट्रियों और खदानों में काम मिला।
- अनेक लोग चाय बागानों में भर्ती किए गए।
- संथाल, उराँव और गोंड समुदाय के लोग काम करते थे।
- मजदूरी कम और काम की परिस्थितियाँ खराब थीं।
- भर्ती होने के बाद गाँव लौटना कठिन था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. झूम खेती की प्रक्रिया, उस पर प्रतिबंध लगाने के कारण और प्रतिबंध के परिणाम समझाइए।

उत्तर : झूम खेती की प्रक्रिया –

- जंगल के कुछ भाग काटकर जलाए जाते थे।
- एक–दो वर्ष बाद भूमि को परती छोड़ दिया जाता था।
- 12 से 18 वर्ष में वहाँ फिर जंगल उग जाता था।

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

प्रतिबंध लगाने के कारण –

- ऐसी भूमि पर इमारती लकड़ी के पेड़ नहीं उगते थे।
- आग से मूल्यवान पेड़ों के जलने का खतरा था।
- सरकार के लिए लगान का हिसाब रखना कठिन था।

प्रतिबंध के परिणाम –

- अनेक समुदायों को जंगलों से विस्थापित किया गया।
- कई लोगों को अपना पेशा बदलना पड़ा।
- उनकी पारंपरिक आजीविका प्रभावित हुई।
- लोगों ने छोटे–बड़े विद्रोहों से विरोध किया।

2. वैज्ञानिक वानिकी से प्राकृतिक वनों और ग्रामीण जीवन पर क्या प्रभाव पड़े?

उत्तर :

- विभिन्न प्रजातियों वाले प्राकृतिक जंगल काटे गए।
- उनके स्थान पर एक ही प्रकार के पेड़ लगाए गए।
- साल और सागौन को अधिक महत्त्व दिया गया।
- दूसरी वनस्पतियों और प्रजातियों को हटाया गया।
- ग्रामीणों को ईंधन, चारा और फल मिलना कठिन हुआ।
- पत्तियाँ, जड़ी–बूटियाँ और अन्य उत्पाद कम मिले।
- आरक्षित वनों से उपयोग की वस्तुएँ लेना बंद हुआ।
- ग्रामीण जीवन और आजीविका कमजोर हुई।
- वन–विभाग ने स्थानीय जरूरतों से अधिक लकड़ी उत्पादन को महत्त्व दिया।

वन–विद्रोह–बस्तर का विद्रोह

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. बस्तर वर्तमान में किस राज्य के दक्षिणी भाग में स्थित है?

(अ) झारखंड (ब) मध्य प्रदेश
(स) छत्तीसगढ़ (द) महाराष्ट्र **(स)**

2. बस्तर विद्रोह में किस समुदाय ने अग्रणी भूमिका निभाई?

(अ) धुरवा (ब) संथाल
(स) बैगा (द) उराँव **(अ)**

3. अंग्रेज़ बस्तर विद्रोह के किस प्रमुख नायक को पकड़ने में असफल रहे?

(अ) डायट्रिच ब्रैंडिस
(ब) बिरसा मुंडा
(स) सुरोन्तिको सामिन
(द) गुंडा धूर **(द)**

रिक्तस्थान –

1. औपनिवेशिक सरकार ने बस्तर के जंगलों के लगभग ..... भाग को आरक्षित करने का प्रस्ताव रखा।

उत्तर : दो–तिहाई

2. बस्तर के लोग अपनी ज़मीन को ..... की देन मानते थे।

उत्तर : धरती माँ

3. वन विभाग के लिए मुफ़्त श्रम करने की शर्त पर आरक्षित जंगलों में रहने दिए गए गाँव ..... कहलाते थे।

उत्तर : वन ग्राम

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. धुरवा समुदाय के अतिरिक्त बस्तर में रहने वाले किन्हीं तीन समुदायों के नाम लिखिए।

उत्तर : मरिया गोंड, मुरिया गोंड, भतरा

2. किन प्राकृतिक परिस्थितियों ने बस्तर के लोगों की कठिनाइयाँ बढ़ा दी थीं?

उत्तर : सन् 1899–1900 और 1907–1908 के अकालों ने बस्तर के लोगों की खाद्य तथा आर्थिक कठिनाइयाँ बढ़ा दी थीं।

3. बाज़ार और त्योहार बस्तर विद्रोह के संगठन में कैसे सहायक बने?

उत्तर : बाज़ारों और त्योहारों में अलग–अलग गाँवों के लोग एकत्र होते थे। इन अवसरों पर तथा गाँवों के मुखियाओं और पुजारियों की सभाओं में वे वन आरक्षण और अपनी अन्य समस्याओं पर चर्चा करते थे।

4. बस्तर विद्रोह की एक प्रमुख उपलब्धि लिखिए।

उत्तर : सरकार को वन आरक्षण का कार्य कुछ समय के लिए स्थगित करना पड़ा और आरक्षित क्षेत्र को 1910 से पहले की योजना की तुलना में लगभग आधा करना पड़ा।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. बस्तर के भौतिक स्वरूप की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

उत्तर :

- बस्तर छत्तीसगढ़ के दक्षिणी छोर पर स्थित है।
- यह आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और महाराष्ट्र से लगा है।
- इसका केंद्रीय भाग पठारी है।
- उत्तर में छत्तीसगढ़ का मैदान स्थित है।
- दक्षिण में गोदावरी का मैदान है।
- इन्द्रावती नदी पूरब से पश्चिम बहती है।

2. बस्तर के लोगों में औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध असंतोष बढ़ने के प्रमुख कारण क्या थे?

उत्तर :

- जंगलों पर सरकारी नियंत्रण बढ़ रहा था।
- घुमंतू खेती रोकने की योजना बनाई गई।
- शिकार और वन–उत्पाद संग्रह पर प्रतिबंध लगा।
- गाँवों को बिना सूचना और मुआवज़े के हटाया गया।
- ग्रामीणों से बेगार और मुफ़्त श्रम लिया गया।

3. काँगेर वन क्षेत्र और सामुदायिक सभाओं ने बस्तर विद्रोह के संगठन में क्या भूमिका निभाई?

उत्तर :

- काँगेर के धुरवा समुदाय ने आंदोलन का नेतृत्व किया।
- वन आरक्षण सबसे पहले काँगेर में लागू हुआ था।
- लोग बाज़ारों और त्योहारों में एकत्र होते थे।
- वे सरकारी नीतियों और समस्याओं पर चर्चा करते थे।

- मुखिया और पुजारियों की सभाएँ भी आयोजित होती थीं।
- इन बैठकों ने गाँवों को एक आंदोलन में जोड़ा।

4. औपनिवेशिक सरकार ने बस्तर विद्रोह को किस प्रकार दबाया?

उत्तर :
- विद्रोह दबाने के लिए सैनिक बल भेजा गया।
- सैनिकों ने विद्रोहियों को घेरकर बल प्रयोग किया।
- नियंत्रण पाने में लगभग तीन महीने लगे।
- अंग्रेज़ गुंडा धूर को पकड़ने में असफल रहे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. बस्तर की सामुदायिक वन–व्यवस्था की प्रमुख विशेषताएँ तथा उस पर औपनिवेशिक हस्तक्षेप का प्रभाव समझाइए।

उत्तर : सामुदायिक वन–व्यवस्था –
- लोग भूमि को धरती माँ की देन मानते थे।
- त्योहारों पर धरती को चढ़ावा चढ़ाया जाता था।
- नदी, जंगल और पहाड़ों की आत्माओं का सम्मान होता था।
- प्रत्येक गाँव अपनी सीमा और संसाधनों की रक्षा करता था।
- दूसरे गाँव से लकड़ी लेने पर छोटा शुल्क दिया जाता था।
- यह शुल्क देवसारी, दांड़ या मान कहलाता था।

औपनिवेशिक हस्तक्षेप का प्रभाव –
- दो–तिहाई जंगल आरक्षित करने का प्रस्ताव रखा गया।
- घुमंतू खेती और शिकार रोकने की योजना बनी।
- वन–उत्पादों के संग्रह पर प्रतिबंध लगाया गया।
- कुछ गाँवों से मुफ़्त कटाई और ढुलाई कराई गई।
- ऐसे गाँवों को वन ग्राम कहा गया।

2. आज़ादी के बाद भी बस्तर में वन–संघर्ष क्यों जारी रहा?

उत्तर :
- जंगलों से लोगों को दूर रखने की नीति जारी रही।
- वन औद्योगिक उपयोग के लिए आरक्षित किए जाते रहे।
- 1970 के दशक में विश्व बैंक ने एक परियोजना प्रस्तावित की।
- इसका उद्देश्य कागज़ उद्योग के लिए लुगदी उपलब्ध कराना था।
- 4,600 हेक्टेयर साल वन हटाकर देवदार लगाए जाने थे।
- इससे प्राकृतिक साल वनों को खतरा पैदा हुआ।
- स्थानीय पर्यावरणविदों ने परियोजना का विरोध किया।
- विरोध के कारण परियोजना रोक दी गई।
- औद्योगिक योजनाओं और वन–संरक्षण का संघर्ष जारी रहा।

जावा के जंगलों में हुए बदलाव

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. जावा के कुशल लकड़हारे और घुमंतू किसान कौन थे?

(अ) धुरवा (ब) कलांग
(स) गोंड (द) भतरा **(ब)**

2. डचों की मुफ़्त श्रम व्यवस्था को क्या कहा जाता था?

(अ) टौंग्या (ब) मिलपा
(स) ब्लैन्डॉंगडिएन्स्टेन (द) देवसारी **(स)**

3. जावा में जंगलों पर राजकीय मालिकाने को किसने चुनौती दी?

(अ) डायट्रिच ब्रैंडिस (ब) सुरोन्तिको सामिन
(स) गुंडा धूर (द) जॉर्ज यूल **(ब)**

4. जापानी कब्जे से पहले डचों ने कौन–सी नीति अपनाई?

(अ) भूमि सुधार नीति
(ब) लगान माफी नीति
(स) भस्म–कर भागो नीति
(द) सामुदायिक वन नीति **(स)**

रिक्तस्थान –

1. जावा में जहाज़ और अन्य निर्माण कार्यों के लिए महत्त्वपूर्ण लकड़ी ..... थी।

उत्तर : सागौन

2. सन् 1907 तक सामिन के विचारों को मानने वाले परिवारों की संख्या लगभग ..... हो गई थी।

उत्तर : 3,000

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. डचों ने जावा में वन–कानून क्यों लागू किए?

उत्तर : उपनिवेशक लोगों और वन क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित करना चाहते थे। वे जहाज़ तथा रेल–लाइन निर्माण के लिए लकड़ी प्राप्त करना और ग्रामीणों की जंगल तक पहुँच को नियंत्रित करना चाहते थे।

2. जावा में ग्रामीणों के लकड़ी काटने और ढोने पर कौन–से नियंत्रण लगाए गए?

उत्तर : ग्रामीण केवल नाव या घर बनाने जैसे विशेष उद्देश्यों के लिए चुने हुए जंगलों से और कड़ी निगरानी में लकड़ी काट सकते थे। बिना परमिट लकड़ी ढोने पर उन्हें दंडित किया जाता था।

3. जावा में कुछ गाँवों को लगान से छूट किस शर्त पर दी गई?

उत्तर : उन्हें सामूहिक रूप से पेड़ काटने और लकड़ी ढोने का काम मुफ़्त में करना पड़ता था तथा इस कार्य के लिए भैंसें उपलब्ध करानी होती थीं।

पढ़ाई जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

4. युद्ध के बाद इंडोनेशियाई वन सेवा के लिए वन–भूमि वापस लेना कठिन क्यों हो गया?

उत्तर : युद्ध के दौरान बहुत से गाँव वालों ने जंगलों में अपनी खेती का विस्तार कर लिया था। इसलिए युद्ध के बाद वन सेवा के लिए इन ज़मीनों को वापस प्राप्त करना कठिन हो गया।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. कलांगों ने डच वन–नियंत्रण का किस प्रकार विरोध किया?

उत्तर :
- कलांग कुशल लकड़हारे और घुमंतू किसान थे।
- सागौन कटाई और महल निर्माण में उनका कौशल महत्त्वपूर्ण था।
- डच उनसे अपने नियंत्रण में काम कराना चाहते थे।
- कलांगों ने इस व्यवस्था को स्वीकार नहीं किया।
- सन् 1770 में उन्होंने डच किले पर हमला किया।
- डच शासन ने विद्रोह को दबा दिया।

2. रेलवे स्लीपरों की माँग ने जावा के जंगलों पर दबाव कैसे बढ़ाया?

उत्तर :
- रेल लाइनों के लिए बड़ी मात्रा में लकड़ी चाहिए थी।
- सन् 1882 में 2,80,000 स्लीपरों का निर्यात हुआ।
- इतनी लकड़ी के लिए बड़े स्तर पर पेड़ काटे गए।
- कटाई और ढुलाई के लिए अधिक श्रम लिया गया।
- स्लीपर बनाने में भी बड़ी संख्या में लोग लगाए गए।
- डचों ने जंगल और ग्रामीण श्रम पर नियंत्रण बढ़ाया।

3. सामिन आंदोलन में विरोध के कौन–कौन से तरीके अपनाए गए?

उत्तर :
- राज्य के वन–अधिकार को स्वीकार नहीं किया गया।
- भूमि सर्वेक्षण का विरोध किया गया।
- लोग अपनी ज़मीन पर लेटकर सर्वेक्षण रोकते थे।
- लगान देने से इनकार किया गया।
- जुर्माना भरने से मना किया गया।
- बेगार और मुफ़्त श्रम का विरोध हुआ।

4. जापानी शासन की युद्धकालीन आवश्यकताओं ने जावा के जंगलों को कैसे प्रभावित किया?

उत्तर :
- वनवासियों को जंगल काटने के लिए मजबूर किया गया।
- युद्ध उद्योग के लिए वनों का अत्यधिक दोहन हुआ।
- गाँव वालों ने जंगलों में खेती का विस्तार किया।
- युद्ध के बाद भूमि वापस लेना कठिन हो गया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. सन् 1980 के दशक के बाद वन–प्रबंधन संबंधी सोच में क्या परिवर्तन आया?

उत्तर :
- सरकारों ने पुरानी वन नीतियों की कमियाँ समझीं।
- वैज्ञानिक वानिकी से बार–बार संघर्ष पैदा हुए।
- लोगों को जंगलों से बाहर रखने की नीति पर पुनर्विचार हुआ।
- लकड़ी उत्पादन के बजाय संरक्षण को महत्त्व मिला।
- वन संरक्षण में स्थानीय लोगों की सहायता आवश्यक मानी गई।
- ग्रामीण समुदायों की भूमिका को स्वीकार किया गया।
- अनेक जंगल पवित्र बगीचों के रूप में सुरक्षित रहे।
- सरना, देवराकुडु, कान और राई इसके उदाहरण थे।
- वन–प्रबंधन में स्थानीय भागीदारी को आवश्यक माना गया।

2. भारत और जावा के औपनिवेशिक वन–प्रबंधन में क्या समानताएँ थीं?

उत्तर :
- दोनों स्थानों पर जंगलों पर सरकारी नियंत्रण स्थापित हुआ।
- जहाज़ और रेलवे के लिए लकड़ी प्राप्त करना मुख्य उद्देश्य था।
- स्थानीय लोगों की जंगलों तक पहुँच सीमित की गई।
- लकड़ी काटने और पशु चराने पर प्रतिबंध लगाए गए।
- वन–संसाधनों के उपयोग को नियंत्रित किया गया।
- उपयोगी इमारती लकड़ी वाली प्रजातियों को बढ़ावा दिया गया।
- ग्रामीणों से कटाई और ढुलाई का श्रम कराया गया।
- भारत में वन ग्रामों की व्यवस्था लागू हुई।
- जावा में ब्लैन्डॉगडिएन्स्टेन व्यवस्था लागू हुई।
- दोनों स्थानों पर स्थानीय लोगों ने विरोध किया।
- भारत में बस्तर विद्रोह हुआ।
- जावा में कलांग और सामिन आंदोलन हुए।

पढ़ें जहाँ से, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

5 आधुनिक विश्व में चरवाहे

घुमंतू चरवाहे और उनकी आवाजाही

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. गद्दी चरवाहे मुख्य रूप से किस राज्य से संबंधित थे?
(अ) राजस्थान (ब) हिमाचल प्रदेश
(स) महाराष्ट्र (द) गुजरात **(ब)**

2. धंगर चरवाहा समुदाय का संबंध किस राज्य से था?
(अ) कर्नाटक (ब) पंजाब
(स) महाराष्ट्र (द) उत्तर प्रदेश **(स)**

3. गोल्ला समुदाय के लोग मुख्य रूप से कौन–से पशु पालते थे?
(अ) गाय और भैंस
(ब) ऊँट और घोड़े
(स) भेड़ और बकरियाँ
(द) गधे और खच्चर **(अ)**

4. कुरुमा और कुरुबा समुदाय की चरवाही के साथ जुड़ी प्रमुख आर्थिक गतिविधि क्या थी?
(अ) चावल का व्यापार
(ब) हाथ से बुने कम्बल बेचना
(स) ऊँटों की खरीद–बिक्री
(द) खेती के औजार बनाना **(ब)**

5. मारू राइका समुदाय मुख्य रूप से किस पशु के पालन से जुड़ा था?
(अ) भैंस (ब) घोड़ा
(स) ऊँट (द) गाय **(स)**

रिक्तस्थान –

1. ऊँचे पहाड़ों में स्थित प्राकृतिक घास के मैदानों को ..... कहा जाता है।
उत्तर : बुग्याल

2. गढ़वाल और कुमाऊँ की पहाड़ियों के निचले हिस्सों के आसपास पाए जाने वाले सूखे जंगलों को ..... कहा जाता है।
उत्तर : भाबर

3. बीसवीं सदी की शुरुआत में धंगर समुदाय की आबादी लगभग ..... थी।
उत्तर : 4,67,000

4. मारू राइका समुदाय की बस्ती को ..... कहा जाता था।
उत्तर : ढंडी

5. पश्चिमी राजस्थान में ऊँट मेला ..... में लगता था।
उत्तर : बलोतरा

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. घुमंतू चरवाहे किसे कहते हैं?
उत्तर : ऐसे चरवाहे जो किसी एक स्थान पर स्थायी रूप से न रहकर अपने पशुओं के लिए चरागाह और आजीविका की तलाश में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते रहते हैं।

2. रबी की फसल किसे कहा जाता है?
उत्तर : जाड़ों की उन फसलों को रबी की फसल कहा जाता है जिनकी कटाई मार्च के बाद शुरू होती है।

3. खरीफ की फसल किसे कहा जाता है?
उत्तर : सितंबर–अक्टूबर में काटी जाने वाली फसलों को खरीफ की फसल कहा जाता है।

4. चरवाहों को यात्रा आरम्भ करने से पहले किन दो बातों का ध्यान रखना पड़ता था?
उत्तर : उन्हें पानी और चरागाह की उपलब्धता तथा विभिन्न इलाकों से गुजरने की अनुमति और सही समय का ध्यान रखना पड़ता था।

5. चरवाहों की निरंतर आवाजाही से चरागाहों को क्या लाभ होता था?
उत्तर : किसी एक चरागाह का आवश्यकता से अधिक उपयोग नहीं होता था और उसमें दोबारा हरियाली लौटने का समय मिल जाता था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. कोंकण के किसान धंगरों का स्वागत क्यों करते थे?
उत्तर :
- धंगरों के पशु खेतों में बची ठूँठें खा लेते थे।
- पशुओं के गोबर से खेतों को प्राकृतिक खाद मिलती थी।
- इससे खेत रबी की फसल के लिए उपजाऊ बन जाते थे।

2. मॉनसून आरम्भ होने पर धंगर कोंकण छोड़कर क्यों लौट जाते थे?

मिशन ज्ञान
पढ़ना चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

उत्तर :
- धंगरों की भेड़ें गीले मॉनसूनी वातावरण को सहन नहीं कर पाती थीं।
- इसलिए बारिश शुरू होते ही वे सूखे पठारी क्षेत्रों में लौट जाते थे।

3. बंजारा समुदाय की विनिमय–आधारित आर्थिक गतिविधियों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- बंजारे बहुत दूर–दूर तक यात्रा करते थे।
- वे गाँव वालों को पशु और अन्य वस्तुएँ बेचते थे।
- बदले में उन्हें अनाज और पशुओं के लिए चारा मिलता था।

4. राजस्थान के राइका समुदाय ने खेती के साथ चरवाही क्यों अपनाई?

उत्तर :
- राजस्थान में वर्षा कम और अनिश्चित थी।
- खेती की उपज हर वर्ष समान नहीं रहती थी।
- कई क्षेत्रों में फसल बिल्कुल नहीं होती थी।
- इसलिए राइका खेती के साथ चरवाही भी करते थे।

5. गुज्जर समुदाय बाजार से किस प्रकार जुड़ा हुआ था?

उत्तर :
- गुज्जर दूध, मक्खन और घी बाजार में बेचते थे।
- वे पशुओं से मिलने वाली अन्य वस्तुएँ भी बेचते थे।
- इन्हीं गतिविधियों से उनकी आजीविका चलती थी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. गुज्जर बकरवालों की मौसमी आवाजाही का क्रमबद्ध वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- जाड़ों में वे शिवालिक की निचली पहाड़ियों में डेरा डालते थे।
- वहाँ की सूखी झाड़ियाँ पशुओं के चारे का काम करती थीं।
- अप्रैल के अंत में वे उत्तर की ओर बढ़ने लगते थे।
- परिवार काफिलों में पीर पंजाल के दर्रे पार करते थे।
- वे गर्मियों में कश्मीर घाटी के हरे चरागाहों में पहुँचते थे।
- सितंबर के अंत में वे जाड़ों के ठिकानों की ओर लौटते थे।
- बर्फ जमने से पहले वे निचली पहाड़ियों में पहुँच जाते थे।

2. गद्दी चरवाहों की वार्षिक यात्रा का विस्तार से वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- जाड़ों में गद्दी शिवालिक की निचली पहाड़ियों में रहते थे।
- वे पशुओं को वहाँ की झाड़ियों में चराते थे।
- अप्रैल में वे उत्तर की ओर चल पड़ते थे।
- गर्मियों का समय लाहौल और स्पीति में बिताते थे।
- दर्रे खुलने पर वे ऊँचे घास के मैदानों में जाते थे।
- सितंबर में वे वापस लौटना शुरू करते थे।
- रास्ते में फसल काटते और सर्दियों की फसल बोते थे।
- नीचे लौटते समय भेड़ों की ऊन उतरवाते थे।
- इसके बाद वे जाड़ों वाले चरागाहों में पहुँचते थे।

3. धंगर समुदाय की वार्षिक आवाजाही और आर्थिक जीवन का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- बरसात में धंगर महाराष्ट्र के अर्ध–शुष्क पठारों में रहते थे।
- मॉनसून में ये क्षेत्र पशुओं के लिए चरागाह बन जाते थे।
- बाजरे की कटाई के बाद वे पश्चिम की ओर जाते थे।
- लगभग एक महीने बाद वे कोंकण पहुँचते थे।
- पशु खेतों की ठूँठें खाते और गोबर से खाद देते थे।
- बदले में कोंकणी किसान उन्हें चावल देते थे।
- मॉनसून शुरू होते ही वे सूखे पठारी क्षेत्र में लौटते थे।

4. पहाड़ी और पठारी चरवाहों की आवाजाही में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : पहाड़ी चरवाहे –
- उनकी आवाजाही बर्फबारी और तापमान पर निर्भर थी।
- जाड़ों में वे निचली पहाड़ियों में रहते थे।
- गर्मियों में ऊँचे चरागाहों की ओर जाते थे।

पठारी चरवाहे –
- उनकी आवाजाही वर्षा और फसल–चक्र से जुड़ी थी।
- सूखे मौसम में वे दूसरे उपयुक्त क्षेत्रों में जाते थे।
- बरसात शुरू होने पर पठारों की ओर लौटते थे।

5. घुमंतू चरवाहों की आवाजाही उनकी आजीविका और पर्यावरण के लिए किस प्रकार उपयोगी थी?

उत्तर :
- पशुओं को अलग–अलग मौसमों में पर्याप्त चारा मिलता था।
- पशुओं को बर्फ, सूखे और अधिक नमी से बचाया जाता था।
- खेतों की बची फसल पशुओं के चारे के रूप में काम आती थी।
- गोबर से किसानों के खेतों को खाद मिलती थी।
- किसी एक चरागाह पर अधिक दबाव नहीं पड़ता था।
- खाली चरागाहों में दोबारा हरियाली लौट आती थी।
- खेती, व्यापार और चरवाही से परिवारों की आजीविका चलती थी।

औपनिवेशिक शासन और चरवाहों का जीवन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. अंग्रेज सरकार चरागाहों को खेती योग्य भूमि में क्यों बदलना चाहती थी?

(अ) जंगलों का विस्तार करने के लिए

(ब) अधिक भूमि–लगान प्राप्त करने के लिए

(स) चरवाहों को स्थायी घर देने के लिए
(द) पशुओं की संख्या बढ़ाने के लिए **(ब)**

2. आरक्षित वनों में चरवाहों के प्रवेश पर रोक लगाने का सरकारी तर्क क्या था?
(अ) पशु नई कोंपलों और छोटे पौधों को नुकसान पहुँचाते थे
(ब) चरवाहे खेती नहीं करते थे
(स) जंगलों में पानी की कमी थी
(द) चरवाहे व्यापार नहीं करते थे **(अ)**

3. अपराधी जनजाति अधिनियम किस वर्ष पारित किया गया?
(अ) 1880 (ब) 1857
(स) 1913 (द) 1871 **(द)**

4. किसी चरागाह में प्रवेश करने के लिए चरवाहों को कौन–सा दस्तावेज दिखाना पड़ता था?
(अ) भूमि–पत्र (ब) पास
(स) व्यापार–पत्र (द) जन्म प्रमाण–पत्र **(ब)**

5. चरवाहों की आवाजाही पर रोक लगने से बचे हुए चरागाहों पर क्या प्रभाव पड़ा?
(अ) उनका उपयोग पूरी तरह बंद हो गया
(ब) उन पर पशुओं का दबाव बढ़ गया
(स) वहाँ नए जंगल विकसित हो गए
(द) चरागाहों का क्षेत्र बढ़ गया **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. गैर–खेतिहर भूमि को अंग्रेज अधिकारी ..... भूमि मानते थे।

उत्तर : बेकार

2. जंगल में प्रवेश और वापसी की तारीख चरवाहों के ..... में लिखी रहती थी।

उत्तर : परमिट

3. सन् 1850 से 1880 के दशकों के बीच चरवाही कर वसूलने का काम ..... को दिया जाता था।

उत्तर : ठेकेदारों

4. 1880 के दशक में सरकार ने अपने ..... के माध्यम से सीधे कर वसूलना शुरू किया।

उत्तर : कारिंदों

5. भारत–पाकिस्तान सीमा बनने के बाद राइका अपने पशु चराने के लिए ..... के खेतों में जाने लगे।

उत्तर : हरियाणा

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. अंग्रेज अधिकारी गैर–खेतिहर भूमि को अनुपयोगी क्यों मानते थे?

उत्तर : क्योंकि उस भूमि से न तो सरकार को लगान मिलता था और न ही कोई कृषि उपज प्राप्त होती थी।

2. अपराधी जनजाति अधिनियम के अंतर्गत घुमंतू समुदायों को किस प्रकार घोषित किया गया?

उत्तर : उन्हें कुदरती और जन्मजात अपराधी घोषित कर दिया गया।

3. कुछ चरवाहों ने अपने पशुओं की संख्या क्यों घटा दी?

उत्तर : क्योंकि पहले की तरह बड़े रेवड़ों को चराने के लिए पर्याप्त चरागाह उपलब्ध नहीं रह गए थे।

4. गरीब चरवाहे मजदूर बनने के लिए क्यों विवश हुए?

उत्तर : कर्ज बढ़ने और पशुओं के हाथ से निकल जाने के कारण उन्हें खेतों तथा छोटे कस्बों में मजदूरी करनी पड़ी।

5. वन में रहने की निर्धारित अवधि समाप्त होने पर चरवाहों को क्या करना पड़ता था?

उत्तर : चारा उपलब्ध होने पर भी उन्हें परमिट में लिखी समय–सीमा के अनुसार जंगल छोड़ना पड़ता था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. वन अधिनियमों ने चरवाहों की स्वतंत्र आवाजाही को किस प्रकार सीमित किया?

उत्तर :
- आरक्षित वनों में चरवाहों का प्रवेश बंद किया गया।
- संरक्षित वनों में भी उनकी आवाजाही सीमित हुई।
- जंगल में जाने के लिए परमिट लेना आवश्यक था।
- प्रवेश और वापसी की तारीख पहले से तय रहती थी।
- समय–सीमा तोड़ने पर जुर्माना लगाया जाता था।

2. चरवाही कर की वसूली की व्यवस्था कैसे बदलती गई?

उत्तर :
- प्रत्येक पशु पर चरवाही कर लगाया गया।
- पहले कर–वसूली ठेकेदारों को दी जाती थी।
- ठेकेदार अधिक लाभ के लिए ज्यादा कर वसूलते थे।
- 1880 के दशक में सरकारी कारिंदे सीधे कर लेने लगे।
- पास में पशुओं की संख्या और कर का विवरण लिखा जाता था।

3. चरागाहों की कमी का पशुओं की स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर :
- बचे हुए चरागाहों पर पशुओं का दबाव बढ़ गया।
- चरागाहों की गुणवत्ता गिरने लगी।
- पशुओं के लिए चारे की कमी हो गई।
- उनकी खुराक और स्वास्थ्य खराब हुआ।
- पशुओं की संख्या घटने लगी।
- अकाल में बड़ी संख्या में पशु मर जाते थे।

4. चरवाहों ने औपनिवेशिक प्रतिबंधों के अनुसार अपनी आजीविका में क्या बदलाव किए?

उत्तर :
- कुछ चरवाहों ने पशुओं की संख्या घटा दी।
- उन्होंने नए रास्ते और चरागाह खोजे।
- धनी चरवाहों ने जमीन खरीदकर खेती शुरू की।

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

- कुछ चरवाहों ने व्यापार अपनाया।
- गरीब चरवाहे खेतों और कस्बों में मजदूरी करने लगे।

5. औपनिवेशिक सरकार घुमंतू समुदायों को संदेह की दृष्टि से क्यों देखती थी?

उत्तर :
- घुमंतू समुदाय लगातार स्थान बदलते थे।
- वे पशुओं और सामान के साथ गाँव–गाँव घूमते थे।
- सरकार के लिए उन्हें नियंत्रित करना कठिन था।
- स्थायी आबादी पर नियंत्रण आसान माना जाता था।
- इसलिए घुमंतू समुदायों को अपराधी समझा जाने लगा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. औपनिवेशिक शासन के दौरान चरवाहों के जीवन में आए प्रमुख परिवर्तनों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- चरागाहों को खेती योग्य भूमि में बदला गया।
- जंगलों को आरक्षित और संरक्षित वन बनाया गया।
- जंगलों में प्रवेश और मौसमी आवाजाही सीमित हुई।
- घुमंतू समुदायों को जन्मजात अपराधी घोषित किया गया।
- उन्हें अधिसूचित बस्तियों में रहने को मजबूर किया गया।
- प्रत्येक पशु पर चरवाही कर लगाया गया।
- चरागाह घटने से चारे की कमी हुई।
- पशुओं की सेहत और संख्या में गिरावट आई।
- चरवाहों की आमदनी घटी और कर्ज बढ़ गया।

2. परती भूमि नियमावली और वन अधिनियमों के उद्देश्य तथा प्रभावों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर : परती भूमि नियमावली –
- गैर–खेतिहर भूमि को खेती में बदलना इसका उद्देश्य था।
- सरकार अधिक भूमि–लगान प्राप्त करना चाहती थी।
- कृषि वस्तुओं का उत्पादन बढ़ाना चाहती थी।
- भूमि पर सरकारी कब्जा कर विशेष लोगों को दी गई।
- चरागाहों को खेती में बदलने से उनका क्षेत्र घटा।

वन अधिनियम –
- कीमती पेड़ों वाले जंगल आरक्षित घोषित किए गए।
- इन वनों में चरवाहों का प्रवेश बंद कर दिया गया।
- संरक्षित वनों में भी आवाजाही सीमित हुई।
- चरवाहों को परमिट लेना पड़ता था।
- चारे के स्रोत कम हुए और पशुपालन कठिन हो गया।

3. अपराधी जनजाति अधिनियम चरवाहों और अन्य घुमंतू समुदायों के लिए अन्यायपूर्ण क्यों था?

उत्तर :
- कई दस्तकारों, व्यापारियों और चरवाहों को अपराधी घोषित किया गया।
- उन्हें जन्मजात अपराधी माना गया।
- उन्हें निश्चित गाँवों और बस्तियों में रहना पड़ा।
- बिना परमिट स्थान बदलने पर रोक थी।
- ग्राम पुलिस लगातार उनकी निगरानी करती थी।
- उनकी स्वतंत्र आवाजाही समाप्त हो गई।
- परंपरागत आजीविका प्रभावित हुई।
- समाज में उनकी पहचान और सम्मान को नुकसान पहुँचा।

4. चरवाही कर और चरागाहों की कमी ने चरवाहों की अर्थव्यवस्था को किस प्रकार कमजोर किया?

उत्तर :
- प्रत्येक पशु पर कर से आर्थिक बोझ बढ़ा।
- ठेकेदार अधिक कर वसूलते थे।
- चरागाह कम होने से बड़े रेवड़ रखना कठिन हुआ।
- चारे की कमी से पशुओं की सेहत खराब हुई।
- पशुओं की संख्या और गुणवत्ता में गिरावट आई।
- पशुओं से मिलने वाली आमदनी कम हुई।
- चरवाहों का कर्ज बढ़ता गया।
- गरीब चरवाहे पशु खोकर मजदूर बन गए।

5. औपनिवेशिक परिवर्तनों के बाद चरवाहों द्वारा अपनाई गई अनुकूलन रणनीतियों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- चरवाहों ने पशुओं की संख्या कम की।
- उन्होंने नए रास्ते और चरागाह खोजे।
- राइका हरियाणा के खेतों में जाने लगे।
- संपन्न चरवाहों ने जमीन खरीदकर बसना शुरू किया।
- कुछ लोगों ने नियमित खेती अपनाई।
- कुछ चरवाहों ने व्यापार शुरू किया।
- गरीब चरवाहे खेतों और कस्बों में मजदूरी करने लगे।
- नए काम अपनाकर उन्होंने बदलती परिस्थितियों से तालमेल बनाया।

अफ्रीका में चरवाहा जीवन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित में से कौन–सा अफ्रीकी चरवाहा समुदाय है?

(अ) राइका (ब) मासाई
(स) धंगर (द) गोल्ला **(ब)**

2. मासाई पशुपालक मुख्य रूप से अफ्रीका के किस भाग में रहते थे?

(अ) पूर्वी अफ्रीका
(ब) पश्चिमी अफ्रीका
(स) उत्तरी अफ्रीका
(द) दक्षिण–पश्चिमी अफ्रीका **(अ)**

3. 1885 में मासाईलैंड को किन क्षेत्रों के बीच बाँटा गया?

(अ) ब्रिटिश कीनिया और जर्मन तांगान्यिका
(ब) कीनिया और सोमालिया
(स) तंजानिया और नामीबिया
(द) ओवाम्बोलैंड और कीनिया **(अ)**

4. औपनिवेशिक शासन में मासाइयों की लगभग कितनी भूमि उनसे छीन ली गई?

(अ) 25 प्रतिशत (ब) 40 प्रतिशत
(स) 60 प्रतिशत (द) 80 प्रतिशत **(स)**

5. 1933 और 1934 के सूखे के बाद मासाइयों के कितने से अधिक पशु मर गए थे?

(अ) एक–चौथाई (ब) आधे से अधिक
(स) दस प्रतिशत (द) सभी पशु **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. अफ्रीका में लगभग ..... लोग चरवाही गतिविधियों पर निर्भर थे।

उत्तर : सवा दो करोड़

2. लगभग 3,00,000 मासाई दक्षिणी कीनिया और लगभग ..... मासाई तंजानिया में रहते थे।

उत्तर : 1,50,000

3. सेरेन्गेटी नैशनल पार्क का क्षेत्रफल ..... वर्ग किलोमीटर से अधिक है।

उत्तर : 14,760

4. मासाई समाज की दो परंपरागत सामाजिक श्रेणियाँ वरिष्ठ जन और ..... थीं।

उत्तर : योद्धा

5. 'मा–साई' शब्द का अर्थ ..... होता है।

उत्तर : मेरे लोग

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. औपनिवेशिक शासन से पहले मासाईलैंड कहाँ तक फैला हुआ था?

उत्तर : मासाईलैंड उत्तरी कीनिया से लेकर तंजानिया के घास के मैदानों तक फैला हुआ था।

2. मासाई परंपरागत रूप से किस भोजन पर निर्भर थे?

उत्तर : मासाई मुख्य रूप से दूध और माँस पर निर्भर थे।

3. राष्ट्रीय उद्यानों के निर्माण के बाद मासाइयों पर कौन–सी दो प्रमुख रोक लगीं?

उत्तर : वे उन क्षेत्रों में अपने पशु नहीं चरा सकते थे और न ही वहाँ शिकार कर सकते थे।

4. नई अंतरराष्ट्रीय सीमाओं ने अफ्रीकी चरवाहों की आवाजाही को कैसे प्रभावित किया?

उत्तर : उनकी दूर–दूर तक होने वाली आवाजाही सीमित हो गई और विशेष परमिट के बिना आरक्षित क्षेत्रों की सीमाओं से बाहर जाना कठिन हो गया।

5. मासाइयों को कम वर्षा वाले क्षेत्रों में क्यों धकेल दिया गया?

उत्तर : उनके अच्छे चरागाह गोरे लोगों को बसाने, खेती का विस्तार करने और राष्ट्रीय उद्यान तथा शिकारगाह बनाने के लिए उनसे ले लिए गए थे।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मासाइयों के चरागाह सिमटने के तीन प्रमुख कारण लिखिए।

उत्तर :
- मासाईलैंड को दो औपनिवेशिक क्षेत्रों में बाँट दिया गया।
- अच्छे चरागाह गोरे लोगों को बसाने के लिए ले लिए गए।
- खेती के विस्तार से चरागाह खेतों में बदल गए।
- कई क्षेत्रों को राष्ट्रीय उद्यान और शिकारगाह बनाया गया।

2. सरहदें बंद होने से अफ्रीकी चरवाहों के व्यापार पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर :
- दूर के बाजारों तक उनकी पहुँच सीमित हो गई।
- गोरों के क्षेत्रों में प्रवेश पर रोक लगा दी गई।
- कई क्षेत्रों में व्यापार करना संभव नहीं रहा।
- पशुओं की खाल और माँस बेचना कठिन हुआ।
- उनकी व्यापारिक गतिविधियाँ और आमदनी घट गईं।

3. सूखे के समय मासाइयों के पशुओं की मृत्यु क्यों बढ़ जाती थी?

उत्तर :
- मासाइयों को छोटे अर्ध–शुष्क क्षेत्रों में सीमित किया गया।
- इन इलाकों में सूखे की आशंका अधिक थी।
- वे पशुओं को हरे–भरे क्षेत्रों में नहीं ले जा सकते थे।
- चारे और पानी की गंभीर कमी हो जाती थी।
- भूख और बीमारी से बड़ी संख्या में पशु मर जाते थे।

4. औपनिवेशिक शासन ने मासाई समाज की परंपरागत सत्ता–व्यवस्था को कैसे बदला?

उत्तर :
- अंग्रेजों ने मासाई समूहों के लिए मुखिया नियुक्त किए।
- कबीलों के मामलों की जिम्मेदारी उन्हें दी गई।
- पारंपरिक हमलों और लड़ाइयों पर रोक लगी।
- वरिष्ठ जनों और योद्धाओं की सत्ता कमजोर हुई।
- सरकारी मुखियाओं का प्रभाव बढ़ गया।

पहले जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें।

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

5. अमीर और गरीब मासाई चरवाहों की स्थिति में क्या अंतर था?

उत्तर : अमीर मासाई –

- सरकारी मुखियाओं को नियमित आमदनी मिलती थी।
- वे पशु, जमीन और सामान खरीद सकते थे।
- उन्हें व्यापार और चरवाही दोनों से आय होती थी।
- पशु घटने पर वे नए पशु खरीद सकते थे।

गरीब मासाई –

- वे केवल अपने पशुओं पर निर्भर थे।
- सूखे या अकाल में पशु नष्ट होने पर संकट में पड़ते थे।
- उन्हें शहरों में काम की तलाश करनी पड़ती थी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. अफ्रीका के चरवाहा समुदायों के जीवन और आर्थिक गतिविधियों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- अफ्रीका में लगभग सवा दो करोड़ लोग चरवाही पर निर्भर थे।
- बेदुईन्स, बरबेर्स, मासाई, सोमाली, बोरान और तुर्काना प्रमुख समुदाय थे।
- वे अर्ध–शुष्क घास के मैदानों और रेगिस्तानों में रहते थे।
- इन क्षेत्रों में वर्षा आधारित खेती कठिन थी।
- वे गाय–बैल, ऊँट, बकरी, भेड़ और गधे पालते थे।
- दूध, माँस, खाल और ऊन बेचते थे।
- कुछ लोग व्यापार और यातायात से भी जुड़े थे।
- कुछ चरवाही के साथ खेती भी करते थे।
- कम आय होने पर दूसरे काम–धंधे भी अपनाते थे।

2. औपनिवेशिक शासन ने मासाइयों को उनकी भूमि और चरागाहों से किस प्रकार वंचित किया?

उत्तर :

- यूरोपीय शक्तियों ने अफ्रीका को उपनिवेशों में बाँटा।
- 1885 में मासाईलैंड को दो भागों में विभाजित किया गया।
- अच्छे चरागाह गोरे लोगों को बसाने के लिए ले लिए गए।
- मासाइयों को छोटे सीमित क्षेत्रों में धकेल दिया गया।
- उनकी लगभग 60 प्रतिशत भूमि छीन ली गई।
- खेती के विस्तार से चरागाह खेतों में बदले।
- राष्ट्रीय उद्यान और शिकारगाह बनाए गए।
- उन्हें कम वर्षा और सूखे वाले क्षेत्रों में रहना पड़ा।

3. अफ्रीकी चरवाहों की आवाजाही पर लगी पाबंदियों के आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभावों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- चरवाहे अच्छे चरागाहों और जल स्रोतों तक नहीं पहुँच सके।
- उन्हें छोटे आरक्षित क्षेत्रों में सीमित किया गया।
- एक ही क्षेत्र में लगातार चराई होने लगी।
- चरागाहों की गुणवत्ता गिरने लगी।
- पशुओं के लिए चारे की कमी हुई।
- बाजारों तक उनकी पहुँच सीमित हुई।
- खाल, माँस और अन्य वस्तुओं का व्यापार घटा।
- पशुओं की संख्या और चरवाहों की आमदनी कम हुई।

4. सूखे और औपनिवेशिक सीमाओं ने मिलकर मासाई जीवन में संकट कैसे उत्पन्न किया?

उत्तर :

- मासाइयों का क्षेत्र अर्ध–शुष्क था।
- वहाँ सूखा पड़ना सामान्य था।
- पहले वे पशुओं को हरे क्षेत्रों में ले जाते थे।
- औपनिवेशिक शासन ने उनकी आवाजाही सीमित कर दी।
- चरागाह खोजने के लिए बाहर जाना प्रतिबंधित था।
- सूखे में चारा और पानी नहीं मिल पाता था।
- बड़ी संख्या में पशु भूख और बीमारी से मरते थे।
- 1933–34 में आधे से अधिक पशु मर गए।
- इससे मासाइयों की आजीविका और भोजन प्रभावित हुआ।

5. औपनिवेशिक परिवर्तनों का मासाई समाज के सभी वर्गों पर समान प्रभाव क्यों नहीं पड़ा?

उत्तर :

- कुछ मासाई लोगों को सरकारी मुखिया बनाया गया।
- उन्हें नियमित आमदनी और प्रशासनिक अधिकार मिले।
- वे पशु, जमीन और सामान खरीदने लगे।
- वे गरीब लोगों को कर्ज भी देने लगे।
- कुछ मुखिया शहरों में जाकर व्यापार करने लगे।
- उन्हें चरवाही और दूसरे कार्यों से आय मिलती थी।
- गरीब चरवाहे केवल पशुओं पर निर्भर थे।
- पशु नष्ट होने पर उनके पास कोई दूसरा साधन नहीं रहता था।
- उन्हें शहरों में मजदूरी करनी पड़ती थी।
- इससे अमीर और गरीब मासाइयों के बीच नया अंतर पैदा हुआ।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

समकालीन भारत –1 (भूगोल)

1 भारत – आकार और स्थिति

भारत – स्थिति

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारत की भौगोलिक स्थिति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. भारत का मुख्य भूभाग उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है।
2. इसका अक्षांशीय विस्तार 8°4' उत्तर से 37°6' उत्तर तक है।
3. इसका देशांतरीय विस्तार 68°7' पूर्व से 97°25' पूर्व तक है।
4. भारत का मुख्य भूभाग दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3 सही हैं
(ब) केवल 1 और 4 सही हैं
(स) केवल 2 और 4 सही हैं
(द) 1, 2, 3 और 4 सही हैं **(अ)**

2. भारत की कर्क रेखा एवं द्वीप समूहों के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए

1. कर्क रेखा 23°30' उत्तर अक्षांश भारत को लगभग दो बराबर भागों में विभाजित करती है।
2. अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह बंगाल की खाड़ी में स्थित हैं।
3. लक्षद्वीप द्वीप समूह बंगाल की खाड़ी में स्थित है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 3
(स) केवल 1 और 2
(द) केवल 1 और 3 **(स)**

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. लक्षद्वीप द्वीप समूह अरब सागर में स्थित है।
2. भारत का सबसे दक्षिणी बिंदु इंदिरा प्वाइंट है।
3. वर्ष 2004 की सुनामी के कारण इंदिरा प्वाइंट समुद्र में जलमग्न हो गया।
4. इंदिरा प्वाइंट बंगाल की खाड़ी में स्थित है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) सभी सही **(द)**

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारत के द्वीप समूहों का भौगोलिक वितरण स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- भारत के द्वीप समूह दो भागों में स्थित हैं।
- अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह देश के दक्षिण–पूर्व में स्थित हैं, जबकि लक्षद्वीप द्वीप समूह दक्षिण–पश्चिम दिशा में स्थित है।
- दोनों द्वीप समूह भारत के भौगोलिक विस्तार को समुद्री क्षेत्र तक विस्तृत करते हैं।

भारत – आकार एवं विस्तार

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारत के क्षेत्रफल एवं विश्व में उसके स्थान के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. भारत का कुल क्षेत्रफल लगभग 32.8 लाख वर्ग किमी. है।
2. विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 2.4% भाग भारत के पास है।
3. क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत विश्व का सातवाँ सबसे बड़ा देश है।
4. भारत विश्व के कुल क्षेत्रफल का लगभग 5% भाग घेरता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3 सही हैं
(ब) केवल 2 और 4 सही हैं
(स) केवल 1 और 4 सही हैं
(द) सभी सही हैं **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. भारत की स्थलीय सीमा लगभग ..... किमी. है। अंडमान–निकोबार एवं लक्षद्वीप सहित समुद्री तटरेखा ..... किमी. है। भारत के पश्चिम में ..... तथा पूर्व में ..... स्थित है।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

उत्तर : 15200, 7516.6, अरब सागर, बंगाल की खाड़ी

2. भारत का अक्षांश एवं देशांतर विस्तार लगभग ..... है। इसका उत्तरी भाग अपेक्षाकृत ..... है, जबकि दक्षिणी भाग ..... की ओर ..... होता जाता है।

उत्तर : 30°, चौड़ा, हिन्द महासागर, संकरा

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारत के पूर्वी और पश्चिमी भागों के स्थानीय समय में अंतर क्यों पाया जाता है?

उत्तर : भारत के पश्चिमी भाग गुजरात और पूर्वी भाग अरुणाचल प्रदेश के बीच देशांतरीय विस्तार अधिक होने के कारण स्थानीय समय में लगभग दो घंटे का अंतर पाया जाता है।

मानक समय एवं अक्षांश–देशांतर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारत के मानक समय एवं स्थानीय समय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. गुजरात और अरुणाचल प्रदेश के स्थानीय समय में लगभग दो घंटे का अंतर पाया जाता है।
2. 82°30' पूर्व देशांतर को भारत का मानक याम्योत्तर (Standard Meridian) माना गया है।
3. यह मानक याम्योत्तर उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से होकर गुजरती है।
4. भारत में प्रत्येक राज्य का अलग–अलग मानक समय अपनाया गया है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3 सही हैं।
(ब) केवल 2 और 4 सही हैं।
(स) केवल 1 और 4 सही हैं।
(द) 1, 2, 3 और 4 सही हैं। **(अ)**

2. अक्षांश के प्रभाव के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. अक्षांश का प्रभाव दक्षिण से उत्तर की ओर बढ़ता है।
2. अक्षांश के कारण दिन एवं रात की अवधि में अंतर पाया जाता है।
3. कश्मीर एवं कन्याकुमारी में दिन–रात की अवधि समान रहती है।
4. अक्षांशीय विस्तार का प्रभाव प्राकृतिक दशाओं पर भी पड़ता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 4
(ब) केवल 1 और 3
(स) केवल 2 और 3
(द) केवल 3 और 4 **(अ)**

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारत में एक ही मानक समय अपनाने की आवश्यकता क्यों पड़ी?

उत्तर :
- भारत का पूर्व–पश्चिम विस्तार अधिक होने से विभिन्न स्थानों के स्थानीय समय में अंतर पाया जाता है।
- प्रशासन, संचार तथा दैनिक कार्यों में एकरूपता बनाए रखने के लिए पूरे देश में एक समान मानक समय स्वीकार किया गया है।

2. कश्मीर और कन्याकुमारी में दिन–रात की अवधि में अंतर का कारण स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- भारत का अक्षांशीय विस्तार दक्षिण से उत्तर तक फैला हुआ है।
- इसी कारण उत्तर और दक्षिण के क्षेत्रों में सूर्य की किरणों के प्रभाव में अंतर पड़ता है, जिससे कश्मीर और कन्याकुमारी में दिन एवं रात की अवधि समान नहीं रहती।

मानक समय एवं अक्षांश–देशांतर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारत की विश्व में स्थिति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. भारतीय भूखण्ड एशिया महाद्वीप के पूर्व और पश्चिम के मध्य स्थित है।
2. भारत एशिया महाद्वीप का दक्षिणी विस्तार है।
3. हिन्द महासागर भारत को केन्द्रीय स्थिति प्रदान करता है।
4. भारत की स्थिति के कारण पश्चिमी एवं पूर्वी एशिया के देशों से संपर्क सुगम रहा है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3 सही हैं।
(ब) केवल 1, 3 और 4 सही हैं।
(स) 1, 2, 3 और 4 सही हैं।
(द) केवल 2 और 4 सही हैं। **(स)**

2. भारत की केन्द्रीय स्थिति के महत्व के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. दक्षिण का पठार हिन्द महासागर में शीर्षवत् फैला हुआ है।

2. भारत के पूर्वी तट से पूर्वी एशिया के देशों से निकट संपर्क स्थापित हुआ।
3. भारत के पश्चिमी तट से पश्चिम एशिया, अफ्रीका एवं यूरोप के देशों से संपर्क बना।
4. हिन्द महासागर में भारत जैसी विस्तृत तटीय सीमा किसी अन्य देश की नहीं है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2, 3 और 4
(स) 1, 2, 3 और 4
(द) केवल 1 और 4 **(स)**

रिक्तस्थान –

1. ..... वर्ष में स्वेज नहर खुली। इसके कारण भारत और ..... के बीच लगभग ..... किमी. दूरी ..... हो गई।

उत्तर : 1869, यूरोप, 7000, कम

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. हिन्द महासागर के संदर्भ में भारत की स्थिति का क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर :
- भारत की स्थिति के कारण हिन्द महासागर के समुद्री मार्गों पर इसका विशेष महत्व स्थापित हुआ।
- इससे विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क और आवागमन को सुविधा मिली तथा भारत की अंतरराष्ट्रीय पहचान और उपयोगिता में वृद्धि हुई।

भारत की सीमाएँ एवं अंतरराष्ट्रीय संबंध

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारत की स्थलीय सीमाओं एवं पड़ोसी देशों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. भारत की उत्तर–पश्चिमी सीमा पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान से मिलती है।
2. उत्तर में चीन (तिब्बत), नेपाल एवं भूटान स्थित हैं।
3. पूर्व में म्यांमार एवं बांग्लादेश स्थित हैं।
4. भारत की सभी सीमाएँ केवल समुद्री देशों से मिलती हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3 सही हैं।
(ब) केवल 2 और 4 सही हैं।
(स) केवल 1 और 4 सही हैं।
(द) सभी सही हैं। **(अ)**

2. भारत के सांस्कृतिक एवं व्यापारिक संबंधों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. उपनिषदों, रामायण एवं पंचतंत्र की कथाओं का प्रसार विभिन्न देशों तक हुआ।
2. भारतीय अंक एवं दशमलव प्रणाली का भी अन्य देशों में प्रसार हुआ।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1 (ब) केवल 2
(स) 1 और 2 (द) न 1 और 2 **(स)**

रिक्तस्थान –

1. प्राचीन काल में भारत का संपर्क मुख्यतः ..... मार्गों से होता था। उत्तरी पर्वतों के ..... से यात्री भारत आते थे तथा इन मार्गों से ..... एवं ..... का आदान–प्रदान होता था।

उत्तर : स्थल, दर्रों, विचारों, वस्तुओं

2. भारत से ....., ... एवं अन्य व्यापारिक वस्तुएँ विभिन्न देशों को भेजी जाती थीं। वहीं ..... स्थापत्य कला तथा पश्चिम एशिया की ..... कला का प्रभाव भारत में दिखाई देता है।

उत्तर : मसाले, मलमल, यूनानी, वास्तुकला

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारत की भौगोलिक स्थिति ने उसके अंतरराष्ट्रीय महत्व को किस प्रकार बढ़ाया?

उत्तर :
- भारत की अनुकूल भौगोलिक स्थिति के कारण विभिन्न देशों के साथ इसका संपर्क निरंतर बना रहा।
- इससे सांस्कृतिक आदान–प्रदान, व्यापारिक संबंध तथा बाहरी प्रभावों का विस्तार हुआ, जिसने भारत के अंतरराष्ट्रीय महत्व को सुदृढ़ बनाया।

भारत के पड़ोसी देश

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. .भारत के प्रशासनिक स्वरूप एवं दक्षिण एशिया में उसकी स्थिति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. भारत दक्षिण एशिया में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है।
2. भारत में 28 राज्य हैं।
3. भारत में 8 केन्द्र शासित प्रदेश हैं।
4. स्वतंत्रता से पूर्व भारत में प्रांत तथा रियासतें दोनों प्रकार की प्रशासनिक इकाइयाँ थीं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3 सही हैं।
(ब) केवल 2, 3 और 4 सही हैं।
(स) 1, 2, 3 और 4 सही हैं।
(द) केवल 1 और 4 सही हैं। **(स)**

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

रिक्तस्थान –

1. भारत के दक्षिण में समुद्र पार ..... एवं ..... स्थित हैं। भारत और श्रीलंका के बीच ..... तथा ..... स्थित हैं।

उत्तर : श्रीलंका, मालदीव, पाक जलडमरूमध्य, मन्नार की खाड़ी

2. ....., लक्षद्वीप समूह के दक्षिण में स्थित है। भारत के अपने पड़ोसी देशों के साथ ..... एवं ..... संबंध रहे हैं।

उत्तर : मालदीव, भौगोलिक, ऐतिहासिक

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **स्वतंत्रता से पूर्व भारत की प्रशासनिक व्यवस्था का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।**

उत्तर :
- स्वतंत्रता से पहले भारत में दो प्रकार की प्रशासनिक इकाइयाँ थीं – प्रांत और रियासतें।
- प्रांतों का शासन ब्रिटिश सरकार द्वारा नियुक्त अधिकारियों के अधीन था।
- रियासतों का शासन स्थानीय शासकों द्वारा ब्रिटिश प्रभुसत्ता को स्वीकार करते हुए संचालित किया जाता था।

2. **'स्कूल भुवन' (School Bhuvan) पोर्टल का उद्देश्य क्या है?**

उत्तर :
- स्कूल भुवन एनसीईआरटी पाठ्यक्रम पर आधारित एक मानचित्र पोर्टल है।
- इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में प्राकृतिक संसाधनों, पर्यावरण तथा सतत विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा मानचित्र आधारित अध्ययन को प्रोत्साहित करना है।

मिशन ज्ञान

2 भारत का भौतिक स्वरूप

परिचय

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. भारत में पर्वत, मैदान, मरुस्थल, पठार तथा द्वीप समूह जैसी विविध भू–आकृतियाँ पाई जाती हैं।
2. प्रायद्वीपीय पठार पृथ्वी की सतह का प्राचीनतम एवं स्थिर भाग माना जाता है।
3. हिमालय तथा उत्तरी मैदान नवीन स्थलाकृतियाँ हैं।
4. भूवैज्ञानिकों के अनुसार हिमालय एक स्थिर पर्वत है।

उपर्युक्त में से सही कथन है–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 1 और 4
(स) केवल 2 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(अ)**

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. हिमालय एक युवा पर्वत श्रृंखला है।
2. इसमें ऊँचे शिखर, गहरी घाटियाँ तथा तीव्र प्रवाह वाली नदियाँ मिलती हैं।
3. उत्तरी मैदान जलोढ़ निक्षेपों से बने हैं।
4. प्रायद्वीपीय पठार मुख्यतः आग्नेय एवं रूपांतरित शैलों से बना है।

सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) 1, 2, 3 और 4
(द) केवल 1 और 3 **(स)**

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारत में भौतिक विविधता किस प्रकार दिखाई देती है?

उत्तर :
- भारत में अनेक प्रकार की भू–आकृतियाँ पाई जाती हैं, जैसे पर्वत, मैदान, मरुस्थल, पठार तथा द्वीप समूह।
- विभिन्न क्षेत्रों की प्राकृतिक संरचना, ऊँचाई तथा स्थलरूप एक–दूसरे से भिन्न हैं।
- यही विविधता भारत के भौतिक स्वरूप को विशिष्ट बनाती है।

2. भारत के प्रमुख भौगोलिक विभाजनों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर : प्रमुख भौगोलिक विभाजन –

भारत को छह प्रमुख भौगोलिक विभाजनों में बाँटा गया है–

1. हिमालय पर्वत श्रृंखला
2. उत्तरी मैदान
3. प्रायद्वीपीय पठार
4. भारतीय मरुस्थल
5. तटीय मैदान
6. द्वीप समूह

हिमालय पर्वत

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. हिमालय भारत की उत्तरी सीमा पर स्थित एक युवा वलित पर्वत श्रृंखला है।
2. इसका विस्तार पश्चिम में सिंधु से पूर्व में ब्रह्मपुत्र तक है।
3. इसकी कुल लंबाई लगभग 2,400 किमी है।
4. इसकी चौड़ाई कश्मीर में लगभग 400 किमी तथा अरुणाचल प्रदेश में लगभग 150 किमी है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) 1, 2, 3 और 4
(द) केवल 1 और 4 **(स)**

2. महान हिमालय (हिमाद्रि) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. यह हिमालय की सबसे उत्तरी एवं सबसे सतत पर्वत श्रृंखला है।
2. इसकी औसत ऊँचाई लगभग 6,000 मीटर है।
3. हिमालय की सभी प्रमुख चोटियाँ इसी श्रेणी में स्थित हैं।
4. इसका अधिकांश भाग वर्षभर हिमाच्छादित रहता है तथा अनेक हिमनदों का उद्गम यहीं से होता है।

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2, 3 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

3. हिमाचल (लघु) हिमालय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. इसकी ऊँचाई लगभग 3,700 से 4,500 मीटर के बीच है।
2. इसकी औसत चौड़ाई लगभग 50 किमी है।
3. पीर पंजाल इसकी सबसे लंबी एवं महत्त्वपूर्ण श्रृंखला है।
4. कश्मीर घाटी तथा कांगड़ा एवं कुल्लू घाटियाँ इसी क्षेत्र में स्थित हैं।

सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. शिवालिक हिमालय की सबसे बाहरी पर्वत श्रृंखला है।
2. इसकी चौड़ाई लगभग 10–50 किमी. तथा ऊँचाई 900–1100 मीटर के बीच है।
3. शिवालिक और हिमाचल के बीच स्थित लंबी घाटियों को दून कहा जाता है।
4. देहरादून, कोटलीदून तथा पाटलीदून इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

5. हिमालय के प्रादेशिक विभाजन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. सिंधु और सतलुज नदियों के बीच का भाग पंजाब हिमालय कहलाता है।
2. सतलुज और काली नदियों के बीच का भाग कुमाऊँ हिमालय कहलाता है।
3. तिस्ता और दिहांग नदियों के बीच का भाग असम हिमालय कहलाता है।
4. दिहांग गॉर्ज के बाद हिमालय दक्षिण की ओर मुड़कर पूर्वांचल पर्वतमालाओं के रूप में फैल जाता है।

सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2, 3 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

रिक्तस्थान –

1. हिमाद्रि की औसत ऊँचाई लगभग ..... मीटर है। इसकी सभी प्रमुख चोटियाँ इसी में स्थित हैं तथा यह वर्षभर ..... से ढकी रहती है और यहाँ अनेक ..... हैं।

उत्तर : 6000, हिम, हिमनद

2. हिमाचल और शिवालिक के बीच स्थित लंबी घाटियों को ..... कहा जाता है। इनके प्रमुख उदाहरण ....., ... तथा ..... हैं।

उत्तर : दून, देहरादून, कोटलीदून, पाटलीदून

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. पूर्वांचल पर्वतमालाओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- दिहांग गॉर्ज के बाद हिमालय दक्षिण की ओर मुड़कर भारत की पूर्वी सीमा के साथ पूर्वांचल पर्वतमालाओं का निर्माण करता है।
- ये उत्तर–पूर्वी राज्यों से होकर गुजरती हैं तथा इनमें पटकाई, नागा, मिजो और मणिपुर पहाड़ियाँ सम्मिलित हैं।

2. हिमालय के प्रमुख शिखरों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर : प्रमुख शिखर –

- माउंट एवरेस्ट – 8,848 मीटर (नेपाल)
- कंचनजंघा – 8,598 मीटर (भारत)
- मकालू – 8,481 मीटर (नेपाल)
- धौलागिरि – 8,172 मीटर (नेपाल)
- नंगा पर्वत – 8,126 मीटर (भारत)
- अन्नपूर्णा – 8,078 मीटर (नेपाल)
- नंदा देवी – 7,817 मीटर (भारत)
- कामेत – 7,756 मीटर (भारत)
- नामचा बरवा – 7,756 मीटर (भारत)
- गुरला मंधाता – 7,728 मीटर (नेपाल)

ये प्रमुख शिखर महान हिमालय (हिमाद्रि) में स्थित हैं तथा विश्व के उच्चतम पर्वतीय क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

उत्तरी मैदान

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. उत्तरी मैदान का निर्माण सिंधु, गंगा एवं ब्रह्मपुत्र तथा उनकी सहायक नदियों द्वारा हुआ है।
2. यह मैदान जलोढ़ मृदा से निर्मित है।
3. इसका विस्तार लगभग 7 लाख वर्ग किमी क्षेत्र में है।
4. इसकी लंबाई लगभग 2,400 किमी तथा चौड़ाई 240–320 किमी. के बीच है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) 1, 2, 3 और 4
(द) केवल 1 और 4 **(स)**

2. उत्तरी मैदान की विशेषताओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. उपजाऊ मृदा, पर्याप्त जल तथा अनुकूल जलवायु के कारण यह भारत का अत्यधिक उत्पादक कृषि क्षेत्र है।
2. यह सघन जनसंख्या वाला भौगोलिक क्षेत्र है।
3. ब्रह्मपुत्र नदी में स्थित माजुली विश्व का सबसे बड़ा आबाद नदी द्वीप है।
4. उत्तरी पर्वतों से आने वाली नदियाँ निक्षेपण कार्य करती हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

3. भांगर एवं खादर के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. भांगर पुराने जलोढ़ से निर्मित ऊँचे मैदान हैं।
2. भांगर की मिट्टी में कंकड़ (कंकर) के निक्षेप पाए जाते हैं।
3. खादर नवीन जलोढ़ निक्षेपों से बना होता है।
4. खादर का लगभग प्रत्येक वर्ष पुनर्निर्माण होता है, इसलिए यह अत्यंत उपजाऊ होता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. उत्तरी मैदान को पंजाब, गंगा तथा ब्रह्मपुत्र मैदान में विभाजित किया जाता है।
2. पंजाब मैदान का अधिकांश भाग पाकिस्तान में स्थित है।
3. पंजाब मैदान सिंधु तथा उसकी सहायक नदियों द्वारा निर्मित है।
4. गंगा का मैदान घग्घर और तिस्ता नदियों के बीच विस्तृत है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2, 3 और 4
(स) केवल 1 और 4 (द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

रिक्तस्थान –

1. शिवालिक की ढाल पर ..... से ..... किमी चौड़ी पट्टी में ..... का निक्षेप होता है, जिसे ..... कहा जाता है।

उत्तर : 8, 16, गुटिकाओं (कंकड़ों), भाबर

2. भाबर के दक्षिण में नदियाँ पुनः सतह पर प्रकट होकर ..... क्षेत्र का निर्माण करती हैं, जो पहले ..... से भरा ..... क्षेत्र है।

उत्तर : तराई, घने जंगलों, दलदली

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. 'दोआब' तथा 'पंजाब' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- 'दोआब' का अर्थ दो नदियों के बीच का भू–भाग होता है। यह श्दोश और 'आब' (पानी) शब्दों से मिलकर बना है।
- 'पंजाब' शब्द श्पंजश (पाँच) तथा 'आब' (पानी) से मिलकर बना है।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. उत्तरी मैदान के भौगोलिक उपविभागों का वर्णन कीजिए।

उत्तर : पंजाब का मैदान

- सिंधु तथा उसकी सहायक नदियों द्वारा निर्मित है।
- इसका अधिकांश भाग पाकिस्तान में स्थित है।
- यहाँ दोआबों की संख्या अधिक है।

गंगा का मैदान

- घग्घर तथा तिस्ता नदियों के बीच विस्तृत है।
- हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड के कुछ भाग तथा पश्चिम बंगाल तक फैला है।

ब्रह्मपुत्र का मैदान

- गंगा मैदान के पूर्व में स्थित है।
- मुख्यतः असम में विस्तृत है।

जहाँ चाह, वहाँ राह! जैसा चाहें, वैसा पढ़ें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

प्रायद्वीपीय पठार

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. प्रायद्वीपीय पठार एक मेजाकार स्थलरूप है।
2. इसका निर्माण प्राचीन क्रिस्टलीय, आग्नेय तथा रूपांतरित शैलों से हुआ है।
3. इसका निर्माण गोंडवाना भू–भाग के टूटने एवं अपवाह के कारण हुआ।
4. इसमें चौड़ी एवं उथली घाटियाँ तथा गोलाकार पहाड़ियाँ पाई जाती हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

2. मध्य उच्चभूमि के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. यह नर्मदा नदी के उत्तर में स्थित है।
2. इसका अधिकांश भाग मालवा के पठार पर विस्तृत है।
3. इसके दक्षिण में सतपुड़ा तथा उत्तर–पश्चिम में अरावली पर्वतमाला स्थित है।
4. इस क्षेत्र की प्रमुख नदियाँ चंबल, सिंध, बेतवा तथा केन हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

3. दक्कन के पठार के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. यह नर्मदा नदी के दक्षिण में स्थित त्रिभुजाकार भू–भाग है।
2. इसके उत्तर में सतपुड़ा श्रृंखला स्थित है।
3. इसका पश्चिमी भाग ऊँचा तथा पूर्व की ओर ढाल वाला है।
4. इसका उत्तर–पूर्वी भाग मेघालय, कार्बी एँगलोंग पठार तथा उत्तर कछार पहाड़ियों के रूप में मिलता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. पश्चिमी घाट पश्चिमी तट के समानांतर स्थित हैं।
2. पश्चिमी घाट पूर्वी घाट की अपेक्षा अधिक ऊँचे हैं।
3. पश्चिमी घाट की औसत ऊँचाई 900 से 1600 मीटर के बीच है।
4. पूर्वी घाट महानदी घाटी से नीलगिरि तक विस्तृत हैं तथा निरंतर नहीं हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2, 3 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

रिक्तस्थान –

1. प्रायद्वीपीय पठार के दो मुख्य भाग ..... तथा ..... हैं। इनमें से नर्मदा नदी के उत्तर का भाग ..... कहलाता है।

उत्तर : मध्य उच्चभूमि, दक्कन का पठार, मध्य उच्चभूमि

2. पश्चिमी घाट के प्रमुख उच्च शिखरों में ..... (2,695 मी.), ... (2,633 मी.) तथा पूर्वी घाट का सर्वोच्च शिखर ..... (1,500 मी.) है।

उत्तर : अनाईमुडी, डोडाबेट्टा, महेंद्रगिरि

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. दक्कन ट्रैप पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर :
- प्रायद्वीपीय पठार की एक प्रमुख विशेषता काली मिट्टी है, जिसे 'दक्कन ट्रैप' भी कहा जाता है।
- इसकी उत्पत्ति ज्वालामुखीय क्रियाओं से हुई है।
- समय के साथ इन आग्नेय शैलों के अपक्षय से काली मिट्टी का निर्माण हुआ।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. अरावली पर्वतमाला का वर्णन कीजिए।

उत्तर : अवस्थिति –
- अरावली की पहाड़ियाँ प्रायद्वीपीय पठार के पश्चिमी एवं उत्तर–पश्चिमी किनारे पर स्थित हैं।

विशेषताएँ–
- ये अत्यधिक अपरदित एवं खंडित पहाड़ियाँ हैं।
- इनका विस्तार गुजरात से दिल्ली तक दक्षिण–पश्चिम से उत्तर–पूर्व दिशा में है।

महत्त्व–
- अरावली भारत की प्राचीन पर्वतमालाओं में से एक है तथा प्रायद्वीपीय पठार की प्रमुख स्थलाकृतिक विशेषता का प्रतिनिधित्व करती है।

2. मध्य उच्चभूमि का वर्णन कीजिए।

उत्तर : अवस्थिति –

- मध्य उच्चभूमि नर्मदा नदी के उत्तर में स्थित है तथा इसका अधिकांश भाग मालवा के पठार पर विस्तृत है।

सीमाएँ–

- दक्षिण में सतपुड़ा पर्वतमाला।
- उत्तर–पश्चिम में अरावली पर्वतमाला।

प्रमुख नदियाँ–

- चम्बल
- सिंध
- बेतवा
- केन

पूर्वी विस्तार –

- पूर्व की ओर इसका विस्तार बुन्देलखण्ड एवं बघेलखण्ड कहलाता है तथा इससे आगे दामोदर नदी द्वारा अपवाहित छोटानागपुर पठार स्थित है।

भारतीय मरुस्थल, तटीय मैदान, द्वीप समूह

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. थार का मरुस्थल अरावली पर्वतमाला के पश्चिमी किनारे पर स्थित है।
2. यहाँ औसत वार्षिक वर्षा 150 मिमी. से भी कम होती है।
3. इस क्षेत्र की सबसे बड़ी नदी लूनी है।
4. भारत–पाकिस्तान सीमा के समीप मुख्यतः लंबवत बालू के टीले पाए जाते हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

2. पश्चिमी एवं पूर्वी तटीय मैदानों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. पश्चिमी तटीय मैदान अरब सागर और पश्चिमी घाट के बीच स्थित है।
2. पश्चिमी तटीय मैदान के तीन भाग कोंकण, कन्नड़ तथा मालाबार हैं।
3. पूर्वी तटीय मैदान बंगाल की खाड़ी के साथ विस्तृत है।
4. महानदी, गोदावरी, कृष्णा एवं कावेरी नदियाँ पूर्वी तट पर विशाल डेल्टा बनाती हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

3. लक्षद्वीप द्वीप समूह के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. यह छोटे–छोटे प्रवाल द्वीपों से बना है।
2. वर्ष 1973 में इसका नाम लक्षद्वीप रखा गया।
3. कवारत्ती इसका प्रशासनिक मुख्यालय है।
4. पिट्टी द्वीप पक्षी अभयारण्य के लिए प्रसिद्ध है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह दो भागों में विभाजित है।
2. अंडमान एवं निकोबार को जलमग्न पर्वत श्रेणियों के शिखर माना जाता है।
3. भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी बैरन द्वीप पर स्थित है।
4. इन द्वीपों का देश की सुरक्षा में विशेष महत्त्व है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

रिक्तस्थान –

1. पश्चिमी तटीय मैदान के उत्तरी, मध्य एवं दक्षिणी भाग क्रमशः ....., ... तथा ..... कहलाते हैं, जबकि पूर्वी तट पर स्थित भारत की सबसे बड़ी खारे पानी की झील ..... है।

उत्तर : कोंकण, कन्नड़, मालाबार, चिल्का

2. प्रवाल मुख्यतः ..... एवं ..... जल में विकसित होते हैं। प्रवाल भित्तियों के तीन प्रमुख प्रकार ....., ... तथा ..... हैं।

उत्तर : उथले, गर्म, प्रवाल रोधिका, तटीय प्रवाल भित्ति, प्रवाल वलय द्वीप

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. भारत के विभिन्न भौतिक विभागों के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

उत्तर : उत्तरी पर्वत –

- जल एवं वनों के प्रमुख स्रोत हैं।

उत्तरी मैदान

- देश के अन्न भंडार हैं।
- प्राचीन सभ्यताओं के विकास का आधार बने।

पठारी भाग

- खनिज संसाधनों से समृद्ध हैं।
- देश के औद्योगीकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

तटीय क्षेत्र

- मत्स्यन एवं पत्तन (बंदरगाह) संबंधी गतिविधियों के लिए उपयुक्त हैं।

समग्र महत्त्व

- भारत के विविध भौतिक विभाग प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध हैं तथा देश के समग्र विकास की अनेक संभावनाएँ प्रदान करते हैं।

3 अपवाह

अपवाह तंत्र

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. अपवाह शब्द किसी क्षेत्र के नदी तंत्र की व्याख्या करता है।
2. छोटी–छोटी धाराएँ मिलकर एक मुख्य नदी का निर्माण करती हैं।
3. अंततः नदियाँ झील, समुद्र अथवा महासागर जैसे बड़े जलाशयों में मिलती हैं।
4. नदी तंत्र द्वारा जिस क्षेत्र का जल प्रवाहित होता है, उसे अपवाह द्रोणी कहते हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. दो पड़ोसी अपवाह द्रोणियों को अलग करने वाली उच्च भूमि को जल विभाजक कहते हैं।
2. पर्वत एवं उच्च भूमि जल विभाजक का कार्य करते हैं।
3. भारत के अपवाह तंत्र का नियंत्रण मुख्यतः भौगोलिक आकृतियों द्वारा होता है।
4. इसी आधार पर भारतीय नदियों को हिमालयी एवं प्रायद्वीपीय नदियों में बाँटा गया है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. अधिकांश प्रायद्वीपीय नदियाँ मौसमी होती हैं।
2. इनका प्रवाह मुख्यतः वर्षा पर निर्भर करता है।
3. शुष्क मौसम में इनका जल घटकर छोटी–छोटी धाराओं में बहने लगता है।
4. अधिकांश प्रायद्वीपीय नदियाँ पश्चिमी घाट से निकलकर बंगाल की खाड़ी की ओर बहती हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

रिक्तस्थान –

1. ..... द्वारा जिस क्षेत्र का जल प्रवाहित होता है उसे ..... कहते हैं, जबकि दो पड़ोसी अपवाह द्रोणियों को अलग करने वाली उच्च भूमि ..... कहलाती है।

उत्तर : नदी तंत्र, अपवाह द्रोणी, जल विभाजक

2. हिमालय की नदियाँ अपने मार्ग के ऊपरी भाग में ..... करती हैं तथा मध्य एवं निचले भागों में ....., ... और ..... का निर्माण करती हैं।

उत्तर : तीव्र अपरदन, विसर्प, गोखुर झील, डेल्टा

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. हिमालयी तथा प्रायद्वीपीय नदियों में प्रमुख अंतर लिखिए।

उत्तर :

हिमालयी नदियाँ	प्रायद्वीपीय नदियाँ
हिमालयी नदियाँ बारहमासी होती हैं।	वर्षा एवं हिम के पिघलने से जल प्राप्त करती हैं।
ये लंबी नदियाँ हैं और अपरदन व निक्षेपण दोनों कार्य करती हैं।	प्रायद्वीपीय नदियाँ अधिकांशतः मौसमी होती हैं।
वर्षा पर निर्भर रहती हैं।	अपेक्षाकृत छोटी एवं छिछली होती हैं।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. हिमालयी नदियों की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर : बारहमासी प्रकृति

- हिमालय की अधिकांश नदियाँ वर्षभर जल से भरी रहती हैं, क्योंकि इन्हें वर्षा के अतिरिक्त हिम के पिघलने से भी जल प्राप्त होता है।

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

लंबा प्रवाह मार्ग

- ये अपने उद्गम से समुद्र तक लंबी दूरी तय करती हैं तथा अनेक बड़ी सहायक नदियाँ इनमें मिलती हैं।

अपरदन एवं निक्षेपण कार्य

- ऊपरी भाग में तीव्र अपरदन करती हैं तथा भारी मात्रा में सिल्ट एवं बालू का परिवहन करती हैं।
- मध्य एवं निचले भागों में निक्षेपण द्वारा विभिन्न स्थलाकृतियों का निर्माण करती हैं।

डेल्टा निर्माण

- समुद्र में मिलने से पूर्व ये पूर्ण विकसित डेल्टा का निर्माण करती हैं।

सिंधु नदी तंत्र

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. सिंधु नदी का उद्गम तिब्बत में मानसरोवर झील के निकट है।
2. यह पश्चिम की ओर बहते हुए भारत में लद्दाख से प्रवेश करती है।
3. लद्दाख क्षेत्र में यह एक सुंदर गार्ज का निर्माण करती है।
4. जास्कर, नूबरा, श्योक तथा हुंजा इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. सिंधु नदी गिलगित से बहते हुए अटक में पर्वतीय क्षेत्र से बाहर निकलती है।
2. सतलुज, ब्यास, रावी, चेनाब तथा झेलम पाकिस्तान में मिठानकोट के पास सिंधु में मिलती हैं।
3. इसके बाद सिंधु दक्षिण की ओर बहती हुई कराची के पूर्व में अरब सागर में मिल जाती है।
4. सिंधु नदी के मैदान का ढाल बहुत तीव्र है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(अ)**

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. सिंधु द्रोणी का एक–तिहाई से कुछ अधिक भाग भारत में स्थित है।
2. भारत में सिंधु द्रोणी का विस्तार जम्मू–कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश तथा पंजाब में है।
3. सिंधु नदी की कुल लंबाई लगभग 2,900 किमी है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1 और 3
(ब) केवल 2
(स) केवल 1 और 2
(द) 1, 2 और 3 **(द)**

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. सिंधु जल समझौता 1960 में हुआ।
2. सिंधु जल समझौते के अनुसार भारत सिंधु नदी तंत्र के संपूर्ण जल का केवल 20 प्रतिशत उपयोग कर सकता है।
3. इस जल का उपयोग पंजाब, हरियाणा तथा राजस्थान के दक्षिण–पश्चिम भाग में सिंचाई के लिए किया जाता है।
4. सिंधु जल का उपयोग मुख्यतः जलविद्युत उत्पादन के लिए ही किया जाता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(अ)**

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. सिंधु जल समझौते का संक्षिप्त उल्लेख कीजिए।

उत्तर :
- सन् 1960 के सिंधु जल समझौते के अनुसार भारत को सिंधु नदी तंत्र के कुल जल का केवल 20 प्रतिशत उपयोग करने का अधिकार है।
- इस जल का उपयोग मुख्यतः पंजाब, हरियाणा तथा राजस्थान के दक्षिण–पश्चिमी भागों में सिंचाई के लिए किया जाता है।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. सिंधु नदी के प्रवाह मार्ग का वर्णन कीजिए।

उत्तर : उद्गम –

- सिंधु नदी का उद्गम तिब्बत में मानसरोवर झील के निकट होता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

भारत में प्रवाह

- यह पश्चिम की ओर बहते हुए लद्दाख में प्रवेश करती है, जहाँ सुंदर गार्ज का निर्माण करती है। इस भाग में जास्कर, नूबरा, श्योक तथा हुंजा नदियाँ इसमें मिलती हैं।

पाकिस्तान में प्रवाह

- गिलगित से बहते हुए यह अटक में पर्वतीय क्षेत्र से बाहर निकलती है।
- आगे सतलुज, ब्यास, रावी, चेनाब तथा झेलम इसमें मिलती हैं।

समापन

- इसके बाद यह दक्षिण की ओर बहती हुई कराची के पूर्व में अरब सागर में मिल जाती है।

गंगा नदी तंत्र

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. गंगा की मुख्य धारा भागीरथी गंगोत्री हिमानी से निकलती है।
2. अलकनंदा उत्तराखण्ड के देवप्रयाग में भागीरथी से मिलती है।
3. हरिद्वार के पास गंगा पर्वतीय भाग छोड़कर मैदानी भाग में प्रवेश करती है।
4. इसके बाद गंगा पूर्व दिशा की ओर प्रवाहित होती है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. यमुना, घाघरा, गंडक तथा कोसी हिमालय से निकलने वाली गंगा की प्रमुख सहायक नदियाँ हैं।
2. यमुना का उद्गम यमुनोत्री हिमानी से होता है।
3. यमुना, गंगा के दाहिने किनारे के समानांतर बहती हुई इलाहाबाद में गंगा से मिलती है।
4. घाघरा, गंडक तथा कोसी नेपाल हिमालय से निकलती हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. चंबल, बेतवा तथा सोन प्रायद्वीपीय उच्चभूमि से निकलने वाली गंगा की सहायक नदियाँ हैं।
2. ये नदियाँ अर्द्धशुष्क क्षेत्रों से निकलती हैं।
3. इनकी लंबाई तथा जल की मात्रा अपेक्षाकृत कम होती है।
4. ये सभी गंगा की बाईं तटवर्ती सहायक नदियाँ हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(अ)**

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. फरक्का गंगा डेल्टा का सबसे उत्तरी बिंदु है।
2. फरक्का के पास गंगा दो भागों में विभाजित हो जाती है।
3. भागीरथी–हुगली दक्षिण की ओर बहते हुए बंगाल की खाड़ी में मिलती है।
4. बांग्लादेश में ब्रह्मपुत्र गंगा से मिलती है तथा अंतिम चरण में यह मेघना के नाम से जानी जाती है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. सुंदरवन डेल्टा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर :

- सुंदरवन डेल्टा गंगा एवं ब्रह्मपुत्र नदियों द्वारा निर्मित विश्व का सबसे बड़ा तथा तीव्र गति से बढ़ने वाला डेल्टा है।
- इसका नाम यहाँ पाए जाने वाले सुंदरी वृक्ष से पड़ा है।
- यह रॉयल बंगाल टाइगर के लिए भी प्रसिद्ध है।

गंगा नदी तंत्र

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. ब्रह्मपुत्र नदी का उद्गम तिब्बत में मानसरोवर झील के पूर्व, सिंधु एवं सतलुज के स्रोतों के निकट है।
2. इसकी लंबाई सिंधु नदी से कुछ अधिक है।
3. इसका अधिकांश प्रवाह भारत के बाहर स्थित है।
4. यह हिमालय के समानांतर पूर्व की ओर बहती है।

पढ़ें जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. नामचा बारवा शिखर के निकट ब्रह्मपुत्र अंग्रेजी के ∽ अक्षर जैसा मोड़ बनाती है।
2. यह अरुणाचल प्रदेश में गॉर्ज के माध्यम से प्रवेश करती है।
3. अरुणाचल प्रदेश में इसे दिहैंग कहा जाता है।
4. दिवांग, लोहित तथा केनुला इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. ब्रह्मपुत्र नदी में बार–बार बाढ़ आने के कारण लिखिए।

उत्तर :
- भारत में ब्रह्मपुत्र उच्च वर्षा वाले क्षेत्रों से होकर बहती है, जिससे इसमें जल एवं सिल्ट की मात्रा बहुत बढ़ जाती है।
- अत्यधिक सिल्ट निक्षेपण के कारण नदी की सतह ऊँची हो जाती है तथा यह बार–बार अपना मार्ग बदलती है, जिससे बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. ब्रह्मपुत्र नदी के प्रवाह मार्ग एवं प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर : उद्गम –
- ब्रह्मपुत्र नदी का उद्गम तिब्बत में मानसरोवर झील के पूर्व, सिंधु एवं सतलुज के स्रोतों के निकट होता है।

प्रवाह मार्ग
- यह हिमालय के समानांतर पूर्व की ओर बहती है।
- नामचा बारवा शिखर के पास ∽ आकार का मोड़ बनाकर अरुणाचल प्रदेश में गॉर्ज के माध्यम से प्रवेश करती है।
- यहाँ इसे दिहाँग कहा जाता है। आगे दिबांग, लोहित तथा केनुला नदियाँ इसमें मिलती हैं और असम में यह ब्रह्मपुत्र कहलाती है।

प्रमुख विशेषताएँ
- तिब्बत में इसे सांगपो तथा बांग्लादेश में जमुना कहा जाता है।
- असम में यह गुफित नदी के रूप में बहते हुए अनेक नदीय द्वीपों का निर्माण करती है।
- इसमें सिल्ट निक्षेपण की मात्रा अधिक होने के कारण यह बार–बार अपना प्रवाह मार्ग बदलती है तथा वर्षा ऋतु में बाढ़ लाती है।

प्रायद्वीपीय नदियाँ – नर्मदा द्रोणी एवं तापी द्रोणी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. प्रायद्वीपीय भारत का मुख्य जल विभाजक पश्चिमी घाट है।
2. अधिकांश प्रायद्वीपीय नदियाँ पूर्व की ओर बहकर बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं।
3. महानदी, गोदावरी, कृष्णा तथा कावेरी अपने मुहाने पर डेल्टा का निर्माण करती हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1 और 3
(ब) केवल 2 और 3
(स) केवल 2
(द) 1, 2 और 3 **(द)**

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. नर्मदा एवं तापी पश्चिम की ओर बहने वाली प्रमुख प्रायद्वीपीय नदियाँ हैं।
2. दोनों नदियाँ ज्वारनदमुख (म्जनंतल) का निर्माण करती हैं।
3. प्रायद्वीपीय नदियों की अपवाह द्रोणियाँ आकार में अपेक्षाकृत छोटी हैं।
4. पश्चिमी घाट से पश्चिम की ओर बहने वाली अधिकांश नदियाँ लंबी नदियाँ हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. नर्मदा का उद्गम ..... पहाड़ी के निकट होता है। यह ..... घाटी में बहती है तथा जबलपुर के निकट

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

..... प्रपात का निर्माण करती है।

उत्तर : अमरकंटक, भ्रंश, धुआँधार

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. नर्मदा द्रोणी का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- नर्मदा द्रोणी मध्य प्रदेश तथा गुजरात के कुछ भागों में विस्तृत है।
- नर्मदा की सभी सहायक नदियाँ अपेक्षाकृत छोटी हैं तथा अधिकांश समकोण पर मुख्य धारा से मिलती हैं।
- यह नदी पश्चिम की ओर भ्रंश घाटी में प्रवाहित होती है।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. तापी नदी के उद्गम, प्रवाह एवं द्रोणी का वर्णन कीजिए।

उत्तर : उद्गम –
- तापी नदी का उद्गम मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में सतपुड़ा पर्वत श्रेणी से होता है।

प्रवाह
- यह नर्मदा नदी के समानांतर पश्चिम दिशा में भ्रंश घाटी से होकर बहती है।
- इसकी लंबाई नर्मदा की अपेक्षा कम है।

द्रोणी
- तापी नदी की द्रोणी मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र तथा गुजरात राज्यों में विस्तृत है।

विशेषता
- यह पश्चिम की ओर बहने वाली प्रमुख प्रायद्वीपीय नदियों में से एक है तथा ज्वारनदमुख का निर्माण करती है।

गोदावरी, महानदी, कृष्णा, कावेरी द्रोणी एवं अन्य पूर्ववाहिनी नदियाँ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. कृष्णा नदी का उद्गम महाराष्ट्र के महाबलेश्वर के निकट पश्चिमी घाट से होता है।
2. इसकी लंबाई लगभग 1,400 किमी है।
3. तुंगभद्रा, कोयना, घाटप्रभा, मुसी तथा भीमा इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ हैं।
4. इसकी अपवाह द्रोणी महाराष्ट्र, कर्नाटक तथा आंध्र प्रदेश में विस्तृत है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. कावेरी नदी का उद्गम पश्चिमी घाट की ब्रह्मगिरि श्रेणी से होता है।
2. यह तमिलनाडु में कुडलूर के दक्षिण में बंगाल की खाड़ी में मिलती है।
3. अमरावती, भवानी, हेमावती तथा काबिनी इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ हैं।
4. कावेरी शिवसमुद्रम जलप्रपात का निर्माण करती है, जहाँ से जलविद्युत उत्पन्न की जाती है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

रिक्तस्थान –

1. गोदावरी का उद्गम ..... जिले में होता है। इसे ..... भी कहा जाता है तथा इसका अपवाह तंत्र प्रायद्वीपीय भारत में ..... है।

उत्तर : नासिक, दक्षिण गंगा, सबसे बड़ा

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. महानदी द्रोणी का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- महानदी का उद्गम छत्तीसगढ़ की उच्चभूमि से होता है।
- यह ओडिशा से होकर लगभग 860 किमी बहते हुए बंगाल की खाड़ी में मिलती है।
- इसकी अपवाह द्रोणी महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, झारखंड तथा ओडिशा राज्यों में विस्तृत है।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. गोदावरी नदी का उद्गम, अपवाह द्रोणी एवं प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर : उद्गम –
- गोदावरी नदी का उद्गम महाराष्ट्र के नासिक जिले में पश्चिमी घाट की ढालों से होता है।

अपवाह द्रोणी
- इसकी अपवाह द्रोणी महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, ओडिशा तथा आंध्र प्रदेश में विस्तृत है।
- इसका लगभग 50 प्रतिशत भाग महाराष्ट्र में स्थित है।

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

प्रमुख सहायक नदियाँ

- पूर्णा, वर्धा, प्राणहिता, मांजरा, वेनगंगा तथा पेनगंगा इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ हैं।

विशेषताएँ

- यह प्रायद्वीपीय भारत की सबसे बड़ी नदी है।
- इसकी लंबाई लगभग 1,500 किमी है।
- बड़े आकार एवं विस्तार के कारण इसे ‘दक्षिण गंगा’ कहा जाता है।

झीलें

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. पृथ्वी की सतह के गर्त वाले भाग में जल एकत्र होने पर झील का निर्माण होता है।
2. भारत में झीलें आकार एवं अन्य लक्षणों में एक–दूसरे से भिन्न हैं।
3. अधिकांश झीलें स्थायी होती हैं, जबकि कुछ में केवल वर्षा ऋतु में ही जल रहता है।
4. झीलों का निर्माण हिमानी, वायु, नदियों तथा मानवीय क्रियाओं से हो सकता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. विसर्प नदी के कटने से गोखुर झील का निर्माण होता है।
2. स्पिट तथा बार (रोधिका) तटीय क्षेत्रों में लैगून का निर्माण करते हैं।
3. चिल्का, पुलीकट तथा कोलेरू लैगून झीलों के उदाहरण हैं।
4. सांभर झील मीठे पानी की झील है, जिसका जल पेयजल के रूप में उपयोग किया जाता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(अ)**

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. हिमालय क्षेत्र की अधिकांश मीठे पानी की झीलें हिमानी क्रिया से बनी हैं।
2. वूलर झील भूगर्भीय क्रियाओं से बनी है।
3. वूलर भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की प्राकृतिक झील है।
4. डल झील, भीमताल, नैनीताल, लोकताक तथा बड़ापानी प्रमुख मीठे पानी की झीलें हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4 (द) 1, 2, 3 और 4 **(अ)**

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. नदियों पर बाँध बनाकर कृत्रिम झीलों का निर्माण किया जाता है।
2. गुरु गोबिंद सागर भाखड़ा–नांगल परियोजना से निर्मित झील है।
3. झीलें बाढ़ नियंत्रण एवं जल प्रवाह को संतुलित करने में सहायक होती हैं।
4. झीलें जलीय पारितंत्र को संतुलित रखने तथा पर्यटन को बढ़ावा देने में भी महत्त्वपूर्ण हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

रिक्तस्थान –

1. ..... भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की प्राकृतिक झील है। ..... झील लवणीय जल की झील है तथा इसके जल का उपयोग ..... के निर्माण में किया जाता है।

उत्तर : वूलर, सांभर, नमक

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. गुरु गोबिंद सागर झील का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

उत्तर :
- गुरु गोबिंद सागर एक कृत्रिम झील है, जिसका निर्माण जलविद्युत उत्पादन के लिए भाखड़ा–नांगल परियोजना के अंतर्गत बाँध बनाए जाने से हुआ है।
- यह मानव द्वारा निर्मित प्रमुख झीलों में से एक है।

2. भारत में झीलों के निर्माण के विभिन्न आधारों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- भारत में झीलों का निर्माण विभिन्न प्रक्रियाओं से हुआ है।
- कुछ झीलें हिमानी एवं हिमचादर की क्रिया से बनी हैं, कुछ का निर्माण वायु, नदियों तथा मानवीय क्रियाकलापों से हुआ है।

- तटीय क्षेत्रों में स्पिट एवं बार द्वारा लैगून झीलें बनती हैं, जबकि नदियों पर बाँध बनाकर कृत्रिम झीलों का निर्माण किया जाता है।

3. हिमालय क्षेत्र की मीठे पानी की झीलों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- हिमालय क्षेत्र की अधिकांश मीठे पानी की झीलें हिमानी क्रिया से बनी हैं।
- इनका निर्माण हिमानियों द्वारा द्रोणियों को गहरा करने अथवा शिलाओं एवं मिट्टी से मार्ग अवरुद्ध होने के कारण हुआ।
- वूलर झील भूगर्भीय क्रियाओं से बनी भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की प्राकृतिक झील है, जबकि डल, भीमताल, नैनीताल, लोकताक तथा बड़ापानी अन्य प्रमुख मीठे पानी की झीलें हैं।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. झीलों के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

उत्तर : जल प्रवाह का संतुलन –
- झीलें नदियों के बहाव को सुचारु बनाए रखने में सहायता करती हैं।
- वर्षा ऋतु में बाढ़ को नियंत्रित करती हैं तथा शुष्क मौसम में जल प्रवाह को संतुलित रखती हैं।

जलविद्युत उत्पादन
- झीलों का उपयोग जलविद्युत उत्पादन के लिए किया जाता है।

जलवायु एवं पारितंत्र
- ये आसपास के क्षेत्रों की जलवायु को सामान्य बनाती हैं तथा जलीय पारितंत्र का संतुलन बनाए रखती हैं।

पर्यटन एवं मनोरंजन
- झीलें प्राकृतिक सौंदर्य को बढ़ाती हैं, पर्यटन को प्रोत्साहित करती हैं तथा नौकायन, तैराकी एवं अन्य मनोरंजक गतिविधियों के अवसर प्रदान करती हैं।

नदियों का अर्थव्यवस्था में महत्त्व, राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना (NRCP) एवं नदी प्रदूषण

रिक्तस्थान –

1. नदी सफाई कार्यक्रम का शुभारंभ ..... में ..... के साथ हुआ तथा ..... में इसका विस्तार राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना के अंतर्गत अन्य नदियों तक किया गया।

उत्तर : 1985, गंगा एक्शन प्लान, 1995

2. राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना का उद्देश्य नदियों के जल में ..... को कम करना तथा जल की .....में सुधार करना है।

उत्तर : प्रदूषण, गुणवत्ता

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. नदी प्रदूषण के प्रमुख कारण लिखिए।

उत्तर :
- घरेलू, औद्योगिक तथा कृषि क्षेत्रों में जल की बढ़ती माँग के कारण नदियों से अधिक जल निकाला जाता है, जिससे उनका आयतन घटता है।
- साथ ही उद्योगों का प्रदूषण तथा अपरिष्कृत कचरा नदियों में मिलने से जल की गुणवत्ता एवं नदियों की स्वतः स्वच्छीकरण क्षमता प्रभावित होती है।

2. गंगा नदी की स्वतः स्वच्छीकरण क्षमता पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर :
- पर्याप्त जल प्रवाह होने पर गंगा का जल लगभग 20 किमी क्षेत्र में फैले बड़े शहरों की गंदगी को तनु करके समाहित कर सकता है।
- परंतु बढ़ते औद्योगीकरण एवं शहरीकरण के कारण यह क्षमता लगातार प्रभावित हो रही है।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. भारत की अर्थव्यवस्था में नदियों के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

उत्तर : प्राकृतिक संसाधन के रूप में –
- नदियों का जल एक मूल प्राकृतिक संसाधन है, जो अनेक मानवीय क्रियाकलापों के लिए आवश्यक है।

मानव अधिवास का विकास
- प्राचीन काल से ही नदियों के किनारे मानव बस्तियाँ विकसित हुईं, जो समय के साथ बड़े नगरों में परिवर्तित हो गईं।

कृषि में योगदान
- भारत की अधिकांश जनसंख्या कृषि पर निर्भर है।
- नदियाँ सिंचाई के लिए जल उपलब्ध कराकर कृषि को आधार प्रदान करती हैं।

परिवहन एवं ऊर्जा

६ नदियाँ नौसंचालन तथा जलविद्युत उत्पादन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जिससे देश के आर्थिक विकास को गति मिलती है।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

4 जलवायु

जलवायु का परिचय

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. लंबे समय (30 वर्ष से अधिक) की मौसमीय अवस्थाओं एवं विविधताओं का कुल योग जलवायु कहलाता है।
2. मौसम किसी विशेष समय में किसी क्षेत्र के वायुमंडल की अवस्था को दर्शाता है।
3. मौसम एवं जलवायु के प्रमुख तत्त्व तापमान, वायुदाब, पवन, आर्द्रता तथा वर्षण हैं।
4. मौसम की अपेक्षा जलवायु में परिवर्तन अधिक तीव्रता से होता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 1, 3 और 4
(स) केवल 2 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(अ)**

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. मानसून शब्द की उत्पत्ति अरबी शब्द श्मौसिमश से हुई है।
2. 'मौसिम' का शाब्दिक अर्थ मौसम है।
3. मानसून का अर्थ वर्ष के दौरान ऋतु के अनुसार पवनों की दिशा में परिवर्तन है।
4. एशिया में मानसूनी जलवायु मुख्यतः दक्षिण एवं दक्षिण–पूर्वी भागों में पाई जाती है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. भारत की मानसूनी जलवायु की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर : मानसूनी जलवायु

- भारत की जलवायु मानसूनी है, जिसमें ऋतु के अनुसार पवनों की दिशा बदलती है।

प्रादेशिक विविधता

- देश में तापमान एवं वर्षा के वितरण में एक स्थान से दूसरे स्थान तक स्पष्ट अंतर पाया जाता है।
- सामान्य प्रतिरूप में एकरूपता होने पर भी भारत की जलवायु में स्पष्ट प्रादेशिक भिन्नताएँ पाई जाती हैं।

तापमान में भिन्नता

- राजस्थान में ग्रीष्मकाल में तापमान लगभग 50°C तक पहुँच जाता है, जबकि पहलगाम में लगभग 20°C रहता है।
- शीत ऋतु में द्रास का तापमान –45°C तक पहुँच सकता है, जबकि तिरुवनंतपुरम् में लगभग 22°C रहता है।

वर्षा में भिन्नता

- हिमालय में वर्षण हिम के रूप में होता है। मेघालय में लगभग 400 सेमी वार्षिक वर्षा होती है, जबकि लद्दाख एवं पश्चिमी राजस्थान में 10 सेमी से भी कम वर्षा होती है।
- अधिकांश वर्षा जून से सितंबर के बीच होती है, जबकि तमिलनाडु तट पर अधिकतर वर्षा अक्टूबर एवं नवंबर में होती है।

भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. किसी क्षेत्र की जलवायु को नियंत्रित करने वाले प्रमुख कारकों में अक्षांश, ऊँचाई, वायु एवं पवन तंत्र, समुद्र से दूरी, महासागरीय धाराएँ तथा उच्चावच शामिल हैं।
2. पृथ्वी की गोलाई के कारण सौर ऊर्जा की मात्रा अक्षांशों के अनुसार भिन्न होती है।
3. सामान्यतः विषुवत् वृत्त से ध्रुवों की ओर तापमान घटता जाता है।
4. ऊँचाई बढ़ने पर वायुमंडल की सघनता कम होने से तापमान घटता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2, 3 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. समुद्र का जलवायु पर समकारी प्रभाव पड़ता है।
2. समुद्र से दूरी बढ़ने पर महाद्वीपीय जलवायु का प्रभाव बढ़ जाता है।
3. महासागरीय धाराएँ तटीय क्षेत्रों की जलवायु को प्रभावित करती हैं।
4. पर्वत वर्षा लाने वाली पवनों को रोककर वर्षा का कारण बन सकते हैं तथा पवनविमुख ढाल अपेक्षाकृत शुष्क रहते हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. कर्क रेखा भारत के मध्य भाग से होकर गुजरती है।
2. भारत का लगभग आधा भाग कर्क रेखा के दक्षिण में उष्ण कटिबंध में स्थित है।
3. कर्क रेखा के उत्तर का भाग उपोष्ण कटिबंधीय क्षेत्र में आता है।
4. भारत की जलवायु में उष्ण कटिबंधीय तथा उपोष्ण कटिबंधीय दोनों जलवायु की विशेषताएँ मिलती हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

रिक्तस्थान –

1. भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों में ....., ..., ... तथा समुद्र से दूरी शामिल हैं।

उत्तर : अक्षांश, ऊँचाई, वायु एवं पवन तंत्र

2. कर्क रेखा भारत के ..... भाग से होकर गुजरती है। भारत ..... व्यापारिक पवनों के क्षेत्र में स्थित है तथा ग्रीष्म ऋतु में ..... मानसून पवनें वर्षा कराती हैं।

उत्तर : मध्य, उत्तर–पूर्वी, दक्षिण–पश्चिम

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. कोरिऑलिस बल (फेरेल का नियम) क्या है?

उत्तर :
- पृथ्वी के घूर्णन के कारण उत्पन्न होने वाले आभासी बल को कोरिऑलिस बल कहते हैं।
- इसके प्रभाव से पवनें उत्तरी गोलार्द्ध में दाहिनी ओर तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में बाईं ओर विक्षेपित हो जाती हैं।
- इसे फेरेल का नियम भी कहा जाता है।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. भारत की जलवायु को प्रभावित करने में हिमालय एवं समुद्र की भूमिका का वर्णन कीजिए।

उत्तर : हिमालय की भूमिका

- हिमालय की औसत ऊँचाई लगभग 6000 मीटर है।
- यह मध्य एशिया से आने वाली ठंडी हवाओं को भारतीय उपमहाद्वीप में प्रवेश करने से रोकता है।
- वर्षा लाने वाली पवनों को अवरुद्ध कर वर्षा कराने में भी इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

समुद्र की भूमिका

- समुद्र का जलवायु पर समकारी प्रभाव पड़ता है।
- तटीय क्षेत्रों में तापमान का वार्षिक अंतर कम रहता है।
- समुद्र से दूरी बढ़ने पर महाद्वीपीय जलवायु का प्रभाव बढ़ जाता है, जिससे गर्मी अधिक गर्म तथा सर्दी अधिक ठंडी होती है।
- महासागरीय धाराएँ तटीय क्षेत्रों की जलवायु को भी प्रभावित करती हैं।

जलवायु का परिचय

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. भारत में शीत ऋतु मुख्यतः मध्य नवंबर से फरवरी तक रहती है।
2. दिसंबर एवं जनवरी उत्तरी भारत के सबसे ठंडे महीने होते हैं।
3. शीत ऋतु में तापमान दक्षिण से उत्तर की ओर घटता जाता है।
4. हिमालय की ऊपरी ढालों पर इस ऋतु में हिमपात होता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2, 3 और 4
(स) केवल 1 और 4

पहले सब चाहें, यहाँ चाहे जैसे पाएँ!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. शीत ऋतु में उत्तर–पूर्वी व्यापारिक पवनें स्थल से समुद्र की ओर बहती हैं।
2. इन पवनों के कारण देश के अधिकांश भागों में शुष्क मौसम रहता है।
3. तमिलनाडु तट पर इन्हीं पवनों के कारण कुछ वर्षा होती है।
4. शीत ऋतु में सामान्यतः आसमान साफ तथा आर्द्रता अधिक रहती है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(अ)**

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. पश्चिमी चक्रवाती विक्षोभ भूमध्यसागर एवं पश्चिमी एशिया के ऊपर उत्पन्न होते हैं।
2. ये पश्चिमी पवनों के साथ भारत में प्रवेश करते हैं।
3. इनके कारण उत्तरी मैदानों में वर्षा तथा पर्वतों पर हिमपात होता है।
4. शीतकालीन वर्षा को स्थानीय रूप से 'महावट' कहा जाता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

रिक्तस्थान –

1. शीत ऋतु में पश्चिमी चक्रवाती विक्षोभ ..... एवं ..... के ऊपर उत्पन्न होते हैं तथा स्थानीय वर्षा को ..... कहा जाता है।

उत्तर : भूमध्यसागर, पश्चिमी एशिया, महावट

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. शीत ऋतु में प्रायद्वीपीय भारत में तापमान में अधिक परिवर्तन क्यों नहीं होता?

उत्तर :
- प्रायद्वीपीय भारत तीन ओर से समुद्र से घिरा होने के कारण समुद्री प्रभाव से प्रभावित रहता है।
- इसी समकारी प्रभाव के कारण शीत ऋतु में भी यहाँ तापमान के प्रारूप में बहुत कम परिवर्तन होता है तथा शीत ऋतु स्पष्ट रूप से अनुभव नहीं होती।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. ग्रीष्म ऋतु की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर : अवधि–
- ग्रीष्म ऋतु सामान्यतः मार्च से मई तक रहती है।

तापमान एवं निम्न दाब –
- सूर्य की उत्तर की ओर आभासी गति के कारण तापमान बढ़ता है।
- मई के अंत तक थार मरुस्थल से छोटा नागपुर पठार तक निम्न दाब का लंबवत क्षेत्र विकसित हो जाता है।

लू –
- उत्तर एवं उत्तर–पश्चिम भारत में लू नामक गर्म, शुष्क एवं धूलभरी पवनें चलती हैं।
- इनका प्रभाव कई बार स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है।

स्थानीय तूफान–
- उत्तर भारत में धूलभरी आँधियाँ तापमान कम कर अस्थायी राहत देती हैं।
- पश्चिम बंगाल में गरज–चमक एवं वर्षा वाले तूफानों को काल वैशाखी कहा जाता है।

पूर्व–मानसूनी वर्षा–
- कर्नाटक एवं केरल में ग्रीष्म ऋतु के अंत में पूर्व–मानसूनी वर्षा होती है।
- आम जल्दी पकने के कारण इसे आम्र वर्षा भी कहा जाता है।

वर्षा ऋतु

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. मानसून के प्रारम्भ में पश्चिमी घाट के पवनमुखी भागों में 250 सेमी से अधिक वर्षा होती है।
2. दक्कन का पठार वृष्टि–छाया क्षेत्र में होने पर भी कुछ वर्षा प्राप्त करता है।
3. मासिनराम विश्व का सर्वाधिक औसत वर्षा प्राप्त करने वाला स्थान है।
4. गंगा घाटी में वर्षा की मात्रा पश्चिम से पूर्व की ओर घटती जाती है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 1 और 4
(स) केवल 2, 3 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(अ)**

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. राजस्थान एवं गुजरात के कुछ भागों में मानसून के दौरान बहुत कम वर्षा होती है।
2. 'वर्षा में विराम' के दौरान लगातार वर्षा होती रहती है।
3. मानसूनी गर्त की स्थिति वर्षा के वितरण को प्रभावित करती है।
4. गर्त हिमालय के समीप होने पर मैदानों में लंबे समय तक शुष्क अवस्था रह सकती है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 3 और 4
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 2
(द) 1, 2, 3 और 4 **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. मानसूनी वर्षा के दौरान ..... विश्व का सर्वाधिक औसत वर्षा प्राप्त करने वाला स्थान है। मानसूनी ..... की स्थिति वर्षा के वितरण को प्रभावित करती है तथा इसकी ..... के कारण कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा पड़ता है।

उत्तर : मासिनराम, गर्त, अनिश्चितता

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. 'वर्षा में विराम' (Break in Monsoon) से क्या अभिप्राय है?

उत्तर :
- 'वर्षा में विराम' मानसून की एक प्रमुख विशेषता है।
- इसमें वर्षा लगातार न होकर कुछ दिनों तक होती है और फिर कुछ समय के लिए वर्षा रुक जाती है।
- यह स्थिति मानसूनी गर्त के उत्तर या दक्षिण की ओर खिसकने के कारण उत्पन्न होती है, जिससे वर्षा का वितरण प्रभावित होता है।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. दक्षिण–पश्चिम मानसून के आगमन तथा उसकी अनिश्चित प्रकृति का वर्णन कीजिए।

उत्तर : मानसून का आगमन
- जून के प्रारम्भ में उत्तरी मैदानों में निम्न दाब तीव्र हो जाता है।
- दक्षिण–पूर्व व्यापारिक पवनें विषुवत् रेखा पार कर दक्षिण–पश्चिम मानसून के रूप में भारत में प्रवेश करती हैं।
- ये पवनें गर्म महासागरों से नमी ग्रहण कर वर्षा कराती हैं।

वर्षा का प्रारम्भ
- पश्चिमी घाट के पवनमुखी भागों में भारी वर्षा होती है।
- उत्तर–पूर्व भारत, विशेषकर मासिनराम, सर्वाधिक वर्षा प्राप्त करता है।

वर्षा में विराम
- मानसूनी वर्षा लगातार नहीं होती।
- मानसूनी गर्त की स्थिति बदलने से वर्षा और शुष्क अवधि का क्रम चलता रहता है।

मानसून की अनिश्चितता
- मानसून का आगमन, वापसी तथा वर्षा की मात्रा निश्चित नहीं होती।
- इसके कारण देश के कुछ भागों में बाढ़ तथा अन्य भागों में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।
- यह अनिश्चितता किसानों के कृषि कार्यों को भी प्रभावित करती है।

मानसून वापसी ऋतु

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. अक्तूबर–नवंबर में सूर्य की दक्षिण की ओर आभासी गति के कारण मानसून गर्त कमजोर पड़ जाता है।
2. धीरे–धीरे उच्च दाब प्रणाली निम्न दाब का स्थान ले लेती है।
3. दक्षिण–पश्चिम मानसून पवनें क्रमशः पीछे हटने लगती हैं।
4. अक्तूबर के प्रारम्भ में मानसून पवनें उत्तरी मैदानों से हट जाती हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

रिक्तस्थान –

1. उष्णकटिबंधीय चक्रवात ..... सागर के ऊपर उत्पन्न होते हैं। कोरोमंडल तट की अधिकांश वर्षा ..... एवं ..... से होती है।

उत्तर : अंडमान, चक्रवातों, अवदाबों

2. मासिनराम विश्व में सर्वाधिक वर्षा वाला क्षेत्र होने के साथ ..... एवं ..... गुफाओं के लिए भी प्रसिद्ध है।

उत्तर : स्टैलैग्माइट, स्टैलैक्टाइट

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. 'क्वार की उमस' से क्या अभिप्राय है?

उत्तर :
- मानसून की वापसी के समय अक्तूबर एवं नवंबर में आकाश साफ हो जाता है, परंतु स्थल में नमी बनी रहती है।
- उच्च तापमान तथा अधिक आर्द्रता के कारण दिन का मौसम अत्यधिक असह्य हो जाता है। इसी स्थिति को श्क्वार की उमसश कहा जाता है।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. मानसून की वापसी तथा उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के प्रभाव का वर्णन कीजिए।

उत्तर : मानसून की वापसी
- अक्तूबर–नवंबर में सूर्य की दक्षिण की ओर आभासी गति के कारण मानसून गर्त कमजोर पड़ जाता है।
- उच्च दाब प्रणाली विकसित होने लगती है तथा दक्षिण–पश्चिम मानसून क्रमशः वापस लौटता है।
- अक्तूबर के प्रारम्भ में मानसून उत्तरी मैदानों से हट जाता है।

परिवर्तनीय मौसम
- यह गर्म वर्षा ऋतु से शीत ऋतु में परिवर्तन का समय होता है।
- आकाश साफ रहता है तथा उच्च तापमान एवं आर्द्रता के कारण श्क्वार की उमसश अनुभव होती है।

उष्णकटिबंधीय चक्रवात
- नवंबर के प्रारम्भ में बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती निम्न दाब विकसित होता है।
- ये चक्रवात भारत के पूर्वी तट को पार कर भारी वर्षा एवं व्यापक क्षति पहुँचाते हैं।

प्रभावित क्षेत्र
- गोदावरी, कृष्णा एवं कावेरी के डेल्टा क्षेत्रों में इनका प्रभाव अधिक पड़ता है।
- कभी–कभी ये ओडिशा, पश्चिम बंगाल तथा बांग्लादेश तक भी पहुँच जाते हैं।
- कोरोमंडल तट की अधिकांश वर्षा इन्हीं चक्रवातों एवं अवदाबों से होती है।

वर्षा का वितरण

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. हिमपात मुख्यतः हिमालयी क्षेत्रों तक सीमित है।
2. देश के अधिकांश भागों में वर्षा की मात्रा मध्यम रहती है।
3. पश्चिमी राजस्थान एवं लेह दोनों ही कम वर्षा वाले क्षेत्र हैं।
4. पश्चिमी घाट के पूर्वी भागों में वर्षा सर्वाधिक होती है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(अ)**

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. मानसून की प्रकृति के कारण वार्षिक वर्षा की मात्रा एक वर्ष से दूसरे वर्ष भिन्न हो सकती है।
2. वर्षा की विषमता निम्न वर्षा वाले क्षेत्रों में अधिक पाई जाती है।
3. राजस्थान, गुजरात के कुछ भाग तथा पश्चिमी घाट के वृष्टि–छाया क्षेत्र वर्षा की विषमता वाले क्षेत्र हैं।
4. अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में सूखे की संभावना अधिक रहती है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. पश्चिमी तट एवं ..... भारत में लगभग ..... सेमी वार्षिक वर्षा होती है, जबकि पश्चिमी राजस्थान में ..... सेमी से भी कम वर्षा होती है।

उत्तर : उत्तर–पूर्वी, 400, 60

2. वर्षा की विषमता ..... वर्षा वाले क्षेत्रों में अधिक पाई जाती है। अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में ..... तथा कम वर्षा वाले क्षेत्रों में ..... की संभावना रहती है।

उत्तर : निम्न, बाढ़, सूखे

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारत में वर्षा की क्षेत्रीय विषमताओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- भारत में वर्षा का वितरण समान नहीं है।
- पश्चिमी तट एवं उत्तर–पूर्वी भारत में अत्यधिक वर्षा होती है, जबकि पश्चिमी राजस्थान, लेह तथा सहयाद्रि के पूर्वी वृष्टि–छाया क्षेत्रों में वर्षा कम होती है।
- इसी कारण देश के विभिन्न भागों में बाढ़ तथा सूखे की भिन्न–भिन्न परिस्थितियाँ उत्पन्न होती हैं।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. भारत में वर्षा के वितरण तथा उसकी विषमताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर : वर्षा का वितरण

- पश्चिमी तट एवं उत्तर–पूर्वी भारत में लगभग 400 सेमी वार्षिक वर्षा होती है।
- पश्चिमी राजस्थान तथा इससे सटे पंजाब, हरियाणा एवं गुजरात के भागों में 60 सेमी से भी कम वर्षा होती है।
- दक्षिणी पठार के आंतरिक भागों एवं सहयाद्रि के पूर्व में भी वर्षा कम होती है।
- देश के अधिकांश अन्य भागों में वर्षा की मात्रा मध्यम रहती है।
- हिमपात मुख्यतः हिमालयी क्षेत्रों तक सीमित रहता है।

वर्षा की विषमताएँ

- मानसून की अनिश्चित प्रकृति के कारण प्रत्येक वर्ष वर्षा की मात्रा में परिवर्तन होता है।
- निम्न वर्षा वाले क्षेत्रों में वर्षा की विषमता अधिक पाई जाती है।
- अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में बाढ़ तथा कम वर्षा वाले क्षेत्रों में सूखे की संभावना बनी रहती है।

मानसून – भारत की एकता का परिचायक

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. हिमालय भारतीय उपमहाद्वीप को अत्यंत ठंडी मध्य एशियाई हवाओं से सुरक्षा प्रदान करता है।
2. इसके कारण उत्तरी भारत में अपेक्षाकृत उच्च तापमान बना रहता है।
3. प्रायद्वीपीय भारत में तीन ओर से समुद्र होने के कारण तापमान पर समकारी प्रभाव पड़ता है।
4. प्रायद्वीपीय भारत में ग्रीष्म एवं शीत ऋतु में तापमान का अंतर अपेक्षाकृत कम रहता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. भारतीय प्रायद्वीप पर मानसून की एकता का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है।
2. पवनों की दिशा ऋतु के अनुसार बदलती रहती है।
3. वर्षा की अनिश्चितता एवं असमान वितरण मानसून की प्रमुख विशेषता है।
4. मानसून का प्रभाव केवल कृषि तक सीमित रहता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. हिमालय ..... एशिया से आने वाली अत्यंत ठंडी हवाओं को रोकता है, जबकि प्रायद्वीपीय भारत में ..... का समकारी प्रभाव तापमान को संतुलित रखता है।

उत्तर : मध्य, समुद्र

2. मानसून ..... प्रक्रिया को गति देता है, ... को एक सूत्र में बाँधता है तथा नदी घाटियों को ..... कहा जाता है।

उत्तर : कृषि, संपूर्ण देश, नदी घाटी इकाई

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. भारत की एकता स्थापित करने में मानसून की भूमिका का वर्णन कीजिए।

उत्तर : हिमालय एवं समुद्र का प्रभाव

- हिमालय ठंडी मध्य एशियाई हवाओं से भारतीय उपमहाद्वीप की रक्षा करता है।
- तीन ओर समुद्र होने से प्रायद्वीपीय भारत में तापमान का समकारी प्रभाव बना रहता है।

मानसूनी एकता–

- पवनों की दिशा ऋतु के अनुसार बदलती है।
- वर्षा की अनिश्चितता एवं असमान वितरण मानसून की प्रमुख विशेषताएँ हैं।

जनजीवन पर प्रभाव–

- कृषि चक्र, वनस्पति, जीव–जंतु तथा मानव जीवन मानसून से प्रभावित होते हैं।
- विभिन्न त्यौहार एवं सामाजिक गतिविधियाँ भी मानसून से जुड़ी होती हैं।

राष्ट्रीय एकता में योगदान

- संपूर्ण भारतवासी मानसून के आगमन की प्रतीक्षा करते हैं।
- मानसूनी पवनें जल उपलब्ध कराकर कृषि को गति देती हैं।
- नदी घाटियाँ इस जल का संवहन करती हैं तथा संपूर्ण देश को एक सूत्र में बाँधने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें पढ़ें!

5 प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

प्राकृतिक वनस्पति का परिचय एवं उष्ण कटिबंधीय सदाबहार (वर्षा) वन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. प्राकृतिक वनस्पति वह है जो बिना मानवीय सहायता के स्वयं उगती है।
2. अक्षत वनस्पति पर लंबे समय तक मानवीय प्रभाव नहीं पड़ता।
3. फल, बागान तथा कृषि फसलें प्राकृतिक वनस्पति का भाग मानी जाती हैं।
4. भारत के बाहर से लाए गए पौधों को विदेशज पौधे कहा जाता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 4
(ब) केवल 1 और 3
(स) केवल 2, 3 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. भारत विश्व के ..... प्रमुख जैव विविधता वाले देशों में से एक है तथा एशिया में पौधों की विविधता की दृष्टि से ..... स्थान पर है। भारत में लगभग ..... फूलों वाले पौधे पाए जाते हैं, जो विश्व के कुल फूलों वाले पौधों का लगभग ..... प्रतिशत हैं।

उत्तर : 12, चौथे, 15000, 6

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. वनस्पति जगत तथा प्राणि जगत में क्या अंतर है?

उत्तर :
- वनस्पति जगत से आशय किसी विशेष क्षेत्र में पाए जाने वाले पौधों की उत्पत्ति एवं विविधता से है।
- इसके विपरीत प्राणि जगत उस क्षेत्र में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के जीव–जंतुओं का परिचय देता है।
- दोनों मिलकर किसी क्षेत्र की जैव विविधता का निर्माण करते हैं।

2. देशज एवं विदेशज पौधों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- जो पौधे मूल रूप से भारत के हैं, उन्हें देशज पौधे कहा जाता है।
- जबकि जो पौधे अन्य देशों से लाकर भारत में लगाए गए हैं, उन्हें विदेशज पौधे कहते हैं।
- दोनों प्रकार के पौधे भारत की वनस्पति का भाग हैं, परंतु उनकी उत्पत्ति अलग–अलग है।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. उष्ण कटिबंधीय सदाबहार (वर्षा) वनों की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर : उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वनों का वितरण

- ये वन पश्चिमी घाट, लक्षद्वीप, अंडमान–निकोबार द्वीप समूह, असम के ऊपरी भाग तथा तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
- इन क्षेत्रों में 200 सेमी से अधिक वर्षा होती है तथा शुष्क ऋतु बहुत कम समय के लिए रहती है।

मुख्य विशेषताएँ

- वृक्ष लगभग 60 मीटर या उससे अधिक ऊँचे होते हैं।
- वर्षभर गर्म एवं आर्द्र जलवायु के कारण वन सदैव हरे–भरे रहते हैं।
- वृक्षों में पतझड़ का कोई निश्चित समय नहीं होता।
- वन में वृक्ष, झाड़ियाँ एवं लताएँ विभिन्न स्तरों में विकसित होती हैं।

प्रमुख वनस्पति–

- आबनूस (एबोनी)
- महोगनी
- रोजवुड
- रबड़
- सिंकोना

प्रमुख वन्य जीव

- हाथी
- बंदर
- लैमूर
- हिरण
- एक सींग वाला गैंडा
- अनेक पक्षी, चमगादड़ तथा रेंगने वाले जीव

उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन एवं कंटीले वन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें जैसे चाहें!

1. शुष्क पर्णपाती वन 70 सेमी से 100 सेमी वर्षा वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
2. ये वन प्रायद्वीपीय पठार तथा उत्तर प्रदेश और बिहार के मैदानों में मिलते हैं।
3. इन क्षेत्रों के बड़े भाग कृषि एवं पशुचारण के लिए साफ कर दिए गए हैं।
4. सागौन, साल, पीपल तथा नीम इन वनों के प्रमुख वृक्ष हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1 और 2
(ब) केवल 2, 3 और 4
(स) 1, 2, 3 और 4
(द) केवल 1, 3 और 4 **(स)**

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. कंटीले वन एवं झाड़ियाँ 70 सेमी से कम वर्षा वाले क्षेत्रों में पाई जाती हैं।
2. इनकी पत्तियाँ छोटी तथा जड़ें लंबी होती हैं जिससे वाष्पीकरण कम होता है और जल दूर तक प्राप्त किया जा सके।
3. अकासिया, खजूर, यूफोरबिया तथा नागफनी इनकी प्रमुख वनस्पतियाँ हैं।
4. इन वनों में ऊँट, जंगली गधा, लोमड़ी, भेड़िया तथा खरगोश पाए जाते हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) 1, 2, 3 और 4
(द) केवल 1 और 4 **(स)**

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. आर्द्र पर्णपाती वनों का वितरण लिखिए।

उत्तर :
- 100 से 200 सेमी वर्षा वाले क्षेत्रों में विकसित होते हैं।
- **प्रमुख क्षेत्र** – पूर्वी भारत, उत्तर–पूर्वी राज्य, हिमालय के गिरिपद, झारखंड, पश्चिमी उड़ीसा, छत्तीसगढ़ तथा पश्चिमी घाट के पूर्वी ढाल।
- **प्रमुख वृक्ष** – सागौन, बाँस, साल, शीशम, चंदन, अर्जुन, शहतूत।

2. कंटीले वनों के पौधों में पाए जाने वाले अनुकूलनों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- कंटीले वनों के पौधों की जड़ें लंबी होती हैं, जिससे वे दूर तक जल प्राप्त कर सकें।
- इनकी पत्तियाँ छोटी होती हैं, जिससे वाष्पीकरण कम होता है।
- वृक्ष विरल होते हैं तथा शुष्क क्षेत्रों में झाड़ियाँ और काँटेदार पौधे अधिक पाए जाते हैं।

3. शुष्क पर्णपाती वनों का वितरण लिखिए।

उत्तर :
- 70 से 100 सेमी वर्षा वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
- **प्रमुख क्षेत्र** – प्रायद्वीपीय पठार, उत्तर प्रदेश तथा बिहार के मैदान।
- **प्रमुख वृक्ष** – सागौन, साल, पीपल एवं नीम।
- इन क्षेत्रों के बड़े भाग कृषि एवं पशुचारण के लिए साफ कर दिए गए हैं।

4. उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वनों का वर्गीकरण एवं विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर : उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन
- भारत में सबसे अधिक क्षेत्र में फैले वन हैं।
- इन्हें मानसूनी वन भी कहा जाता है।
- 70 से 200 सेमी वर्षा वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
- वृक्ष ग्रीष्म ऋतु में 6-8 सप्ताह तक पत्तियाँ गिरा देते हैं।

पर्वतीय वन एवं मैंग्रोव वन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. पर्वतीय क्षेत्रों में ऊँचाई बढ़ने के साथ तापमान घटता है तथा प्राकृतिक वनस्पति में परिवर्तन होता है।
2. 1,000 से 2,000 मीटर की ऊँचाई पर आर्द्र शीतोष्ण कटिबंधीय वन पाए जाते हैं।
3. इन वनों में ओक तथा चेस्टनट जैसे चौड़ी पत्ती वाले वृक्ष प्रमुख हैं।
4. इन वनों का विस्तार मुख्यतः हिमालय तथा दक्षिण एवं उत्तर–पूर्व भारत के पर्वतीय भागों में है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2, 3 और 4
(स) 1, 2, 3 और 4
(द) केवल 1 और 4 **(स)**

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. 1,500 से 3,000 मीटर की ऊँचाई पर शंकुधारी वन पाए जाते हैं।
2. चीड़, देवदार, सिल्वर–फर, स्प्रूस तथा सीडर इनके प्रमुख वृक्ष हैं।
3. 3,600 मीटर से अधिक ऊँचाई पर अल्पाइन वनस्पति मिलती है।
4. अल्पाइन घास के मैदानों का उपयोग गुज्जर तथा बक्करवाल समुदाय पशुचारण के लिए करते हैं।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) 1, 2, 3 और 4
(द) केवल 1, 3 और 4 **(स)**

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. मैंग्रोव वन ज्वार–भाटा प्रभावित तटीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
2. इन पौधों की जड़ें पानी में डूबी रहती हैं।
3. गंगा, ब्रह्मपुत्र, महानदी, गोदावरी, कृष्णा तथा कावेरी के डेल्टा क्षेत्रों में ये वन पाए जाते हैं।
4. गंगा–ब्रह्मपुत्र डेल्टा में सुंदरी वृक्ष प्रमुख है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) 1, 2, 3 और 4 (द) केवल 1 और 4 **(स)**

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मैंग्रोव वनों का वितरण एवं महत्त्व बताइए।

उत्तर :
- मैंग्रोव वन ज्वार–भाटा प्रभावित तटीय क्षेत्रों तथा गंगा, ब्रह्मपुत्र, महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी के डेल्टा क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
- इन वनों में पौधों की जड़ें पानी में डूबी रहती हैं तथा ये तटीय क्षेत्रों की प्रमुख प्राकृतिक वनस्पति हैं।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. पर्वतीय वनों का ऊँचाई के अनुसार वर्गीकरण एवं उनकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर : 1. आर्द्र शीतोष्ण कटिबंधीय वन (1,000–2,000 मीटर)
- ओक तथा चेस्टनट जैसे चौड़ी पत्ती वाले वृक्ष पाए जाते हैं।
- तापमान कम होने के कारण विशेष प्रकार की वनस्पति विकसित होती है।

2. शंकुधारी वन (1,500–3,000 मीटर)
- प्रमुख वृक्ष – चीड़, देवदार, सिल्वर–फर, स्प्रूस तथा सीडर।
- इनका विस्तार हिमालय की दक्षिणी ढलानों तथा दक्षिण एवं उत्तर–पूर्व भारत के ऊँचे भागों में है।

3. अल्पाइन वनस्पति (3,600 मीटर से अधिक)
- प्रमुख वृक्ष – सिल्वर–फर, जूनिपर, पाइन तथा बर्च।
- हिमरेखा के निकट वृक्ष छोटे होते जाते हैं और अंततः अल्पाइन घास के मैदान बन जाते हैं।
- इन घास के मैदानों का उपयोग गुज्जर एवं बक्करवाल समुदाय पशुचारण के लिए करते हैं।
- अधिक ऊँचाई पर मॉस, लाइकेन तथा टुंड्रा वनस्पति पाई जाती है।

वन्य प्राणी एवं औषधीय पादप

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. हाथी असम, कर्नाटक तथा केरल के उष्ण एवं आर्द्र वनों में पाए जाते हैं।
2. एक सींग वाला गैंडा पश्चिम बंगाल तथा असम के दलदली क्षेत्रों में पाया जाता है।
3. कच्छ के रन में जंगली गधा तथा थार मरुस्थल में ऊँट पाया जाता है।
4. नीलगाय, चौसिंघा तथा विभिन्न प्रकार के हिरण भारत के प्रमुख वन्य जीव हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) 1, 2, 3 और 4
(द) केवल 1 और 4 **(स)**

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. भारत में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 में लागू किया गया।
2. आयुर्वेद में लगभग 2,000 औषधीय पादपों का वर्णन मिलता है।
3. इनमें से लगभग 500 पादप निरंतर औषधि के रूप में प्रयोग होते रहे हैं।
4. इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर की लाल सूची में भारत के 352 पादपों का उल्लेख है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2, 3 और 4
(स) 1, 2, 3 और 4
(द) केवल 1 और 4 **(स)**

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (IUCN) की लाल सूची के अनुसार भारत के औषधीय पादपों की स्थिति स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- विश्व संरक्षण संघ की लाल सूची में भारत के 352 पादपों का उल्लेख किया गया है।
- इनमें 52 पादप अति संकटग्रस्त हैं तथा 49 पादपों के विनष्ट होने का खतरा है।
- यह स्थिति औषधीय वनस्पतियों के संरक्षण की आवश्यकता को दर्शाती है।

2. भारत में प्रमुख औषधीय पादपों के उपयोग लिखिए।

उत्तर : सर्पगंधा का उपयोग रक्तचाप नियंत्रित करने में, जामुन का मधुमेह में, अर्जुन के रस का कान के दर्द एवं रक्तचाप की नियमितता में, बबूल के गोंद का शारीरिक शक्ति बढ़ाने में, नीम का जीवाणुरोधी औषधि के रूप में, तुलसी का जुकाम–खाँसी तथा कचनार का फोड़ा, दमा एवं पाचन संबंधी रोगों में उपयोग किया जाता है।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. भारत के वन्य जीवों की विविधता का वर्णन कीजिए।

उत्तर : वन्य जीवों की समृद्धि

- भारत में लगभग 90,000 जीव प्रजातियाँ पाई जाती हैं।
- 2,000 से अधिक पक्षियों तथा 2,546 मछलियों की प्रजातियाँ पाई जाती हैं।
- विश्व के 5 से 8 प्रतिशत उभयचर, सरीसृप एवं स्तनधारी जीव भारत में मिलते हैं।

प्रमुख स्तनधारी जीव

- हाथी – असम, कर्नाटक एवं केरल के आर्द्र वनों में।
- एक सींग वाला गैंडा – पश्चिम बंगाल एवं असम के दलदली क्षेत्रों में।
- जंगली गधा – कच्छ का रन।
- ऊँट – थार मरुस्थल।
- भारतीय भैंसा, नीलगाय, चौसिंघा तथा विभिन्न प्रकार के हिरण भी पाए जाते हैं।

वन्य जीव संरक्षण

- भारत में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 लागू किया गया।
- इसका उद्देश्य वन्य जीवों एवं उनकी प्राकृतिक आवासों का संरक्षण करना है।

वन्य प्राणी, औषधीय पादप, संरक्षण एवं जीवमंडल निचय

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. भारत विश्व का एकमात्र देश है जहाँ शेर और बाघ दोनों पाए जाते हैं।
2. एशियाई शेर केवल गुजरात के गिर जंगलों में पाए जाते हैं।
3. बाघ मध्य प्रदेश, झारखंड, सुंदरवन तथा हिमालयी क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
4. तेंदुआ बिल्ली कुल का प्रमुख शिकारी है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) 1, 2, 3 और 4
(द) केवल 1 और 4 **(स)**

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. लद्दाख में याक पाया जाता है।
2. तिब्बतीय बारहसिंघा, भारल एवं कियांग हिमालयी जीव हैं।
3. घड़ियाल विश्व में केवल भारत में पाया जाता है।
4. मोर, सारस, मैना, बत्तख एवं तोता भारत के प्रमुख पक्षी हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1 और 2
(ब) केवल 3 और 4
(स) केवल 1, 2 और 3
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. भारत में जैव विविधता संरक्षण हेतु सरकार द्वारा उठाए गए प्रमुख कदमों का वर्णन कीजिए।

उत्तर : 1. जीवमंडल निचयों की स्थापना

- देश में 18 जीवमंडल निचय (आरक्षित क्षेत्र) स्थापित किए गए।
- इनमें से 12 को यूनेस्को के विश्व जीवमंडल निचय नेटवर्क में शामिल किया गया है।

2. पादप उद्यानों को सहायता

- 1992 से सरकार द्वारा पादप उद्यानों को वित्तीय एवं तकनीकी सहायता दी जा रही है।

3. संरक्षण योजनाएँ

- शेर संरक्षण, गैंडा संरक्षण तथा भारतीय भैंसा संरक्षण जैसी योजनाएँ संचालित की गई हैं।
- पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया है।

4. संरक्षित क्षेत्र

- देश में 106 राष्ट्रीय उद्यान, 573 वन्यजीव अभयारण्य तथा अनेक चिड़ियाघरों की स्थापना की गई है।

5. संरक्षण का उद्देश्य

- पादप एवं जीव–जंतुओं की सुरक्षा करना।
- जैव विविधता एवं प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र का संरक्षण सुनिश्चित करना।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

जीवमंडल निचय एवं प्रवासी पक्षी

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. प्रवासी पक्षियों के लिए भारत का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- भारत के अनेक दलदली एवं तटीय क्षेत्र प्रवासी पक्षियों के प्रमुख आश्रय स्थल हैं।
- शीत ऋतु में साइबेरियन सारस बड़ी संख्या में भारत आते हैं।
- कच्छ का रन इनका प्रमुख निवास क्षेत्र है, जहाँ फ्लैमिंगो खारे कीचड़ पर घोंसले बनाकर अपने बच्चों का पालन–पोषण करते हैं।
- यह भारत की प्राकृतिक धरोहर का महत्त्वपूर्ण भाग है।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. भारत के अठारह जीवमंडल निचयों (आरक्षित क्षेत्रों) का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

उत्तर : 1. जीवमंडल निचयों का उद्देश्य
- जैव विविधता एवं प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र का संरक्षण।
- दुर्लभ वनस्पतियों एवं वन्य जीवों की सुरक्षा।

2. भारत के प्रमुख जीवमंडल निचय
- सुंदरवन
- सिमलीपाल
- नीलगिरी
- ठंडा रेगिस्तान
- नाकरेक
- शेषाचलम
- पन्ना
- ग्रेट निकोबार
- मानस
- मन्नार की खाड़ी
- कच्छ
- दिहांग–दिवांग
- नंदादेवी
- डिब्रू–साइकहोवा
- अगस्त्यमलाई
- कंचनजुंगा
- पंचमढ़ी
- अचनकमर–अमरकंटक

3. महत्त्व
- जैव विविधता का संरक्षण।
- संकटग्रस्त प्रजातियों का सुरक्षित आवास।
- प्राकृतिक संसाधनों के सतत संरक्षण एवं वैज्ञानिक अध्ययन को बढ़ावा।

6 जनसंख्या

जनसंख्या – आकार एवं वितरण एवं जनसंख्या घनत्व

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. मानव, संसाधनों का निर्माण करता है तथा स्वयं भी एक संसाधन है।
2. जनसंख्या का अध्ययन मानव की संख्या, वितरण, वृद्धि एवं विशेषताओं के आधार पर किया जाता है।
3. किसी क्षेत्र की अधिक जनसंख्या होने पर वही जनसंख्या 'आपदा' भी बन सकती है।
4. जनसंख्या सामाजिक एवं आर्थिक विकास का आधारभूत तत्त्व है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) 1, 2, 3 और 4 (द) केवल 1 और 4 **(स)**

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. भारत की लगभग आधी जनसंख्या केवल पाँच राज्यों में निवास करती है।
2. ये पाँच राज्य उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल तथा आंध्र प्रदेश हैं।
3. 2011 में भारत का जनसंख्या घनत्व 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी था।
4. बिहार का जनसंख्या घनत्व 1,102 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी था, जबकि अरुणाचल प्रदेश का 17 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी था।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1, 3 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जनगणना क्या है? भारत में जनगणना का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

उत्तर :
- एक निश्चित समय पर जनसंख्या की आधिकारिक गणना को जनगणना कहते हैं।
- भारत में पहली जनगणना 1872 में कराई गई, जबकि पहली नियमित एवं पूर्ण जनगणना 1881 में हुई।
- इसके बाद से प्रत्येक दस वर्ष में जनगणना कराई जाती है।
- यह जनसंख्या संबंधी आँकड़ों का सबसे विश्वसनीय स्रोत है।

2. जनसंख्या घनत्व से क्या अभिप्राय है?

उत्तर :
- किसी क्षेत्र के प्रति वर्ग किलोमीटर में रहने वाले व्यक्तियों की संख्या को जनसंख्या घनत्व कहते हैं।
- यह जनसंख्या के वितरण का सर्वोत्तम संकेतक है तथा किसी क्षेत्र में जनसंख्या के संकेंद्रण और असमान वितरण को समझने में सहायता करता है।

3. भारत में जनसंख्या का वितरण असमान क्यों है?

उत्तर : भौतिक संरचना, जलवायु, मिट्टी की उर्वरता, जल की उपलब्धता तथा आर्थिक विकास में अंतर के कारण भारत में जनसंख्या का वितरण असमान है।

4. पर्वतीय एवं प्रतिकूल जलवायु वाले क्षेत्रों में जनसंख्या घनत्व कम क्यों होता है?

उत्तर : पर्वतीय भू–आकृति, कठिन जलवायु, कम उपजाऊ भूमि तथा सीमित परिवहन सुविधाओं के कारण इन क्षेत्रों में जनसंख्या घनत्व कम होता है।

5. केरल का जनसंख्या घनत्व अधिक होने के दो कारण लिखिए।

उत्तर : 1. समतल एवं उपजाऊ भूमि।
2. पर्याप्त वर्षा और अनुकूल जलवायु।

6. उत्तरी मैदानों में जनसंख्या घनत्व अधिक होने के दो कारण बताइए।

उत्तर : 1. उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी।
2. पर्याप्त जल एवं कृषि की अनुकूल परिस्थितियाँ।

7. क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य कौन–सा है तथा उसकी जनसंख्या का प्रतिशत कितना है?

उत्तर : राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य है तथा इसकी जनसंख्या भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 5.5 प्रतिशत है।

पहाड़ सिंह
पहाड़ सिंह, जहाँ पढ़ते पहाड़!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. भारत में जनसंख्या के आकार एवं वितरण का वर्णन कीजिए।

उत्तर : 1. भारत की जनसंख्या

- 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या 121.06 करोड़ है।
- यह विश्व की कुल जनसंख्या का 17 प्रतिशत से अधिक है।

2. क्षेत्रफल एवं जनसंख्या

- भारत का क्षेत्रफल विश्व के कुल क्षेत्रफल का लगभग 2. 4 प्रतिशत है।
- यह जनसंख्या 32.8 लाख वर्ग किमी क्षेत्र में वितरित है।

3. प्रमुख राज्य

- उत्तर प्रदेश सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य है।
- सिक्किम सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य है।
- लक्षद्वीप सबसे कम जनसंख्या वाला केंद्रशासित प्रदेश है, जिसकी जनसंख्या 64,429 है।

4. जनसंख्या का वितरण

- भारत की लगभग आधी जनसंख्या पाँच राज्योंकृउत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल तथा आंध्र प्रदेश में निवास करती है।
- विभिन्न राज्यों में जनसंख्या का वितरण एवं घनत्व असमान पाया जाता है।

जनसंख्या वृद्धि एवं जनसंख्या परिवर्तन की प्रक्रिया

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जनसंख्या परिवर्तन से क्या अभिप्राय है?

उत्तर : किसी क्षेत्र की जनसंख्या के आकार में समय के साथ होने वाले परिवर्तन को जनसंख्या परिवर्तन कहते हैं। यह जन्म, मृत्यु तथा प्रवास के कारण होता है।

2. जनसंख्या वृद्धि किसे कहते हैं?

उत्तर : किसी निश्चित समयावधि में जनसंख्या के आकार में हुई वृद्धि को जनसंख्या वृद्धि कहते हैं।

3. जनसंख्या वृद्धि को मापने के दो प्रमुख तरीके कौन–कौन से हैं?

उत्तर : 1. निरपेक्ष (Absolute) जनसंख्या वृद्धि
2. वार्षिक जनसंख्या वृद्धि दर

4. निरपेक्ष (Absolute) जनसंख्या वृद्धि से क्या अभिप्राय है?

उत्तर :

- किसी निश्चित समय में कुल जनसंख्या में हुई वास्तविक वृद्धि को निरपेक्ष जनसंख्या वृद्धि कहते हैं।
- यह वर्तमान जनसंख्या में से पूर्व जनसंख्या घटाकर ज्ञात की जाती है।

5. वार्षिक जनसंख्या वृद्धि दर से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : एक वर्ष में जनसंख्या में हुई प्रतिशत वृद्धि को वार्षिक जनसंख्या वृद्धि दर कहते हैं।

6. 1951 से 1981 के बीच भारत की जनसंख्या वृद्धि की प्रवृत्ति कैसी रही?

उत्तर :

- 1951 से 1981 के बीच भारत में जनसंख्या वृद्धि तीव्र रही।
- इस अवधि में मृत्यु दर में कमी आई, जबकि जन्म दर अपेक्षाकृत अधिक बनी रही।

7. 1981 के बाद भारत की जनसंख्या वृद्धि दर में क्या परिवर्तन आया?

उत्तर : 1981 के बाद भारत की जनसंख्या वृद्धि दर में धीरे–धीरे कमी आने लगी, यद्यपि कुल जनसंख्या में वृद्धि जारी रही।

8. जनसंख्या परिवर्तन की तीन प्रमुख प्रक्रियाएँ कौन–कौन सी हैं?

उत्तर : 1. जन्म
2. मृत्यु
3. प्रवास

9. जन्म दर से क्या अभिप्राय है?

उत्तर : किसी वर्ष में प्रति एक हजार जनसंख्या पर होने वाले जीवित जन्मों की संख्या को जन्म दर कहते हैं।

10. मृत्यु दर से क्या अभिप्राय है?

उत्तर : किसी वर्ष में प्रति एक हजार जनसंख्या पर होने वाली मृत्यु की संख्या को मृत्यु दर कहते हैं।

11. भारत में मृत्यु दर में कमी आने के दो प्रमुख कारण लिखिए।

उत्तर : 1. चिकित्सा सुविधाओं में सुधार।
2. बेहतर स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सुविधाओं का विकास।

12. प्रवास (Migration) से क्या अभिप्राय है?

उत्तर : लोगों का रोजगार, शिक्षा, विवाह या अन्य कारणों से एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाकर बसना प्रवास कहलाता है।

13. आंतरिक प्रवास और अंतर्राष्ट्रीय प्रवास में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : आंतरिक प्रवास में लोग एक ही देश के भीतर स्थान परिवर्तन करते हैं, जबकि अंतर्राष्ट्रीय प्रवास में लोग एक देश से दूसरे देश में जाकर बसते हैं।

14. ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों की ओर प्रवास के दो प्रमुख कारण बताइए।

उत्तर : 1. रोजगार के बेहतर अवसर।
2. शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसी बेहतर सुविधाएँ।

15. जनसंख्या परिवर्तन में प्रवास का क्या महत्व है?

उत्तर :
- प्रवास से किसी क्षेत्र की जनसंख्या के आकार, वितरण तथा संरचना में परिवर्तन होता है।
- इससे एक क्षेत्र की जनसंख्या बढ़ती है तथा दूसरे क्षेत्र की घट सकती है।

प्रवास के प्रभाव, नगरीकरण एवं किशोर जनसंख्या

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. प्रवास जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करता है।
2. ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर प्रवास से नगरीकरण को बढ़ावा मिलता है।
3. बड़े नगरों में जनसंख्या का दबाव बढ़ने से आवास एवं आधारभूत सुविधाओं पर भार बढ़ता है।
4. रोजगार की खोज प्रवास का प्रमुख कारण है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2 और 4
(स) 1, 2, 3 और 4
(द) केवल 1 और 4 **(स)**

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. किशोर जनसंख्या की आयु 10 से 19 वर्ष के बीच मानी जाती है।
2. भारत की लगभग पाँचवें भाग की जनसंख्या किशोर आयु वर्ग में आती है।
3. किशोर भविष्य के मानव संसाधन हैं।
4. किशोरों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1, 2 और 3
(ब) केवल 2, 3 और 4
(स) केवल 1 और 4
(द) 1, 2, 3 और 4 **(द)**

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. किशोरावस्था शारीरिक एवं मानसिक विकास का महत्त्वपूर्ण चरण है।
2. इस आयु वर्ग में संतुलित पोषण आवश्यक होता है।
3. शिक्षा एवं कौशल विकास से किशोरों को उत्पादक मानव संसाधन बनाया जा सकता है।
4. किशोरों का स्वास्थ्य राष्ट्र के विकास से जुड़ा हुआ है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(अ) केवल 1 और 2
(ब) केवल 2 और 4
(स) 1, 2, 3 और 4
(द) केवल 1, 3 और 4 **(स)**

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. नगरीकरण से क्या अभिप्राय है?

उत्तर :
- ग्रामीण जनसंख्या का नगरों की ओर स्थानांतरण तथा नगरों के आकार एवं संख्या में वृद्धि की प्रक्रिया को नगरीकरण कहते हैं।
- यह मुख्यतः रोजगार, शिक्षा एवं बेहतर सुविधाओं की उपलब्धता के कारण होता है।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. प्रवास के प्रभाव एवं किशोर जनसंख्या के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

उत्तर : 1. प्रवास के प्रभाव
- जनसंख्या के वितरण में परिवर्तन होता है।
- नगरीकरण को बढ़ावा मिलता है।
- नगरों में आवास, परिवहन एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं पर दबाव बढ़ता है।
- रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों में परिवर्तन आता है।

2. किशोर जनसंख्या का महत्त्व
- किशोर देश के भावी मानव संसाधन हैं।
- इस अवस्था में शारीरिक एवं मानसिक विकास तीव्र होता है।
- शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष ध्यान आवश्यक है।
- कौशल विकास द्वारा उन्हें राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनाया जा सकता है।

लोकतांत्रिक राजनीति–1

(राजनीति विज्ञान)

1 लोकतंत्र क्या? लोकतंत्र क्यों?

लोकतंत्र क्या है?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. लोकतंत्र की सरल परिभाषा क्या है?
(अ) शासन का वह रूप जिसमें सेना फैसले करती है
(ब) शासन का वह रूप जिसमें राजा शासक बनता है
(स) शासन का वह रूप जिसमें शासकों का चुनाव लोग करते हैं
(द) शासन का वह रूप जिसमें न्यायपालिका शासन करती है **(स)**

2. यूनानी भाषा में 'डेमोस' शब्द का क्या अर्थ है?
(अ) शासन (ब) लोग
(स) चुनाव (द) अधिकार **(ब)**

3. यूनानी भाषा में 'क्रेशिया' शब्द का क्या अर्थ है?
(अ) लोग (ब) स्वतंत्रता
(स) समानता (द) शासन **(द)**

4. लोकतंत्र की सरल परिभाषा को पूर्ण क्यों नहीं माना जा सकता?
(अ) क्योंकि लोकतंत्र में चुनाव नहीं होते
(ब) क्योंकि सभी शासक राजा होते हैं
(स) क्योंकि जनता शासन में भाग नहीं लेती
(द) क्योंकि चुनाव कराने वाली प्रत्येक सरकार वास्तविक लोकतांत्रिक नहीं होती **(द)**

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. लोकतंत्र की स्पष्ट परिभाषा की आवश्यकता क्यों होती है?
उत्तर : लोकतंत्र शब्द का प्रयोग अलग–अलग अर्थों में किया जाता है। अनेक प्रकार की सरकारें स्वयं को लोकतांत्रिक बताती हैं।

2. अब्राहम लिंकन के अनुसार लोकतंत्र क्या है?
उत्तर : लोगों के लिए, लोगों की और लोगों के द्वारा चलने वाली शासन व्यवस्था लोकतंत्र है।

3. लोकतांत्रिक सरकार की पहचान का सरल पैमाना क्या है?
उत्तर : लोगों के पास अपनी सरकार चुनने का अधिकार होना चाहिए।

4. म्यांमार के शासन को लोकतांत्रिक क्यों नहीं कहा जा सकता?
उत्तर : वहाँ सैनिक शासकों का चुनाव जनता ने नहीं किया था।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. लोकतंत्र की सरल परिभाषा लिखिए तथा इसकी उपयोगिता बताइए।
उत्तर :
- लोकतंत्र शासन का ऐसा रूप है जिसमें शासकों का चुनाव लोग करते हैं।
- यह लोकतांत्रिक और गैर–लोकतांत्रिक शासन में प्रारंभिक अंतर बताती है।
- जनता द्वारा न चुने गए शासक लोकतांत्रिक नहीं माने जाते।

2. गैर–लोकतांत्रिक शासनों के तीन उदाहरण दीजिए।
उत्तर :
- म्यांमार के सैनिक शासकों का चुनाव लोगों ने नहीं किया।
- चिले में पिनोशे जैसे तानाशाह को लोगों ने नहीं चुना।
- सऊदी अरब के शाह को राजपरिवार में जन्म के आधार पर शासन मिला।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. 'डेमोक्रेसी' शब्द की उत्पत्ति समझाइए। केवल शब्द की उत्पत्ति के आधार पर परिभाषा बनाना उचित क्यों नहीं है?
उत्तर :
- 'डेमोक्रेसी' शब्द यूनानी भाषा के 'डेमोक्रेशिया' शब्द से बना है।
- 'डेमोस' का अर्थ लोग तथा 'क्रेशिया' का अर्थ शासन है।
- इसका शाब्दिक अर्थ 'लोगों का शासन' है।
- शब्दों के अर्थ उनके मूल अर्थ तक सीमित नहीं रहते।
- समय और प्रयोग के साथ उनके अर्थ बदलते हैं।
- इसलिए केवल शब्द की उत्पत्ति के आधार पर परिभाषा बनाना उचित नहीं है।

2. लोकतांत्रिक और गैर–लोकतांत्रिक शासन में अंतर स्पष्ट कीजिए।
उत्तर :
- लोकतांत्रिक शासन में शासकों का चुनाव जनता करती है।
- गैर–लोकतांत्रिक शासन में सत्ता सेना, राजपरिवार या शक्ति के आधार पर मिलती है।
- लोकतंत्र में जनता को सरकार चुनने का अधिकार होता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें सब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें

- गैर–लोकतांत्रिक शासन में जनता की भागीदारी नहीं होती।
- लोकतंत्र जनता की सहमति पर आधारित होता है।
- गैर–लोकतांत्रिक शासन जनता की सहमति के बिना चल सकता है।

Trick "जनता – चुनाव – भाग – सहमति" **लोकतंत्र** = जनता चुने, भाग ले, सहमति दे।

3. वास्तविक लोकतंत्र और दिखावटी लोकतंत्र के बीच अंतर करना क्यों आवश्यक है?

उत्तर :
- लगभग प्रत्येक सरकार स्वयं को लोकतांत्रिक बताना चाहती है।
- केवल चुनाव कराने से कोई सरकार लोकतांत्रिक नहीं बनती।
- जनता के पास वास्तविक चुनावी विकल्प होना चाहिए।
- चुने हुए प्रतिनिधियों के पास वास्तविक निर्णय लेने की शक्ति होनी चाहिए।
- लोकतंत्र की सभी विशेषताओं की जाँच आवश्यक है।
- इन्हीं विशेषताओं से वास्तविक लोकतंत्र की पहचान होती है।

लोकतंत्र की विशेषताएँ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. चीन में चुनाव लड़ने से पहले उम्मीदवारों को किसकी मंजूरी लेनी पड़ती थी?
(अ) न्यायपालिका की
(ब) सेना की
(स) चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की
(द) जनता की ग्रामसभा की **(स)**

2. मैक्सिको में सन् 2000 तक प्रत्येक चुनाव में कौन–सी पार्टी जीतती रही?
(अ) पीआरआई (ब) जानु–पीएफ
(स) कम्युनिस्ट पार्टी (द) राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् **(अ)**

3. लोकतंत्र का राजनीतिक समानता का सिद्धांत कौन–सा है?
(अ) एक परिवार – एक वोट
(ब) एक दल – एक वोट
(स) एक क्षेत्र – एक वोट
(द) एक व्यक्ति – एक वोट – एक मोल **(द)**

4. लोकतांत्रिक सरकार को किसके दायरे में रहकर काम करना चाहिए?
(अ) केवल राष्ट्रपति की इच्छा के
(ब) संवैधानिक कानूनों और नागरिक अधिकारों के
(स) सेना के आदेशों के
(द) शासक दल के निर्णयों के **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. जनरल परवेज मुशर्रफ ने अक्टूबर ..... में सैनिक तख्तापलट किया।
उत्तर : 1999

2. चीन की संसद के लिए प्रत्येक ..... वर्ष बाद चुनाव होते हैं।
उत्तर : पाँच

3. मैक्सिको में राष्ट्रपति के चुनाव प्रत्येक ..... वर्ष बाद होते थे।
उत्तर : छह

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. लोकतंत्र में नागरिकों को कौन–सी राजनीतिक स्वतंत्रताएँ मिलनी चाहिए?
उत्तर : विचार व्यक्त करने, संगठन बनाने, विरोध करने और राजनीतिक गतिविधियाँ करने की स्वतंत्रता।

2. स्वतंत्र न्यायपालिका का प्रमुख कार्य क्या है?
उत्तर : नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जनरल मुशर्रफ के शासन वाले पाकिस्तान को लोकतांत्रिक क्यों नहीं माना गया?
उत्तर :
- अंतिम निर्णय सेना और जनरल मुशर्रफ के हाथ में था।
- चुने हुए प्रतिनिधि वास्तविक शासक नहीं थे।
- निर्वाचित संस्थाओं के पास सर्वोच्च सत्ता नहीं थी।

2. राजनीतिक समानता के उल्लंघन के तीन उदाहरण लिखिए।
उत्तर :
- सऊदी अरब में वर्ष 2015 तक महिलाओं को मतदान का अधिकार नहीं था।
- एस्टोनिया में रूसी अल्पसंख्यकों के लिए मतदान अधिकार प्राप्त करना कठिन था।
- फिजी में मूल निवासियों के वोट का महत्त्व भारतीय मूल के नागरिकों से अधिक था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. लोकतंत्र की चार प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
उत्तर :
- अंतिम फैसले जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को करने चाहिए।
- चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होने चाहिए।
- जनता के पास वास्तविक चुनावी विकल्प होना चाहिए।
- प्रत्येक वयस्क नागरिक को एक वोट मिलना चाहिए।

चलें साथ सहीं, चलें साथ सही, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

- प्रत्येक वोट का मूल्य समान होना चाहिए।
- सरकार को संविधान और नागरिक अधिकारों के दायरे में काम करना चाहिए।
- नागरिकों को विचार, अभिव्यक्ति, संगठन और विरोध की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।

Trick निर्णय–चुनाव–समानता–अधिकार

2. चीन और मैक्सिको के उदाहरणों से स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की आवश्यकता समझाइए।

उत्तर :
- चीन में उम्मीदवारों को कम्युनिस्ट पार्टी की मंजूरी लेना आवश्यक था।
- जनता के सामने वास्तविक चुनावी विकल्प नहीं था।
- मैक्सिको में विपक्षी दल चुनाव लड़ सकते थे।
- पीआरआई चुनाव जीतने के लिए अनुचित साधनों का प्रयोग करती थी।
- सरकारी कर्मचारी और मीडिया शासक दल के पक्ष में काम करते थे।
- लोकतांत्रिक चुनाव में सरकार बदलने का वास्तविक अवसर मिलना चाहिए।

3. 'एक व्यक्ति–एक वोट–एक मोल' सिद्धांत को उदाहरणों सहित समझाइए।

उत्तर :
- लोकतंत्र राजनीतिक समानता पर आधारित है।
- प्रत्येक वयस्क नागरिक को मतदान का समान अधिकार मिलना चाहिए।
- प्रत्येक वोट का मूल्य समान होना चाहिए।
- सऊदी अरब में महिलाओं को मतदान अधिकार न मिलना इसका उल्लंघन था।
- फिजी में अलग–अलग समुदायों के वोटों का असमान मूल्य भी इसके विरुद्ध था।

लोकतंत्र ही क्यों?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. लोकतांत्रिक शासन अन्य शासन प्रणालियों से बेहतर क्यों माना जाता है?

(अ) यह अधिक जवाबदेह शासन प्रदान करता है
(ब) इसमें कोई चुनाव नहीं होता
(स) इसमें केवल एक व्यक्ति फैसले करता है
(द) इसमें नागरिकों को अधिकार नहीं मिलते **(अ)**

2. लोकतंत्र मतभेदों और टकरावों को किस प्रकार सुलझाता है?

(अ) बल प्रयोग द्वारा
(ब) कमजोर समूह को दबाकर
(स) चुनाव समाप्त करके
(द) शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से **(द)**

3. लोकतंत्र में गलतियों को सुधारने का प्रमुख तरीका क्या है?

(अ) गलतियों को छिपाना
(ब) सार्वजनिक चर्चा और शासकों को बदलना
(स) विपक्ष पर प्रतिबंध लगाना
(द) चुनावों को स्थगित करना **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था अधिक ..... वाला शासन स्वरूप है।

उत्तर : जवाबदेही

2. लोकतंत्र मतभेदों और ..... को संभालने का तरीका उपलब्ध कराता है।

उत्तर : टकरावों

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. लोकतंत्र नागरिकों का सम्मान कैसे बढ़ाता है?

उत्तर : गरीब और अनपढ़ नागरिक को भी अमीर और शिक्षित नागरिक के समान राजनीतिक दर्जा मिलता है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. लोकतंत्र के विरुद्ध दिए जाने वाले तीन प्रमुख तर्क लिखिए।

उत्तर :
- नेताओं के बदलने से अस्थिरता उत्पन्न होती है।
- चर्चा और बहस के कारण निर्णय लेने में देरी होती है।
- खर्चीली चुनावी प्रतिस्पर्धा से भ्रष्टाचार बढ़ सकता है।

2. लोकतंत्र को सभी समस्याओं का समाधान क्यों नहीं माना जा सकता?

उत्तर :
- लोकतंत्र गरीबी समाप्त करने की गारंटी नहीं देता।
- जनता द्वारा लिए गए सभी निर्णय सही हों, यह आवश्यक नहीं है।
- व्यापक भागीदारी के कारण निर्णय लेने में समय लग सकता है।

3. लोकतंत्र बेहतर निर्णय लेने में किस प्रकार सहायक है?

उत्तर :
- निर्णय से पहले व्यापक चर्चा और बहस होती है।
- अनेक लोगों के विचार सामने आते हैं।
- समस्या के विभिन्न पक्षों पर विचार किया जाता है।
- गलत और गैर–जिम्मेदार निर्णयों की संभावना कम होती है।

4. लोकतंत्र सामाजिक टकरावों को संभालने में कैसे सहायता करता है?

उत्तर :
- विभिन्न समूहों को अपनी बात रखने का अवसर मिलता है।
- समस्याओं का शांतिपूर्ण समाधान खोजा जाता है।
- कोई समूह स्थायी विजेता या पराजित नहीं होता।
- अलग–अलग समुदाय शांतिपूर्ण ढंग से साथ रह सकते हैं।

5. लोकतंत्र नागरिकों की गरिमा को कैसे बढ़ाता है?

उत्तर :
- लोकतंत्र राजनीतिक समानता पर आधारित है।
- प्रत्येक नागरिक को समान राजनीतिक दर्जा मिलता है।
- गरीब और अनपढ़ व्यक्ति को भी समान सम्मान मिलता है।
- नागरिक किसी शासक की प्रजा नहीं, अपने शासक स्वयं होते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. लोकतंत्र के विरुद्ध दिए जाने वाले प्रमुख तर्कों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- नेताओं के बार–बार बदलने से अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है।
- राजनीतिक लड़ाई और सत्ता की प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है।
- अधिक चर्चा के कारण निर्णय लेने में देरी होती है।
- चुने गए नेता जनता के हितों को ठीक से न समझ सकें।
- चुनावी प्रतिस्पर्धा खर्चीली होती है।
- इससे भ्रष्टाचार और अनुचित साधनों का प्रयोग बढ़ सकता है।

Trick
"नेता बदले, लड़ाई बढ़े, फैसला देर से हो, चुनाव महँगा और भ्रष्टाचार बढ़े।"

2. लोकतंत्र बेहतर निर्णय लेने की संभावना किस प्रकार बढ़ाता है?

उत्तर :
- लोकतंत्र चर्चा, बहस और विचार–विमर्श पर आधारित है।
- निर्णय प्रक्रिया में अधिक लोगों की भागीदारी होती है।
- विभिन्न दृष्टिकोण सामने आते हैं।
- समस्या को बेहतर ढंग से समझा जाता है।
- जल्दबाजी और गलत निर्णयों की संभावना कम होती है।
- निर्णय में समय अधिक लगे, फिर भी वह अधिक विचारपूर्ण होता है।

Trick
"चर्चा में भाग लो, दृष्टिकोण समझो, जल्दबाजी छोड़ विचार करो।"

चर्चा ⟶ बहस व विचार–विमर्श
भाग ⟶ अधिक लोगों की भागीदारी
दृष्टिकोण ⟶ अलग–अलग विचार
समझो ⟶ समस्या की बेहतर समझ
जल्दबाजी छोड़ ⟶ गलत निर्णय कम
विचार करो ⟶ अधिक विचारपूर्ण निर्णय

3. लोकतंत्र के पक्ष में दिए गए पाँच प्रमुख तर्क लिखिए।

उत्तर :
- लोकतंत्र अधिक जवाबदेह शासन प्रदान करता है।
- यह बेहतर निर्णय लेने की संभावना बढ़ाता है।
- यह मतभेदों और टकरावों को शांतिपूर्ण ढंग से सँभालता है।
- यह नागरिकों की गरिमा और राजनीतिक समानता बढ़ाता है।
- यह गलतियों पर चर्चा और उन्हें सुधारने का अवसर देता है।

लोकतंत्र का वृहत्तर अर्थ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. आधुनिक दुनिया में लोकतांत्रिक शासन का सबसे सामान्य रूप कौन–सा है?

(अ) सैनिक शासन
(ब) प्रत्यक्ष राजशाही
(स) प्रतिनिधित्व वाला लोकतंत्र
(द) एक–दलीय शासन **(स)**

2. प्रतिनिधित्व वाले लोकतंत्र में शासन कौन चलाता है?

(अ) केवल सेना
(ब) चुने हुए प्रतिनिधि
(स) राजपरिवार (द) न्यायाधीशों का समूह **(ब)**

3. आधुनिक लोकतंत्र में सभी नागरिक प्रत्येक निर्णय में सीधे भाग क्यों नहीं ले सकते?

(अ) नागरिकों को अधिकार नहीं होता
(ब) चुनाव नहीं होते
(स) केवल राजा निर्णय करता है
(द) लोगों की संख्या बहुत अधिक होती है **(द)**

4. छोटे समुदाय में प्रत्यक्ष लोकतांत्रिक निर्णय का उदाहरण क्या है?

पहले जब चाहे, जहाँ चाहे, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

(अ) सैनिक परिषद् (ब) राजदरबार
(स) ग्रामसभा (द) एक–दलीय समिति **(स)**

रिक्तस्थान –

1. लोकतांत्रिक व्यवस्था सभी नागरिकों की सक्रिय ..... पर निर्भर करती है।

उत्तर : भागीदारी

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. लोकतंत्र का वृहतर अर्थ क्या है?

उत्तर : समानता, विचार–विमर्श और स्वीकृति के आधार पर जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में निर्णय लेना।

2. आदर्श लोकतंत्र का उद्देश्य क्या है?

उत्तर : प्रत्येक नागरिक को निर्णय लेने की प्रक्रिया में समान भूमिका देना।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. लोकतांत्रिक निर्णय की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर :
- प्रभावित सभी लोगों से विचार–विमर्श किया जाए।
- लोगों की स्वीकृति से निर्णय लिया जाए।
- शक्तिशाली और कमजोर सभी के विचारों को समान महत्त्व मिले।

2. लोकतंत्र की शक्ति और कमजोरी नागरिकों से किस प्रकार जुड़ी है?

उत्तर :
- सक्रिय भागीदारी लोकतंत्र को मजबूत बनाती है।
- नागरिकों की निष्क्रियता लोकतंत्र को कमजोर करती है।
- लोकतंत्र की सफलता नागरिकों के जिम्मेदार व्यवहार पर निर्भर करती है।
- देश का भविष्य नागरिकों के कार्यों पर भी निर्भर करता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. आधुनिक देशों में प्रतिनिधित्व वाला लोकतंत्र क्यों आवश्यक हो गया है?

उत्तर :
- आधुनिक देशों में लोगों की संख्या बहुत अधिक होती है।
- सभी नागरिकों को प्रत्येक विषय पर एक साथ बैठाना संभव नहीं है।
- प्रत्येक नागरिक के पास हर निर्णय में भाग लेने का समय नहीं होता।
- सभी नागरिकों की इच्छा, योग्यता और कौशल समान नहीं होते।
- इसलिए जनता अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करती है।
- चुने हुए प्रतिनिधि जनता की ओर से शासन चलाते हैं।

2. लोकतंत्र का प्रयोग सरकार से बाहर कैसे किया जा सकता है? उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर :
- परिवार में सभी सदस्यों को निर्णय में भाग लेने का अवसर मिलना चाहिए।
- बच्चों के विचारों को भी महत्त्व दिया जाना चाहिए।
- कक्षा में विद्यार्थियों को बोलने और प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता होनी चाहिए।
- राजनीतिक दल में केवल एक नेता या परिवार का निर्णय नहीं होना चाहिए।
- संगठनों में सामूहिक विचार–विमर्श से निर्णय होने चाहिए।
- इस प्रकार लोकतंत्र जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में लागू होता है।

3. लोकतंत्र में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी का महत्त्व समझाइए।

उत्तर :
- लोकतांत्रिक व्यवस्था नागरिकों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है।
- नागरिकों के कार्य लोकतंत्र को मजबूत या कमजोर बनाते हैं।
- लोकतांत्रिक प्रक्रिया की रक्षा के लिए नागरिकों को भाग लेना चाहिए।
- नागरिकों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहना चाहिए।
- गैर–लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित नहीं करतीं।
- देश का भविष्य शासकों के साथ नागरिकों की जिम्मेदारी पर भी निर्भर करता है।

Trick भाग लो, जागो, रक्षा करो – लोकतंत्र को मजबूत करो।

2 संविधान निर्माण

दक्षिण अफ्रीका में लोकतांत्रिक संविधान

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. नेल्सन मंडेला को किस व्यवस्था का विरोध करने के कारण आजीवन कारावास की सजा दी गई थी?

(अ) सभी नस्लों की मिलीजुली सरकार
(ब) रंगभेदी व्यवस्था
(स) लोकतांत्रिक व्यवस्था
(द) सामाजिक न्याय और मानवाधिकारों पर आधारित व्यवस्था

(ब)

2. दक्षिण अफ्रीका के रंगभेद–विरोधी संगठन किसके झंडे तले एकजुट हुए?

(अ) अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस
(ब) कम्युनिस्ट पार्टी
(स) मजदूर संगठन
(द) गोरी सरकार **(अ)**

3. दक्षिण अफ्रीका गणराज्य का नया झंडा कब लहराया गया?

(अ) 26 अप्रैल 1994 (ब) 26 जनवरी 1950
(स) 15 अगस्त 1947 (द) 26 नवंबर 1949 **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. अश्वेत लोग केवल ..... प्राप्त करने के बाद ही गोरों की बस्तियों में काम करने जा सकते थे।

उत्तर : परमिट

2. सार्वजनिक स्थानों पर गोरों और अश्वेतों के लिए अलग–अलग व्यवस्था को ..... कहा जाता था।

उत्तर : पृथक्करण

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. रंगभेदी शासन में गोरों के अतिरिक्त अन्य लोगों को कौन–सा प्रमुख राजनैतिक अधिकार प्राप्त नहीं था?

उत्तर : उन्हें मतदान करने का अधिकार प्राप्त नहीं था।

2. नेल्सन मंडेला की रिहाई रंगभेद की समाप्ति की दिशा में किस परिवर्तन का संकेत थी?

उत्तर : यह गोरी सरकार द्वारा अपनी नीतियाँ बदलने और रंगभेद की समाप्ति की दिशा में आगे बढ़ने का संकेत थी।

3. ऐतिहासिक रूप से एक–दूसरे के विरोधी दोनों पक्ष नए दक्षिण अफ्रीका के निर्माण के लिए किस कार्य में साथ बैठे?

उत्तर : दोनों पक्ष नए संविधान के निर्माण के लिए साथ बैठे।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. रंगभेद–विरोधी संघर्ष को विभिन्न वर्गों से किस प्रकार समर्थन मिला?

उत्तर :
- मजदूर संगठनों ने संघर्ष में भाग लिया।
- कम्युनिस्ट पार्टी आंदोलन से जुड़ी।
- अनेक संवेदनशील गोरे लोगों ने समर्थन दिया।
- कई देशों ने रंगभेद की निंदा की।

2. नेल्सन मंडेला किस प्रकार के समाज की स्थापना करना चाहते थे?

उत्तर :
- वे गोरे और अश्वेत दोनों के प्रभुत्व के विरोधी थे।
- वे लोकतांत्रिक और स्वतंत्र समाज चाहते थे।
- सभी लोग मेल–जोल से रहें और समान अवसर पाएँ।
- वे इस आदर्श के लिए जीवन देने को भी तैयार थे।

Trick "प्रभुत्व मिटाओ, लोकतंत्र लाओ, सबको मिलाओ, समान अवसर दिलाओ और जरूरत पड़े तो बलिदान दो।"

3. दक्षिण अफ्रीका का संविधान विश्व के लोकतांत्रिक लोगों के लिए प्रेरणा क्यों बना?

उत्तर :
- नागरिकों को व्यापक अधिकार दिए गए।
- किसी समुदाय को समाधान से अलग नहीं रखा गया।
- सभी समूहों की भागीदारी को महत्त्व मिला।
- पुराने अनुभवों से भविष्य के लिए शिक्षा ली गई।
- विभिन्न समुदायों ने साथ रहने का संकल्प लिया।

Trick "अधिकार दो → सबको जोड़ो → भागीदारी बढ़ाओ → अतीत से सीखो → साथ रहो।"

मिशन ज्ञान
चलें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद व्यवस्था की उत्पत्ति का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- सत्रहवीं और अठारहवीं शताब्दी में यूरोपीय कंपनियाँ वहाँ पहुँचीं।
- उन्होंने हथियार और बल के माध्यम से नियंत्रण स्थापित किया।
- बड़ी संख्या में गोरे लोग दक्षिण अफ्रीका में बस गए।
- स्थानीय शासन गोरों के हाथ में चला गया।
- लोगों को चमड़ी के रंग के आधार पर बाँटा गया।
- गोरों को श्रेष्ठ और अन्य समुदायों को हीन माना गया।
- नस्ली भेदभाव को संगठित शासन–व्यवस्था बना दिया गया।

Trick **"कंपनी आई, बल दिखाया, गोरे बसाए, शासन पाया, रंग से बाँटा, खुद को श्रेष्ठ बताया और रंगभेद बनाया।"**

2. दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद–विरोधी आंदोलन के विकास का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- सन् 1950 से विभिन्न उत्पीड़ित समुदायों ने संघर्ष शुरू किया।
- विरोध प्रदर्शन और हड़तालें आयोजित की गईं।
- संगठन अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस के झंडे तले एकजुट हुए।
- मजदूर, कम्युनिस्ट और संवेदनशील गोरे भी शामिल हुए।
- अनेक देशों ने रंगभेद का विरोध किया।
- गोरी सरकार ने हत्या और दमन से शासन जारी रखा।
- बढ़ते संघर्ष से सरकार को नीतियाँ बदलनी पड़ीं।

Trick **"पचास से प्रयास, सबका साथ, विश्व की आवाज, सरकार का बदलाव।"**

3. दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद से लोकतंत्र तक के राजनैतिक परिवर्तन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- भेदभावपूर्ण कानून वापस लिए जाने लगे।
- राजनैतिक दलों पर लगी रोक हटाई गई।
- मीडिया पर लगी पाबंदियाँ समाप्त की गईं।
- नेल्सन मंडेला को जेल से रिहा किया गया।
- गोरे और अश्वेत नेताओं ने बातचीत का मार्ग चुना।
- दोनों पक्षों के बीच शांतिपूर्ण समझौता हुआ।
- रंगभेद समाप्त हुआ और लोकतंत्र का मार्ग खुला।

Trick **"रोक हटाओ → मंडेला छुड़ाओ → बातचीत कराओ → रंगभेद मिटाओ → लोकतंत्र लाओ।"**

हमें संविधान की जरूरत क्यों है?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. संविधान की सर्वोच्चता का क्या अर्थ है?

(अ) सरकार उसे मनमाने ढंग से बदल सकती है
(ब) कोई भी सरकार उसकी उपेक्षा नहीं कर सकती
(स) उसका पालन केवल नागरिकों को करना होता है
(द) वह केवल सरकार के गठन के नियम बताता है

(ब)

2. संविधान और लोकतंत्र के संबंध में कौन–सा कथन सही है?

(अ) संविधान वाला प्रत्येक देश लोकतांत्रिक होता है
(ब) लोकतंत्र में संविधान की आवश्यकता नहीं होती
(स) प्रत्येक लोकतांत्रिक देश के लिए संविधान आवश्यक होता है
(द) संविधान केवल सरकार के गठन की जानकारी देता है

(स)

रिक्तस्थान –

1. संविधान सरकार के अधिकारों की ..... निर्धारित करता है।

उत्तर : सीमा

2. संविधान स्पष्ट करता है कि सरकार का ..... किस प्रकार होगा।

उत्तर : गठन

3. संविधान में नागरिकों के ..... लिखित रूप में दिए जाते हैं।

उत्तर : अधिकार

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. अश्वेत बहुसंख्यक समुदाय किन दो प्रमुख बातों की सुरक्षा चाहता था?

उत्तर : वह बहुमत के शासन तथा सामाजिक और आर्थिक अधिकारों की सुरक्षा चाहता था।

2. संविधान निर्णय लेने के संबंध में कौन–सी बात स्पष्ट करता है?

उत्तर : संविधान स्पष्ट करता है कि शासन में निर्णय लेने का अधिकार किसके पास होगा।

3. संविधान को देश का बुनियादी कानून क्यों कहा जाता है?

उत्तर : क्योंकि संविधान वे सर्वोच्च लिखित नियम निर्धारित करता है जिनकी कोई भी सरकार उपेक्षा नहीं कर सकती।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. संविधान शासन–व्यवस्था को स्पष्टता किस प्रकार प्रदान करता है?

उत्तर :
- यह सरकार के गठन का तरीका बताता है।
- निर्णय लेने का अधिकार स्पष्ट करता है।
- सरकार की शक्तियों की सीमा निर्धारित करता है।
- नागरिकों के अधिकारों को स्पष्ट करता है।

2. संविधान नागरिकों और सरकार के बीच संबंध कैसे निर्धारित करता है?

उत्तर :
- सरकार क्या कर सकती है, यह संविधान बताता है।
- सरकार की शक्तियों की सीमा तय करता है।
- नागरिकों के अधिकार लिखित रूप में देता है।
- इससे नागरिकों और सरकार का संबंध निश्चित होता है।

3. संवैधानिक समझौता सामान्य मौखिक वादे की तुलना में अधिक विश्वसनीय क्यों होता है?

उत्तर :
- समझौते को लिखित रूप दिया जाता है।
- सभी लोग इसे सामूहिक रूप से स्वीकार करते हैं।
- नियम सभी से ऊपर और सब पर लागू होते हैं।
- सरकार उन्हें मनमाने ढंग से बदल नहीं सकती।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. अलग–अलग समूहों वाले देश में संविधान की आवश्यकता क्यों होती है?

उत्तर :
- देश में विभिन्न विचारों और हितों वाले समूह रहते हैं।
- संविधान सभी के लिए स्वीकार्य मूल नियम बनाता है।
- यह भरोसा और सहयोग विकसित करता है।
- सरकार के गठन का तरीका स्पष्ट करता है।
- निर्णय लेने का अधिकार तय करता है।
- सरकार की शक्तियों और नागरिक अधिकारों की सीमा बनाता है।
- अच्छे समाज की सामूहिक आकांक्षाओं को व्यक्त करता है।

Trick **"विचार – नियम – भरोसा – सरकार – निर्णय– सीमा – सपना"**

विचार = अलग–अलग विचार और हित
नियम = सबके लिए मूल नियम
भरोसा = आपसी सहयोग
सरकार = गठन का तरीका
निर्णय = अधिकार किसके पास
सीमा = शक्ति और नागरिक अधिकारों की सीमा
सपना = अच्छे समाज की आकांक्षा

2. संविधान के चार प्रमुख कार्यों का वर्णन कीजिए।

उत्तर : **विश्वास और सहयोग** – विभिन्न समुदायों में भरोसा पैदा करता है।

शासन की संरचना – सरकार और संस्थाओं का गठन बताता है।

शक्तियों का नियंत्रण – सरकार की असीमित शक्ति पर रोक लगाता है।

समाज की दिशा – आदर्श समाज की सामूहिक कल्पना व्यक्त करता है।

3. संविधान मनमानी सरकार से नागरिकों की रक्षा किस प्रकार करता है?

उत्तर :
- सरकार की शक्तियों की सीमा तय करता है।
- सरकार क्या कर सकती है, यह स्पष्ट करता है।
- नागरिक अधिकारों को लिखित सुरक्षा देता है।
- संवैधानिक नियम सर्वोच्च होते हैं।
- सरकार उनकी उपेक्षा नहीं कर सकती।
- चुनाव जीते शासक भी उन्हें मनमाने ढंग से नहीं बदल सकते।

Trick **"संविधान बोले – इतनी शक्ति, इतना काम; अधिकार न छीनो, न करो मनमाना काम।"**

4. लोकतंत्र के लिए संविधान आवश्यक है, परंतु संविधान वाला प्रत्येक देश लोकतांत्रिक नहीं होता – स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- हर देश को शासन चलाने के लिए मूल नियम चाहिए।
- संविधान होना लोकतंत्र की गारंटी नहीं है।
- सभी संवैधानिक देश लोकतांत्रिक नहीं होते।
- लोकतंत्र में सरकार का गठन स्पष्ट होना चाहिए।
- निर्णय लेने और शक्तियों की सीमाएँ तय होनी चाहिए।
- नागरिकों के अधिकार सुरक्षित होने चाहिए।
- इसलिए प्रत्येक लोकतांत्रिक देश के लिए संविधान आवश्यक है।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

हमें संविधान की जरूरत क्यों है?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. वर्ष 1928 में भारत का एक संविधान किसने लिखा था?
(अ) डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने
(ब) मोतीलाल नेहरू और आठ अन्य नेताओं ने
(स) राजेंद्र प्रसाद ने
(द) जवाहरलाल नेहरू ने **(ब)**

2. वर्ष 1931 में स्वतंत्र भारत के संविधान की रूपरेखा किसमें प्रस्तुत की गई?
(अ) मोतीलाल नेहरू और आठ नेताओं द्वारा लिखे गए 1928 के संविधान में
(ब) कराची में हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन के प्रस्ताव में
(स) 1935 के भारत सरकार कानून में
(द) संविधान सभा की पहली बैठक में **(ब)**

3. भारतीय संविधान में किस दस्तावेज की अनेक संस्थाओं और व्यवस्थाओं को अपनाया गया?
(अ) 1928 में लिखा गया भारत का संविधान
(ब) 1931 के कराची अधिवेशन का प्रस्ताव
(स) 1935 का भारत सरकार कानून
(द) संविधान सभा की बहसों के खंड **(स)**

4. संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे?
(अ) जवाहरलाल नेहरू
(ब) डॉ. बी.आर. अंबेडकर
(स) राजेंद्र प्रसाद
(द) सरदार पटेल **(ब)**

5. संविधान सभा की बहसों को कितने खंडों में प्रकाशित किया गया?
(अ) 12 खंडों में (ब) 114 खंडों में
(स) 299 खंडों में (द) 2000 से अधिक खंडों में **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. संविधान सभा के लिए चुनाव ..... 1946 में हुए।
उत्तर : जुलाई

2. विभाजन के बाद भारतीय संविधान सभा में कुल ..... सदस्य रह गए थे।
उत्तर : 299

3. संविधान सभा ने ..... नवंबर 1949 को संविधान निर्माण का कार्य पूरा किया।
उत्तर : 26

4. संविधान के प्रारूप पर ..... से अधिक संशोधनों पर विचार किया गया।
उत्तर : दो हजार

5. संविधान सभा में तीन वर्षों के दौरान कुल ..... दिनों तक गंभीर चर्चा हुई।
उत्तर : 114

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारतीय संविधान सभा की पहली बैठक कब हुई?
उत्तर : संविधान सभा की पहली बैठक दिसंबर 1946 में हुई।

2. संविधान सभा के अधिकांश सदस्यों का चुनाव किसने किया था?
उत्तर : उनका चुनाव प्रांतीय विधानसभाओं के सदस्यों ने किया था।

3. देश के विभाजन का संविधान सभा पर क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर : संविधान सभा भारत और पाकिस्तान की अलग–अलग संविधान सभाओं में विभाजित हो गई।

4. संविधान सभा किसे कहते हैं?
उत्तर : चुने हुए जनप्रतिनिधियों की वह सभा जो किसी देश का संविधान तैयार करती है, संविधान सभा कहलाती है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारतीय संविधान का निर्माण कठिन ऐतिहासिक परिस्थितियों में क्यों हुआ?
उत्तर :
- भारत विभाजन की त्रासदी झेल रहा था।
- हिंसा से भारी बर्बादी और दहशत फैली थी।
- कम–से–कम दस लाख लोगों की मृत्यु हुई थी।
- लोग गुलाम से नागरिक बनने जा रहे थे।
- रियासतों का भारत में विलय अनिश्चित था।
- देश का भविष्य असुरक्षित दिखाई देता था।

Trick "विभाजन हुआ, हिंसा फैली, लोग मरे, नागरिक बने, रियासतें जुड़ीं और भविष्य असुरक्षित दिखा।"

2. संविधान सभा भारतीय समाज की विविधता का प्रतिनिधित्व किस प्रकार करती थी?
उत्तर :
- विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के सदस्य शामिल थे।
- अलग–अलग जातियों और वर्गों को प्रतिनिधित्व मिला।
- अनेक धर्मों और पेशों के लोग उपस्थित थे।
- विभिन्न राजनैतिक विचारधाराओं को स्थान मिला।
- कांग्रेस के विरोधी विचार वाले लोग भी शामिल थे।

3. स्वतंत्रता आंदोलन से संविधान निर्माण के लिए कौन–सा महत्त्वपूर्ण आधार तैयार हुआ?
उत्तर :
- लोकतंत्र के विषय में व्यापक सहमति बनी।
- स्वतंत्रता और समानता को महत्त्व मिला।
- सार्वभौम वयस्क मताधिकार की स्वीकृति बनी।

- अल्पसंख्यक अधिकारों की सुरक्षा पर विचार हुआ।
- इस सहमति ने संविधान सभा को दिशा दी।

4. प्रांतीय विधानसभाओं में कार्य करने का अनुभव भारतीय नेताओं के लिए क्यों उपयोगी था?

उत्तर :
- सन् 1937 के बाद प्रांतीय चुनाव हुए थे।
- वहाँ बनी सरकारें पूर्ण लोकतांत्रिक नहीं थीं।
- नेताओं को विधानसभाओं में काम करने का अनुभव मिला।
- उन्होंने संस्थाओं और व्यवस्थाओं को समझा।
- यह अनुभव स्वतंत्र भारत के शासन में उपयोगी हुआ।

Trick "नेता चुनाव जीतकर विधानसभा पहुँचे, व्यवस्था समझी और स्वतंत्र भारत चलाने की तैयारी की"

5. संविधान सभा की कार्यवाही को पारदर्शी किस प्रकार बनाया गया?

उत्तर :
- सभी चर्चाएँ व्यवस्थित रूप से दर्ज की गईं।
- प्रत्येक प्रस्ताव और संशोधन का रिकॉर्ड रखा गया।
- सदस्यों के भाषण लिखित रूप में सुरक्षित हुए।
- विस्तृत बहसों को प्रकाशित किया गया।
- इससे प्रत्येक प्रावधान के पीछे का तर्क समझा जा सकता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. स्वतंत्रता से पहले भारत में संवैधानिक विचारों का विकास किस प्रकार हुआ?

उत्तर :
- राष्ट्रीय आंदोलन केवल विदेशी शासन समाप्त करने तक सीमित नहीं था।
- स्वतंत्र भारत की शासन–व्यवस्था पर भी विचार हुआ।
- सार्वभौम वयस्क मताधिकार को स्वीकार किया गया।
- स्वतंत्रता और समानता को संवैधानिक आधार देने की माँग हुई।
- अल्पसंख्यक अधिकारों की रक्षा पर बल दिया गया।
- लोकतंत्र को स्वतंत्र भारत का आधार माना गया।
- प्रमुख सिद्धांतों पर पहले ही राष्ट्रीय सहमति बन चुकी थी।

Trick "विदेशी शासन हटाओ, नया शासन बनाओ; सबको वोट, स्वतंत्रता–समानता, अल्पसंख्यक सुरक्षा, लोकतंत्र और सहमति लाओ।"

2. भारतीय संविधान पर विदेशी संवैधानिक विचारों और अनुभवों के प्रभाव का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- फ्रांसीसी क्रांति के आदर्शों से प्रेरणा मिली।
- ब्रिटिश संसदीय लोकतंत्र का अध्ययन किया गया।
- अमेरिकी अधिकारों की सूची से नागरिक अधिकारों का विचार मिला।
- रूसी क्रांति से सामाजिक और आर्थिक समानता की प्रेरणा मिली।
- औपनिवेशिक संस्थाओं के अनुभवों का उपयोग किया गया।
- किसी विदेशी व्यवस्था की अंधी नकल नहीं की गई।
- विचारों को भारतीय आवश्यकताओं के अनुसार अपनाया गया।

Trick
"फ्रांस का आदर्श, ब्रिटेन की संसद,
अमेरिका के अधिकार, रूस की समानता।
सबसे सीखा, नकल न की,
भारत के अनुसार व्यवस्था बनी।"

3. संविधान सभा के गठन और सामाजिक संरचना का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- सभा का गठन अप्रत्यक्ष चुनाव से हुआ।
- प्रांतीय विधानसभाओं के सदस्यों ने प्रतिनिधि चुने।
- सभी भौगोलिक क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व मिला।
- विभाजन के बाद भारत और पाकिस्तान की अलग सभाएँ बनीं।
- विभिन्न जातियों, वर्गों, धर्मों और पेशों के लोग शामिल थे।
- अनेक राजनैतिक विचारधाराओं को स्थान मिला।
- कांग्रेस के प्रभुत्व के बावजूद विरोधी विचार भी मौजूद थे।

4. संविधान सभा ने विचार–विमर्श के माध्यम से संविधान तैयार करने की प्रक्रिया पूरी कैसे की?

उत्तर :
- पहले मूल संवैधानिक सिद्धांतों पर विचार हुआ।
- सदस्यों के बीच सहमति बनाने का प्रयास किया गया।
- डॉ. अंबेडकर की समिति ने प्रारूप तैयार किया।
- प्रत्येक धारा पर कई दौर की चर्चा हुई।
- दो हजार से अधिक संशोधनों पर विचार किया गया।
- तीन वर्षों में 114 दिन गंभीर बहस हुई।
- प्रत्येक प्रस्ताव और वक्तव्य दर्ज किया गया।
- लंबी चर्चा के बाद संविधान तैयार हुआ।

पढ़ें सब चाहें, जहाँ चाहें, जैसा चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

Trick "पहले सिद्धांत सोचे, फिर सहमति बनाई, अंबेडकर ने मसौदा बनाया, धाराएँ पढ़ीं, संशोधन किए, बहस हुई, सब दर्ज हुआ और संविधान बन गया।"

4. भारतीय संविधान को व्यापक वैधता और निरंतर स्वीकृति क्यों प्राप्त हुई?

उत्तर :
- इसमें राष्ट्रीय आंदोलन की व्यापक सहमति व्यक्त हुई।
- अनेक वर्गों और समुदायों को प्रतिनिधित्व मिला।
- निर्माण प्रक्रिया खुली और विचार–विमर्श आधारित थी।
- निर्णय थोपने के बजाय सहमति बनाई गई।
- महत्त्वपूर्ण विषयों पर गंभीर बहस हुई।
- विभिन्न विचारों को अपनी बात रखने का अवसर मिला।
- किसी बड़े समूह ने इसकी वैधता पूरी तरह अस्वीकार नहीं की।
- इसलिए इसे व्यापक और निरंतर स्वीकृति मिली।

Trick "सबको प्रतिनिधित्व मिला, खुलकर हर विचार खिला; निर्णय किसी पर नहीं थोपे, इसलिए सबने संविधान को स्वीकारा।"

भारतीय संविधान के बुनियादी मूल्य

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारतीय संविधान के दर्शन को सबसे स्पष्ट रूप से कौन व्यक्त करता है?
(अ) संविधान की प्रस्तावना
(ब) संविधान संशोधन
(स) संविधान सभा की बहसें
(द) संविधान का प्रारूप **(अ)**

2. प्रस्तावना में लिखे "हम भारत के लोग" शब्द किस बात को स्पष्ट करते हैं?
(अ) संविधान किसी राजा ने प्रदान किया है
(ब) संविधान भारत के लोगों ने अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से बनाया है
(स) संविधान किसी बाहरी व्यक्ति ने दिया है
(द) संविधान केवल संविधान सभा के सदस्यों के निजी विचारों को व्यक्त करता है **(ब)**

3. "प्रभुत्व–संपन्न" का सही अर्थ क्या है?
(अ) भारत किसी बाहरी शक्ति के आदेश पर कार्य करता है
(ब) भारत के लोगों को अपने से जुड़े हर मामले में निर्णय लेने का सर्वोच्च अधिकार है
(स) भारत का शासन किसी राज–परिवार के अधीन है
(द) भारत का कोई धर्म आधिकारिक नहीं है **(ब)**

4. पंथ–निरपेक्ष राज्य की पहचान क्या है?
(अ) राज्य का अपना आधिकारिक धर्म होता है
(ब) सरकार केवल बहुसंख्यक धर्म का समर्थन करती है
(स) सरकार सभी धार्मिक मान्यताओं को समान सम्मान देती है
(द) नागरिकों को धर्म मानने की स्वतंत्रता नहीं होती **(स)**

5. गणराज्य में शासन का प्रमुख किस प्रकार पद प्राप्त करता है?
(अ) किसी वंश या राज–खानदान के आधार पर
(ब) लोगों द्वारा चुने जाने से
(स) किसी आधिकारिक धर्म के आधार पर
(द) किसी बाहरी शक्ति के आदेश से **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को कम करने का संवैधानिक लक्ष्य ..... से संबंधित है।
उत्तर : समाजवादी व्यवस्था

2. जनता द्वारा अपने शासकों का चुनाव करने वाली व्यवस्था को ..... शासन कहा जाता है।
उत्तर : लोकतंत्रात्मक

3. संविधान नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक ..... प्रदान करने का संकल्प व्यक्त करता है।
उत्तर : न्याय

4. व्यक्ति की गरिमा तथा राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली भावना ..... है।
उत्तर : बंधुता

5. "समाजवादी" और "पंथ–निरपेक्ष" शब्द प्रस्तावना में ..... संविधान संशोधन द्वारा जोड़े गए।
उत्तर : 42वें

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. संवैधानिक स्वतंत्रता से क्या अभिप्राय है?
उत्तर : नागरिकों पर उनके सोचने, विचार व्यक्त करने और अपने विचारों पर अमल करने के संबंध में कोई अनुचित पाबंदी न होना संवैधानिक स्वतंत्रता है।

2. समता का संवैधानिक अर्थ क्या है?
उत्तर : सभी नागरिक कानून के समक्ष समान हैं और प्रत्येक नागरिक को समान अवसर उपलब्ध होना चाहिए।

3. संविधान संशोधन किसे कहते हैं?

उत्तर : देश की सर्वोच्च विधायी संस्था द्वारा संविधान में किए जाने वाले बदलाव को संविधान संशोधन कहते हैं।

4. बंधुता व्यक्ति की गरिमा की रक्षा कैसे करती है?

उत्तर : यह नागरिकों को एक–दूसरे का सम्मान करने और किसी को स्वयं से कमतर न मानने की प्रेरणा देती है।

5. संविधान में सामाजिक न्याय का प्रमुख उद्देश्य क्या है?

उत्तर : नागरिकों के साथ जाति, धर्म और लिंग के आधार पर होने वाले भेदभाव को समाप्त करना।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. महात्मा गांधी की स्वतंत्र भारत के संविधान से क्या प्रमुख अपेक्षाएँ थीं?

उत्तर :
- भारत पूरी तरह गुलामी से मुक्त हो।
- गरीब व्यक्ति भी देश को अपना समझे।
- समाज में ऊँच–नीच न हो।
- सभी समुदाय मेल–जोल से रहें।
- छुआछूत और नशीली वस्तुओं का स्थान न हो।
- महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार मिलें।

Trick "गुलामी जाए, गरीब अपनाए; भेद मिटे, समुदाय मिलें; नशा–छुआछूत दूर हो, नारी को अधिकार भरपूर हो।"

2. डॉ. अंबेडकर ने राजनैतिक लोकतंत्र के सामने किस विरोधाभास की ओर संकेत किया?

उत्तर :
- राजनैतिक जीवन में प्रत्येक व्यक्ति को एक वोट मिला।
- प्रत्येक वोट का महत्त्व समान था।
- सामाजिक और आर्थिक जीवन में भारी असमानता थी।
- राजनैतिक समानता और सामाजिक विषमता साथ मौजूद थीं।
- लंबे समय तक यह विरोधाभास लोकतंत्र को संकट में डाल सकता था।

3. संविधान अपने मूल्यों को संस्थागत रूप किस प्रकार प्रदान करता है?

उत्तर :
- शासकों के चुनाव की प्रक्रिया तय करता है।
- सरकारी संस्थाओं की शक्तियाँ स्पष्ट करता है।
- निर्णय लेने के अधिकार का विभाजन करता है।
- नागरिकों को निश्चित अधिकार देता है।
- सरकार को संवैधानिक सीमाओं में रखता है।

Trick "चुनाव कराओ, शक्ति बताओ; फैसला बाँटो, अधिकार दिलाओ; सरकार को सीमा में लाओ।"

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. भारतीय संविधान की प्रस्तावना के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- प्रस्तावना संविधान के मूल दर्शन का संक्षिप्त कथन है।
- यह जनता को संविधान की शक्ति का स्रोत बताती है।
- इसमें स्वतंत्रता आंदोलन के आदर्श शामिल हैं।
- यह भारतीय राज्य के स्वरूप और उद्देश्य स्पष्ट करती है।
- संविधान की धाराएँ इसके मूल्यों के अनुरूप बनाई गई हैं।
- कानूनों और फैसलों को परखने का मानक देती है।
- इसलिए इसे संविधान की आत्मा कहा जाता है।

Trick "दर्शन बताती – जनता को शक्ति देती – राज्य समझाती – कानून परखती – आत्मा कहलाती।"

2. प्रभुत्व–संपन्न, समाजवादी, पंथ–निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक और गणराज्य – ये मूल्य भारतीय राज्य के स्वरूप को किस प्रकार स्पष्ट करते हैं?

उत्तर : **प्रभुत्व–संपन्न** – भारत अपने सभी निर्णय स्वयं लेता है।
कोई बाहरी शक्ति भारत को आदेश नहीं दे सकती।
समाजवादी – सामाजिक और आर्थिक असमानता कम करना लक्ष्य है।
पंथ-निरपेक्ष – सभी धर्मों को समान सम्मान मिलता है।
लोकतंत्रात्मक – शासन की अंतिम शक्ति जनता के पास है।
जनता अपने प्रतिनिधि चुनती और उन्हें जवाबदेह बनाती है।
गणराज्य – शासन प्रमुख वंश से नहीं, चुनाव से पद पाता है।
ये मूल्य भारत के लोकतांत्रिक और समानतापूर्ण स्वरूप को बताते हैं।

3. गांधी, अंबेडकर और नेहरू के विचारों में उपस्थित साझा संवैधानिक आदर्शों का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर :
- गांधी समानता और मेल–जोल वाला भारत चाहते थे।
- वे गरीबों और महिलाओं को समान अधिकार देना चाहते थे।
- अंबेडकर राजनैतिक, सामाजिक और आर्थिक समानता चाहते थे।
- नेहरू गरीबी, अज्ञान और बीमारी समाप्त करना चाहते थे।
- तीनों भेदभाव और असमानता का अंत चाहते थे।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

- उनका साझा आदर्श न्याय, समानता और गरिमा पर आधारित भारत था।

4. न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता मिलकर लोकतांत्रिक समाज की नींव कैसे बनाते हैं?

उत्तर :
- न्याय सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक समानता का लक्ष्य देता है।
- स्वतंत्रता विचार, अभिव्यक्ति और धर्म की आजादी देती है।
- समता कानून के सामने समानता और समान अवसर देती है।
- बंधुता सभी को एक–दूसरे का सम्मान करना सिखाती है।
- यह व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता मजबूत करती है।
- ये मूल्य मिलकर भेदभाव–मुक्त लोकतांत्रिक समाज बनाते हैं।

Trick **"न्याय से बराबरी, स्वतंत्रता से आजादी, समता से अवसर, बंधुता से एकता।"**

5. भारतीय संविधान को परिवर्तनशील दस्तावेज क्यों बनाया गया है?

उत्तर :
- भारतीय संविधान लंबा और विस्तृत दस्तावेज है।
- समाज में समय के साथ परिवर्तन होते रहते हैं।
- संविधान को लोगों की भावनाओं के अनुरूप रहना चाहिए।
- उसे सामाजिक बदलावों से दूर नहीं रहना चाहिए।
- संविधान को स्थायी और कभी न बदलने वाला नहीं माना गया।
- आवश्यक बदलावों के लिए संशोधन का प्रावधान रखा गया।
- इन्हीं बदलावों को संविधान संशोधन कहा जाता है।

3 चुनावी राजनीति

चुनाव क्यों?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. चौधरी देवीलाल द्वारा चलाए गए आंदोलन का नाम क्या था?

(अ) किसान संघर्ष (ब) लोकतंत्र बचाओ
(स) न्याय युद्ध (द) जन आंदोलन **(स)**

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. चुनाव किसे कहते हैं?

उत्तर : वह व्यवस्था जिसमें लोग नियमित अंतराल पर अपने प्रतिनिधियों को चुनते हैं और इच्छा होने पर उन्हें बदल सकते हैं, चुनाव कहलाती है।

2. देवीलाल ने किस राजनीतिक दल का गठन किया था?

उत्तर : देवीलाल ने लोकदल नामक राजनीतिक दल का गठन किया था।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. केवल उम्र, अनुभव, शिक्षा अथवा ज्ञान के आधार पर प्रतिनिधि चुनना लोकतांत्रिक क्यों नहीं माना जा सकता?

उत्तर :
- इससे जनता की पसंद का पता नहीं चलता।
- लोगों को नियमित रूप से प्रतिनिधि चुनने का अवसर नहीं मिलता।
- वे खराब कार्य करने वाले प्रतिनिधि को बदल नहीं सकते।
- लोकतंत्र में चयन नागरिकों की इच्छा से होना चाहिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. प्रतिनिधित्व वाले लोकतंत्र में चुनावों की आवश्यकता स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- बड़े समुदाय में सभी लोग प्रतिदिन मिलकर निर्णय नहीं ले सकते।
- हर व्यक्ति के पास सभी मामलों का समय और ज्ञान नहीं होता।
- इसलिए लोग प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन करते हैं।
- चुनाव प्रतिनिधि चुनने का नियमित अवसर देते हैं।
- इससे जनता की पसंद की सरकार और पार्टी सामने आती है।
- खराब कार्य करने वाले प्रतिनिधि बदले जा सकते हैं।
- चुनाव प्रतिनिधियों को जनता के प्रति उत्तरदायी बनाते हैं।
- इसलिए प्रतिनिधित्व वाले लोकतंत्र में चुनाव आवश्यक हैं।

Trick "सब नहीं मिल सकते, सब नहीं जान सकते; इसलिए प्रतिनिधि चुनते, सरकार बनाते, खराब को हटाते और जवाबदेह बनाते।"

Trick **"चुनो – चलाओ – परखो – बदलो – जवाब माँगो।"**

चुनो ⟶ प्रतिनिधि चुनना
चलाओ ⟶ प्रतिनिधियों द्वारा शासन
परखो ⟶ उनके काम का मूल्यांकन
बदलो ⟶ खराब प्रतिनिधि हटाना
जवाब माँगो ⟶ जवाबदेही तय करना

2. किसी चुनाव को लोकतांत्रिक मानने की न्यूनतम शर्तों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर :
- प्रत्येक नागरिक को मताधिकार मिलना चाहिए।
- प्रत्येक मत का मूल्य समान होना चाहिए।
- दलों और उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने की स्वतंत्रता हो।
- मतदाताओं के सामने वास्तविक विकल्प उपलब्ध हों।
- चुनाव नियमित अंतराल पर कराए जाएँ।
- चुने गए उम्मीदवार को ही विजयी घोषित किया जाए।
- चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हों।
- मतदाता अपनी इच्छा से मतदान कर सकें।

Trick **"सब वोट दें, बराबर वोट दें, खुलकर चुनें और सही व्यक्ति जीते।"**

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

3. चुनावी प्रतिद्वंद्विता से उत्पन्न होने वाली प्रमुख समस्याओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- परिवारों और बस्तियों में विभाजन हो सकता है।
- दल और नेता एक–दूसरे पर आरोप लगाते हैं।
- जीतने के लिए गलत हथकंडे अपनाए जा सकते हैं।
- दीर्घकालीन और अच्छी राजनीति प्रभावित होती है।
- लोगों के बीच मन–मुटाव पैदा हो सकता है।
- कुछ अच्छे लोग चुनावी संघर्ष में आना नहीं चाहते।
- फिर भी लोकतंत्र में प्रतिद्वंद्विता आवश्यक मानी जाती है।

4. आदर्श राजनीतिक नेतृत्व और वास्तविक राजनीतिक जीवन के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : आदर्श राजनीतिक नेतृत्व –
- स्वतंत्रता विचार, अभिव्यक्ति और धर्म की आजादी देती है।
- नेता जनता के हित को अच्छी तरह समझते हैं।
- वे केवल जनसेवा के लिए राजनीति में आते हैं।

वास्तविक राजनीतिक जीवन –
- नेता अपने भविष्य और राजनीतिक जीवन की चिंता करते हैं।
- वे सत्ता और अधिक अधिकार प्राप्त करना चाहते हैं।
- सभी नेताओं के विचार जनता की जरूरतों से मेल नहीं खाते।
- केवल जनसेवा की भावना पर निर्भर रहना उचित नहीं है।
- चुनावी व्यवस्था नेताओं को उत्तरदायी बनाती है।

Trick

सेवा – सत्ता – स्वार्थ – असमान विचार – जवाबदेही

सेवा → आदर्श नेता जनसेवा करता है
सत्ता → वास्तविक नेता अधिकार चाहता है
स्वार्थ → अपने राजनीतिक भविष्य की चिंता
असमान विचार → जनता की जरूरतों से मेल नहीं
जवाबदेही → चुनाव नेता को उत्तरदायी बनाते हैं

चुनाव की हमारी प्रणाली क्या है?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. चुनाव में उम्मीदवार बनने की न्यूनतम आयु कितनी है?
(अ) 18 वर्ष (ब) 21 वर्ष
(स) 25 वर्ष (द) 30 वर्ष **(स)**

2. उम्मीदवारों की अंतिम सूची की घोषणा और मतदान की तारीख के बीच सामान्यतः कितना समय चुनाव प्रचार के लिए मिलता है?
(अ) एक सप्ताह (ब) दो सप्ताह
(स) तीन सप्ताह (द) चार सप्ताह **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. किसी सदस्य की मृत्यु अथवा इस्तीफे से खाली हुई सीट पर होने वाले चुनाव को ..... कहते हैं।

उत्तर : उपचुनाव

2. लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए प्रतिनिधि को ..... कहा जाता है।

उत्तर : संसद सदस्य

3. पंचायतों और नगरपालिकाओं के छोटे निर्वाचन क्षेत्रों को ..... कहा जाता है।

उत्तर : वार्ड

4. किसी राजनीतिक दल द्वारा उम्मीदवार को दिया गया मनोनयन सामान्य भाषा में ..... कहलाता है।

उत्तर : टिकट

5. मतदान के लिए अब ..... का प्रयोग किया जाने लगा है।

उत्तर : इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारत में मतदान करने की न्यूनतम आयु कितनी है?

उत्तर : भारत में मतदान करने की न्यूनतम आयु 18 वर्ष है।

2. विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए प्रतिनिधि को क्या कहते हैं?

उत्तर : विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए प्रतिनिधि को विधायक कहते हैं।

3. मतदाता सूची का पूर्ण नवीनीकरण कितने वर्ष में किया जाता है?

उत्तर : मतदाता सूची का पूर्ण नवीनीकरण प्रत्येक पाँच वर्ष में किया जाता है।

4. उम्मीदवार को अपने घोषणा–पत्र में किन बातों की जानकारी देनी होती है?

उत्तर : उम्मीदवार को आपराधिक मामलों, संपत्ति, देनदारी और शैक्षिक योग्यता की जानकारी देनी होती है।

5. लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार के खर्च की सीमा कितनी थी?

उत्तर : लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार के खर्च की सीमा 25 लाख रुपये थी।

6. विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार के खर्च की सीमा कितनी थी?

उत्तर : विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार के खर्च की सीमा 10 लाख रुपये थी।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. आम चुनाव की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर :
- लोकसभा और विधानसभा चुनाव पाँच वर्ष बाद होते हैं।
- पाँच वर्ष बाद प्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त होता है।
- लोकसभा या विधानसभा भंग हो जाती है।
- सभी क्षेत्रों में एक साथ या थोड़े अंतराल पर चुनाव होते हैं।
- इन्हें आम चुनाव कहा जाता है।

2. प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या लगभग समान क्यों रखी जाती है?

उत्तर :
- लोकतंत्र में प्रत्येक मत का मूल्य समान होना चाहिए।
- असमान संख्या से मतों का प्रभाव भी असमान हो सकता है।
- इसलिए मतदाताओं की संख्या लगभग समान रखी जाती है।
- इससे प्रत्येक वोट के समान मूल्य का सिद्धांत लागू होता है।

3. कमजोर वर्गों के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों की आवश्यकता क्यों पड़ी?

उत्तर :
- कमजोर वर्गों के पास पर्याप्त संसाधन नहीं हो सकते थे।
- शिक्षा और प्रभावशाली संपर्कों की कमी हो सकती थी।
- शक्तिशाली लोग उन्हें चुनाव जीतने से रोक सकते थे।
- उनके संसद और विधानसभा तक पहुँचने की संभावना कम थी।
- इसलिए कुछ सीटें अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए आरक्षित हुईं।

4. स्थानीय निकायों में आरक्षण की व्यवस्था का विस्तार किस प्रकार किया गया है?

उत्तर :
- आरक्षण जिला और स्थानीय स्तर तक लागू किया गया।
- पंचायतों में आरक्षित सीटें दी गईं।
- नगरपालिकाओं और नगर निगमों में भी आरक्षण हुआ।
- कई राज्यों में अन्य पिछड़े वर्गों को भी आरक्षण मिला।

5. मतदाता सूची के संबंध में सरकार की क्या जिम्मेदारी है?

उत्तर :
- चुनाव से पहले योग्य मतदाताओं की सूची तैयार करना।
- प्रत्येक योग्य नागरिक का नाम सूची में जोड़ना।
- 18 वर्ष से अधिक आयु वालों को मताधिकार देना।
- जाति, धर्म या लिंग के आधार पर भेदभाव न करना।
- प्रत्येक पाँच वर्ष में सूची का पूर्ण नवीनीकरण करना।

6. सदन का सामान्य कार्यकाल पूरा होने पर क्या होता है?

उत्तर :
- चुने हुए प्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त हो जाता है।
- लोकसभा या विधानसभा भंग हो जाती है।
- सभी निर्वाचन क्षेत्रों में नए चुनाव होते हैं।
- नए प्रतिनिधि चुने जाते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. भारत में आम चुनाव के प्रमुख चरणों को क्रमबद्ध रूप से समझाइए।

उत्तर :
- सदन का कार्यकाल समाप्त होने पर चुनाव घोषित होते हैं।
- देश या राज्य को निर्वाचन क्षेत्रों में बाँटा जाता है।
- योग्य नागरिकों की मतदाता सूची तैयार की जाती है।
- राजनीतिक दल उम्मीदवार चुनते हैं।
- उम्मीदवार नामांकन पत्र और जमानत राशि जमा करते हैं।
- उम्मीदवारों की अंतिम सूची घोषित होती है।
- मतदान से पहले चुनाव प्रचार किया जाता है।
- निर्धारित दिन मतदाता मतदान करते हैं।
- म्टड को सील कर सुरक्षित रखा जाता है।
- निश्चित दिन मतगणना होती है।
- सबसे अधिक मत पाने वाला उम्मीदवार विजयी होता है।

Trick **"चुनाव घोषित, क्षेत्र बाँटे; सूची बनी, उम्मीदवार छाँटे; नामांकन हुआ, प्रचार चला; मतदान–गिनती से विजेता मिला।**

2. भारत में क्षेत्र आधारित प्रतिनिधित्व की व्यवस्था का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- देश को अनेक भौगोलिक निर्वाचन क्षेत्रों में बाँटा जाता है।
- हर क्षेत्र के मतदाता एक प्रतिनिधि चुनते हैं।
- लोकसभा के लिए 543 निर्वाचन क्षेत्र हैं।
- लोकसभा प्रतिनिधि को सांसद कहा जाता है।
- राज्यों को विधानसभा क्षेत्रों में बाँटा जाता है।
- विधानसभा प्रतिनिधि को विधायक कहा जाता है।
- एक संसदीय क्षेत्र में कई विधानसभा क्षेत्र होते हैं।
- पंचायत और नगरपालिका क्षेत्रों को वार्डों में बाँटा जाता है।
- प्रत्येक वार्ड से एक सदस्य चुना जाता है।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

Trick "भू – मत – सां – वि – वार्ड"

भू → भौगोलिक निर्वाचन क्षेत्र
मत → मतदाता एक प्रतिनिधि चुनते हैं
सां → लोकसभा के 543 क्षेत्र, प्रतिनिधि सांसद
वि → विधानसभा क्षेत्र, प्रतिनिधि विधायक
वार्ड → पंचायत/नगरपालिका में सदस्य

3. आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों की व्यवस्था राजनीतिक प्रतिनिधित्व को अधिक समावेशी कैसे बनाती है?

उत्तर :
- कमजोर समूह खुले मुकाबले में पीछे रह सकते हैं।
- उनके पास संसाधन, शिक्षा और संपर्क कम हो सकते हैं।
- शक्तिशाली लोग उन्हें चुनाव जीतने से रोक सकते हैं।
- अनुसूचित जातियों के लिए सीटें आरक्षित की गईं।
- अनुसूचित जनजातियों के लिए भी सीटें आरक्षित हुईं।
- इससे उन्हें संसद और विधानसभाओं में अवसर मिलता है।
- पंचायतों और नगर निकायों में भी आरक्षण लागू है।
- कई राज्यों में पिछड़े वर्गों को भी आरक्षण मिलता है।

Trick "कमजोरों के पास साधन कम थे, शक्तिशाली रोकते थे; इसलिए SC - ST को सीटें मिलीं, अवसर बढ़े और स्थानीय निकायों व OBC तक आरक्षण पहुँचा।"

4. चुनाव प्रचार पर नियम और खर्च की सीमा लगाना क्यों आवश्यक है?

उत्तर :
- घूस, प्रलोभन और धमकी को रोकने के लिए नियम जरूरी हैं।
- जाति और धर्म के नाम पर वोट माँगना प्रतिबंधित है।
- सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग को रोका जाता है।
- उम्मीदवारों के खर्च की सीमा तय होती है।
- अनुचित साधनों के प्रयोग पर रोक लगती है।
- मतदाता भय और प्रलोभन से मुक्त रहते हैं।
- आचार संहिता चुनावी व्यवहार को नियंत्रित करती है।
- इससे चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष बनते हैं।

भारत में चुनाव क्यों लोकतांत्रिक हैं?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति कौन करता है?

(अ) प्रधानमंत्री (ब) संसद
(स) राष्ट्रपति (द) सर्वोच्च न्यायालय **(स)**

2. निर्वाचन आयोग को किस संस्था के समान स्वतंत्रता प्राप्त है?

(अ) कार्यपालिका (ब) न्यायपालिका
(स) मंत्रिपरिषद (द) संसद **(ब)**

3. भारत में किन लोगों की मतदान में भागीदारी अपेक्षाकृत अधिक बताई गई है?

(अ) केवल धनी और शिक्षित लोग
(ब) केवल सरकारी कर्मचारी
(स) गरीब, निरक्षर और कमजोर लोग
(द) केवल शहरी मतदाता **(स)**

4. यूरोप और उत्तरी अमेरिका के लोकतांत्रिक देशों में मतदान प्रतिशत का रुझान कैसा रहा है?

(अ) बढ़ा है (ब) स्थिर रहा है
(स) घटा है (द) दोगुना हुआ है **(स)**

रिक्तस्थान –

1. पराजित पार्टियाँ सामान्यतः चुनाव परिणामों को जनता का ..... मानकर स्वीकार करती हैं।

उत्तर : जनादेश

2. चुनाव के दौरान चुनाव ड्यूटी पर तैनात अधिकारी निर्वाचन आयोग के ..... कार्य करते हैं।

उत्तर : अधीन

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. चुनावी धाँधली किसे कहते हैं?

उत्तर : अपने मत बढ़ाने के लिए उम्मीदवारों और पार्टियों द्वारा की जाने वाली गड़बड़ी अथवा फरेब को चुनावी धाँधली कहते हैं।

2. चुनावों में लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी क्या दर्शाती है?

उत्तर : यह दर्शाती है कि लोग चुनावों को महत्त्व देते हैं और चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

3. चुनाव के दौरान निर्वाचन आयोग सरकार को क्या आदेश दे सकता है?

उत्तर : निर्वाचन आयोग सरकार को चुनाव संबंधी दिशा–निर्देशों का पालन करने का आदेश दे सकता है।

4. भारत के आम लोग चुनावों को क्यों महत्त्व देते हैं?

उत्तर : उन्हें लगता है कि चुनावों के माध्यम से वे राजनीतिक दलों पर अपने अनुकूल नीति बनाने के लिए दबाव डाल सकते हैं।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता चुनाव की निष्पक्षता के लिए क्यों आवश्यक है?

उत्तर :
- चुनाव स्वतंत्र और शक्तिशाली आयोग कराता है।
- आयोग को न्यायपालिका जैसी स्वतंत्रता प्राप्त है।
- वह पूरी चुनाव प्रक्रिया पर निर्णय लेता है।
- सरकार को भी निर्देशों का पालन करवा सकता है।
- इससे सरकारी हस्तक्षेप सीमित रहता है।

Trick "आ – न्या – फै – आ – रो"

आ ⟶ आयोग स्वतंत्र और शक्तिशाली
न्या ⟶ न्यायपालिका जैसी स्वतंत्रता
फै ⟶ चुनाव प्रक्रिया पर फैसला
आ ⟶ सरकार को आदेश
रो ⟶ सरकारी हस्तक्षेप पर रोक

2. भारत में लोगों की चुनावी भागीदारी के प्रमुख प्रमाण लिखिए।

उत्तर :
- मतदान प्रतिशत स्थिर रहा है या बढ़ा है।
- गरीब और कमजोर लोग बड़ी संख्या में मतदान करते हैं।
- आम लोग चुनावों को महत्त्व देते हैं।
- चुनावों से नीतियों को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं।
- चुनावी गतिविधियों में लोगों की सक्रियता बढ़ रही है।

3. धन और आपराधिक प्रभाव भारतीय चुनावों के सामने किस प्रकार चुनौती उत्पन्न करते हैं?

उत्तर :
- धनवान उम्मीदवारों की स्थिति अधिक मजबूत होती है।
- कम संसाधन वाले उम्मीदवारों का मुकाबला कठिन होता है।
- कुछ क्षेत्रों में अपराधी उम्मीदवार प्रभावशाली होते हैं।
- वे अन्य उम्मीदवारों को मैदान से हटा सकते हैं।
- इससे समान चुनावी प्रतिस्पर्धा प्रभावित होती है।

4. राजनीतिक दलों में परिवारों का प्रभाव किस प्रकार चुनावी चुनौती उत्पन्न करता है?

उत्तर :
- कुछ दलों पर विशेष परिवारों का प्रभाव होता है।
- परिवार के सदस्यों को आसानी से टिकट मिलता है।
- उम्मीदवार चयन पर सीमित लोगों का नियंत्रण बढ़ता है।
- यह लोकतांत्रिक चुनाव के लिए गंभीर चुनौती है।

5. प्रमुख राजनीतिक दलों की नीतियाँ और व्यवहार लगभग समान होने पर क्या समस्या उत्पन्न होती है?

उत्तर :
- मतदाताओं को वास्तविक राजनीतिक विकल्प नहीं मिलता।
- दलों के बीच सार्थक अंतर करना कठिन होता है।
- मतदाता स्पष्ट नीति का चुनाव नहीं कर पाता।
- इससे चुनावी विकल्प की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. भारत में चुनावों को लोकतांत्रिक मानने के प्रमुख आधारों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर :
- चुनाव स्वतंत्र निर्वाचन आयोग द्वारा कराए जाते हैं।
- आयोग को न्यायपालिका जैसी स्वतंत्रता प्राप्त है।
- वह चुनाव के सभी महत्त्वपूर्ण निर्णय लेता है।
- लोग चुनावों में उत्साह से भाग लेते हैं।
- मतदान प्रतिशत स्थिर रहा है या बढ़ा है।
- गरीब, निरक्षर और कमजोर लोग भी अधिक मतदान करते हैं।
- सत्ताधारी दल चुनाव हारते रहे हैं।
- लगभग आधे निवर्तमान प्रतिनिधि चुनाव हार जाते हैं।
- धनवान और अपराधी उम्मीदवार भी हार सकते हैं।
- पराजित दल परिणाम को जनादेश मानकर स्वीकार करते हैं।
- इसलिए चुनाव बुनियादी रूप से स्वतंत्र और निष्पक्ष हैं।

Trick "आयोग–भाग–मतदान –हार–स्वीकार–निष्पक्ष"

आयोग = स्वतंत्र और शक्तिशाली आयोग
भाग = जनता की सक्रिय भागीदारी
मतदान = सभी वर्गों का बढ़ता मतदान
हार = सत्ताधारी, प्रतिनिधि और धनवान भी हारते हैं
स्वीकार = पराजित दल परिणाम स्वीकारते हैं
निष्पक्ष = चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हैं

2. स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में निर्वाचन आयोग की भूमिका का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- निर्वाचन आयोग स्वतंत्र और शक्तिशाली संस्था है।
- उसे न्यायपालिका के समान स्वतंत्रता प्राप्त है।
- मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति राष्ट्रपति करते हैं।
- आयोग अधिसूचना से परिणाम तक पूरी प्रक्रिया चलाता है।
- वह आदर्श आचार संहिता लागू कराता है।
- नियम तोड़ने वाले दलों पर कार्रवाई करता है।
- सरकार को चुनाव संबंधी निर्देश दे सकता है।
- चुनाव अधिकारी आयोग के अधीन कार्य करते हैं।
- इससे सरकारी हस्तक्षेप सीमित रहता है।

3. भारत में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के सामने उपस्थित प्रमुख चुनौतियों का वर्णन कीजिए।

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

उत्तर :
- धनवान दलों और उम्मीदवारों की स्थिति अधिक मजबूत होती है।
- अपराधी उम्मीदवार दूसरों को मैदान से बाहर कर सकते हैं।
- कुछ दलों पर विशेष परिवारों का प्रभाव रहता है।
- रिश्तेदारों को आसानी से टिकट मिल जाता है।
- प्रमुख दलों की नीतियाँ कई बार समान होती हैं।
- मतदाताओं को स्पष्ट विकल्प नहीं मिलता।
- छोटे दलों को अधिक कठिनाइयाँ होती हैं।
- निर्दलीय उम्मीदवारों का मुकाबला भी कठिन होता है।
- इन चुनौतियों को दूर करना आवश्यक है।

4. राष्ट्रीय मतदाता दिवस की प्रतिज्ञा में निहित लोकतांत्रिक संदेशों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर :
- नागरिकों को लोकतंत्र में पूर्ण आस्था रखने का संदेश मिलता है।
- लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा बनाए रखने का संकल्प लिया जाता है।
- स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव पर बल दिया जाता है।
- निर्भीक होकर मतदान करने की शपथ ली जाती है।
- धर्म, वर्ग, जाति और समुदाय से प्रभावित न होने को कहा जाता है।
- भाषा के आधार पर भी मतदान प्रभावित नहीं होना चाहिए।
- किसी प्रलोभन से प्रभावित नहीं होना चाहिए।
- प्रत्येक चुनाव में मताधिकार प्रयोग करने का संकल्प लिया जाता है।
- यह जागरूक और निष्पक्ष मतदान को बढ़ावा देता है।

Trick आस्था–मर्यादा–शांति–निर्भीकता–भेदरहित –प्रलोभनरहित–मतदान–जागरूकता

आस्था = लोकतंत्र में विश्वास
मर्यादा = लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान
शांति = शांतिपूर्ण चुनाव
निर्भीकता = बिना डर मतदान
भेदरहित = धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय और भाषा से अप्रभावित
प्रलोभनरहित = लालच से दूर
मतदान = हर चुनाव में मताधिकार का प्रयोग
जागरूकता = निष्पक्ष मतदान को बढ़ावा

4 संस्थाओं का कामकाज

प्रमुख नीतिगत फैसले कैसे किए जाते हैं?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारत सरकार ने सामाजिक एवं शैक्षिक दृष्टि से पिछड़े वर्गों के आरक्षण से संबंधित कार्यालय ज्ञापन कब जारी किया?

(अ) 6 अगस्त 1990 (ब) 13 अगस्त 1990
(स) 8 सितंबर 1993 (द) 1 जनवरी 1992 **(ब)**

2. सरकारी पदों और सेवाओं में सामाजिक एवं शैक्षिक दृष्टि से पिछड़े वर्गों के लिए कितने प्रतिशत रिक्तियाँ आरक्षित की गईं?

(अ) 22 प्रतिशत (ब) 30 प्रतिशत
(स) 27 प्रतिशत (द) 25 प्रतिशत **(स)**

3. दूसरे पिछड़ी जाति आयोग की अध्यक्षता किसने की थी?

(अ) वी.पी. सिंह
(ब) बी.पी. मंडल
(स) इंदिरा साहनी
(द) जवाहरलाल नेहरू **(ब)**

4. आरक्षण संबंधी सरकारी आदेश की वैधता से संबंधित मुकदमा किस नाम से जाना गया?

(अ) मंडल आयोग बनाम भारत सरकार
(ब) इंदिरा साहनी एवं अन्य बनाम भारत सरकार
(स) जनता दल बनाम सर्वोच्च न्यायालय
(द) कार्मिक मंत्रालय बनाम संसद **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. भारत सरकार ने वर्ष ..... में दूसरा पिछड़ी जाति आयोग गठित किया था।

उत्तर : 1979

2. मंडल आयोग ने अपनी सिफारिशें वर्ष ..... में प्रस्तुत कीं।

उत्तर : 1980

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जनता दल ने अपने चुनाव घोषणापत्र में क्या वादा किया था?

उत्तर : सत्ता में आने पर मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने का वादा किया था।

2. आरक्षण संबंधी निर्णय की जानकारी संसद को किसने दी?

उत्तर : प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह ने संसद के दोनों सदनों को निर्णय की जानकारी दी।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मंडल आयोग को कौन–कौन से कार्य सौंपे गए थे?

उत्तर :
- पिछड़े वर्गों की पहचान के मापदंड तय करना।
- उनके पिछड़ेपन को दूर करने के उपाय बताना।

2. आरक्षण के समर्थकों के प्रमुख तर्क क्या थे?

उत्तर :
- भारतीय समाज में जातिगत असमानता थी।
- पिछड़े वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिला था।
- आरक्षण से उन्हें बराबरी का अवसर मिल सकता था।

3. आरक्षण के विरोधियों ने कौन–कौन से तर्क दिए?

उत्तर :
- अन्य वर्गों के रोजगार के अवसर कम हो सकते थे।
- अधिक योग्य लोगों को नौकरी मिलने में कठिनाई हो सकती थी।
- जातिवाद से एकता और प्रगति प्रभावित हो सकती थी।

4. राजनैतिक संस्थाओं की आवश्यकता क्यों होती है?

उत्तर :
- सरकारी निर्णय लेने और लागू करने के लिए।
- विवादों का समाधान करने के लिए।
- अलग–अलग कार्यों की जिम्मेदारी तय करने के लिए।
- पदाधिकारी बदलने पर भी काम जारी रखने के लिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. मंडल आयोग की सिफारिशों से कार्यालय ज्ञापन जारी होने तक की प्रक्रिया समझाइए।

उत्तर :
- वर्ष 1979 में दूसरा पिछड़ी जाति आयोग बनाया गया।
- बी.पी. मंडल को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।
- आयोग ने वर्ष 1980 में अपनी रिपोर्ट दी।
- सरकारी नौकरियों में 27 प्रतिशत आरक्षण सुझाया गया।
- रिपोर्ट और सिफारिशों पर संसद में चर्चा हुई।
- जनता दल ने 1989 में इसे लागू करने का वादा किया।
- सरकार बनने पर राष्ट्रपति के भाषण में इसकी घोषणा हुई।
- 6 अगस्त 1990 को कैबिनेट ने औपचारिक फैसला लिया।

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

2. आरक्षण संबंधी नीतिगत फैसले में विभिन्न संस्थाओं की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : मंडल आयोग – पिछड़े वर्गों की पहचान और उपाय सुझाए।

राजनैतिक दल – जनता दल ने लागू करने का वादा किया।

राष्ट्रपति – सरकार की मंशा की औपचारिक घोषणा की।

केंद्रीय कैबिनेट – 27 प्रतिशत आरक्षण का फैसला लिया।

प्रधानमंत्री – संसद को फैसले की जानकारी दी।

सरकारी अधिकारी – कार्यालय ज्ञापन तैयार और जारी किया।

सर्वोच्च न्यायालय – आदेश की वैधता की जाँच की।

कार्मिक मंत्रालय – संशोधित आदेश जारी किया।

3. लोकतांत्रिक शासन में राजनैतिक संस्थाओं का महत्त्व समझाइए।

उत्तर :
- सरकार सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य की व्यवस्था करती है।
- वह कर एकत्र कर विभिन्न कार्यक्रमों पर खर्च करती है।
- नीतियाँ और बड़े फैसले संस्थाओं द्वारा लिए जाते हैं।
- अधिकारी नीतियों और फैसलों को लागू करते हैं।
- न्यायपालिका विवादों का समाधान करती है।
- संस्थाएँ प्रत्येक कार्य की जिम्मेदारी तय करती हैं।
- पदाधिकारी बदलने पर भी सरकारी काम जारी रहता है।
- शासकों को नियमों और कानूनों का पालन करना पड़ता है।
- मनमाने फैसलों पर रोक लगती है।
- शासन नियमित और उत्तरदायी बनता है।

Trick

से – कर – नी – ला – न्या – जि – नि – का

से → सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएँ
कर → कर एकत्र करना और कार्यक्रमों पर खर्च
नी → संस्थाओं द्वारा नीतियाँ और बड़े निर्णय
ला → अधिकारियों द्वारा फैसले लागू करना
न्या → न्यायपालिका द्वारा विवादों का समाधान
जि → प्रत्येक कार्य की जिम्मेदारी तय करना
नि → पदाधिकारी बदलने पर भी निरंतर काम
का → शासकों द्वारा कानूनों और नियमों का पालन

4. आरक्षण संबंधी सरकारी आदेश से उत्पन्न विवाद का समाधान किस प्रकार हुआ?

उत्तर :
- मामला 'इंदिरा साहनी एवं अन्य बनाम भारत सरकार' कहलाया।
- 11 वरिष्ठ न्यायाधीशों ने मामले की सुनवाई की।
- वर्ष 1992 में सरकारी आदेश को वैध माना गया।
- अच्छी स्थिति वाले लोगों को लाभ से बाहर रखने को कहा गया।
- 8 सितंबर 1993 को संशोधित आदेश जारी हुआ।
- न्यायपालिका के फैसले से विवाद समाप्त हुआ।

संसद

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारत में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की राष्ट्रीय सभा को क्या कहा जाता है?
(अ) न्यायपालिका
(ब) संसद
(स) कार्यपालिका
(द) मंत्रिमंडल **(ब)**

2. भारत की संसद में कौन–कौन शामिल होते हैं?
(अ) केवल लोकसभा और राज्यसभा
(ब) राष्ट्रपति, लोकसभा और राज्यसभा
(स) प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति
(द) सर्वोच्च न्यायालय और लोकसभा **(ब)**

3. राज्यसभा किसी धन संबंधी विधेयक को अधिकतम कितने दिनों तक रोक सकती है?
(अ) 30 दिन (ब) 7 दिन
(स) 21 दिन (द) 14 दिन **(द)**

4. मंत्रिपरिषद् के विरुद्ध अविश्वास व्यक्त करने का अधिकार किस सदन को है?
(अ) राज्यसभा (ब) लोकसभा
(स) दोनों सदनों को अलग–अलग
(द) किसी भी सदन को नहीं **(ब)**

5. देश के मौजूदा कानून में संशोधन करने का अधिकार किस संस्था को है?
(अ) सर्वोच्च न्यायालय
(ब) राष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री (द) संसद **(द)**

रिक्तस्थान –

1. संसद की मंजूरी के बाद ही ..... धन को खर्च किया जा सकता है।

उत्तर : सार्वजनिक

2. सामान्य कानून पर दोनों सदनों में मतभेद होने पर ..... अधिवेशन बुलाया जाता है।

उत्तर : संयुक्त

3. प्रधानमंत्री को लोकसभा के सदस्यों के ..... का समर्थन प्राप्त होना आवश्यक है।

उत्तर : बहुमत

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. संसद का निम्न सदन किसे कहा जाता है?

उत्तर : लोकसभा को संसद का निम्न सदन कहा जाता है।

2. संसद का कौन–सा सदन सीधे जनता द्वारा चुना जाता है?

उत्तर : लोकसभा।

3. राज्यसभा का सामान्य विशेष कार्य क्या है?

उत्तर : राज्यों, क्षेत्रों और संघीय इकाइयों के हितों की निगरानी करना।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. संसद जनता की ओर से किन चार प्रमुख अधिकारों का प्रयोग करती है?

उत्तर :
- संसद कानून बनाती है।
- सरकार चलाने वालों पर नियंत्रण रखती है।
- सार्वजनिक धन के खर्च को मंजूरी देती है।
- राष्ट्रीय नीतियों और सार्वजनिक विषयों पर चर्चा करती है।

Trick का–नि–ध–च

का →कानून बनाना
नि →सरकार पर नियंत्रण रखना
ध → सार्वजनिक धन के खर्च को मंजूरी देना
च → राष्ट्रीय नीतियों और सार्वजनिक विषयों पर चर्चा करना

2. सामान्य कानून के मामले में लोकसभा और राज्यसभा की भूमिका क्या है?

उत्तर :
- सामान्य कानून दोनों सदनों से पारित होना चाहिए।
- मतभेद होने पर संयुक्त अधिवेशन बुलाया जाता है।
- दोनों सदनों के सदस्य मिलकर मतदान करते हैं।
- अधिक सदस्य होने से लोकसभा का पक्ष प्रभावी हो सकता है।

3. लोकसभा मंत्रिपरिषद् को किस प्रकार नियंत्रित करती है?

उत्तर :
- प्रधानमंत्री को लोकसभा का बहुमत चाहिए।
- मंत्रिपरिषद् लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है।
- लोकसभा अविश्वास व्यक्त कर सकती है।
- बहुमत का विश्वास खोने पर पूरी सरकार हट जाती है।

4. संसद सरकार से सूचना कैसे प्राप्त करती है?

उत्तर :
- सांसद मंत्रियों से प्रश्न पूछते हैं।
- मंत्री लिखित या मौखिक उत्तर देते हैं।
- रिपोर्ट और सरकारी दस्तावेज प्रस्तुत किए जाते हैं।
- सरकारी नीतियों और कार्यों पर चर्चा होती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. लोकतंत्र में संसद की आवश्यकता और महत्त्व समझाइए।

उत्तर :
- संसद निर्वाचित प्रतिनिधियों की राष्ट्रीय सभा है।
- यह जनता की ओर से राजनैतिक अधिकारों का प्रयोग करती है।
- संसद नए कानून बनाती है।
- पुराने कानूनों में संशोधन कर सकती है।
- अनावश्यक कानूनों को समाप्त कर सकती है।
- सरकार के कार्यों और फैसलों पर नियंत्रण रखती है।
- बड़े फैसलों के लिए संसद का समर्थन आवश्यक है।

Trick "कानून–नियंत्रण–मंजूरी–धन –चर्चा–जानकारी–जनता–जवाबदेही"

कानून = कानून बनाना, सुधारना और हटाना
नियंत्रण = सरकारी कार्यों पर निगरानी
मंजूरी = बड़े फैसलों को समर्थन
धन = खर्च की अनुमति
चर्चा = राष्ट्रीय विषयों पर विचार
जानकारी = सरकार से सूचना माँगना
जनता = जनता की समस्याएँ उठाना
जवाबदेही = सरकार को उत्तरदायी बनाना

2. लोकसभा और राज्यसभा के अधिकारों की तुलना कीजिए।

उत्तर : **सामान्य कानून संबंधी अधिकार –**
- दोनों सदनों की स्वीकृति आवश्यक होती है।
- मतभेद पर संयुक्त अधिवेशन बुलाया जाता है।
- अधिक सदस्य होने से लोकसभा प्रभावी हो सकती है।

धन संबंधी अधिकार –
- लोकसभा को अधिक अधिकार प्राप्त हैं।
- राज्यसभा धन विधेयक खारिज नहीं कर सकती।
- वह उसे अधिकतम 14 दिन रोक सकती है।
- वह केवल संशोधन के सुझाव दे सकती है।
- सुझाव मानना या न मानना लोकसभा पर निर्भर है।

सरकार पर नियंत्रण –
- मंत्रिपरिषद् लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है।
- लोकसभा अविश्वास से सरकार हटा सकती है।
- राज्यसभा को सरकार हटाने का अधिकार नहीं है।
- राज्यों से जुड़े विषयों में राज्यसभा के विशेष अधिकार हैं।

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

3. संसद सरकार की कार्यपालिका और वित्त पर किस प्रकार नियंत्रण रखती है?

उत्तर :
- सरकार को लोकसभा के बहुमत का समर्थन चाहिए।
- सांसद मंत्रियों से प्रश्न पूछते हैं।
- सरकार को अपने फैसलों का स्पष्टीकरण देना पड़ता है।
- सरकारी नीतियों पर चर्चा और आलोचना होती है।
- लोकसभा अविश्वास प्रस्ताव ला सकती है।
- विश्वास खोने पर सरकार को इस्तीफा देना पड़ता है।
- सार्वजनिक धन के लिए संसद की मंजूरी जरूरी है।
- बजट और धन संबंधी कानून लोकसभा से पारित होते हैं।
- अतिरिक्त अनुदान भी संसद से स्वीकृत होता है।

Trick "बहु–सवाल–सफाई–चर्चा –अविश्वास–त्याग–धन–बजट–अनुदान"

बहु = बहुमत का समर्थन
सवाल = मंत्रियों से सवाल
सफाई = फैसलों की सफाई
चर्चा = नीतियों की चर्चा और आलोचना
अविश्वास = अविश्वास प्रस्ताव
त्याग = सरकार का पद–त्याग
धन = सार्वजनिक धन की मंजूरी
बजट = बजट पारित
अनुदान = अतिरिक्त अनुदान स्वीकृत

4. संसद को राष्ट्रीय चर्चा और सूचना प्राप्त करने का सर्वोच्च मंच क्यों कहा जाता है?

उत्तर :
- जनप्रतिनिधि सार्वजनिक समस्याएँ सदन में उठाते हैं।
- राष्ट्रीय नीतियों पर चर्चा और बहस होती है।
- संसद सरकार से किसी विषय पर सूचना माँग सकती है।
- सांसद मंत्रियों से प्रश्न पूछते हैं।
- मंत्री लिखित और मौखिक उत्तर देते हैं।
- सरकारी रिपोर्ट और लेखे प्रस्तुत होते हैं।
- विधेयकों पर विचार कर उन्हें पारित किया जाता है।
- इसलिए संसद चर्चा और सूचना का सर्वोच्च मंच है।

Trick "सम–नी–सू–प्र–उ–रि–वि"

सम = सार्वजनिक समस्याएँ सदन में उठाना
नी = राष्ट्रीय नीतियों पर चर्चा और बहस
सू = सरकार से सूचना माँगना
प्र = सांसदों द्वारा मंत्रियों से प्रश्न पूछना
उ = मंत्रियों द्वारा लिखित और मौखिक उत्तर देना
रि = सरकारी रिपोर्ट और लेखे प्रस्तुत होना
वि = विधेयकों पर विचार और उन्हें पारित करना

राजनैतिक कार्यपालिका

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. जनता द्वारा निश्चित अवधि के लिए चुने गए कार्यपालिका के सदस्यों को क्या कहा जाता है?
(अ) स्थायी कार्यपालिका
(ब) न्यायपालिका
(स) राजनैतिक कार्यपालिका
(द) प्रशासनिक न्यायाधिकरण **(स)**

2. भारत में प्रधानमंत्री की नियुक्ति कौन करता है?
(अ) लोकसभा अध्यक्ष
(ब) राष्ट्रपति
(स) मुख्य न्यायाधीश
(द) राज्यसभा सभापति **(ब)**

3. संसद का सदस्य न होने वाले व्यक्ति को मंत्री बनने के कितने समय के भीतर संसद के किसी एक सदन का सदस्य बनना आवश्यक है?
(अ) तीन महीने (ब) एक वर्ष
(स) छह महीने (द) दो महीने **(स)**

4. संसद द्वारा पारित विधेयक को राष्ट्रपति पुनर्विचार के लिए कितनी बार लौटा सकता है?
(अ) अनिश्चित बार (ब) दो बार
(स) एक बार (द) वह लौटा ही नहीं सकता **(स)**

5. निम्नलिखित में से कौन राजनैतिक कार्यपालिका का हिस्सा है?
(अ) जिलाधीश
(ब) गृह मंत्रालय का सचिव
(स) गृह मंत्री
(द) पुलिस महानिदेशक **(स)**

रिक्तस्थान –

1. लंबे समय के लिए नियुक्त अधिकारियों को ..... कार्यपालिका कहा जाता है।
उत्तर : स्थायी

2. लोक सेवाओं में कार्य करने वाले अधिकारियों को ..... या नौकरशाह कहा जाता है।
उत्तर : सिविल सर्वेंट

3. मंत्रिपरिषद् में सामान्यतः लगभग ..... से ..... मंत्री होते हैं।
उत्तर : 60, 80

4. कैबिनेट में सामान्यतः लगभग ..... मंत्री होते हैं।
उत्तर : 25

5. राष्ट्रपति का चुनाव संसद और राज्यों की ..... के सदस्य करते हैं।

उत्तर : विधानसभाओं

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. कार्यपालिका किसे कहते हैं?

उत्तर : सरकार की नीतियों को कार्यरूप देने वाले अधिकारियों और मंत्रियों के सामूहिक निकाय को कार्यपालिका कहते हैं।

2. राजनैतिक कार्यपालिका का प्रमुख कार्य क्या है?

उत्तर : बड़े नीतिगत फैसले लेना और उनके परिणामों के लिए जनता के प्रति उत्तरदायी होना।

3. प्रधानमंत्री कितने समय तक अपने पद पर रह सकता है?

उत्तर : जब तक वह लोकसभा में बहुमत प्राप्त पार्टी या गठबंधन का नेता बना रहता है।

4. प्रधानमंत्री सरकार का प्रमुख है, जबकि राष्ट्रपति क्या होता है?

उत्तर : राष्ट्रपति राष्ट्राध्यक्ष होता है।

5. राष्ट्रपति प्रधानमंत्री की नियुक्ति में अपने विवेक का प्रयोग कब करता है?

उत्तर : जब किसी दल या गठबंधन को लोकसभा में स्पष्ट बहुमत प्राप्त न हो।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. राजनैतिक और स्थायी कार्यपालिका में अंतर बताइए।

उत्तर : **राजनैतिक कार्यपालिका –**

- इसके सदस्य निश्चित अवधि के लिए चुने जाते हैं।
- यह बड़े नीतिगत फैसले करती है।
- सरकार बदलने पर मंत्री बदल जाते हैं।
- यह जनता के प्रति उत्तरदायी होती है।

स्थायी कार्यपालिका –

- इसके सदस्य लंबे समय के लिए नियुक्त होते हैं।
- वे रोजमर्रा के प्रशासन में सहायता करते हैं।
- सरकार बदलने पर भी पद पर बने रहते हैं।
- इन्हें सिविल सर्वेंट या नौकरशाह कहते हैं।

2. मंत्रिपरिषद् में मंत्रियों की तीन श्रेणियाँ कौन–सी हैं?

उत्तर :
- **कैबिनेट मंत्री** – प्रमुख मंत्रालयों के वरिष्ठ प्रभारी।
- **स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री** – छोटे मंत्रालयों के स्वतंत्र प्रभारी।
- **राज्य मंत्री** – कैबिनेट मंत्रियों की सहायता करते हैं।

3. राष्ट्रपति के अधिकारों पर क्या सीमाएँ हैं?

उत्तर :
- राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद् की सलाह पर काम करता है।
- वह एक बार पुनर्विचार करने को कह सकता है।
- दोबारा वही सलाह मिलने पर उसे मानना पड़ता है।
- दोबारा पारित विधेयक पर हस्ताक्षर करने होते हैं।

4. गठबंधन सरकार में प्रधानमंत्री के अधिकार सीमित क्यों हो जाते हैं?

उत्तर :
- उसे अपनी पार्टी के विभिन्न गुटों की राय माननी पड़ती है।
- सहयोगी दलों से विचार–विमर्श करना होता है।
- सरकार सहयोगी दलों के समर्थन पर निर्भर रहती है।
- प्रधानमंत्री प्रत्येक फैसला अकेले नहीं कर सकता।

5. भारत का प्रधानमंत्री जनता द्वारा सीधे क्यों नहीं चुना जाता?

उत्तर :
- भारत में संसदीय लोकतंत्र है।
- जनता सीधे लोकसभा सदस्यों को चुनती है।
- बहुमत दल या गठबंधन का नेता प्रधानमंत्री बनता है।
- राष्ट्रपति उसे प्रधानमंत्री नियुक्त करता है।
- मंत्रिपरिषद् लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है।
- विश्वास खोने पर सरकार को पद छोड़ना पड़ता है।

Trick "जनता–लोकसभा–बहुमत –राष्ट्रपति–जवाबदेही–विश्वास"

जनता = सीधे लोकसभा सदस्यों को चुनती है
लोकसभा = प्रधानमंत्री सीधे जनता से नहीं चुना जाता
बहुमत = बहुमत दल/गठबंधन का नेता प्रधानमंत्री बनता है
राष्ट्रपति = प्रधानमंत्री की नियुक्ति करता है
जवाबदेही = मंत्रिपरिषद् लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है
विश्वास = विश्वास खोने पर सरकार पद छोड़ती है

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. निर्वाचित मंत्री को नौकरशाह से अधिक अधिकार क्यों दिए जाते हैं?

उत्तर :
- नौकरशाह तकनीकी विशेषज्ञ हो सकता है।
- वह मंत्री को जानकारी, सलाह और विकल्प देता है।
- लोकतंत्र में जनता की इच्छा सर्वोपरि होती है।
- मंत्री जनता का निर्वाचित प्रतिनिधि होता है।
- उसे जनता की इच्छा लागू करने का अधिकार मिलता है।
- वह फैसलों के लिए जनता के प्रति जिम्मेदार होता है।
- मंत्री नीतियों का उद्देश्य और दिशा तय करता है।
- विशेषज्ञ केवल संभावित रास्ते बताते हैं।
- व्यापक दृष्टिकोण से अंतिम फैसला मंत्री करता है।
- नौकरशाह फैसलों को लागू करने में सहायता करता है।

Trick "विशेषज्ञ बताए, जनता चुनवाए; मंत्री दिशा दे, फैसला करे, नौकरशाह लागू कराए।"

विशेषज्ञ = नौकरशाह तकनीकी ज्ञान देता है
जनता = मंत्री जनता द्वारा चुना जाता है
दिशा = मंत्री नीति का उद्देश्य और दिशा तय करता है
फैसला = अंतिम निर्णय मंत्री लेता है
लागू = नौकरशाह निर्णय लागू करने में सहायता करता है

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

2. प्रधानमंत्री की नियुक्ति और मंत्रिपरिषद् के गठन की प्रक्रिया समझाइए।

उत्तर :
- प्रधानमंत्री का प्रत्यक्ष चुनाव नहीं होता।
- राष्ट्रपति प्रधानमंत्री की नियुक्ति करता है।
- बहुमत दल या गठबंधन का नेता प्रधानमंत्री बनता है।
- स्पष्ट बहुमत न होने पर राष्ट्रपति विवेक का प्रयोग करता है।
- बहुमत जुटाने वाले संभावित नेता को नियुक्त किया जाता है।
- उससे निश्चित समय में बहुमत सिद्ध करने को कहा जा सकता है।
- प्रधानमंत्री की सलाह पर अन्य मंत्री नियुक्त होते हैं।
- मंत्री सामान्यतः बहुमत दल या गठबंधन से चुने जाते हैं।
- मंत्री का संसद के किसी सदन का सदस्य होना जरूरी है।
- गैर–सांसद को छह महीने में सदस्य बनना होता है।
- सभी मंत्रियों का समूह मंत्रिपरिषद् कहलाता है।

Trick "ना–राष्ट्र–बहुमत–विवेक–नेता–सिद्ध –सलाह–दल–सदस्य–छह–परिषद्"

ना = प्रधानमंत्री का प्रत्यक्ष चुनाव नहीं
राष्ट्र = राष्ट्रपति प्रधानमंत्री नियुक्त करता है
बहुमत = बहुमत दल या गठबंधन का नेता प्रधानमंत्री
विवेक = स्पष्ट बहुमत न होने पर राष्ट्रपति का विवेक
नेता = बहुमत जुटाने वाले नेता की नियुक्ति
सिद्ध = निश्चित समय में बहुमत सिद्ध करना
सलाह = प्रधानमंत्री की सलाह पर मंत्री नियुक्त
दल = मंत्री बहुमत दल या गठबंधन से
सदस्य = संसद के किसी सदन का सदस्य होना
छह = गैर–सांसद को छह महीने में सदस्य बनना
परिषद् = सभी मंत्रियों का समूह मंत्रिपरिषद्

3. भारतीय राष्ट्रपति की स्थिति, अधिकार और भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- राष्ट्रपति भारत का राष्ट्राध्यक्ष होता है।
- वह सरकार का औपचारिक प्रमुख होता है।
- उसका चुनाव संसद और विधानसभाओं के सदस्य करते हैं।
- सभी सरकारी कार्य उसके नाम पर होते हैं।
- कानून और नीतिगत फैसले उसके नाम से जारी होते हैं।
- वह न्यायाधीश, राज्यपाल, चुनाव आयुक्त और राजदूत नियुक्त करता है।
- अंतरराष्ट्रीय समझौते उसके नाम पर होते हैं।
- वह रक्षा बलों का सर्वोच्च कमांडर होता है।
- वह मंत्रिपरिषद् की सलाह पर कार्य करता है।
- सलाह पर एक बार पुनर्विचार माँग सकता है।
- विधेयक एक बार संसद को लौटा सकता है।
- दोबारा सलाह या विधेयक मिलने पर स्वीकार करना पड़ता है।
- स्पष्ट बहुमत न होने पर विवेक का प्रयोग करता है।

Trick "पद–चुनाव–नाम–नियुक्ति –विदेश–रक्षा–सलाह–वापसी–विवेक"

पद = राष्ट्राध्यक्ष और औपचारिक प्रमुख
चुनाव = संसद और विधानसभाओं द्वारा चुनाव
नाम = सरकारी कार्य और कानून उसके नाम पर
नियुक्ति = न्यायाधीश, राज्यपाल, आयुक्त और राजदूत
विदेश = अंतरराष्ट्रीय समझौते
रक्षा = सर्वोच्च कमांडर
सलाह = मंत्रिपरिषद् की सलाह पर कार्य
वापसी = सलाह या विधेयक एक बार लौटाना
विवेक = स्पष्ट बहुमत न होने पर निर्णय

4. संसदीय शासन प्रणाली और राष्ट्रपति प्रणाली में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : संसदीय शासन प्रणाली –
- संसद प्रमुख राजनैतिक संस्था होती है।
- प्रधानमंत्री सरकार का प्रमुख होता है।
- राष्ट्रपति औपचारिक राष्ट्राध्यक्ष होता है।
- सरकार को लोकसभा का बहुमत चाहिए।
- मंत्रिपरिषद् लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है।
- विश्वास खोने पर सरकार को पद छोड़ना पड़ता है।
- भारत में संसदीय शासन प्रणाली है।

राष्ट्रपति प्रणाली –
- राष्ट्रपति राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख दोनों होता है।
- उसका चुनाव जनता प्रत्यक्ष रूप से करती है।
- वह अपने मंत्रियों की नियुक्ति करता है।
- कानून विधायिका द्वारा बनाए जाते हैं।
- राष्ट्रपति वीटो से कानून रोक सकता है।
- उसे विधायिका का बहुमत आवश्यक नहीं होता।
- वह विधायिका के प्रति उत्तरदायी नहीं होता।
- उसका निश्चित कार्यकाल होता है।
- अमेरिका इसका प्रमुख उदाहरण है।

Trick "भारत में संसद की शक्ति, अमेरिका में राष्ट्रपति की शक्ति"

भारत = संसदीय शासन प्रणाली
संसद = प्रमुख राजनीतिक संस्था
प्रधानमंत्री = सरकार का प्रमुख
विश्वास = लोकसभा का विश्वास आवश्यक
अमेरिका = राष्ट्रपति प्रणाली
राष्ट्रपति = राष्ट्र और सरकार दोनों का प्रमुख
स्वतंत्र = विधायिका के बहुमत पर निर्भर नहीं
कार्यकाल = निश्चित अवधि तक पद पर रहता है

न्यायपालिका

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारत में न्यायपालिका की व्यवस्था किस प्रकार की है?
(अ) अलग–अलग और असंबद्ध
(ब) एकीकृत
(स) केवल संघीय
(द) केवल राज्य स्तरीय **(ब)**

2. देश के न्यायिक प्रशासन को कौन नियंत्रित करता है?
(अ) संसद
(ब) मंत्रिपरिषद्
(स) सर्वोच्च न्यायालय
(द) राष्ट्रपति सचिवालय **(स)**

3. सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश को हटाने के लिए संसद के दोनों सदनों में कितना बहुमत आवश्यक है?
(अ) साधारण बहुमत
(ब) एक–तिहाई बहुमत
(स) दो–तिहाई बहुमत
(द) पूर्ण सर्वसम्मति **(स)**

4. जनहित को हानि पहुँचने पर अदालत में दायर की जाने वाली याचिका को क्या कहते हैं?
(अ) निजी अपील (ब) जनहित याचिका
(स) संवैधानिक संशोधन
(द) अविश्वास याचिका **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. पूरे देश के लिए सर्वोच्च न्यायिक संस्था ..... है।
उत्तर : सर्वोच्च न्यायालय

2. राज्यों की सर्वोच्च अदालतों को ..... कहा जाता है।
उत्तर : उच्च न्यायालय

3. न्यायपालिका विधायिका और ..... के नियंत्रण में नहीं होती।
उत्तर : कार्यपालिका

4. सर्वोच्च न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश को सामान्यतः ..... नियुक्त किया जाता है।
उत्तर : मुख्य न्यायाधीश

5. भारतीय न्यायपालिका नागरिकों के ..... अधिकारों की रक्षक है।
उत्तर : मौलिक

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. न्यायपालिका किसे कहते हैं?
उत्तर : देश के विभिन्न स्तरों पर मौजूद सभी अदालतों को सामूहिक रूप से न्यायपालिका कहते हैं।

2. न्यायपालिका की स्वतंत्रता का क्या अर्थ है?
उत्तर : न्यायपालिका विधायिका, कार्यपालिका या सत्ताधारी दल के निर्देशों के अधीन कार्य नहीं करती।

3. जनहित याचिका क्या है?
उत्तर : सरकार की कार्रवाई से जनहित को हानि होने पर किसी व्यक्ति द्वारा अदालत में दायर की गई याचिका जनहित याचिका कहलाती है।

4. भारतीय न्यायपालिका को जनता का विश्वास क्यों प्राप्त है?
उत्तर : क्योंकि वह स्वतंत्र रूप से न्याय करती है और सरकार की शक्ति के दुरुपयोग पर रोक लगाती है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारतीय न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर :
- पूरे देश के लिए सर्वोच्च न्यायालय।
- राज्यों के लिए उच्च न्यायालय।
- जिलों में जिला न्यायालय।
- स्थानीय स्तर पर स्थानीय न्यायालय।

2. न्यायिक समीक्षा से क्या अभिप्राय है?
उत्तर :
- न्यायालय कानूनों और सरकारी कार्रवाइयों की जाँच करते हैं।
- उनकी संवैधानिक वैधता निर्धारित की जाती है।
- संविधान–विरोधी कानून अमान्य किया जा सकता है।
- गलत सरकारी कार्रवाई भी रद्द की जा सकती है।
- इस प्रक्रिया को न्यायिक समीक्षा कहते हैं।

3. न्यायपालिका मौलिक अधिकारों की रक्षा किस प्रकार करती है?
उत्तर :
- अधिकारों के उल्लंघन पर नागरिक अदालत जा सकते हैं।
- अदालत सरकार के विरुद्ध भी न्याय दे सकती है।
- सरकारी शक्ति के दुरुपयोग पर रोक लगाती है।

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

- मानवाधिकार और जनहित की रक्षा के निर्देश देती है।
- इसलिए न्यायपालिका अधिकारों की रक्षक है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. भारतीय न्यायपालिका की एकीकृत संरचना और अधिकार–क्षेत्र समझाइए।

उत्तर :
- भारत में एकीकृत न्यायपालिका है।
- इसके शीर्ष पर सर्वोच्च न्यायालय है।
- राज्यों में उच्च न्यायालय होते हैं।
- जिलों में जिला न्यायालय होते हैं।
- स्थानीय स्तर पर अन्य न्यायालय कार्य करते हैं।
- सर्वोच्च न्यायालय न्यायिक प्रशासन नियंत्रित करता है।
- सभी अदालतें उसके फैसले मानती हैं।
- यह नागरिकों के आपसी विवाद सुनता है।
- नागरिक और सरकार के विवादों की सुनवाई करता है।
- राज्यों के बीच विवादों का फैसला करता है।
- केंद्र और राज्य के विवाद सुनता है।
- यह अंतिम अपीलीय संस्था है।
- उच्च न्यायालय के फैसलों के विरुद्ध अपील सुनता है।

Trick "एक–शीर्ष–क्रम–नियंत्रण–विवाद–अपील"

एक = एकीकृत न्यायपालिका
शीर्ष = सर्वोच्च न्यायालय सबसे ऊपर
क्रम = उच्च, जिला और स्थानीय न्यायालय
नियंत्रण = न्यायिक प्रशासन का नियंत्रण
विवाद = विभिन्न प्रकार के विवादों की सुनवाई
अपील = अंतिम अपीलीय संस्था

2. भारतीय न्यायपालिका के प्रमुख अधिकार और कार्य समझाइए।

उत्तर :
- न्यायपालिका कानूनी विवादों का समाधान करती है।
- सर्वोच्च न्यायालय अंतिम अपीलीय संस्था है।
- सर्वोच्च और उच्च न्यायालय संविधान की व्याख्या करते हैं।
- कानूनों की संवैधानिक वैधता जाँची जाती है।
- सरकारी कार्रवाइयों की भी संवैधानिक जाँच होती है।
- संविधान–विरोधी कानून अमान्य किए जा सकते हैं।
- इस अधिकार को न्यायिक समीक्षा कहते हैं।
- न्यायपालिका मौलिक अधिकारों की रक्षा करती है।
- जनहित याचिकाओं की सुनवाई करती है।
- मानवाधिकार और जनहित के लिए निर्देश देती है।
- भ्रष्ट और मनमानी कार्रवाइयों पर रोक लगाती है।
- संविधान के मूल सिद्धांतों की रक्षा करती है।

Trick "विवाद–अपील–व्याख्या–जाँच–रद्द–समीक्षा –अधिकार–जनहित–निर्देश"

विवाद = कानूनी विवादों का समाधान
अपील = सर्वोच्च न्यायालय अंतिम अपीलीय संस्था
व्याख्या = संविधान की व्याख्या
जाँच = कानूनों और सरकारी कार्रवाइयों की संवैधानिक जाँच
रद्द = गलत कानून और कार्रवाई रद्द
समीक्षा = न्यायिक समीक्षा
अधिकार = मौलिक अधिकारों की रक्षा
जनहित = जनहित याचिकाओं की सुनवाई
निर्देश = मानवाधिकार और जनहित के लिए निर्देश

For better experience
DOWNLOAD APP
mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER
www.MISSIONGYAN.com

5 लोकतांत्रिक अधिकार

अधिकारों के बिना जीवन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. गुआंतानामो बे के कैदियों की स्थिति की जाँच करने वाला अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन कौन–सा था?

(अ) विश्व बैंक (ब) अंतरराष्ट्रीय न्यायालय
(स) एमनेस्टी इंटरनेशनल
(द) सुरक्षा परिषद **(स)**

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. सऊदी अरब में लोगों को कौन–सा राजनीतिक संगठन बनाने की अनुमति नहीं थी?

उत्तर : सऊदी अरब में लोगों को राजनीतिक दल या राजनीतिक संगठन बनाने की अनुमति नहीं थी।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. गुआंतानामो बे के कैदियों के किन्हीं तीन अधिकारों के उल्लंघन का उल्लेख कीजिए।

उत्तर :
- कैदियों को गिरफ्तारी का उचित कारण नहीं बताया गया।
- उनके विरुद्ध किसी न्यायालय में मुकदमा नहीं चलाया गया।
- वे अपने देश की अदालतों में न्याय की माँग नहीं कर सके।
- परिवार और मीडिया के लोगों को उनसे मिलने नहीं दिया गया।
- निर्दोष घोषित किए गए कैदियों को भी रिहा नहीं किया गया।

2. अधिकारविहीन जीवन के उदाहरणों से क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर :
- अधिकारों के अभाव में व्यक्ति का जीवन और सम्मान सुरक्षित नहीं रहता।
- सरकार और सरकारी संस्थाएँ नागरिकों के साथ मनमानी कर सकती हैं।
- महिलाओं और अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव हो सकता है।
- व्यक्ति को न्याय प्राप्त करने का अवसर नहीं मिलता।
- केवल लोकतांत्रिक चुनाव नागरिक अधिकारों की सुरक्षा की गारंटी नहीं हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. क्या लोकतांत्रिक चुनाव में जीती सरकार भी नागरिक अधिकारों का उल्लंघन कर सकती है? उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर :
- केवल चुनाव जीत लेने से कोई सरकार पूर्ण रूप से लोकतांत्रिक नहीं बनती।
- मिलोशेविक लोकतांत्रिक चुनाव जीतकर सत्ता में आया था।
- उसकी सरकार ने कोसोवो के अल्बानियाई अल्पसंख्यकों के विरुद्ध कठोर नीति अपनाई।
- सेना ने निर्दोष नागरिकों की हत्या की और उनके घर जला दिए।
- अल्पसंख्यकों को देश छोड़ने या सर्ब प्रभुत्व स्वीकार करने के लिए मजबूर किया गया।
- इससे स्पष्ट है कि चुनी हुई सरकार भी नागरिक अधिकारों का हनन कर सकती है।
- इसलिए लोकतंत्र में चुनावों के साथ–साथ नागरिक अधिकारों की सुरक्षा भी आवश्यक है।

लोकतंत्र में अधिकार

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. किसी दावे को अधिकार बनने के लिए किसकी स्वीकृति आवश्यक है?

(अ) केवल व्यक्ति की
(ब) केवल परिवार की
(स) समाज और कानून की
(द) केवल राजनीतिक दल की **(स)**

2. अधिकार नागरिकों को किसके दमन से बचाते हैं?

(अ) न्यायपालिका के (ब) अल्पसंख्यकों के
(स) बहुसंख्यकों के (द) मतदाताओं के **(स)**

रिक्तस्थान –

1. प्रत्येक व्यक्ति को अपने अधिकारों के साथ दूसरों के अधिकारों का ..... करना चाहिए।

उत्तर : आदर

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. अधिकार का क्या अर्थ है?

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

उत्तर : अधिकार किसी व्यक्ति का अपने लोगों, समाज और सरकार से किया गया तार्किक तथा मान्य दावा है।

2. अधिकारों का हनन किसे कहते हैं?

उत्तर : जब सरकार, संस्था या अन्य नागरिक किसी मान्य अधिकार का सम्मान नहीं करते, तो इसे अधिकारों का हनन कहते हैं।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मौलिक अधिकार पूर्ण अथवा असीमित क्यों नहीं हैं?

उत्तर :
- व्यक्ति अपने अधिकारों का उपयोग दूसरों को नुकसान पहुँचाने के लिए नहीं कर सकता।
- एक व्यक्ति की स्वतंत्रता दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन नहीं कर सकती।
- अधिकारों के प्रयोग से सार्वजनिक अशांति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए।
- अधिकारों का प्रयोग हिंसा भड़काने के लिए नहीं किया जा सकता।
- सार्वजनिक व्यवस्था और समाज के व्यापक हित में सरकार उचित प्रतिबंध लगा सकती है।
- स्वतंत्रता का अर्थ असीमित मनमानी करना नहीं है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. लोकतंत्र और अधिकारों के बीच क्या संबंध है? लोकतंत्र में अधिकारों की आवश्यकता क्यों होती है?

उत्तर :
- अधिकारों के बिना लोकतंत्र की स्थापना और संचालन संभव नहीं है।
- प्रत्येक नागरिक को वोट देने का अधिकार होना चाहिए।
- नागरिकों को चुनाव लड़कर प्रतिनिधि बनने का अवसर मिलना चाहिए।
- स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता आवश्यक है।
- लोगों को राजनीतिक दल और संगठन बनाने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।
- अधिकार नागरिकों के जीवन, सम्मान और स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं।
- अधिकार बहुसंख्यकों की मनमानी से अल्पसंख्यकों की रक्षा करते हैं।
- वे सरकार की शक्तियों पर सीमाएँ लगाते हैं।
- चुनी हुई सरकार भी कभी–कभी नागरिकों के अधिकारों का उल्लंघन कर सकती है।
- अधिकार सरकार को नागरिकों पर मनमाने ढंग से शासन करने से रोकते हैं।
- अधिकारों के उल्लंघन पर नागरिक न्यायालय से सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

2. नैतिक अधिकार और कानूनी अधिकार में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : नैतिक अधिकार –
- नैतिक अधिकार उचित और न्यायपूर्ण दावों पर आधारित होते हैं।
- इन्हें कानून की मान्यता प्राप्त होना आवश्यक नहीं है।
- इनके उल्लंघन पर न्यायालय जाना संभव नहीं होता।
- इन्हें लागू कराने वाली कोई निश्चित संस्था नहीं होती।

कानूनी अधिकार –
- कानूनी अधिकारों को कानून द्वारा मान्यता प्राप्त होती है।
- इनके उल्लंघन पर व्यक्ति अदालत जा सकता है।
- न्यायालय इन्हें लागू कराने के लिए आदेश दे सकता है।
- इनके उल्लंघन पर दोषी व्यक्ति को दंडित किया जा सकता है।

भारतीय संविधान में अधिकार

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. गिरफ्तार व्यक्ति को कितने समय के अंदर निकटतम मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत करना आवश्यक है?

(अ) 12 घंटे (ब) 48 घंटे
(स) 24 घंटे (द) 72 घंटे **(स)**

2. संवैधानिक उपचार के अधिकार को संविधान की "आत्मा और हृदय" किसने कहा?

(अ) जवाहरलाल नेहरू
(ब) डॉ. भीमराव अंबेडकर
(स) महात्मा गांधी
(द) डॉ. राजेंद्र प्रसाद **(द)**

रिक्तस्थान –

1. भारतीय संविधान नागरिकों को कुल ..... मौलिक अधिकार प्रदान करता है।

उत्तर : छह

2. सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय मौलिक अधिकारों को लागू कराने के लिए ..... जारी कर सकते हैं।

उत्तर : रिट

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा कौन करता है?

उत्तर : सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करते हैं।

2. भारतीय संविधान द्वारा दिए गए छह मौलिक अधिकारों के नाम लिखिए।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

उत्तर : 1. समानता का अधिकार, 2. स्वतंत्रता का अधिकार, 3. शोषण के विरुद्ध अधिकार, 4. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, 5. सांस्कृतिक एवं शैक्षिक अधिकार, 6. संवैधानिक उपचार का अधिकार

3. बेगार क्या है?

उत्तर : किसी व्यक्ति से बिना मजदूरी या बहुत कम भुगतान देकर जबरन काम कराना बेगार कहलाता है।

4. गिरफ्तार व्यक्ति को कितने समय के अंदर मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत करना आवश्यक है?

उत्तर : गिरफ्तार व्यक्ति को 24 घंटे के अंदर निकटतम मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत करना आवश्यक है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. गिरफ्तार व्यक्ति को कौन–कौन से अधिकार प्राप्त हैं?

उत्तर :
- उसे गिरफ्तारी के कारणों की जानकारी दी जानी चाहिए।
- उसे गिरफ्तारी के 24 घंटे के अंदर निकटतम मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
- उसे वकील से विचार–विमर्श करने का अधिकार है।
- उसे अपने बचाव के लिए वकील रखने का अधिकार है।

2. शोषण के विरुद्ध अधिकार के अंतर्गत कौन–सी तीन बुराइयाँ प्रतिबंधित हैं?

उत्तर :
- मनुष्यों का अवैध व्यापार।
- बेगार या जबरन श्रम।
- खतरनाक कार्यों में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से मजदूरी कराना।

3. संवैधानिक उपचार का अधिकार क्यों महत्त्वपूर्ण है?

उत्तर :
- यह अधिकार अन्य सभी मौलिक अधिकारों को प्रभावी बनाता है।
- अधिकारों के उल्लंघन पर नागरिक उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय जा सकता है।
- न्यायालय अधिकारों को लागू कराने के लिए आदेश, निर्देश या रिट जारी कर सकते हैं।
- न्यायालय पीड़ित व्यक्ति को हर्जाना दिला सकते हैं।
- अधिकारों का उल्लंघन करने वाले कानून और निर्णय अवैध घोषित किए जा सकते हैं।
- इसी कारण इसे संविधान का "हृदय और आत्मा" कहा गया है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. भारत के नागरिकों को प्राप्त छह मौलिक अधिकारों का वर्णन कीजिए।

उत्तर : भारतीय संविधान नागरिकों को निम्नलिखित छह मौलिक अधिकार प्रदान करता है –

1. समानता का अधिकार
- सभी व्यक्ति कानून के सामने समान हैं।
- कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है।
- धर्म, जाति, समुदाय, लिंग और जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता।
- सार्वजनिक स्थानों और सरकारी नौकरियों में समान अवसर प्राप्त है।
- छुआछूत को समाप्त करके दंडनीय अपराध बनाया गया है।

2. स्वतंत्रता का अधिकार
- नागरिकों को निम्न स्वतंत्रताएँ प्राप्त हैंकृ
- विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता।
- शांतिपूर्ण सभा करने की स्वतंत्रता।
- संघ और संगठन बनाने की स्वतंत्रता।
- देश में कहीं भी आने–जाने की स्वतंत्रता।
- देश के किसी भी भाग में रहने–बसने की स्वतंत्रता।
- कोई काम, धंधा या पेशा चुनने की स्वतंत्रता।
- जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार।

3. शोषण के विरुद्ध अधिकार
- मनुष्यों की खरीद–बिक्री पर रोक है।
- बेगार और जबरन श्रम प्रतिबंधित है।
- 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से खतरनाक कामों में मजदूरी नहीं कराई जा सकती।

4. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
- प्रत्येक व्यक्ति को अपना धर्म मानने, पालन करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता है।
- प्रत्येक धार्मिक समूह अपने धार्मिक मामलों का प्रबंधन कर सकता है।
- किसी व्यक्ति का लालच, धोखे या दबाव से धर्म परिवर्तन नहीं कराया जा सकता।
- सरकार किसी धर्म को विशेषाधिकार नहीं दे सकती।

5. सांस्कृतिक एवं शैक्षिक अधिकार
- प्रत्येक भाषायी और सांस्कृतिक समूह अपनी भाषा और संस्कृति की रक्षा कर सकता है।
- धर्म या भाषा के आधार पर शिक्षण संस्थानों में प्रवेश से नहीं रोका जा सकता।
- अल्पसंख्यक अपनी पसंद के शिक्षण संस्थान स्थापित और संचालित कर सकते हैं।

6. संवैधानिक उपचार का अधिकार
- अधिकारों के उल्लंघन पर नागरिक उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय जा सकता है।
- न्यायालय अधिकारों को लागू कराने के लिए आदेश और रिट जारी कर सकते हैं।

पढ़ना चाहें, जहाँ चाहें जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

- यह अधिकार अन्य सभी मौलिक अधिकारों की रक्षा करता है।

2. समानता के अधिकार से आप क्या समझते हैं? इसके प्रमुख प्रावधानों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- सभी व्यक्ति कानून के सामने समान हैं।
- कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है।
- प्रधानमंत्री और सामान्य नागरिक पर एक ही कानून लागू होता है।
- धर्म, जाति, समुदाय, लिंग और जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता।
- दुकानों, होटलों, सिनेमाघरों और अन्य सार्वजनिक स्थानों में प्रवेश से किसी को नहीं रोका जा सकता।
- सार्वजनिक कुएँ, तालाब, सड़क, खेल के मैदान और भवनों के उपयोग से किसी को वंचित नहीं किया जा सकता।
- सरकारी नौकरियों में सभी नागरिकों को अवसर की समानता प्राप्त है।
- कमजोर और पिछड़े वर्गों को विशेष अवसर या आरक्षण दिया जा सकता है।
- विशेष अवसर देना समानता के अधिकार का उल्लंघन नहीं है।
- छुआछूत को समाप्त करके दंडनीय अपराध घोषित किया गया है।

3. मौलिक अधिकारों की रक्षा में स्वतंत्र न्यायपालिका की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- भारत की न्यायपालिका सरकार और संसद से स्वतंत्र है।
- मौलिक अधिकारों के उल्लंघन पर नागरिक उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय जा सकता है।
- न्यायालय सरकारी कानूनों, नीतियों और निर्णयों की जाँच कर सकते हैं।
- मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाले कानून को अवैध घोषित किया जा सकता है।
- न्यायालय अधिकारों को लागू कराने के लिए आदेश, निर्देश और रिट जारी करते हैं।
- न्यायालय पीड़ित व्यक्ति को हर्जाना दिला सकते हैं।
- अधिकारों का उल्लंघन करने वालों को दंडित किया जा सकता है।
- सार्वजनिक हित के मामलों को जनहित याचिका के माध्यम से उठाया जा सकता है।
- न्यायपालिका सरकार की शक्तियों पर नियंत्रण रखती है।
- यह नागरिकों को सरकारी मनमानी से बचाती है।

4. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की भूमिका समझाइए।

उत्तर :
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की स्थापना 1993 में कानून द्वारा की गई।
- यह सरकार से स्वतंत्र आयोग है।
- इसके सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति करते हैं।
- आयोग मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों की स्वतंत्र और विश्वसनीय जाँच करता है।
- यह सरकारी अधिकारियों की उपेक्षा से संबंधित मामलों की भी जाँच करता है।
- आयोग मानवाधिकारों के प्रति चेतना बढ़ाने का कार्य करता है।
- यह अपनी जाँच रिपोर्ट और सुझाव सरकार को देता है।
- यह पीड़ितों की ओर से अदालत में हस्तक्षेप कर सकता है।
- आयोग गवाहों को सम्मन भेजकर बुला सकता है।
- यह सरकारी अधिकारियों से पूछताछ और दस्तावेजों की माँग कर सकता है।
- आयोग जेलों और घटनास्थलों का निरीक्षण कर सकता है।
- आयोग स्वयं किसी को सजा नहीं दे सकता; सजा देने का अधिकार न्यायालय का है।

अधिकारों का बढ़ता दायरा

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. सूचना का अधिकार किस मौलिक अधिकार का विस्तार है?

(अ) समानता के अधिकार का
(ब) धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का
(स) विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का
(द) शोषण के विरुद्ध अधिकार का **(स)**

2. संपत्ति रखने का अधिकार वर्तमान में किस प्रकार का अधिकार है?

(अ) मौलिक अधिकार
(ब) प्राकृतिक अधिकार
(स) संवैधानिक अधिकार
(द) धार्मिक अधिकार **(स)**

रिक्तस्थान –

1. ..... वर्ष तक के बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा देना सरकार की जिम्मेदारी है।

उत्तर : 14

2. नए अधिकार लोगों के ..... से प्राप्त हुए हैं।

उत्तर : संघर्षों

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. सूचना का अधिकार क्या है?

उत्तर : सूचना का अधिकार नागरिकों को सरकारी कार्यालयों से सूचना माँगने और प्राप्त करने का अधिकार देता है।

2. निजता के अधिकार का क्या अर्थ है?

उत्तर : नागरिकों और उनके घरों की अनावश्यक तलाशी, फोन टैपिंग तथा चिट्ठी–पत्री खोलकर पढ़ने से सुरक्षा को निजता का अधिकार कहते हैं।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. अदालतों ने अधिकारों का दायरा किस प्रकार बढ़ाया है?

उत्तर :
- अदालतों ने मौलिक अधिकारों की व्यापक व्याख्या की है।
- प्रेस की स्वतंत्रता को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जोड़ा गया है।
- शिक्षा के अधिकार को मौलिक अधिकारों का विस्तार माना गया है।
- सूचना के अधिकार को विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जोड़ा गया है।
- जीवन के अधिकार में भोजन के अधिकार को शामिल किया गया है।

2. सूचना और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में क्या संबंध है?

उत्तर :
- सूचना प्राप्त करने से नागरिक अपने विचार बना सकते हैं।
- नागरिक सरकारी कार्यों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
- सूचना के आधार पर लोग सरकारी नीतियों पर अपनी राय व्यक्त कर सकते हैं।
- इसलिए सूचना का अधिकार विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का विस्तार है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. भारत में अधिकारों का दायरा किस प्रकार बढ़ा है?

उत्तर :
- मौलिक अधिकार अन्य अनेक अधिकारों के स्रोत बने हैं।
- न्यायालयों ने मौलिक अधिकारों की व्यापक व्याख्या की है।
- प्रेस की स्वतंत्रता को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जोड़ा गया है।
- सूचना का अधिकार विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का विस्तार है।
- नागरिक सरकारी कार्यालयों से सूचना माँग सकते हैं।
- शिक्षा का अधिकार स्थापित किया गया है।
- 14 वर्ष तक के बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा देना सरकार की जिम्मेदारी है।
- सर्वोच्च न्यायालय ने जीवन के अधिकार में भोजन के अधिकार को शामिल किया है।
- संपत्ति का अधिकार अब मौलिक अधिकार न होकर संवैधानिक अधिकार है।
- वोट देने का अधिकार भी एक महत्त्वपूर्ण संवैधानिक अधिकार है।
- लोगों के संघर्षों से नए अधिकार प्राप्त हुए हैं।
- समाज के विकास के साथ नई आवश्यकताएँ और नए अधिकार सामने आए हैं।
- अंतरराष्ट्रीय संधियों और प्रतिज्ञा–पत्रों ने भी अधिकारों का दायरा बढ़ाया है।

2. शिक्षा, सूचना और भोजन के अधिकार का वर्णन कीजिए।

उत्तर : शिक्षा का अधिकार –
- स्कूली शिक्षा प्रत्येक भारतीय बच्चे का अधिकार है।
- 14 वर्ष तक के बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा देना सरकार की जिम्मेदारी है।
- शिक्षा बच्चों के विकास और समान अवसरों के लिए आवश्यक है।

सूचना का अधिकार –
- नागरिकों को सरकारी कार्यालयों से जानकारी माँगने और प्राप्त करने का अधिकार है।
- यह अधिकार विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से निकला है।
- इससे सरकारी कार्यों में पारदर्शिता बढ़ती है।
- नागरिक सरकारी नीतियों और निर्णयों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

भोजन का अधिकार –
- सर्वोच्च न्यायालय ने जीवन के अधिकार का विस्तार किया है।
- जीवन के अधिकार में भोजन के अधिकार को भी शामिल किया गया है।
- भोजन का अधिकार व्यक्ति के सम्मानपूर्ण जीवन के लिए आवश्यक है।

पढ़ें जब चाहें जहाँ चाहें मैरे साथ हैं!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

अर्थशास्त्र

1 पालमपुर गाँव की कहानी

उत्पादन के कारक

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए निम्न में से किसकी आवश्यकता होती है?

(अ) केवल भूमि (ब) केवल श्रम
(स) विभिन्न संसाधनों के समायोजन की
(द) केवल मुद्रा **(ब)**

2. उत्पादन का प्राकृतिक कारक कौन–सा है?

(अ) भूमि (ब) मशीन
(स) नकद धन (द) औजार **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. मशीन, औजार और भवन ..... पूँजी के उदाहरण हैं।

उत्तर : स्थिर

2. बीज, उर्वरक और नकद धन ..... पूँजी के अंतर्गत आते हैं।

उत्तर : कार्यशील

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. उत्पादन के प्रमुख कारक कौन–कौन से हैं?

उत्तर : भूमि, श्रम, भौतिक पूँजी और मानव पूँजी।

2. भूमि को दुर्लभ कारक क्यों कहा गया है?

उत्तर : भूमि की कुल मात्रा सीमित होती है और इसे आवश्यकता अनुसार बढ़ाया नहीं जा सकता है इसलिए भूमि को उत्पादन का दुर्लभ कारक कहा जाता है।

3. श्रम उत्पादन के लिए क्यों आवश्यक है?

उत्तर :
- उत्पादन के सभी कार्य मानव प्रयास से पूरे किए जाते हैं।
- श्रम के बिना भूमि और पूँजी का उपयोग संभव नहीं है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. उत्पादन में श्रम का क्या महत्त्व है?

उत्तर :
- खेती में जुताई, बुआई, सिंचाई और कटाई के लिए श्रम चाहिए।
- छोटे किसान पारिवारिक श्रम का उपयोग करते हैं।
- बड़े किसान किराए के श्रमिक रखते हैं।
- श्रम अन्य उत्पादन कारकों को उपयोगी बनाता है।

2. आधुनिक खेती में पूँजी का महत्त्व क्यों बढ़ गया है?

उत्तर :
- आधुनिक खेती में मशीनों का उपयोग बढ़ा है।
- उन्नत बीज, उर्वरक और कीटनाशक खरीदने पड़ते हैं।
- सिंचाई के लिए बिजली और नलकूपों की आवश्यकता होती है।
- इन सभी के लिए अधिक धन की जरूरत पड़ती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. भूमि को उत्पादन का सीमित और महत्त्वपूर्ण कारक क्यों माना गया है?

उत्तर :
1. भूमि खेती का आधार है।
2. फसल उत्पादन भूमि पर ही किया जाता है।
3. भूमि की कुल मात्रा स्थिर होती है।
4. बढ़ती उत्पादन आवश्यकताओं के अनुसार भूमि को बढ़ाया नहीं जा सकता।
5. एक ही भूमि पर अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक विधियों का उपयोग किया जाता है।
6. भूमि पर अधिक दबाव पड़ने से प्राकृतिक संसाधनों को हानि हो सकती है।
7. इसलिए भूमि और अन्य प्राकृतिक संसाधनों की देखभाल आवश्यक है।

Trick

भूमि आधार, फसल तैयार; भूमि सीमित, बढ़े न यार; आधुनिक ढंग, उत्पादन अधिक; दबाव से हानि, देखभाल जरूरी।

श्रम की व्यवस्था

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. छोटे किसान खेती के लिए श्रम की व्यवस्था सामान्यतः कैसे करते हैं?

(अ) शहर से श्रमिक बुलाकर
(ब) केवल मशीनों से
(स) अपने परिवार के सदस्यों के साथ काम करके
(द) सरकार की सहायता से **(स)**

2. मझोले और बड़े किसान खेतों में काम कराने के लिए किसे नियुक्त करते हैं?

(अ) व्यापारियों को (ब) खेतिहर श्रमिकों को

(स) दुकानदारों को (द) अध्यापकों को **(ब)**

3. खेतिहर श्रमिकों को मजदूरी किस रूप में मिल सकती है?

(अ) केवल अनाज में

(ब) केवल नकद में

(स) केवल भोजन में

(द) नकद, अनाज या भोजन के रूप में **(द)**

रिक्तस्थान –

1. खेतिहर श्रमिकों का फसल पर कोई ..... नहीं होता।

उत्तर : अधिकार

2. मजदूरी नकद या ..... के रूप में दी जा सकती है।

उत्तर : अनाज या फसल

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. खेतिहर श्रमिक सामान्यतः किन परिवारों से आते हैं?

उत्तर :
- भूमिहीन परिवारों से।
- बहुत छोटे भूखंड वाले किसान परिवारों से।

2. हार्वेस्टर के प्रयोग से खेतिहर श्रमिकों पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर : कटाई के समय मिलने वाले रोजगार के अवसर कम हो गए।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. छोटे और बड़े किसान श्रम की व्यवस्था किस प्रकार करते हैं?

उत्तर :
- छोटे किसान स्वयं खेतों में काम करते हैं।
- उनके परिवार के सदस्य भी खेती में सहायता करते हैं।
- मझोले और बड़े किसान बाहरी श्रमिक रखते हैं।
- ये श्रमिक भूमिहीन या छोटे किसान परिवारों से आते हैं।

2. खेतिहर मजदूरी की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

उत्तर :
- मजदूरी नकद या अनाज के रूप में मिल सकती है।
- कभी–कभी भोजन भी दिया जाता है।
- मजदूरी अलग–अलग क्षेत्रों में अलग होती है।
- बुआई और कटाई जैसे कार्यों के लिए मजदूरी भिन्न हो सकती है।
- रोजगार नियमित नहीं होता।

3. खेतिहर श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी से कम भुगतान क्यों मिल सकता है?

उत्तर :
- गाँव में काम के अवसर सीमित होते हैं।
- काम की तलाश करने वाले श्रमिक अधिक होते हैं।
- भूमिहीन श्रमिक रोजगार के लिए बड़े किसानों पर निर्भर रहते हैं।
- कम मजदूरी स्वीकार करना उनकी मजबूरी बन जाती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. पालमपुर में श्रम की व्यवस्था का विस्तार से वर्णन कीजिए।

उत्तर :
1. खेती में जुताई, बुआई, सिंचाई, छिड़काव और कटाई जैसे कार्य होते हैं।
2. छोटे किसान अपने परिवार के सदस्यों के साथ खेत में काम करते हैं।
3. वे बाहरी श्रमिकों पर कम निर्भर रहते हैं।
4. मझोले और बड़े किसान खेतिहर मजदूरों को काम पर रखते हैं।
5. मजदूर भूमिहीन या छोटे भूखंड वाले परिवारों से आते हैं।
6. उन्हें नकद, अनाज या भोजन के रूप में मजदूरी दी जाती है।
7. रोजगार दैनिक, मौसमी या कार्यविशेष के आधार पर मिलता है।
8. काम की कमी के कारण उनकी मजदूरी कम रहती है।

Trick

खेती के कार्य → छोटा किसान परिवार → बाहरी श्रम कम → बड़ा किसान मजदूर → भूमिहीन मजदूर → नकद/अनाज/भोजन → दैनिक/मौसमी/कार्यविशेष → मजदूरी कम

2. श्रम की अधिक उपलब्धता के बावजूद खेतिहर मजदूरों की स्थिति कमजोर क्यों है?

उत्तर :
1. गाँवों में काम की तुलना में श्रमिकों की संख्या अधिक है।
2. अधिकांश श्रमिक भूमिहीन या छोटे किसान हैं।
3. उनके पास आय का कोई स्थायी साधन नहीं है।
4. बड़े किसान मजदूरी की शर्तें तय करते हैं।
5. काम पाने के लिए श्रमिक कम मजदूरी स्वीकार करते हैं।
6. मशीनों के प्रयोग से रोजगार के अवसर कम हो गए हैं।
7. नियमित काम न मिलने के कारण उन्हें कर्ज लेना पड़ता है।

Trick

श्रमिक ज्यादा, जमीन कम; आय नहीं, बड़े की शर्त; कम मजदूरी, मशीन बेरोजगारी; काम नहीं तो कर्ज।

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

खेती के लिए पूँजी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. छोटे किसान सामान्यतः पूँजी की व्यवस्था कैसे करते हैं?
(अ) अधिशेष बेचकर
(ब) बैंक में बचत से
(स) पैसा उधार लेकर
(द) दुकान खोलकर **(स)**

2. मझोले और बड़े किसान खेती के लिए पूँजी कहाँ से प्राप्त करते हैं?
(अ) अपनी बचत से
(ब) केवल साहूकार से
(स) खेतिहर मजदूरों से
(द) दुकानदारों से **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. आधुनिक कृषि विधियों में बड़ी मात्रा में ..... की आवश्यकता होती है।

उत्तर : पूँजी

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. छोटे किसान किनसे ऋण लेते हैं?

उत्तर :
- बड़े किसानों से।
- साहूकारों या कृषि आगत बेचने वाले व्यापारियों से।

2. बड़े किसानों को पूँजी के लिए ऋण लेने की कम आवश्यकता क्यों होती है?

उत्तर :
- उन्हें कृषि उत्पादन से बचत होती है।
- वे अपनी बचत से पूँजी की व्यवस्था कर लेते हैं।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. छोटे किसानों के लिए पूँजी की व्यवस्था कठिन क्यों होती है?

उत्तर :
- उनके खेतों का आकार छोटा होता है।
- कुल उत्पादन कम होता है।
- परिवार के उपभोग के बाद बहुत कम अधिशेष बचता है।
- उनके पास पर्याप्त बचत नहीं होती।
- इसलिए उन्हें ऊँची ब्याज दर पर ऋण लेना पड़ता है।

2. आधुनिक कृषि में पूँजी किन कार्यों के लिए आवश्यक होती है?

उत्तर :
- उन्नत बीज खरीदने के लिए।
- रासायनिक उर्वरक और कीटनाशक लेने के लिए।
- सिंचाई का खर्च चुकाने के लिए।
- मशीन और उपकरण खरीदने के लिए।
- मजदूरी देने के लिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध होने से छोटे किसानों को क्या लाभ हो सकता है?

उत्तर :
1. वे आसानी से बीज और उर्वरक खरीद सकते हैं।
2. सिंचाई और कीटनाशकों का खर्च पूरा कर सकते हैं।
3. ऊँचे ब्याज का बोझ कम हो सकता है।
4. उन्हें बड़े किसानों की कठोर शर्तें स्वीकार नहीं करनी पड़ेंगी।
5. ऋण चुकाने में कठिनाई कम होगी।
6. उनकी कृषि आय का अधिक भाग परिवार के पास बचेगा।
7. वे धीरे–धीरे अपनी बचत बढ़ा सकते हैं।

अधिशेष कृषि उत्पादों की बिक्री

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. किसान उत्पादन का एक भाग अपने पास क्यों रखते हैं?
(अ) बाजार में मूल्य बढ़ाने के लिए
(ब) परिवार के उपभोग के लिए
(स) व्यापारियों को देने के लिए
(द) मशीन खरीदने के लिए **(ब)**

2. बाजार में गेहूँ की अधिक पूर्ति मुख्यतः कौन करते हैं?
(अ) खेतिहर मजदूर
(ब) छोटे किसान
(स) मझोले और बड़े किसान
(द) दुकानदार **(स)**

रिक्तस्थान –

1. अधिशेष की बिक्री से प्राप्त आय का एक भाग अगले मौसम की ..... के लिए बचाया जाता है।

उत्तर : पूँजी

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. छोटे किसानों के पास कम अधिशेष क्यों होता है?

उत्तर :
- उनका कुल उत्पादन कम होता है।
- उत्पादन का बड़ा भाग परिवार के उपभोग में चला जाता है।

2. किसान अपनी बचत का उपयोग किन गैर–कृषि गतिविधियों में कर सकते हैं?

उत्तर :
- पशु या ट्रक खरीदने के लिए।
- दुकान खोलने के लिए।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. अधिशेष की बिक्री बड़े किसानों के लिए क्यों महत्त्वपूर्ण है?

उत्तर :
- इससे उन्हें नकद आय प्राप्त होती है।
- वे खेती की अगली फसल के लिए पूँजी जुटाते हैं।

मिशन ज्ञान
गुरु जन चाहें, जहाँ चाहे, जैसे चाहें!

- नई मशीनें खरीद सकते हैं।
- गैर–कृषि कार्यों में निवेश कर सकते हैं।
- उनकी स्थिर और कार्यशील पूँजी बढ़ती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. छोटे तथा बड़े किसानों के अधिशेष में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 1. छोटे किसानों के पास कम भूमि होती है।
2. उनका कुल उत्पादन कम होता है।
3. उत्पादन का बड़ा भाग परिवार की आवश्यकताओं में उपयोग हो जाता है।
4. इसलिए उनके पास बहुत कम अधिशेष बचता है।
5. बड़े किसानों के पास अधिक भूमि और अधिक उत्पादन होता है।
6. परिवार की जरूरत पूरी होने के बाद पर्याप्त अधिशेष बचता है।
7. वे अधिशेष बेचकर अच्छी कमाई करते हैं।
8. इस कमाई से बचत और पूँजी निर्माण करते हैं।

Trick
छोटा किसान– कम भूमि → कम उत्पादन → परिवार में उपयोग → कम अधिशेष
बड़ा किसान– अधिक भूमि → अधिक उत्पादन → अधिक अधिशेष → बिक्री → कमाई → बचत → पूँजी निर्माण

2. अधिशेष कृषि उत्पादन किस प्रकार पूँजी निर्माण में सहायक होता है?

उत्तर : 1. अधिशेष बाजार में बेचने से किसान को आय मिलती है।
2. आय का पूरा भाग तत्काल खर्च नहीं किया जाता।
3. उसका एक हिस्सा बचत के रूप में रखा जाता है।
4. बचत से अगले मौसम के लिए बीज और उर्वरक खरीदे जाते हैं।
5. मशीन और ट्रैक्टर जैसी स्थिर पूँजी खरीदी जा सकती है।
6. पशु, ट्रक या दुकान में निवेश किया जा सकता है।
7. इस प्रकार अधिशेष नई उत्पादन गतिविधियों का आधार बनता है।

Trick
अधिशेष बेचा – आय मिली, थोड़ा खर्च – थोड़ी बचत; बचत से बीज – खाद, मशीन – पशु – दुकान; फिर नया उत्पादन

गैर–कृषि क्रियाएँ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. पालमपुर में कितने प्रतिशत लोग कृषि के अतिरिक्त अन्य कार्य करते हैं?
(अ) 15 प्रतिशत (ब) 25 प्रतिशत
(स) 50 प्रतिशत (द) 75 प्रतिशत **(ब)**

2. पालमपुर में दूध कहाँ बेचा जाता है?
(अ) रायगंज में (ब) खेतों में
(स) विद्यालय में (द) स्वास्थ्य केंद्र में **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. पालमपुर में कृषि के अतिरिक्त किए जाने वाले कार्य ..... क्रियाएँ कहलाते हैं।

उत्तर : गैर–कृषि

2. पालमपुर के कई परिवारों में ..... एक प्रचलित क्रिया है।

उत्तर : डेयरी

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. पालमपुर की प्रमुख गैर–कृषि क्रियाएँ कौन–सी हैं?

उत्तर :
- डेयरी
- लघु विनिर्माण
- दुकानदारी
- परिवहन

2. पालमपुर के दुकानदार वस्तुएँ कहाँ से खरीदते हैं?

उत्तर : शहरों के थोक बाजारों से।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. पालमपुर में लघुस्तरीय विनिर्माण की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर :
- विनिर्माण छोटे पैमाने पर होता है।
- सरल उत्पादन विधियों का प्रयोग किया जाता है।
- कार्य घरों या खेतों में किया जाता है।
- पारिवारिक श्रम का उपयोग होता है।
- श्रमिक कभी–कभार ही किराए पर लिए जाते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. गाँवों में गैर–कृषि गतिविधियों के विस्तार के लिए आवश्यक परिस्थितियाँ बताइए।

उत्तर : 1. लोगों को कम ब्याज दर पर ऋण मिलना चाहिए।
2. बिना बचत वाले लोग भी पूँजी प्राप्त कर सकें।
3. वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री के लिए बाजार उपलब्ध होने चाहिए।
4. गाँवों को कस्बों और शहरों से अच्छी सड़कों द्वारा जोड़ा जाना चाहिए।
5. परिवहन सेवाओं का विकास होना चाहिए।
6. संचार सुविधाएँ बढ़नी चाहिए।
7. स्थानीय कौशल और श्रम का उपयोग किया जाना चाहिए।
8. इन सुविधाओं से डेयरी, विनिर्माण, दुकानदारी और परिवहन के अवसर बढ़ेंगे।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

2 संसाधन के रूप में लोग

संसाधन के रूप में लोग

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. 'संसाधन के रूप में लोग' से क्या अभिप्राय है?
(अ) केवल देश की कुल जनसंख्या
(ब) देश के कार्यरत लोगों का उत्पादन कौशल और क्षमता
(स) केवल शिक्षित जनसंख्या
(द) केवल ग्रामीण जनसंख्या **(ब)**

2. विद्यमान मानव संसाधन को विकसित करने का प्रमुख साधन क्या है?
(अ) केवल भूमि का विस्तार
(ब) केवल मशीनों की खरीद
(स) शिक्षा और स्वास्थ्य
(द) जनसंख्या में वृद्धि **(स)**

रिक्तस्थान –

1. 'संसाधन के रूप में लोग' देश के ..... लोगों का वर्णन करने का एक तरीका है।

उत्तर : कार्यरत

2. जनसंख्या का संसाधन के रूप में उपयोग न होने पर वह अर्थव्यवस्था के लिए ..... बन सकती है।

उत्तर : दायित्व

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जनसंख्या को किस प्रकार का संसाधन कहा गया है?

उत्तर : मानव संसाधन।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जनसंख्या अर्थव्यवस्था के लिए परिसंपत्ति कैसे बनती है?

उत्तर :
- लोगों को शिक्षा प्रदान की जाती है।
- उन्हें उचित प्रशिक्षण मिलता है।
- स्वास्थ्य सेवाओं से उनकी कार्यक्षमता बढ़ती है।
- वे अधिक उत्पादन और आय अर्जित करने लगते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. जनसंख्या के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- जनसंख्या का सकारात्मक पहलू उसका मानव संसाधन होना है।
- शिक्षित और स्वस्थ लोग उत्पादन तथा आय बढ़ाते हैं।
- वे देश की उत्पादक शक्ति को मजबूत करते हैं।
- जनसंख्या का नकारात्मक पहलू भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं पर बढ़ता दबाव है।
- सुविधाओं की कमी से जनसंख्या दायित्व दिखाई दे सकती है।
- उचित निवेश द्वारा नकारात्मक स्थिति को सकारात्मक बनाया जा सकता है।

2. मानव संसाधन के विकास से देश को क्या लाभ होते हैं?

उत्तर :
- लोगों की उत्पादन क्षमता बढ़ती है।
- कार्य की गुणवत्ता में सुधार होता है।
- अधिक आय अर्जित होती है।
- नई तकनीक अपनाना आसान होता है।
- उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग होता है।
- सकल राष्ट्रीय उत्पाद में वृद्धि होती है।
- जनसंख्या दायित्व के स्थान पर परिसंपत्ति बनती है।

Trick
उत्पादन क्षमता बढ़ी → कार्य अच्छा हुआ → आय बढ़ी → तकनीक अपनाई → संसाधनों का सही उपयोग हुआ → राष्ट्रीय उत्पाद बढ़ा → जनसंख्या परिसंपत्ति बनी।

मानव संसाधन और मानव पूँजी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. मानव संसाधन को मानव पूँजी में कैसे बदला जाता है?
(अ) जनसंख्या बढ़ाकर
(ब) शिक्षा, प्रशिक्षण और चिकित्सा में निवेश करके
(स) कृषि भूमि बढ़ाकर
(द) मशीनें कम करके **(ब)**

2. मानव पूँजी का प्रतिफल किस रूप में दिखाई देता है?
(अ) कम उत्पादन और कम आय
(ब) उच्च उत्पादकता और अधिक आय
(स) जनसंख्या की कमी
(द) काम के अवसरों की कमी **(ब)**

3. सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति ने किसके महत्त्व को उच्च स्थान दिया?

(अ) केवल भूमि
(ब) केवल भौतिक मशीनरी
(स) मानव पूँजी
(द) प्राकृतिक संसाधन **(स)**

रिक्तस्थान –

1. विकसित मानव संसाधन को ..... पूँजी कहा जाता है।

उत्तर : मानव

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मानव संसाधन क्या है?

उत्तर : देश की कार्यरत जनसंख्या और उसकी उत्पादन क्षमता।

2. मानव पूँजी से प्राप्त एक प्रतिफल बताइए।

उत्तर : उच्च उत्पादकता के कारण अधिक आय।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मानव पूँजी भौतिक पूँजी से किस प्रकार भिन्न है?

उत्तर :
- मानव पूँजी मनुष्यों में निहित होती है।
- इसमें ज्ञान, कौशल और स्वास्थ्य शामिल हैं।
- भौतिक पूँजी में मशीनें, उपकरण और भवन आते हैं।
- मानव पूँजी भौतिक पूँजी का कुशल उपयोग करती है।

2. हरित क्रांति मानव पूँजी के महत्त्व को कैसे दर्शाती है?

उत्तर :
- इसमें बेहतर उत्पादन प्रौद्योगिकी का प्रयोग हुआ।
- ज्ञानरूपी आगत का उपयोग किया गया।
- सीमित भूमि की उत्पादकता बढ़ी।
- इससे ज्ञान और तकनीकी कौशल का महत्त्व स्पष्ट हुआ।

3. सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति मानव पूँजी का उदाहरण क्यों है?

उत्तर :
- यह ज्ञान और कौशल पर आधारित है।
- इसमें प्रशिक्षित लोगों की प्रमुख भूमिका है।
- मानव ज्ञान का महत्त्व मशीनरी से अधिक उभरा।
- इसने मानव पूँजी की बढ़ती उपयोगिता दिखाई।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. मानव पूँजी को सबसे महत्त्वपूर्ण पूँजी क्यों माना जा सकता है?

उत्तर :
- मानव पूँजी अन्य संसाधनों का उपयोग करती है।
- मनुष्य भूमि की उत्पादकता बढ़ा सकता है।
- वह मशीनों और तकनीक का संचालन करता है।
- ज्ञान के माध्यम से नई उत्पादन विधियाँ विकसित करता है।
- प्रशिक्षित और स्वस्थ व्यक्ति अधिक आय उत्पन्न करता है।
- इसके बिना भौतिक संसाधनों का उचित उपयोग संभव नहीं होता।

2. मानव पूँजी में निवेश के प्रत्यक्ष लाभों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- अधिक शिक्षा से व्यक्ति की योग्यता बढ़ती है।
- प्रशिक्षण से कार्यकुशलता विकसित होती है।
- बेहतर स्वास्थ्य से श्रम क्षमता बढ़ती है।
- उत्पादकता बढ़ने से व्यक्ति को अधिक आय मिलती है।
- अर्थव्यवस्था को अधिक उत्पादन प्राप्त होता है।
- देश के विकास की गति बढ़ती है।

Trick
व्यक्ति ने शिक्षा ली → प्रशिक्षण पाया → स्वास्थ्य अच्छा हुआ → कार्यक्षमता बढ़ी → आय और उत्पादन बढ़े → देश का विकास हुआ।

मानव पूँजी निर्माण में शिक्षा एवं स्वास्थ्य

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. शिक्षा व्यक्ति की किस क्षमता को बढ़ाती है?

(अ) केवल उपभोग क्षमता
(ब) उत्पादन कौशल और ज्ञान
(स) निर्भरता
(द) बेरोजगारी **(ब)**

2. स्वस्थ लोग अधिक उत्पादक क्यों होते हैं?

(अ) वे कार्य नहीं करते।
(ब) वे नियमित और प्रभावी ढंग से काम कर सकते हैं।
(स) वे दूसरों पर निर्भर रहते हैं।
(द) वे केवल शिक्षा प्राप्त करते हैं। **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. शिक्षित और प्रशिक्षित लोगों की उत्पादकता सामान्यतः ..... होती है।

उत्तर : अधिक

2. शिक्षा और स्वास्थ्य लोगों को अर्थव्यवस्था के लिए ..... बनाते हैं।

उत्तर : परिसंपत्ति

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. प्रशिक्षण से व्यक्ति को क्या प्राप्त होता है?

उत्तर : विशिष्ट कार्य करने का व्यावहारिक कौशल।

पहले सब पढ़ें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

2. अस्वस्थ व्यक्ति के काम पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर : उसकी कार्यक्षमता और उत्पादकता कम हो जाती है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. शिक्षा और स्वास्थ्य एक–दूसरे के पूरक कैसे हैं?

उत्तर :
- शिक्षा से व्यक्ति को ज्ञान और कौशल मिलता है।
- स्वास्थ्य उसे उस कौशल का उपयोग करने योग्य बनाता है।
- अस्वस्थ शिक्षित व्यक्ति पूरी क्षमता से काम नहीं कर सकता।
- दोनों मिलकर उच्च उत्पादकता उत्पन्न करते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. शिक्षा और स्वास्थ्य के अभाव का मानव संसाधन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर :
- शिक्षा के अभाव में कौशल कम रहता है।
- व्यक्ति नई तकनीक नहीं अपना पाता।
- खराब स्वास्थ्य से कार्यक्षमता घटती है।
- उत्पादन और आय दोनों कम हो सकते हैं।
- व्यक्ति दूसरों पर निर्भर हो सकता है।
- जनसंख्या अर्थव्यवस्था के लिए परिसंपत्ति के स्थान पर दायित्व बन सकती है।

2. "शिक्षा और स्वास्थ्य पर किया गया व्यय खर्च नहीं, निवेश है।" स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- शिक्षा व्यक्ति का ज्ञान और कौशल बढ़ाती है।
- स्वास्थ्य सेवा उसकी कार्यक्षमता बनाए रखती है।
- दोनों से उत्पादन क्षमता बढ़ती है।
- उच्च उत्पादकता अधिक आय प्रदान करती है।
- अर्थव्यवस्था को अधिक वस्तुएँ और सेवाएँ मिलती हैं।
- इनसे भविष्य में प्रतिफल प्राप्त होता है।
- इसलिए इन्हें साधारण खर्च के बजाय निवेश माना जाता है।

Trick

शिक्षा और स्वास्थ्य बेहतर हुए → कार्यक्षमता बढ़ी → उत्पादन बढ़ा → आय बढ़ी → वस्तुएँ व सेवाएँ बढ़ीं → भविष्य में लाभ मिला →यह निवेश कहलाया।

बेरोजगारी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारत में बेरोजगारी कहाँ पाई जाती है?

(अ) केवल ग्रामीण क्षेत्रों में
(ब) केवल शहरी क्षेत्रों में
(स) ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में
(द) केवल औद्योगिक क्षेत्रों में **(स)**

रिक्तस्थान –

1. बेरोजगारी से ..... संसाधन की बर्बादी होती है।

उत्तर : जनशक्ति

2. बेरोजगारी में वृद्धि अर्थव्यवस्था में ..... का संकेत होती है।

उत्तर : मंदी

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. बेरोजगारी क्या है?

उत्तर : काम करने के इच्छुक और योग्य व्यक्ति को रोजगार न मिलने की स्थिति बेरोजगारी कहलाती है।

2. ग्रामीण बेरोजगारी के दो प्रकार कौन–से हैं?

उत्तर : मौसमी और प्रच्छन्न बेरोजगारी।

3. शहरी क्षेत्रों में कौन–सी बेरोजगारी अधिक पाई जाती है?

उत्तर : शिक्षित बेरोजगारी।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारत में ग्रामीण और शहरी बेरोजगारी की प्रकृति में अंतर बताइए।

उत्तर :
- ग्रामीण क्षेत्रों में मौसमी बेरोजगारी पाई जाती है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में प्रच्छन्न बेरोजगारी भी सामान्य है।
- शहरी क्षेत्रों में शिक्षित बेरोजगारी अधिक मिलती है।
- दोनों क्षेत्रों में बेरोजगारी के कारण और स्वरूप अलग हैं।

2. भारत में बेरोजगारी की दर कम क्यों दिखाई देती है?

उत्तर :
- कम आय वाले लोगों को भी नियोजित माना जाता है।
- कम उत्पादकता वाला कार्य भी रोजगार में गिना जाता है।
- गरीब लोग बेरोजगार नहीं बैठ सकते।
- वे जीवन–निर्वाह के लिए कोई भी छोटा काम कर लेते हैं।

3. बेरोजगारी व्यक्ति के जीवन को कैसे प्रभावित करती है?

उत्तर :
- आय का अभाव हो जाता है।
- परिवार का भरण–पोषण कठिन होता है।
- निराशा और हताशा उत्पन्न होती है।
- जीवन की गुणवत्ता गिरती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. बेरोजगारी को अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर समस्या क्यों माना जाता है?

उत्तर :
- इससे जनशक्ति संसाधन की बर्बादी होती है।
- संभावित परिसंपत्ति दायित्व में बदल जाती है।
- उत्पादन और राष्ट्रीय आय कम रहती है।

- बेरोजगार लोग कार्यरत जनसंख्या पर निर्भर हो जाते हैं।
- परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ता है।
- युवाओं में निराशा और हताशा उत्पन्न होती है।
- यह अर्थव्यवस्था में मंदी का संकेत बनती है।

Trick बर्बादी → दायित्व → कम उत्पादन → निर्भरता → बोझ → निराशा → मंदी

2. बेरोजगारी की सांख्यिकीय दर वास्तविक स्थिति को पूरी तरह क्यों नहीं दर्शाती?

उत्तर :
- बहुत कम आय वाले काम को भी रोजगार माना जाता है।
- कम उत्पादकता वाले लोग नियोजित लोगों में गिने जाते हैं।
- कई व्यक्ति अपनी क्षमता से कम स्तर का कार्य करते हैं।
- गरीब लोग बिना काम के नहीं रह सकते।
- वे जीवन–निर्वाह के लिए कोई भी काम स्वीकार कर लेते हैं।
- इसलिए दर्ज बेरोजगारी वास्तविक बेरोजगारी से कम दिखाई देती है।

3. बेरोजगारी का व्यक्ति, परिवार और समाज पर प्रभाव समझाइए।

उत्तर :
- व्यक्ति को पर्याप्त आय प्राप्त नहीं होती।
- परिवार का भरण–पोषण कठिन हो जाता है।
- बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य प्रभावित हो सकते हैं।
- बेरोजगार व्यक्ति में निराशा और हताशा बढ़ती है।
- कार्यरत लोगों पर निर्भरता बढ़ती है।
- समाज की जीवन–गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
- अर्थव्यवस्था उपयोगी मानव संसाधन से वंचित रहती है।

Trick आय नहीं मिली → परिवार चलाना कठिन हुआ → बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य प्रभावित हुए → व्यक्ति निराश हुआ → कार्यरत लोगों पर निर्भरता बढ़ी → समाज की जीवन–गुणवत्ता घटी → अर्थव्यवस्था मानव संसाधन से वंचित रह गई।

मौसमी बेरोजगारी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. मौसमी बेरोजगारी मुख्यतः किस क्षेत्र से जुड़ी है?

(अ) कृषि (ब) सूचना प्रौद्योगिकी
(स) बैंकिंग (द) चिकित्सा **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. वर्ष के कुछ महीनों में रोजगार न मिलने की स्थिति को ..... बेरोजगारी कहते हैं।

उत्तर : मौसमी

2. मौसमी बेरोजगारी सामान्यतः ..... पर निर्भर लोगों में पाई जाती है।

उत्तर : कृषि

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. कृषि के दो व्यस्त कार्य बताइए।

उत्तर : बोआई और कटाई।

2. कृषि मजदूरों को पूरे वर्ष काम क्यों नहीं मिलता?

उत्तर : कृषि कार्य मौसम के अनुसार होते हैं।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मौसमी बेरोजगारी का श्रमिकों की आय पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर :
- उन्हें पूरे वर्ष नियमित आय नहीं मिलती।
- खाली महीनों में आय कम या समाप्त हो जाती है।
- परिवार का भरण–पोषण कठिन होता है।
- जीवन–निर्वाह में असुरक्षा बढ़ती है।

2. मौसमी बेरोजगारी और पूर्ण रोजगार में अंतर बताइए।

उत्तर :
- मौसमी बेरोजगारी में कुछ महीनों तक काम नहीं मिलता।
- पूर्ण रोजगार में व्यक्ति को नियमित काम मिलता है।
- मौसमी रोजगार की अवधि सीमित होती है।
- पूर्ण रोजगार में आय अपेक्षाकृत नियमित रहती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. मौसमी बेरोजगारी और प्रच्छन्न बेरोजगारी में अंतर बताइए।

उत्तर :
- मौसमी बेरोजगारी में वर्ष के कुछ महीनों में काम नहीं मिलता।
- प्रच्छन्न बेरोजगारी में व्यक्ति काम करता हुआ दिखाई देता है।
- मौसमी बेरोजगारी समय की कमी से जुड़ी है।
- प्रच्छन्न बेरोजगारी आवश्यकता से अधिक श्रमिकों से जुड़ी है।
- मौसमी बेरोजगार व्यक्ति खाली मौसम में बेरोजगार रहता है।
- प्रच्छन्न बेरोजगार को हटाने पर उत्पादन कम नहीं होता।

Trick **मौसमी बेरोजगारी** = काम है, लेकिन पूरे वर्ष नहीं।
प्रच्छन्न बेरोजगारी = लोग अधिक हैं, काम कम है।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

प्रच्छन्न बेरोजगारी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. प्रच्छन्न बेरोजगारी में लोग कैसे दिखाई देते हैं?
(अ) पूर्णतः बेरोजगार (ब) कार्यरत
(स) केवल शिक्षित (द) केवल शहरी **(ब)**

2. प्रच्छन्न बेरोजगार लोगों को काम से हटाने पर क्या होता है?
(अ) उत्पादन पूरी तरह रुक जाता है।
(ब) कुल उत्पादन में कोई कमी नहीं होती।
(स) उत्पादन आधा हो जाता है।
(द) उत्पादन निश्चित रूप से बढ़ जाता है। **(ब)**

3. प्राथमिक क्षेत्रक में स्वरोजगार की कौन–सी विशेषता प्रच्छन्न बेरोजगारी बढ़ाती है?
(अ) केवल एक व्यक्ति काम करता है।
(ब) आवश्यकता न होने पर भी पूरा परिवार खेत पर काम करता है।
(स) सभी लोग शहर चले जाते हैं।
(द) खेत में मशीनों का उपयोग नहीं होता। **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. अतिरिक्त श्रमिकों को हटाने पर कुल ..... में कमी नहीं होती।

उत्तर : उत्पादन

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. कृषि में पूरा परिवार काम करने से कौन–सी बेरोजगारी उत्पन्न हो सकती है?

उत्तर : प्रच्छन्न बेरोजगारी।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. कृषि क्षेत्र में प्रच्छन्न बेरोजगारी कैसे उत्पन्न होती है?

उत्तर :
- खेत छोटा होता है।
- आवश्यक श्रमिकों से अधिक परिवारजन काम करते हैं।
- सभी लोग उत्पादन में लगे दिखाई देते हैं।
- कुछ लोगों को हटाने पर उत्पादन समान रहता है।

2. पाँच और आठ श्रमिकों के उदाहरण से प्रच्छन्न बेरोजगारी समझाइए।

उत्तर :
- किसी काम के लिए पाँच श्रमिक पर्याप्त हैं।
- उस काम में आठ लोग लगे हैं।
- तीन अतिरिक्त लोगों की आवश्यकता नहीं है।
- अतिरिक्त श्रमिकों को हटाने पर भी कुल उत्पादन में भी कमी नहीं होती हैं।

3. प्रच्छन्न बेरोजगारी परिवार की गरीबी कम क्यों नहीं करती?

उत्तर :
- काम करने वालों की संख्या अधिक होती है।
- उत्पादन में समान अनुपात में वृद्धि नहीं होती।
- आय अधिक लोगों में बाँटी जाती है।
- प्रति व्यक्ति आय कम बनी रहती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. प्रच्छन्न बेरोजगारी और वास्तविक रोजगार में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- वास्तविक रोजगार में व्यक्ति उत्पादन में आवश्यक योगदान देता है।
- उसे हटाने पर उत्पादन प्रभावित होता है।
- प्रच्छन्न बेरोजगारी में व्यक्ति कार्यरत दिखाई देता है।
- उसका सीमांत योगदान लगभग नहीं होता।
- उसे हटाने पर कुल उत्पादन कम नहीं होता।
- वास्तविक रोजगार उत्पादक होता है, जबकि प्रच्छन्न रोजगार श्रम की बर्बादी दर्शाता है।
- मौसमी बेरोजगार व्यक्ति खाली मौसम में बेरोजगार रहता है।
- प्रच्छन्न बेरोजगार को हटाने पर उत्पादन कम नहीं होता।

Trick जो उत्पादन बढ़ाए वह वास्तविक, जो केवल संख्या बढ़ाए वह प्रच्छन्न।

2. प्रच्छन्न बेरोजगारी जनशक्ति संसाधन की बर्बादी कैसे है?

उत्तर :
- अतिरिक्त श्रमिक अपनी पूरी क्षमता का उपयोग नहीं करते।
- उनका श्रम उत्पादन में वृद्धि नहीं करता।
- वे किसी अन्य उपयोगी काम में लगाए जा सकते हैं।
- वर्तमान काम में उनका समय और कौशल व्यर्थ होता है।
- अर्थव्यवस्था संभावित अतिरिक्त उत्पादन से वंचित रहती है।
- इसलिए यह जनशक्ति संसाधन की बर्बादी है।

Trick अधिक श्रमिक, कम योगदान = जनशक्ति की बर्बादी

शिक्षित बेरोजगारी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. शिक्षित बेरोजगारी मुख्यतः कहाँ पाई जाती है?
(अ) ग्रामीण क्षेत्रों में (ब) शहरी क्षेत्रों में
(स) केवल खेतों में (द) केवल छोटे गाँवों में **(ब)**

2. निम्न में से कौन शिक्षित बेरोजगारी से प्रभावित हो सकता है?
(अ) केवल अशिक्षित व्यक्ति
(ब) मैट्रिक, स्नातक और स्नातकोत्तर युवक
(स) केवल किसान
(द) केवल दर्जी **(ब)**

3. शिक्षित बेरोजगारी भारत के लिए कैसी समस्या है?
(अ) असामान्य और समाप्त हो चुकी
(ब) सामान्य और विशेष
(स) केवल कृषि से जुड़ी
(द) केवल मौसमी **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. शिक्षित बेरोजगारी से शिक्षा में लगाए गए ..... की बर्बादी होती है।

उत्तर : संसाधनों

2. आर्थिक संवृद्धि के लिए आवश्यक तकनीकी ..... वाले लोगों की कमी भी हो सकती है।

उत्तर : कौशल

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. शिक्षित बेरोजगारी की विरोधाभासी स्थिति क्या है?

उत्तर : एक ओर तकनीकी रूप से योग्य युवक बेरोजगार है, जबकि दूसरी ओर आबश्यक तकनीकी कौशल वाले लोगों की कमी है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. शिक्षित बेरोजगारी को भारत की विशेष समस्या क्यों कहा गया है?

उत्तर :
- बड़ी संख्या में शिक्षित युवक रोजगार नहीं पाते।
- मैट्रिक से स्नातकोत्तर तक के लोग प्रभावित हैं।
- तकनीकी योग्यता वाले लोग भी बेरोजगार हैं।
- दूसरी ओर आवश्यक तकनीकी कौशल की कमी बनी हुई है।

2. शिक्षित बेरोजगारी युवाओं को कैसे प्रभावित करती है?

उत्तर :
- उनमें निराशा उत्पन्न होती है।
- हताशा और असंतोष बढ़ता है।
- वे आर्थिक रूप से निर्भर रहते हैं।
- उनका ज्ञान और कौशल निष्क्रिय रह जाता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. शिक्षित बेरोजगारी व्यक्ति और अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक क्यों है?

उत्तर :
- व्यक्ति की शैक्षिक योग्यता और कौशल का उचित उपयोग नहीं हो पाता है।
- उसे आय प्राप्त नहीं होती।
- वह परिवार पर निर्भर रहता है।
- युवाओं में निराशा और हताशा बढ़ती है।
- शिक्षा पर खर्च किए गए संसाधन व्यर्थ होते हैं।
- अर्थव्यवस्था प्रशिक्षित जनशक्ति के योगदान से वंचित रहती है।
- संभावित परिसंपत्ति दायित्व बन जाती है।

Trick पढ़ाई बेकार, आय से इनकार, परिवार पर भार, देश का नुकसान अपार

2. शिक्षित बेरोजगारी और अशिक्षित बेरोजगारी में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- शिक्षित बेरोजगार वह व्यक्ति है, जिसने औपचारिक शिक्षा प्राप्त की हो, परन्तु उसे अपनी योग्यता के अनुसार रोजगार न मिले।
- वह योग्यता के बाद भी रोजगार नहीं पाता।
- अशिक्षित बेरोजगार के पास औपचारिक योग्यता कम या नहीं होती।
- शिक्षित बेरोजगारी से शिक्षा में किए गए निवेश की भी बर्बादी होती है।
- यह शहरी क्षेत्रों में अधिक सामान्य है।
- दोनों स्थितियों में जनशक्ति का उपयोग नहीं हो पाता।

Trick **शिक्षित बेरोजगार** = योग्यता है, नौकरी नहीं।
अशिक्षित बेरोजगार = औपचारिक योग्यता कम या नहीं।

बेरोजगारी के दुष्प्रभाव

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. बेरोजगारी युवाओं में कौन–सी भावना उत्पन्न करती है?
(अ) उत्साह और संतोष
(ब) निराशा और हताशा
(स) आत्मनिर्भरता
(द) प्रसन्नता **(ब)**

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

रिक्तस्थान –

1. बेरोजगार लोगों की कार्यरत जनसंख्या पर ..... बढ़ जाती है।

उत्तर : निर्भरता

2. बेरोजगारी व्यक्ति और समाज के जीवन की ..... को प्रभावित करती है।

उत्तर : गुणवत्ता

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. बेरोजगारी में वृद्धि किस आर्थिक स्थिति का संकेत है?

उत्तर : मंदी का।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. बेरोजगारी से परिवार का जीवन–स्तर क्यों गिरता है?

उत्तर :
- परिवार की आय कम हो जाती है।
- आवश्यक वस्तुओं पर खर्च कठिन होता है।
- शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च प्रभावित होता है।
- जीवन की गुणवत्ता में गिरावट आती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. बेरोजगारी के सामाजिक और व्यक्तिगत दुष्प्रभाव समझाइए।

उत्तर :
- व्यक्ति में निराशा और हताशा बढ़ती है।
- आत्मनिर्भरता कम होती है।
- परिवार का भरण–पोषण कठिन हो जाता है।
- कार्यरत सदस्यों पर दबाव बढ़ता है।
- व्यक्ति और समाज की जीवन–गुणवत्ता गिरती है।
- शिक्षित युवाओं में असंतोष उत्पन्न होता है।
- सामाजिक और आर्थिक असुरक्षा बढ़ती है।

बेरोजगारी के दुष्प्रभाव

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. द्वितीयक क्षेत्रक में श्रम का अधिक अवशोषण किसमें होता है?

(अ) छोटे पैमाने के विनिर्माण में
(ब) खेती में
(स) अध्यापन में
(द) चिकित्सा में **(अ)**

2. सूचना प्रौद्योगिकी किस क्षेत्रक की सेवा है?

(अ) प्राथमिक (ब) द्वितीयक
(स) तृतीयक (द) कृषि **(स)**

3. जैव–प्रौद्योगिकी जैसी नई सेवाएँ किस क्षेत्रक में सामने आ रही हैं?

(अ) प्राथमिक क्षेत्रक
(ब) तृतीयक क्षेत्रक
(स) केवल कृषि क्षेत्रक
(द) खनन क्षेत्रक **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. कृषि के ..... श्रम का कुछ भाग अन्य क्षेत्रकों में चला गया है।

उत्तर : अधिशेष

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. सर्वाधिक श्रम अवशोषित करने वाला क्षेत्रक कौन–सा है?

उत्तर : कृषि क्षेत्रक।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. कृषि से अन्य क्षेत्रकों में श्रमिकों का स्थानांतरण क्यों होता है?

उत्तर :
- कृषि में आवश्यकता से अधिक श्रमिक हैं।
- प्रच्छन्न बेरोजगारी पाई जाती है।
- प्रति व्यक्ति आय कम रहती है।
- श्रमिक बेहतर रोजगार के लिए अन्य क्षेत्रकों में जाते हैं।

2. तीनों क्षेत्रक रोजगार की दृष्टि से एक–दूसरे से कैसे जुड़े हैं?

उत्तर :
- कृषि प्राथमिक रोजगार प्रदान करती है।
- कृषि का अधिशेष श्रम विनिर्माण में जा सकता है।
- विनिर्माण द्वितीयक क्षेत्रक का विकास करता है।
- सेवाएँ उत्पादन और लोगों की आवश्यकताओं को सहायता देती हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. तृतीयक क्षेत्रक में उभरती नई सेवाओं का महत्त्व बताइए।

उत्तर :
- तृतीयक क्षेत्रक सेवाओं पर आधारित है।
- सूचना प्रौद्योगिकी नई प्रकार की नौकरियाँ उत्पन्न करती है।
- जैव–प्रौद्योगिकी भी रोजगार के अवसर प्रदान करती है।
- इन क्षेत्रों में शिक्षित और प्रशिक्षित लोगों की आवश्यकता होती है।
- इससे मानव पूँजी का उपयोग बढ़ता है।
- कृषि पर निर्भरता कम करने में सहायता मिलती है।
- अर्थव्यवस्था आधुनिक आर्थिक क्रियाओं की ओर बढ़ती है।

Trick

IT - बायो रोजगार बढ़ाएँ, कृषि से आधुनिक अर्थव्यवस्था की ओर ले जाएँ।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

एक गाँव की कहानी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. गाँव के एक परिवार ने अपने बेटे को कहाँ भेजा?
(अ) चिकित्सा महाविद्यालय
(ब) कृषि महाविद्यालय
(स) विधि महाविद्यालय
(द) सैनिक विद्यालय **(ब)**

2. कृषि–इंजीनियर बने युवक ने क्या तैयार किया?
(अ) सिलाई मशीन (ब) उन्नत किस्म के हल का नमूना
(स) विद्यालय का भवन
(द) बाजार की दुकान **(ब)**

3. उन्नत हल के उपयोग से किसकी उपज बढ़ी?
(अ) चावल (ब) कपास
(स) गेहूँ (द) चाय **(स)**

4. गाँव में स्कूल किसकी सहायता से खोला गया?
(अ) केवल शिक्षक की सहायता से
(ब) पंचायत और सरकार की सहायता से
(स) केवल किसान की सहायता से
(द) दर्जी की सहायता से **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. सिलाई का प्रशिक्षण प्राप्त लड़की ने गाँव में ..... का नया काम शुरू किया।

उत्तर : दर्जी

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. गाँव के परिवार प्रारंभ में अपनी आवश्यकताएँ कैसे पूरी करते थे?

उत्तर : वे अपनी आवश्यकताओं की वस्तुएँ स्वयं तैयार करते थे।

2. गाँव में एग्रो–इंजीनियरिंग का नया काम कैसे बना?

उत्तर : युवक ने उन्नत हल का नमूना तैयार किया।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. गाँव आधुनिक आर्थिक क्रियाकलापों का स्थल कैसे बना?

उत्तर :
- शिक्षा के अवसर बढ़े।
- कृषि–इंजीनियर का काम शुरू हुआ।
- शिक्षक और दर्जी के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न हुए।
- मानव पूँजी के विकास से अनेक नए कार्य उत्पन्न हुए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. "मानव पूँजी के बढ़ते स्तर ने गाँव को आधुनिक आर्थिक क्रियाकलापों के स्थल में बदल दिया।" स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- प्रारंभ में गाँव में औपचारिक रोजगार के अवसर नहीं थे।
- कृषि शिक्षा ने उन्नत उत्पादन तकनीक उपलब्ध कराई।
- बढ़ी हुई उपज से अधिशेष और लाभ उत्पन्न हुआ।
- स्कूल खुलने से शिक्षा और शिक्षक का रोजगार आया।
- सिलाई प्रशिक्षण से दर्जी का नया व्यवसाय शुरू हुआ।
- स्थानीय सेवाओं से किसानों का समय बचा और उत्पादन बढ़ा।
- शिक्षक, दर्जी, कृषि–इंजीनियर जैसे नए रोजगार के अवसर विकसित हुए।
- इस प्रकार शिक्षा और कौशल रूपी मानव पूँजी ने गाँव को जटिल और आधुनिक अर्थव्यवस्था में बदल दिया।

Trick
शिक्षा – खेती –
स्कूल – सिलाई – सेवा
= **आधुनिक गाँव।**

3 निर्धनता: एक चुनौति

परिचय

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. गाँवों में निर्धनता का उदाहरण किसे माना गया है?
(अ) बड़े किसान (ब) भूमिहीन श्रमिक
(स) सरकारी कर्मचारी
(द) व्यापारी **(ब)**

2. निर्धनता की समस्या के विश्लेषण के लिए नीति आयोग किसका प्रयोग करता है?
(अ) जनसंख्या सूचकांक
(ब) मूल्य सूचकांक
(स) बहुआयामी निर्धनता सूचकांक
(द) उत्पादन सूचकांक **(स)**

3. वर्ष 2005–06 में बहुआयामी निर्धनों का अनुपात लगभग कितना था?
(अ) 15 प्रतिशत (ब) 25 प्रतिशत
(स) 45 प्रतिशत (द) 55 प्रतिशत **(द)**

रिक्तस्थान –

1. निर्धनता का विश्लेषण करने के लिए ..... आयोग बहुआयामी निर्धनता सूचकांक का प्रयोग करता है।

उत्तर : नीति

2. वर्ष 2019–21 में बहुआयामी निर्धनता घटकर ..... प्रतिशत रह गई।

उत्तर : 15

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. बहुआयामी निर्धनता के संबंध में क्या आशा व्यक्त की गई है?

उत्तर : इसके शीघ्र ही एकल संख्या में आने की आशा है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. नीति आयोग निर्धनता का विश्लेषण कैसे करता है?

उत्तर :
- नीति आयोग बहुआयामी निर्धनता सूचकांक का प्रयोग करता है।
- इसमें निर्धनता के अनेक पक्षों को देखा जाता है।
- इससे निर्धनों के अनुपात में परिवर्तन ज्ञात होता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. निर्धनता की समस्या का परिचय उदाहरणों सहित दीजिए।

उत्तर :
- निर्धनता हमारे दैनिक जीवन में दिखाई देने वाली समस्या है।
- गाँवों के भूमिहीन श्रमिक इसका उदाहरण हैं।
- शहरों की भीड़ भरी झुग्गियों में रहने वाले लोग भी निर्धन माने जाते हैं।
- निर्धनता का अध्ययन बहुआयामी निर्धनता सूचकांक से किया जाता है।

2. ग्रामीण और शहरी निर्धनता की सामान्य स्थिति स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- ग्रामीण क्षेत्र में भूमिहीन श्रमिक निर्धनता से प्रभावित होते हैं।
- शहरी क्षेत्र में अनेक निर्धन लोग झुग्गियों में रहते हैं।
- दोनों क्षेत्रों के निर्धन आवश्यक सुविधाओं से वंचित हो सकते हैं।
- निर्धनता देश के सामने एक गंभीर चुनौती है।

निर्धनता के अनुमान

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. वर्ष 2011–12 में ग्रामीण हेड काउंट रेशियो कितना था?
(अ) 14 प्रतिशत (ब) 26 प्रतिशत
(स) 34 प्रतिशत (द) 42 प्रतिशत **(ब)**

2. वर्ष 2009–10 में कुल हेड काउंट रेशियो कितना था?
(अ) 21 प्रतिशत (ब) 26 प्रतिशत
(स) 30 प्रतिशत (द) 37 प्रतिशत **(स)**

रिक्तस्थान –

1. वर्ष 2011–12 में शहरी हेड काउंट रेशियो ..... प्रतिशत था।

उत्तर : 14

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. वर्ष 2011–12 में कुल निर्धनता अनुपात कितना था?

उत्तर : 22 प्रतिशत।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. निर्धनता अनुमान ग्रामीण और शहरी अंतर को कैसे दर्शाते हैं?

उत्तर :
- प्रत्येक दिए गए वर्ष में ग्रामीण अनुपात अधिक रहा।
- शहरी निर्धनता अनुपात अपेक्षाकृत कम रहा।
- समय के साथ दोनों क्षेत्रों में गिरावट आई।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. निर्धनता के आँकड़े भारत में हुई प्रगति को कैसे दर्शाते हैं?

उत्तर :
- खपत आधारित निर्धनता अनुपात लगातार घटा है।
- ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में कमी हुई है।
- बहुआयामी निर्धनता में भी स्पष्ट गिरावट आई है।
- इसके बावजूद ग्रामीण निर्धनता शहरी निर्धनता से अधिक है।

राष्ट्रीय बहुआयामी निर्धनता सूचकांक के 12 सूचक

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. राष्ट्रीय बहुआयामी निर्धनता सूचकांक किस संस्था ने तैयार किया?

(अ) भारतीय रिजर्व बैंक
(ब) नीति आयोग
(स) निर्वाचन आयोग
(द) वित्त आयोग **(ब)**

2. किसी सदस्य का बैंक या डाकघर में खाता न होना किस सूचक से संबंधित है?

(अ) संपत्ति (ब) बैंक खाता
(स) आवास (द) स्वच्छता **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. राष्ट्रीय बहुआयामी निर्धनता सूचकांक में कुल ..... सूचक हैं।

उत्तर : 12

2. छह वर्ष की स्कूली शिक्षा पूरी न होना ..... शिक्षा के वर्षों का सूचक है।

उत्तर : स्कूली शिक्षा के वर्ष

3. उपलों, लकड़ी या कोयले से खाना बनाना खाना पकाने के ..... से संबंधित वंचना है।

उत्तर : ईंधन

4. घर में उन्नत शौच सुविधा का अभाव ..... संबंधी वंचना है।

उत्तर : स्वच्छता

5. घर की कच्ची छत, दीवार या प्राकृतिक सामग्री से बना तल ..... संबंधी वंचना दर्शाता है।

उत्तर : आवास

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. पोषण संबंधी वंचना में किन आयु समूहों की जाँच की जाती है?

उत्तर : 0–59 माह के बच्चे, 15–49 वर्ष की महिलाएँ और 15–54 वर्ष के पुरुष।

2. मातृ स्वास्थ्य संबंधी वंचना कब मानी जाती है?

उत्तर : जब प्रसव के दौरान प्रशिक्षित कुशल चिकित्सक की सहायता न मिली हो।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. शिक्षा से संबंधित दो सूचक समझाइए।

उत्तर :
- 10 वर्ष या उससे बड़े बच्चे का छह वर्ष की स्कूली शिक्षा पूरी न करना।
- विद्यालय जाने की आयु का बच्चा स्कूल में उपस्थित न होना।
- ऐसी स्थिति में घर को वंचित माना जाता है।

2. स्वच्छता और पेयजल संबंधी वंचना बताइए।

उत्तर :
- उन्नत शौच सुविधा का अभाव स्वच्छता वंचना है।
- साझा की गई सुधरी शौच सुविधा भी वंचना में आती है।
- जब सुरक्षित पेयजल लाने के लिए आने जाने में कुल 30 मिनट या उससे अधिक समय लगता है तो परिवार को पेयजल के मामले में बंचित माना जाता हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. जीवन–स्तर से संबंधित प्रमुख वंचनाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- अस्वच्छ ईंधन का प्रयोग स्वास्थ्य और जीवन–स्तर की कमी दर्शाता है।
- शौच सुविधा और सुरक्षित पेयजल का अभाव वंचना है।
- कच्चा या अपर्याप्त आवास भी वंचना का आधार है।
- बिजली, संपत्ति और बैंक खाते की कमी भी शामिल है।

2. किसी परिवार को बहुआयामी निर्धन मानने के आधार स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- परिवार की पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा की स्थिति देखी जाती है।
- ईंधन, स्वच्छता, पेयजल और आवास की सुविधाएँ जाँची जाती हैं।
- बिजली, संपत्ति और बैंक खाते की उपलब्धता पर विचार होता है।
- निर्धारित सूचकों से वंचित परिवार बहुआयामी निर्धन माना जाता है।

Trick **पोषण–स्वास्थ्य–शिक्षा के बाद, ईंधन–स्वच्छ पानी–आवास और बिजली–संपत्ति–बैंक जाँचो**

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

हेड काउंट रेशियो

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. किस वर्ष शहरी हेड काउंट रेशियो सबसे कम था?

(अ) 1993–94 (ब) 2004–05
(स) 2009–10 (द) 2011–12 **(द)**

रिक्तस्थान –

1. 1993–94 में कुल हेड काउंट रेशियो ..... प्रतिशत था।

उत्तर : 45

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. किस क्षेत्र का हेड काउंट रेशियो सभी वर्षों में अधिक रहा?

उत्तर : ग्रामीण क्षेत्र का।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. ग्रामीण और शहरी हेड काउंट रेशियो की तुलना कीजिए।

उत्तर :
- प्रत्येक वर्ष ग्रामीण अनुपात अधिक रहा।
- शहरी अनुपात ग्रामीण अनुपात से कम रहा।
- दोनों क्षेत्रों में लगातार गिरावट आई।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. हेड काउंट रेशियो के आधार पर निर्धनता की स्थिति का मूल्यांकन कीजिए।

उत्तर :
- कुल निर्धनता अनुपात में निरंतर गिरावट दिखाई देती है।
- ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सुधार हुआ।
- ग्रामीण क्षेत्र अधिक प्रभावित रहा।
- 2011–12 तक कुल अनुपात 22 प्रतिशत रह गया।

क्षेत्रानुसार निर्धनों की संख्या

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. 2011–12 में ग्रामीण निर्धनों की संख्या कितने मिलियन थी?

(अ) 53 (ब) 76
(स) 217 (द) 270 **(स)**

रिक्तस्थान –

1. 2011–12 में संयुक्त निर्धनों की संख्या ..... थी।

उत्तर : 270 मिलियन

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. वर्ष 2011–12 में निर्धनों की संख्या बताइए।

उत्तर :
- ग्रामीण संख्या 217 मिलियन थी।
- शहरी संख्या 53 मिलियन थी।
- संयुक्त संख्या 270 मिलियन थी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. क्षेत्रानुसार निर्धनों की संख्या से प्राप्त निष्कर्ष लिखिए।

उत्तर :
- ग्रामीण निर्धनों की संख्या शहरी संख्या से अधिक रही।
- 2004–05 में संयुक्त संख्या थोड़ी बढ़ी।
- इसके बाद संयुक्त संख्या में गिरावट आई।
- 2011–12 में सभी क्षेत्रीय आँकड़े कम हुए।

निर्धनता के कारण

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारत में निर्धनता का ऐतिहासिक कारण क्या था?

(अ) आर्थिक विकास का निम्न स्तर
(ब) अत्यधिक औद्योगिक विकास
(स) निर्यात में तीव्र वृद्धि
(द) उच्च मजदूरी **(अ)**

2. आय असमानता का प्रमुख कारण क्या था?

(अ) समान भूमि वितरण
(ब) भूमि और संसाधनों का असमान वितरण
(स) अधिक निर्यात
(द) कम जनसंख्या **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. औपनिवेशिक सरकार ने पारंपरिक ..... को नष्ट किया।

उत्तर : हस्तशिल्प उद्योगों

2. धीमी आर्थिक विकास दर के कारण रोजगार के अवसर ..... गए।

उत्तर : घट

3. भूमि और संसाधनों का असमान वितरण आय ..... का कारण है।

उत्तर : असमानता

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. औपनिवेशिक नीतियों ने किस उद्योग के विकास को हतोत्साहित किया?

उत्तर : वस्त्र उद्योग।

2. भूमि सुधार प्रभावी क्यों नहीं हो सके?

उत्तर : राज्य सरकारों ने उन्हें प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया।

3. छोटे किसान ऋण क्यों लेते हैं?

उत्तर : बीज, उर्वरक और कीटनाशक जैसे कृषि आगत खरीदने के लिए।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. औपनिवेशिक शासन ने निर्धनता को कैसे बढ़ाया?

उत्तर :
- आर्थिक विकास का स्तर निम्न रहा।
- पारंपरिक हस्तशिल्प उद्योग नष्ट हो गये।
- वस्त्र उद्योग के विकास को हतोत्साहित किया गया।

2. आय असमानता निर्धनता को कैसे बढ़ाती है?

उत्तर :
- भूमि और संसाधनों का वितरण असमान है।
- भूमि सुधार प्रभावी ढंग से लागू नहीं हुए।
- निर्धनों को पर्याप्त परिसंपत्तियाँ नहीं मिल सकीं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. भारत में निर्धनता के ऐतिहासिक कारणों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- ब्रिटिश शासन में आर्थिक विकास का स्तर निम्न था।
- पारंपरिक हस्तशिल्प उद्योगों को नष्ट कर दिया गया।
- वस्त्र जैसे उद्योगों के विकास को रोका गया।
- धीमी विकास दर 1980 के दशक तक जारी रही।

Trick अंग्रेजों ने हस्तशिल्प और वस्त्र रोककर विकास धीमा किया

2. सामाजिक–सांस्कृतिक और आर्थिक कारणों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- लोग सामाजिक दायित्वों पर अधिक धन खर्च करते हैं।
- धार्मिक अनुष्ठानों पर भी बड़ी राशि खर्च होती है।
- छोटे किसानों को कृषि आगतों के लिए धन चाहिए।
- बचत के अभाव में ऋण लेने से ऋणग्रस्तता बढ़ती है।

Trick सामाजिक–धार्मिक खर्च और खेती ने ऋण बढ़ाया

निर्धनता–निरोधी उपाय

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निर्धनता उन्मूलन भारत की किसका प्रमुख उद्देश्य रहा है?

(अ) व्यापार नीति (ब) विकास रणनीति
(स) विदेश नीति (द) रक्षा नीति **(ब)**

2. आर्थिक संवृद्धि किसमें निवेश के लिए संसाधन उपलब्ध कराती है?

(अ) केवल व्यापार (ब) केवल रक्षा
(स) मानव विकास (द) केवल आयात **(स)**

रिक्तस्थान –

1. निर्धनता उन्मूलन भारत की ..... रणनीति का प्रमुख उद्देश्य है।

उत्तर : विकास

2. कृषि क्षेत्र में संवृद्धि अपेक्षा से बहुत ..... रही।

उत्तर : कम

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. कृषि की कम संवृद्धि का निर्धनों पर अधिक प्रभाव क्यों पड़ा?

उत्तर : क्योंकि बड़ी संख्या में निर्धन लोग गाँवों में रहते और कृषि पर निर्भर हैं।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. केवल आर्थिक संवृद्धि पर्याप्त क्यों नहीं है?

उत्तर :
- सभी निर्धन लोग अवसरों का प्रत्यक्ष लाभ नहीं उठा पाते।
- कृषि क्षेत्र की संवृद्धि अपेक्षा से कम रही।
- इसलिए लक्षित कार्यक्रम आवश्यक हैं।

2. आर्थिक संवृद्धि और शिक्षा का संबंध बताइए।

उत्तर :
- संवृद्धि से शिक्षा में निवेश के संसाधन मिलते हैं।
- बेहतर प्रतिफल की आशा बढ़ती है।
- माता–पिता लड़कियों सहित बच्चों को स्कूल भेजते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. आर्थिक संवृद्धि की सीमाएँ बताते हुए निर्धनता उन्मूलन के उपाय लिखिए।

उत्तर :
- संवृद्धि से बने अवसरों का लाभ हर निर्धन को नहीं मिलता।
- ग्रामीण और कृषि–आश्रित परिवार पीछे रह सकते हैं।
- आर्थिक संवृद्धि के साथ लक्षित योजनाएँ चलानी चाहिए।
- शिक्षा और मानव विकास में निवेश बढ़ाना चाहिए।

Trick अवसर से ग्रामीण पीछे रहे, इसलिए योजना और शिक्षा बढ़ाई

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. मनरेगा किस वर्ष लागू किया गया?

(अ) 2000 (ब) 2005
(स) 2010 (द) 2016 **(ब)**

2. मनरेगा में कितना रोजगार महिलाओं के लिए सुरक्षित है?

(अ) एक–चौथाई (ब) एक–तिहाई
(स) आधा (द) दो–तिहाई **(ब)**

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

रिक्तस्थान –

1. मनरेगा का पूरा नाम महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण ..... गारंटी अधिनियम है।

उत्तर : रोजगार

2. यह योजना ..... विकास में सहायता करती है।

उत्तर : सतत्

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मनरेगा किस प्रकार के कामगारों की मजदूरी दर संशोधित करता है?

उत्तर : अकुशल हस्त कामगारों की।

2. मनरेगा का पर्यावरण संबंधी एक उद्देश्य बताइए।

उत्तर : मृदा अपरदन जैसी समस्या को कम करना।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मनरेगा के प्रमुख उद्देश्य लिखिए।

उत्तर :
- ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुरक्षित करना।
- कम से कम 100 दिनों का रोजगार देना।
- सतत विकास में सहायता करना।

2. मनरेगा ग्रामीण निर्धनता कम करने में कैसे सहायक है?

उत्तर :
- ग्रामीण परिवारों को मजदूरी रोजगार मिलता है।
- आजीविका की सुरक्षा बढ़ती है।
- अनियमित आय की समस्या कम करने में सहायता मिलती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. मनरेगा आजीविका और सतत विकास में कैसे सहायक है?

उत्तर :
- यह ग्रामीण परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराता है।
- मजदूरी आय से आजीविका सुरक्षित होती है।
- योजना सूखा और वनोन्मूलन रोकने में सहायता करती है।
- मृदा संरक्षण से सतत विकास को बढ़ावा मिलता है।

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति अभियान

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. प्रधानमंत्री पोषण शक्ति अभियान का प्रमुख उद्देश्य क्या है?

(अ) औद्योगिक उत्पादन बढ़ाना
(ब) बच्चों की पोषण आवश्यकताओं में सुधार
(स) सड़क निर्माण
(द) कृषि निर्यात बढ़ाना **(ब)**

2. अभियान में किन पोषक तत्वों पर विशेष बल है?

(अ) कैलोरी और प्रोटीन
(ब) केवल वसा
(स) केवल जल
(द) केवल खनिज **(अ)**

3. यह अभियान किन कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए है?

(अ) कक्षा 1 से 5 (ब) कक्षा 1 से 8
(स) कक्षा 6 से 10 (द) कक्षा 9 से 12 **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. योजना बच्चों की कक्षागत गतिविधियों में ..... बढ़ाती है।

उत्तर : भागीदारी

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. प्रधानमंत्री पोषण शक्ति अभियान योजना कौन संचालित करता है?

उत्तर : इस योजना को केन्द्र सरकार और राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश सरकारें, स्थानीय निकायों, विद्यालय प्रबंधन समितियों तथा सामुदायिक संगठनों के सहयोग से संचालित होती है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. पीएम पोषण में किन संस्थानों के विद्यार्थी शामिल हैं?

उत्तर :
- सरकारी स्कूल।
- सरकार द्वारा सहायता–प्राप्त स्कूल।
- विशिष्ट प्रशिक्षण केंद्र।

2. पीएम पोषण के संचालन में समुदाय की भूमिका बताइए।

उत्तर :
- स्थानीय सरकारें योजना के संचालन में सहायता करती हैं।
- सामुदायिक संगठन सहयोग करते हैं।
- इनके संयुक्त प्रयास से बच्चों तक लाभ पहुँचता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. पीएम पोषण शिक्षा की स्थिति सुधारने में कैसे सहायक है?

उत्तर :
- यह अधिक बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराता है।
- स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति समाप्त करने का प्रयास करता है।
- निर्धन बच्चों को नियमित रूप से स्कूल आने के लिए प्रेरित करता है।
- कक्षागत गतिविधियों में उनकी भागीदारी बढ़ाता है।

पढ़ेंगे जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

Trick नाम लिखाओ, स्कूल न छोड़ो, नियमित आओ और भाग लो।

2. गरीब बच्चों के लिए पीएम पोषण का महत्त्व बताइए।

उत्तर :
- यह उनकी पोषण संबंधी कमी दूर करने में सहायता करता है।
- उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित करता है।
- उनकी कक्षा में भागीदारी बढ़ाता है।
- शिक्षा से जुड़े रहने की संभावना बढ़ती है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान की शुरुआत किस वर्ष हुई?

(अ) 2005 (ब) 2010
(स) 2016 (द) 2020 **(स)**

2. योजना का मुख्य लाभार्थी कौन है?

(अ) वृद्ध व्यक्ति (ब) गर्भवती महिलाएँ
(स) विद्यार्थी (द) किसान **(ब)**

3. योजना का उद्देश्य किस दर को कम करना है?

(अ) केवल बेरोजगारी दर
(ब) प्रसूति और शिशु मृत्युदर
(स) साक्षरता दर
(द) जन्मदर **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. इसकी सेवाएँ प्रत्येक महीने की ..... तारीख को प्रदान की जाती हैं।

उत्तर : नौ

2. कार्यक्रम में निजी ..... की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

उत्तर : चिकित्सकों

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. निजी चिकित्सकों को किसके साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाता है?

उत्तर : सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. योजना के अंतर्गत कौन–सी कमियाँ दूर की जाती हैं?

उत्तर :
- प्रसूति परिचर्या की कमियाँ।
- सुरक्षित प्रसव की बाधाएँ।
- नियमित और लगातार इलाज की कमी।

2. नियमित उपचार के लिए योजना में क्या व्यवस्था है?

उत्तर :
- लाभार्थियों को नियमित इलाज दिया जाता है।
- उपचार लगातार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है।
- प्रत्येक महीने की नौ तारीख को सेवाएँ मिलती हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान की सेवा–व्यवस्था स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- योजना पूरे देश में लागू की गई।
- लाभार्थियों को प्रसवकालीन स्वास्थ्य सेवाएँ दी जाती हैं।
- प्रत्येक महीने की 9 तारीख को गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क और गुणवत्ता पूर्ण प्रसवपूर्व जाँच सेवाएँ दी जाती है।
- सरकारी सुविधाओं के साथ निजी चिकित्सकों का सहयोग लिया जाता है।

Trick देश में प्रसव के लिए नौ तारीख को निजी डॉक्टर सहयोग देते हैं।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना किस वर्ष शुरू हुई?

(अ) 2005 (ब) 2010
(स) 2014 (द) 2016 **(द)**

2. उज्ज्वला योजना के अंतर्गत कौन–सा ईंधन दिया जाता है?

(अ) कोयला (ब) लकड़ी
(स) एल.पी.जी. (द) उपले **(स)**

3. योजना में निःशुल्क कनेक्शन के साथ क्या दिया जाता है?

(अ) केवल सिलेंडर (ब) केवल स्टोव
(स) प्रथम रिफिल और स्टोव
(द) केवल चूल्हा **(स)**

रिक्तस्थान –

1. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का उद्देश्य ..... रसोईघर बनाना है।

उत्तर : धुँआ–रहित

2. कनेक्शन घर की ..... के नाम पर जारी किए गए।

उत्तर : महिलाओं

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. पारंपरिक ईंधन के दो उदाहरण लिखिए।

उत्तर : कोयला और लकड़ी।

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. पारंपरिक ईंधनों से महिलाओं को क्या हानि होती है?

उत्तर :
- रसोईघर में धुँआ उत्पन्न होता है।
- साँस की बीमारियों का खतरा रहता है।
- दृष्टि कमजोर हो सकती है।

2. उज्ज्वला योजना के पर्यावरणीय लाभ लिखिए।

उत्तर :
- वनों की कटाई में कमी आती है।
- कोयला, उपले और लकड़ी का जलना कम होता है।
- कार्बन उत्सर्जन घटाने में सहायता मिलती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों और दी जाने वाली सुविधाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- बी.पी.एल. परिवार इसके लक्षित लाभार्थी हैं।
- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और वनवासी परिवार शामिल हैं।
- महिलाओं को निःशुल्क एल.पी.जी. कनेक्शन दिया जाता है।
- प्रथम रिफिल और स्टोव भी निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है।

Trick बीपीएल जाति की महिलाओं को गैस, रिफिल और स्टोव मुफ्त मिले

भावी चुनौतियाँ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निर्धनता में व्यापक असमानता कहाँ दिखाई देती है?

(अ) केवल गाँवों में (ब) केवल शहरों में
(स) ग्रामीण–शहरी क्षेत्रों और राज्यों में
(द) केवल विदेशों में **(अ)**

2. निर्धनता उन्मूलन में कौन सहायक होगा?

(अ) कम आर्थिक संवृद्धि
(ब) उच्च आर्थिक संवृद्धि
(स) शिक्षा में कमी
(द) महिलाओं की कम भागीदारी **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. सार्वभौमिक ..... पर बल देने से निर्धनता कम हो सकती है।

उत्तर : शिक्षा

2. निर्धनता की अवधारणा का विस्तार ..... निर्धनता तक किया जाना चाहिए।

उत्तर : मानव

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मानव निर्धनता में आय के अतिरिक्त किन बातों पर विचार होता है?

उत्तर : शिक्षा, आवास, स्वास्थ्य, रोजगार सुरक्षा और भेदभाव से मुक्ति।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भविष्य में निर्धनता उन्मूलन किन कारणों से संभव हो सकता है?

उत्तर :
- उच्च आर्थिक संवृद्धि।
- सार्वभौमिक शिक्षा पर बल।
- महिलाओं और कमजोर वर्गों का सशक्तीकरण।

2. बहुआयामी निर्धनता में कमी के पीछे क्या कारण बताया गया है?

उत्तर :
- सरकार द्वारा विभिन्न उपाय शुरू किए गए।
- जीवन की अनेक सुविधाओं तक पहुँच सुधरी।
- राष्ट्रीय बहुआयामी निर्धनता अनुपात कम हुआ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. आय आधारित निर्धनता और मानव निर्धनता में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- आय आधारित निर्धनता न्यूनतम जीवन निर्वाह पर केंद्रित है।
- यह निर्धनता के सीमित पहलू को दर्शाती है।
- मानव निर्धनता में शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रोजगार सुरक्षा शामिल हैं।
- इसमें आत्मविश्वास तथा भेदभाव से मुक्ति को भी महत्त्व दिया जाता है।

Trick आय सीमित है, पर सुविधाएँ और सम्मान भी जरूरी हैं।

2. निर्धनता के बदलते स्वरूप पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर :
- विकास के साथ निर्धनता की परिभाषा भी बदलती है।
- केवल आय की कमी अब पर्याप्त आधार नहीं मानी जाती।
- अनेक सामाजिक और मानवीय वंचनाएँ भी शामिल की जाती हैं।
- बहुआयामी सूचकांक निर्धनता के विस्तृत स्वरूप को दर्शाता है।

4 खाद्य सुरक्षा का अर्थ

खाद्य सुरक्षा का अर्थ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. खाद्य सुरक्षा का सही अर्थ क्या है?
(अ) केवल खाद्यान्न का उत्पादन बढ़ाना
(ब) सभी लोगों को सदैव भोजन की उपलब्धता, पहुँच और उसे प्राप्त करने की सामर्थ्य होना
(स) केवल गरीबों को निःशुल्क भोजन देना
(द) केवल सरकारी गोदामों में अनाज रखना **(ब)**

2. वर्ष 1970 के दशक में खाद्य सुरक्षा का प्रमुख अर्थ क्या था?
(अ) खाद्य पदार्थों की कम कीमत
(ब) आधारभूत खाद्य पदार्थों की सदैव पर्याप्त उपलब्धता
(स) निर्धनता का पूर्ण उन्मूलन
(द) सभी लोगों को रोजगार **(ब)**

3. खाद्य सुरक्षा में 'हकदारियों' के आधार पर खाद्य तक पहुँच पर किसने जोर दिया?
(अ) इंदिरा गांधी (ब) अमर्त्य सेन
(स) भारतीय खाद्य निगम
(द) राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. जीवन के लिए भोजन उतना ही आवश्यक है, जितना साँस लेने के लिए .....।

उत्तर : वायु

2. खाद्य सुरक्षा सक्रिय और ..... जीवन के लिए आवश्यक है।

उत्तर : स्वस्थ

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. खाद्य सुरक्षा क्या है?

उत्तर : सभी लोगों के लिए सदैव भोजन की उपलब्धता, पहुँच और उसे प्राप्त करने की सामर्थ्य खाद्य सुरक्षा कहलाती है।

2. खाद्य सुरक्षा केवल भोजन की उपलब्धता तक सीमित क्यों नहीं है?

उत्तर : क्योंकि लोगों के पास भोजन तक पहुँच और उसे खरीदने की सामर्थ्य भी होनी चाहिए।

3. हकदारियों से क्या अभिप्राय है?

उत्तर : राज्य या समाज से मिलने वाली पूर्तियों तथा व्यक्ति द्वारा उत्पादित या बाजार में विनिमय की जा सकने वाली वस्तुओं से हकदारियों का अभिप्राय है।

4. खाद्य सुरक्षा किन स्तरों पर आवश्यक है?

उत्तर : व्यक्तिगत, पारिवारिक, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. खाद्य सुरक्षा के अर्थ में समय के साथ क्या परिवर्तन आया?

उत्तर :
- प्रारंभ में खाद्य सुरक्षा का अर्थ पर्याप्त खाद्य उपलब्धता था।
- बाद में खाद्य तक पहुँच को महत्त्व दिया गया।
- अमर्त्य सेन ने हकदारियों की अवधारणा जोड़ी।
- आर्थिक पहुँच को भी आवश्यक माना गया।
- अब सुरक्षित और पौष्टिक भोजन को भी खाद्य सुरक्षा में शामिल किया जाता है।

2. खाद्य सुरक्षा और स्वस्थ जीवन के बीच क्या संबंध है?

उत्तर :
- पर्याप्त भोजन शरीर को ऊर्जा देता है।
- पौष्टिक भोजन स्वास्थ्य बनाए रखता है।
- सुरक्षित भोजन बीमारियों से बचाता है।
- नियमित भोजन सक्रिय जीवन में सहायक है।
- भोजन की कमी से कमजोरी और रोग बढ़ते हैं।

Trick **पर्याप्त भोजन से ऊर्जा, पौष्टिक से स्वास्थ्य, सुरक्षित से बचाव, नियमित से सक्रियता और कमी से कमजोरी**

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. खाद्य सुरक्षा के आधुनिक अर्थ को समझाइए।

उत्तर : 1. प्रारंभिक अर्थ में आधारभूत खाद्य पदार्थों की पर्याप्त उपलब्धता पर बल था।
2. अमर्त्य सेन ने खाद्य तक पहुँच और हकदारियों को महत्त्व दिया।

मिशन ज्ञान
जहाँ चाहें, जहाँ चाहें, जब चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

3. आधुनिक अर्थ में भौतिक और आर्थिक पहुँच दोनों शामिल हैं।
4. भोजन पर्याप्त, सुरक्षित और पौष्टिक होना चाहिए।
5. खाद्य प्राप्ति निरंतर और बिना बाधा के होनी चाहिए।
6. निर्धनता का उन्मूलन खाद्य तक पहुँच बढ़ाने के लिए आवश्यक माना गया।

Trick उपलब्धता से शुरुआत, अमर्त्य ने पहुँच बताई; आधुनिक भोजन सुरक्षित–पौष्टिक हो, निरंतर मिले और निर्धनता मिटाई जाए।

3. खाद्य सुरक्षा में सरकार की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 1. सरकार खाद्यान्न उत्पादन को प्रोत्साहित करती है।
2. किसानों से खाद्यान्न खरीदकर भंडार बनाती है।
3. सार्वजनिक वितरण प्रणाली से गरीबों को सस्ता अनाज देती है।
4. संकट के समय खाद्यान्न का वितरण करती है।
5. खाद्य सुरक्षा संबंधी योजनाएँ संचालित करती है।
6. शासकीय सतर्कता के माध्यम से खाद्य उपलब्धता बनाए रखती है।

खाद्य सुरक्षा के आयाम

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. खाद्य सुरक्षा के कितने प्रमुख आयाम बताए गए हैं?
(अ) दो (ब) तीन
(स) चार (द) पाँच **(ब)**

2. खाद्य उत्पादन, आयात और सरकारी भंडार किस आयाम से संबंधित हैं?
(अ) सामर्थ्य (ब) पहुँच
(स) उपलब्धता (द) गुणवत्ता **(स)**

3. खाद्य प्रत्येक व्यक्ति को मिलता रहे, यह किस आयाम का अर्थ है?
(अ) पहुँच (ब) सामर्थ्य
(स) भंडारण (द) उत्पादन **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. खाद्य सुरक्षा के सभी आयाम एक–दूसरे से ..... हैं।
उत्तर : संबंधित

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. खाद्य उपलब्धता का क्या अर्थ है?
उत्तर : देश में खाद्य उत्पादन, आयात और सरकारी भंडारों में संचित खाद्य का उपलब्ध होना।

2. खाद्य पहुँच से क्या अभिप्राय है?
उत्तर : खाद्य प्रत्येक व्यक्ति को निरंतर मिलता रहे।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. खाद्य सुरक्षा में आर्थिक सामर्थ्य का क्या महत्त्व है?
उत्तर :
- बाजार में भोजन उपलब्ध होने पर भी धन की आवश्यकता होती है।
- कम आय वाले लोग पर्याप्त भोजन नहीं खरीद पाते।
- आर्थिक सामर्थ्य पौष्टिक भोजन खरीदने में सहायता करती है।
- सामर्थ्य की कमी खाद्य असुरक्षा उत्पन्न करती है।
- निर्धनता खाद्य तक पहुँच की प्रमुख बाधा है।

2. किसी देश में खाद्य सुरक्षा कब सुनिश्चित होती है?
उत्तर :
- पर्याप्त मात्रा में खाद्य उपलब्ध हो।
- प्रत्येक व्यक्ति तक खाद्य पहुँचता हो।
- सभी लोगों के पास भोजन खरीदने की क्षमता हो।
- खाद्य की गुणवत्ता स्वीकार्य हो।
- उपलब्धता में कोई बाधा न हो।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. उदाहरण सहित समझाइए कि खाद्य उपलब्ध होने के बावजूद खाद्य असुरक्षा कैसे हो सकती है।
उत्तर : 1. बाजार में पर्याप्त खाद्य उपलब्ध हो सकता है।
2. खाद्य की कीमतें बहुत अधिक हो सकती हैं।
3. निर्धन लोगों के पास भोजन खरीदने के लिए धन नहीं होता।
4. वितरण व्यवस्था कमजोर होने से खाद्य सभी क्षेत्रों तक नहीं पहुँचता।
5. इस स्थिति में उपलब्धता होने पर भी पहुँच और सामर्थ्य का अभाव रहता है।
6. इसलिए लोग खाद्य असुरक्षा से प्रभावित हो सकते हैं।

Trick उपलब्धता → महँगी कीमत → धन का अभाव → कमजोर वितरण → पहुँच–सामर्थ्य का अभाव → खाद्य असुरक्षा

2. खाद्य सुरक्षा के आयामों में किसी एक की कमी के प्रभावों का वर्णन कीजिए।
उत्तर : 1. उपलब्धता की कमी से खाद्यान्न अभाव उत्पन्न होता है।
2. पहुँच की कमी से खाद्य सभी लोगों तक नहीं पहुँचता।
3. सामर्थ्य की कमी से लोग भोजन नहीं खरीद पाते।

4. इससे भूख और कुपोषण बढ़ता है।
5. कमजोर वर्ग सबसे पहले प्रभावित होते हैं।
6. लंबे समय में भुखमरी और रोगों का खतरा बढ़ जाता है।

Trick उपलब्ध नहीं, पहुँच नहीं, पैसा नहीं – भूख बढ़ी, कमजोर फँसे, रोग चढ़े।

3. खाद्य सुरक्षा के आयामों के आधार पर एक सुरक्षित खाद्य व्यवस्था की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर : 1. देश में पर्याप्त खाद्य उत्पादन होना चाहिए।
2. आवश्यकता पड़ने पर खाद्य आयात होना चाहिए।
3. सरकारी भंडारों में पर्याप्त स्टॉक होना चाहिए।
4. प्रभावी वितरण व्यवस्था से खाद्य सभी तक पहुँचना चाहिए।
5. खाद्य की कीमतें लोगों की सामर्थ्य के अनुरूप होनी चाहिए।
6. खाद्य सुरक्षित, पौष्टिक और स्वीकार्य गुणवत्ता का होना चाहिए।

खाद्य की उपलब्धता

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. पिछले वर्षों का संचित खाद्यान्न कहाँ रखा जाता है?
(अ) निजी दुकानों में
(ब) सरकारी अनाज भंडारों में
(स) विद्यालयों में
(द) खेतों में **(ब)**

2. खाद्य की उपलब्धता में कौन–सा तत्त्व शामिल नहीं है?
(अ) खाद्य उत्पादन (ब) खाद्य आयात
(स) सरकारी स्टॉक (द) व्यक्ति की मजदूरी **(द)**

3. प्राकृतिक आपदा से खाद्य उपलब्धता क्यों घटती है?
(अ) खाद्य की माँग घट जाती है
(ब) खाद्यान्न की उपज में गिरावट आती है
(स) मजदूरी बढ़ जाती है
(द) राशन कार्ड समाप्त हो जाते हैं **(ब)**

4. किसी देश में पर्याप्त खाद्य उपलब्धता के लिए क्या आवश्यक है?
(अ) केवल आयात
(ब) उत्पादन, आयात और सुरक्षित भंडारण
(स) केवल राशन की दुकानें
(द) केवल कम कीमतें **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. खाद्य उपलब्धता का संबंध देश में खाद्य ..... से है।
उत्तर : उत्पादन

2. आवश्यकता पड़ने पर दूसरे देशों से खाद्य मँगाना खाद्य ... . कहलाता है।
उत्तर : आयात

3. खाद्य की कमी होने पर उसकी ..... बढ़ सकती हैं।
उत्तर : कीमतें

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. सरकारी खाद्य भंडार का क्या महत्त्व है?
उत्तर : संकट या कमी के समय खाद्यान्न उपलब्ध कराने में सहायता करता है।

2. सूखा खाद्य उपलब्धता को कैसे प्रभावित करता है?
उत्तर : सूखा खाद्यान्न की उपज घटाकर खाद्य की कमी उत्पन्न करता है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. खाद्य उपलब्धता के मुख्य स्रोत कौन–कौन से हैं?
उत्तर :
- देश में खाद्य उत्पादन।
- दूसरे देशों से खाद्य आयात।
- सरकारी भंडारों में संचित पिछला स्टॉक।
- इन तीनों से कुल खाद्य उपलब्धता बनती है।

2. खाद्य उत्पादन और खाद्य उपलब्धता में क्या संबंध है?
उत्तर :
- अधिक उत्पादन से खाद्य की कुल मात्रा बढ़ती है।
- कम उत्पादन से खाद्य की कमी हो सकती है।
- उत्पादन देश की आत्मनिर्भरता बढ़ाता है।
- उत्पादन में गिरावट आयात की आवश्यकता बढ़ा सकती है।
- स्थिर उत्पादन खाद्य सुरक्षा को मजबूत करता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. खाद्य उपलब्धता में कमी के कारणों और परिणामों का वर्णन कीजिए।
उत्तर : 1. सूखा, बाढ़ और फसल खराब होने से खाद्य उत्पादन घट सकता है।
2. महामारी से आर्थिक गतिविधियाँ और वस्तुओं की आवाजाही प्रभावित हो सकती है।
3. उत्पादन घटने से प्रभावित क्षेत्र में खाद्य की कमी होती है।
4. खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ जाती हैं।
5. गरीब लोग ऊँची कीमत पर भोजन नहीं खरीद पाते।
6. लंबे समय तक कमी रहने से भुखमरी और अकाल हो सकता है।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें सीखें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

Trick

आपदा → महामारी → उत्पादन में कमी → कीमतों में वृद्धि → गरीब प्रभावित → भुखमरी/अकाल

2. किसी आपदा के समय खाद्य उपलब्धता की रक्षा के उपायों का वर्णन कीजिए।

उत्तर : 1. सरकारी भंडारों से खाद्यान्न जारी किया जाए।
2. कमी वाले क्षेत्रों में शीघ्र अनाज पहुँचाया जाए।
3. गरीबों को कम कीमत पर खाद्य दिया जाए।
4. सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सक्रिय किया जाए।
5. वस्तुओं की आवाजाही में बाधाएँ दूर की जाएँ।
6. खाद्य की जमाखोरी और अनावश्यक मूल्य वृद्धि पर नियंत्रण रखा जाए।

Trick

भंडार → पहुँच → सस्ता खाद्य → च्वै → बाधाएँ दूर → जमाखोरी नियंत्रण

खाद्य की पहुँच

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. खाद्य की पहुँच का अर्थ क्या है?
(अ) देश में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ना
(ब) खाद्य प्रत्येक व्यक्ति को मिलता रहे
(स) खाद्य का निर्यात होना
(द) अनाज गोदाम में रखा रहना **(ब)**

2. खाद्य उपलब्ध होने के बावजूद किसी व्यक्ति की खाद्य तक पहुँच मुख्य रूप से किस कारण बाधित हो सकती है?
(अ) पर्याप्त आय का अभाव
(ब) खाद्यान्न का अधिक उत्पादन
(स) सरकारी भंडार में वृद्धि
(द) परिवहन सुविधाओं में सुधार **(अ)**

3. खाद्य तक पहुँच बढ़ाने के लिए किसका उन्मूलन आवश्यक माना गया है?
(अ) आयात (ब) निर्धनता
(स) कृषि (द) भंडारण **(ब)**

4. खाद्य की भौतिक पहुँच का संबंध किससे है?
(अ) खाद्य का व्यक्ति तक पहुँचना
(ब) व्यक्ति की शिक्षा
(स) खेती की भूमि
(द) खाद्य की गुणवत्ता **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. सार्वजनिक वितरण प्रणाली गरीबों तक ..... पहुँचाती है।

उत्तर : खाद्यान्न

2. खाद्य तक पहुँच भौतिक और ..... दोनों प्रकार की होती है।

उत्तर : आर्थिक

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. निर्धनता खाद्य पहुँच को कैसे प्रभावित करती है?

उत्तर : निर्धनता के कारण लोग उपलब्ध खाद्य भी नहीं खरीद पाते।

2. आपदा के समय खाद्य पहुँच क्यों घट जाती है?

उत्तर : उत्पादन, वितरण और वस्तुओं की आवाजाही प्रभावित होने के कारण।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. खाद्य पहुँच का महत्त्व समझाइए।

उत्तर :
- खाद्य उपलब्ध होने के बाद उसका लोगों तक पहुँचना आवश्यक है।
- पहुँच के बिना उपलब्ध खाद्य का लाभ नहीं मिलता।
- प्रभावी वितरण से गरीबों को भोजन मिलता है।
- पहुँच भूख और कुपोषण को कम करती है।
- यह खाद्य सुरक्षा का आवश्यक आयाम है।

2. खाद्य की भौतिक और आर्थिक पहुँच में अंतर बताइए।

उत्तर :
- भौतिक पहुँच का अर्थ खाद्य का व्यक्ति तक पहुँचना है।
- आर्थिक पहुँच का अर्थ खाद्य खरीदने की क्षमता है।
- राशन दुकान भौतिक पहुँच बढ़ाती है।
- कम कीमत आर्थिक पहुँच बढ़ाती है।
- खाद्य सुरक्षा के लिए दोनों आवश्यक हैं।

3. खाद्य वितरण व्यवस्था खाद्य पहुँच को कैसे प्रभावित करती है?

उत्तर :
- अच्छी व्यवस्था से खाद्यान्न सभी क्षेत्रों तक पहुँचता है।
- राशन दुकानें गरीबों को सस्ता अनाज देती हैं।
- कमजोर वितरण से खाद्य उपलब्ध होकर भी लोगों तक नहीं पहुँचता।
- दूरस्थ क्षेत्रों में पहुँच अधिक कठिन हो सकती है।
- प्रभावी वितरण खाद्य सुरक्षा को मजबूत करता है।

Trick

अच्छी व्यवस्था → राशन दुकान → कमजोर वितरण → दूरस्थ कठिनाई → खाद्य सुरक्षा मजबूत

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. खाद्य पहुँच में आने वाली प्रमुख बाधाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर : 1. निर्धनता और कम आय।
2. अनियमित रोजगार।
3. खाद्य पदार्थों की ऊँची कीमतें।
4. कमजोर वितरण व्यवस्था।
5. प्राकृतिक आपदाएँ और महामारी।
6. दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों में परिवहन की कठिनाई।

2. खाद्य पहुँच बढ़ाने के उपायों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर : 1. सार्वजनिक वितरण प्रणाली को प्रभावी बनाया जाए।
2. राशन दुकानें नियमित रूप से खोली जाएँ।
3. गरीबों को कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण अनाज दिया जाए।
4. रोजगार कार्यक्रमों से लोगों की आय बढ़ाई जाए।
5. दूरस्थ क्षेत्रों में खाद्य वितरण मजबूत किया जाए।
6. आपदा के समय तुरंत राहत और खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए।

Trick
प्रभावी वितरण → राशन दुकान → अनाज → रोजगार → दूरस्थ क्षेत्र → आपदा राहत

खाद्य खरीदने की सामर्थ्य

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. खाद्य खरीदने की सामर्थ्य का अर्थ क्या है?
(अ) खाद्य का उत्पादन करना
(ब) पर्याप्त और पौष्टिक भोजन खरीदने के लिए धन होना
(स) खाद्य का भंडारण करना
(द) खाद्य का आयात करना **(ब)**

2. खाद्य सामर्थ्य सबसे अधिक किससे प्रभावित होती है?
(अ) व्यक्ति की आय (ब) मौसम
(स) अनाज का रंग (द) गोदामों की संख्या **(अ)**

3. ऊँची खाद्य कीमतों से कौन सबसे अधिक प्रभावित होता है?
(अ) अधिक आय वाले लोग
(ब) निर्धन परिवार
(स) बड़े किसान
(द) सरकारी अधिकारी **(ब)**

4. रोजगार कार्यक्रम खाद्य सामर्थ्य कैसे बढ़ाते हैं?
(अ) अनाज का निर्यात बढ़ाकर
(ब) गरीबों की आय बढ़ाकर
(स) राशन कार्ड समाप्त करके
(द) खाद्य कीमतें बढ़ाकर **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. खाद्य पदार्थों की कीमत बढ़ने से लोगों की ..... क्षमता घटती है।

उत्तर : क्रय

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. खाद्य सामर्थ्य का मुख्य आधार क्या है?

उत्तर : व्यक्ति या परिवार की आय।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. खाद्य कीमतों और सामर्थ्य के बीच संबंध समझाइए।

उत्तर :
- कीमत बढ़ने पर भोजन खरीदना महँगा होता है।
- कम आय वाले लोग कम मात्रा में भोजन खरीदते हैं।
- पौष्टिक भोजन का उपभोग घट सकता है।
- परिवार भूख और कुपोषण से प्रभावित हो सकता है।
- कम कीमत वाली राशन व्यवस्था सामर्थ्य बढ़ाती है।

3. राशन कार्ड खाद्य सामर्थ्य बढ़ाने में कैसे सहायता करता है?

उत्तर :
- राशन कार्ड से कम कीमत पर खाद्यान्न मिलता है।
- बाजार मूल्य की तुलना में खर्च कम होता है।
- परिवार को निश्चित मात्रा में अनाज मिलता है।
- कम आय में भी भोजन की आवश्यकता पूरी होती है।
- गरीब परिवारों की खाद्य सुरक्षा बढ़ती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. अहमद की स्थिति खाद्य सामर्थ्य के किस पक्ष को स्पष्ट करती है?

उत्तर : 1. अहमद की रिक्शा चलाने से होने वाली आय नियमित नहीं है।
2. उसका बड़ा परिवार उसकी दैनिक आय पर निर्भर है।
3. कई दिनों में उसकी आय केवल दैनिक आवश्यकताएँ पूरी करती है।
4. बी.पी.एल. कार्ड से उसे कम कीमत पर खाद्यान्न मिलता है।
5. इससे सीमित आय में परिवार का पालन–पोषण संभव होता है।
6. यह सार्वजनिक वितरण प्रणाली द्वारा सामर्थ्य बढ़ाने का उदाहरण है।

2. खाद्य सामर्थ्य बढ़ाने के सरकारी उपायों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर : 1. गरीबों को राशन दुकानों से कम कीमत पर अनाज देना।
2. बी.पी.एल. और अंत्योदय परिवारों को विशेष लाभ देना।
3. रोजगार कार्यक्रमों द्वारा आय बढ़ाना।
4. काम के बदले अनाज उपलब्ध कराना।
5. दोपहर भोजन और बाल विकास योजनाएँ चलाना।
6. संकट के समय बफर स्टॉक से सस्ता अनाज वितरित करना।

मिशन ज्ञान जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!